र्जिस्दो सं० डो०---(डीएन)---73



# Had an Univa The Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 24]

नई बिल्ली, शनिवार, जून 13, 1987 (ज्येष्ठ 23, 1909)

No. 24)

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 13, 1987 (JYAISTHA 23, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग III-खण्ड 1

## [PART III—SECTION 1]

उन्द न्यायालयों, िथन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विमाग और भारत सरका र के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Arditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोकं मेवा श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1987

सं० ए० 19014/7/82-प्रणा०-1-केन्द्र में उनका कार्यकाल पूरा हो जाने के परिणामस्वरूप श्री ए० के० बजाज (ग्राई० ग्राई० एस०) उप सचिव को दिनांक 31-3-87 (ग्रपराह्म) से संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय के कार्याभार मे मुक्त किया जाता है।

2. श्री ए० जे० बनाज को दिनां हा 1-4-87 से 6-4-87 तक लिया 6-7-87 से 17-7-87 तक (4, 5, 18, ग्राँर 19 जुलाई, 1987 को पड़ने वाली छुट्टिया उनके ग्रवाण में जोड़ते हुए) ग्राजित अवकाण प्रवान किया गया है तथा 7-4-87 से 3-7-87 तह की अवधि के दारान श्री ए० जे० बनाज का लम्बो योजना के श्रन्तंगत स्ट्रैथलींड बिजिनेस स्कूल, ग्लाम्गो, यू० के० में वित्तिय योजना तथा केन्द्रीय ग्रांग स्थानीय शामन में प्रबन्ध पर विदेश में प्रशिक्षण/ पाठयक्रम पर रहेंगे।

मूल विभाग प्रथित पूर्ति एव निषटान महानिवेशालय, संसद मार्ग, नई दिल्ली में स्टार्ट करें।

> एम० पी० जैन, श्रवर सचिव (का० प्रणा०)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, ो० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांश 18 मई 1987

मं० थ्रों वो०-2/85-प्रणा०-3-सेवा के वार्धक्य निवर्तन के फलस्वरूप श्री मोहन सिंह, लेखा परीक्षा ग्रीधकारी (उत्तरीजोन) के० रि० पु० बल को 30-4-87 (ग्रपराह्न) से लेखा श्रिधकारी के पद की सेवा से कार्यमुक्त किया गया

ह**् अ**पठन*ेश* उप निदेश र (**प्रगा**यन)

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1987

मं 1-म्रो० दो० 2032/85-एथापना-1--राष्ट्रपनि

भी कें प्रारं स्पीत (इंस्पेक्टर) जो वर्तमान समय में

(4861)

केन्द्रीय श्रीशोगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति पर है को दिनांक 28-3-1986 में पुलिस उप श्रिधक्षक पद पर के० रि० पु० बल में प्रोकानी पदोन्नित की स्वीकृति सहर्षे करते हैं।

> श्रशोत राज महापतिः सहायक निदेशक (स्थापना)

#### महानिदेशालय

केन्द्रीय र्ग्राद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनां रू 14 मई 1987

सं० ई-16013(2)/4/83-क्रामिक-1—मूल काइट.
में प्रत्यावर्तन होने पर, श्री बी० बालाचन्द्रन भा० पु०
से० (त० ना० 76) ते दिनाक 4 मई, 1987 के श्रपराह्मन
में सहातक महानिरीक्षक, दक्षिण क्षेत्र, मद्रास के पद का
कार्यभार छोड़ दिला है।

मूल काडर में प्रतायर्तन होने पर, श्री पी० एल० विश्वनाथन, भा०पु० ने० (त० ना० एम०पी० एस०) ने 7 मई 1987 के अपराह्म से ज्याडेट, के श्री सुब यूनिट, एम०पी० टी० मद्रास के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> ह० ग्रपठनीय महानिदेशकिक श्रीसुब

## भारा के महारिजय्द्रार का कार्यालय नई दिल्ली--110011, दिनांक 21 मई 1987

सं० 7/3/86-प्रणा०-I--विभागीय प्रोन्नित समिति की मिफारिण पर प्रीर मंघ लो ह मेवा प्रायोग से परामण करने के पण्चान राष्ट्रपि डा० के० पी० इट्टामन, जो कि इस समय भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यलय में वरिष्ठ प्रनुसंधान श्रिधकारी (सामाजिक श्रध्ययन) केपद पर स्थाना-पन्न रूप से आर्य कर रहे हैं, को तारीख 14-4-85 से उमी पद पर स्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं।

वी० एस० वर्मा, भारत के महारजिस्दार

वित्त मंत्रालय

अधिक कार्य विभाग

बैक नोट भद्रणालय

देवास, दिनां 6 19 मई 1987

नस्ती ऋ० बी एन पी /शी/5/87-र्श्वा केशव एस० बक्क्षी, श्रनुभागीय अधिकारी (लेखा) को "लेखा श्रधिकारी" के पद पर पुर्नेरीक्षित वेतनभान रुपये 2375-75-3200-दर्श-100-3500(समूह ''न्न" राजपित्तिण) में बैक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में दिसांक 12-5-87

(पूर्वाह्म) से अन्य आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियमन किया जाता है।

> मु० यै० चार, महाप्रबन्धक

महालेखाकार लेखा।रीक्षा का कायलिय हैदराबाद-500463, दिनांक 18 मई 1987

सं० प्रशा० I/पदो०/8-132/87-88/डी० पी० से०
31--निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा श्रधिकारियों को
स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रधिकारियों के रूप में 2375-753200ई० बी०-100-3500 वेतनमान में उनके कार्यभार
ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी श्रगले श्रादेशों तक पदोन्नति
दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए श्रादेश उनके
बरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई
हो, श्रीर श्रान्न्नप्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतन न्यायालय
में लंबित रिट याचिकाश्रों के परिणामों के श्रधीन माने
जाएगें।

उन्हें चाहिए कि वे श्रपना विकल्प भारत सरकार का० ज्ञा० सं० एफ |7/1/80-स्थापना पी० टी० 1, दिनांक 26-9-81 की शर्तों के श्रनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के श्रंदर दें।

नाम	पद ग्रहण करने की तारीख
1. श्रार० सम्पत कुमारन	1-5-87 एफ० न०

#### दिनांक 19 मई 1987

सं० प्रणा० I/पदो०/8-132/87-88/33--- निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा श्रिधकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रिधकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रिधकारियों के रूप में 2375-75-3200-ई बी-100-3500 रु० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी श्रगले श्रादेशों तक पदोन्नित दी जाती है। पद्रोन्नित के लिए दिए गये श्रादेश उनके वरिष्टों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, श्रांर श्रान्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चनम न्यायालय में लिवत रिट याचिकाश्रों के परिणामों के श्रधंन माने जाएगें।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का०  $\pi$ 10 एक/7/1/80—स्थापना पी० टी० 1, दिनांक

26	-9-1	81 की	शती	के	भ्रन्	सार	पदोन्नति	की	तारीख
से	更新	महीने	कें ः	प्रदर	दे	1			

पव ग्रहण की
नारीख
18-5-87 पूर्वाह्म
15-5-87 श्रपराह्न

ह० श्रपठनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा तथा <sup>३,</sup>धिंकरण) श्रीनगर, दिनांक 5 मई 1987

सं प्रशा र [ (ए.० तथा है) 60(19) 1/87-88/401—
महालेखाकार महोदय निम्निलिखित श्रनुभाग श्रिधिकारियों को
स्थानापन्न धारिता में प्रत्येक के साथ, वर्णित तिथियो से
अगले श्रादेणों तक वेतनमान (2375-75-3200-३० रो०
100-3500 रु० में लेखा श्रिधिकारियों के पद पर सहपं
नियुक्त करते हैं:--

	<del></del> नाम	निधि
सर्वश्री	<u> </u>	
		पू० ग्रा०
1. सेवा जी० कौल		21-4-1987
2. शिबन लाल भा	न	21-4-1987

उनकी परस्पर वरिष्ठता उपर वर्णित ऋम के भ्रनुसार ही रहेगी।

> समीर बनर्जी, उप महालेखाकार (लेखा तथा अधिकरण)

महालेखाकार (ले० प०) का कार्यालय बम्बई-400020, दिनांक 4 मई 1987

सं प्रशापन 1/ले प०/पामान्य/ले प० प्रा०/1(1)/35— महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारियों को उनके नामों के स्पक्ष लिखि गई तिथियों से प्रभावी, पुनः ग्रादेश जारी होने तक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है।

क्र सं० नाम	ले० प० घ्र० पद पर नियुक्ति की तिथि
(1) (2)	(3)
(1) श्री बी० एन० बायवार (2) श्री एम० जे० कवि	16-2-1987 प्वीस्त 2-3-1987 ,,

(1) (2)	(3)
(3) श्री डी० एस० रांगणेकर	2-3-1987 पूर्वी <b>ह्न</b>
(4) श्री एन० व्हीं० गोडबोले	30-3-1987 ,,
(5) श्री सय्यद मनसूर भ्रली	17-3-1987 ,,
(6) श्रो वी० श्रीनिवापन	14-4-1987 ,,
(7) श्री एस० बी० चिटणीस	14-4-1987 ,,
	=====================================

ह० भ्रपटनं≀य

वरि० उपमहालेखाकार (प्रणासन)

## महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) का कार्यालय भुवनेश्वर, दिनांक 18 मई 1987

सं० आ० नं०-10-- उड़ीना के महालेखाकार (लेखा एवं श्रिधिकार) ने हुएँ के साथ भारतीय "लेखा तथा लेखा परीक्षा विभागीय" प्रणाः निक श्रिधिकारी, लेखा श्रिधिकारी श्रीर लेखा परीक्षा श्रिधिकारी नियुक्ति नियमावली 1969 के अनुशर इस कार्यालय के अनुभाग श्रिधिकारी श्री वी० भि० आर० पटनायक को वेतनमान 2375-75-3200-३० रो० 100-3500 पर दिनांक 1-5-87 (पूर्वाह्म) मे श्रगली आदेण तक लेखा श्रिधिकारी के पद पर स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया है। यह पदोन्नित अस्थाई तौर पर है श्रीर उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन मामलों के श्रन्तिम निर्णय के शर्त पर है श्रीर उनके वरिष्ठ कर्मचारियो के दावों को पक्षपात किये विना है।

ह्र० श्रपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन्)

## श्रम एवं प्नर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग

(श्रम ब्यूरा)

शिमला-171004, दिनांक 5 जून 1987

संख्या 5/1/87-सी.पी.आई—अप्रैल, 1987 में अधिरिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960 = 100) मार्च, 1987 के स्तर 686 से पांच अंक बढ़ कर 691 (छ: सौ इक्यानब) रहा। अप्रैल, 1987 माह का सचकांक आधार वर्ष 1949 = 100 पर परिवर्तित किए जाने पर 840 (आठ सौ चालीस) आता है।

बलराम संयुक्त निवंशक

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, म्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 11 म<sup>ई</sup> 1987 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

#### (स्थापना)

सं० 6/1609/86-प्रणाक्षन (राज०)/2492- संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात का कार्यालय (केन्द्रीय लाइसें १ क्षेत्र), नई दिल्ली के कार्यालयमें श्री बी० के० वत्म, नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात मेवा निवृत्ति की श्रायु पूरी कर लेने पर 28 फरवरी, 1987 के श्रपराह्म से सरकारी मेवा में निवृत्त हो गए हैं।

> शंकर चन्द, उप मुख्य नियंद्रक, कृते मुख्य नियंद्रक-प्रायात-निर्यात

#### वस्त्र मंत्रालय

हथकरघा विकास श्रायुक्त का कार्यालय नई टिल्ली, दिनांक 18 मई 1987

सं० ए० 32013/1/82-प्रणासन-II--राष्ट्रपति, वस्त्र मंद्रालय हथकरघा विकास प्रायुक्त के कार्यालय के प्रन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र दिल्ली में निदेणक (प्रोमेरिंग) श्री एच० डी० नायक को सेवा निवृत्त की ग्रायु होने पर 30 श्रप्रैल, 1987 के श्रपराह्न से गरकारी सेवा से मेवा निवृत्त होने की श्रनुमति देते हैं।

सं० ए०-32015 (1)/86-प्रशासन-II --- विकास श्रायुक्त हथकरघा, वस्त्र मंद्रालय, हथकरघा विकास श्रायुक्त के कार्यालय के श्रन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र, बम्बई में हायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) कुमारी ए० सी० लाला को सेवा निवृत्त की श्रायु होने पर 30 श्रप्रैस, 1987 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की श्रनुमति देते हैं।

> इन्दिरा मान सिंह, संयुक्त विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

#### उद्योग मंत्रालय

ग्रीद्योगिक विकास विभाग

(भ्राधिक सलाहकार का कार्यालय)

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1987

सं० ए०-32013(1)/87-म्रा० स०--राष्ट्रपति, भारतीय म्राधिक सेवा के सतरहवें बैच के एक परिवीक्षाधीन म्रधिकारी श्री मुद्दल बोर्गोहेन को म्राधिक स्लाहकार के कार्यालय, श्रौद्योगिक विकास विभाग में दिनांक 30 श्रप्रैल, 1987 कें पूर्वाह्न से श्रनुनन्धान श्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। एन० नटराजन, नहायक श्राधिक सलाहकार

> विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग ) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1987

मं० 12(388)/63-प्रणा० (राज०)/खण्ड-I-सेवा निषृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर, लघु उद्योग सेवा
संस्थान, हैदराबाद के श्री टी० ग्रार० राजा, गोपालन, उप
निदेशक, (वैद्युत) को 31 दिलम्बर, 1986 (ग्रपराह्न) से
सरकारी सेवा में सेवानिवृत्त किया जाता है।

सी० सी० राय, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 18 मई 1987

सं० 3713 सी/ए-19011 (1-ए० बी० भ्रार०)/86-19 ए०-- राष्ट्रपति जी श्री ए० भोपाल रेड्डी को भूबैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 ६० के न्यूनतम वेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 2-3-87 के पूर्वात्न से नियुक्त कर रहे हैं।

## दिनांक 20 मई 1987

सं० 3113 बी/ए-19012(3-के॰ एन॰ एम॰)/85-19 बी॰:-- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विरुष्ठ तकनीकी सहायक (सायन) श्री के॰ एन॰ मुखोपाध्याय को महायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 2000-60-2300-द॰ रो॰-75-3200-100-3500 ६० के वेतनमान के वेतन में, ग्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 30-3-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3776 सी/ए-19011(1-यू० सी०)/86-19 ए०--राष्ट्रपति जी श्री यू० जिदम्बरनाथन को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 छ० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी ग्रादेण होने तक 4-3-87 के पूर्वान्न से नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक) कलकत्ता-700016, विनांक 18 मई, 1987

सं० 3733 सी/ए-19011(5-डी० एच०)/86-19 बी०--राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के प्रधीक्षक श्रीभयन्ता (सिविल) श्री डी० हौं को श्रधीक्षक श्रीभयन्ता (सिविल निर्माण) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में संशोधित वेतनमान रू० 3700-125-4700-150-5000 में, प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर, दो वर्ष की श्रवधि के लिये विनांक 15-4-1987 (पूर्वाह्म) में श्रन्तिम श्रादेश होने तक प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया है।

डी० के० गुप्ता, वरिष्ट उप महानिदेशक टीर्मिक

कलकत्ता-700016, दिनाक 20 मई, 1987

सं० 3763 सी/ए-19011 (1-एस० डी० एल०)/86-19 ए--गष्ट्रपति जी भाग्तीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के खनिज विज्ञानी (विष्ट) श्री एस० डी० लिलत को निदेशक (खनिज भौतिकी) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 3700-125-4700-150-5000 रू० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन क्षमता में, श्रागामी श्रादेश तक, 6-2-1987 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

> एन० के० मुखर्जी, वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

## भाग्तीय खान ब्यूरो

नागपूर, दिनांक 18 मई 1987

सं० ए० 19012(228)/87 स्था० ए०—-भारतीय भृवैज्ञानिक सर्वेक्षण में जिद्याफिजसिस्ट (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त होने के परिणाम स्वरूप श्री नन्द लाल को भारतीय खान ब्यूरो मे महायक खनन भूवैज्ञानिक के पद के कार्यभार मे दिनांक 30 घ्रप्रैल 1987 (श्रपराह्म) को भारमुक्त किया गया है।

> जी० सी० शर्मा, महायक प्रशासन ग्रधिकारी कृते महानियंत्रक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिक मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 19 मई, 1987

सं० ए० 38019/11/83-स्था० -1/--श्री पी० सी० दत्ता, सहायक मौसम विज्ञानी, प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता, भारत मौसम विज्ञान विसाग, वार्धक्य ग्रायु प्राप्त कर 31-3-1987 में म कारी सेवा से निवृत्त हुए।

म्रर्जुन देव, मौसम विज्ञानी (राजपमित स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

## राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण सगठन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

कलकत्ता-19, विनांक 19 मई 1987

सं० 35-2(ए० ओ०)/87-स्था०--श्री भ्रार० एन० चटर्जी, कार्यालय अधीक्षक को राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में प्रशामनिक प्रधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा (वेतनमान 2000-3500) संशोधित समूह 'ख' राज-पितत पद पर 1 मई, 1987 (पूर्वाह्न) से भावी आदेश होने तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है।

जी० के० दक्षा, निदेशक

### राष्ट्रीय श्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 मार्च 1987

सं० 10/83 स्थल. -- - प्रभिलेख निदेशक, भारत संरकार, निम्निलिखित (ग्रुप बी' राजपितत) ग्रिधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखे पद तथा तारीख से स्थाई भ्राधार पर एतद्दारा नियुक्त करने हैं --

क्रम सं० ग्रधिकारी जिस पर्द पर स्थाई नियुक्ति कैफियत का नाम तथा स्थाई ग्राधार की तारीख वर्तमान पर नियुक्त पदनाम किया गया है, उसका नाम

<ol> <li>श्री राजेन्द्र प्रसाद, वैज्ञानिक</li> </ol>	1-3-82 भी बी० वी०
स्थायी सहायक भ्रधिकारी	तलवार के
रसायन <b>ज ग्रेड</b> -1	सेवानिवृत्त
तथा स्थानापन्त वैज्ञा-	होने के कारण
निक भ्रधिकारी	
<ol> <li>डा० गुरमीत वही सिह, वैज्ञानिक ग्रिधकारी</li> </ol>	1–9–83 श्री बाईर पी० कठपालिया के सेवानिवृत्त होने के कारण

ए० के० शर्मा, कृते श्रभिलेख निदेशक

## दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1987

सं० 3/12/87-- एस-2---कु० बी० सुधा, हिन्दी प्रधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, तिरूप्रनन्तपुरमं का दिनांक 9--2-1987 को देहान्त हो गया।

सं० 3/12/87-एम०-2--दूरदर्शन महानिदेशक, निम्न-लिखित ग्रधिकारियों को रू० 650-1200 (संशोधन पूर्व) के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर 2 वर्ष के लिये हिन्दी ग्रधिकारियों के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं ग्रौर उन्हें ग्रधोलिखित कार्यालयों में उनके नाम के सामने ग्रंकित तारीख से तैनात करते हैं:---

ऋ०संख्या नाम	जहां तैनात किये गये	तैनाती की तारीख
(1) श्री ग्रजित कुमार	दूरदर्शन केन्द्र, बंगलूर	7-11-86 (प्रपराह्म)
(2) कु० बी० मुधा,	दूरदर्शन केन्द्र, तिरूग्रनन्तपुरम	27-10-86 (पूर्वाह्म)
(3) श्री सिद्ध नाथ गुप्त	, दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता	20−3 <b>-</b> 87 (पूर्वाह्र)

प्रेम सिंह टोकस, प्रशासल उपनिदेशक कृते महानिदेशक

#### फ़िल्म प्रभाग

## सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय

बम्बई-400026, विनांक 18 मई 1987

सं० 5/5/58-ई-1--श्री एस० ए० नायक ने स्वैच्छिक सेवा िवृत्ति ले ली ग्रीर दिनांक 20 ग्रप्रैल, 1987 के पूर्वाह्न में फिल्म, प्रभाग, के णाखा प्रबन्धक पद का कार्यभार स्याग दिया।

> वी० ग्रार० पेसवानी, सहायक प्रशासकीय श्रधिकारी कृते मुख्यानिर्माता

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विल्ली, विनांक 4 मई 1987

सं० ए० 12025/2/82-(सी० भ्रार० भ्राई) प्रशासन -1/ई० पी० भ्राई०-- राष्ट्रपति ने, श्री हीरा लाल वांगन्यो को 8 नवस्वर, 1984 से केन्द्रीय भ्रनुसन्धान संस्थान, कसौली--173205 (हिमाचल प्रदेश) में बायो मेडिकल इंजीिन्यर के स्थाई पद पर स्थाई म्राधार पर नियुक्त किया है।

> जैसि फांसिस, उप निदेशक प्रशासन (पी० राच०)

## परमाणु उर्जा विभाग कय श्रौर भण्डार निदेशालय

बम्बई-400085, दिनांक 17 मई 1987

सं० क भ ति/41/1/85-प्रशा० 21194—परमाणु उर्जा विभाग, क्रय धौर भण्डार िदेशालय के निदेशक ने स्थाई क्रय सहायक श्री चौवकूर विजयन को इसी निदेशालय में 20-4-1987 (पूर्वाह्म) से 01-06-1987 (पूर्वाह्म) तक रुपये 2000-60-2300-दं रो०-3200-100-3500 के वेतनमान में सहायक क्रय श्रीधकारी के पद पर तदर्थ धाधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है यह नियुक्ति श्री के० पी० एस० पिल्लै, सहायक क्रय ग्रीधकारी, के स्थान पर की गई है, जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिये छुट्टी प्रवान की गई है।

बी० जी० कुलकर्णी, प्रशासन मधिकारी

#### नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 15 मई 1987

सं० ना ई० म्स/का० प्र० /0704/1180—प्रशासन एवं लेखा के उप मुख्य कार्यपालक जो स्थाई सहायक सुरक्षा प्रिकारी श्री एन० श्रार० मोहन राव को रू० 2000-60—2309 द०रो० 75-3200 के वेतनमान में रू० 2000/- प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर स्थानापन्न सुरक्षा श्रिष्ठकारी के रूप में तदर्थ झाधार पर दिनांक 15-5-1987 में 14-6-1987 पर्यन्त श्रथवा श्रागमी श्रादेशों पर्यन्त इनमें में जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

ना वें रमणन, प्रवन्धक, कार्मिक व प्रणासन

### हैदराबाद-500762, दिनांक 16 मई 1987

मं० ता ई० स०/का प्र० 5/0702/1220— प्रशासन एवं लेखा उपमुख्य कार्यपालक जं। लेखा सहायक श्री धवल गोपाल रायु को ६० 2000-60-2,300-द० से० - 75-3,200 के वेतनमान में ६० 2,000- प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर स्थानापन्न सहायक लेखा श्रिधकारी के रूप में तदर्थ श्राधार पर दिनांक 12-5-1987 से 13-6-1987 पर्यन्त श्राधार श्राप्त श्राप्त श्राप्त श्री भी पूर्व ,धिटन हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ना० ई० स/का० प्र० 5/0703/1221— प्रशासन एवं लेखा के उपमुख्य कार्यपालक जो महायक लेखाकार श्री गोविन्द नारायण खेडकर को रू० 2,000-60-2,300—द० रो०-75-3,200 के वेतनमान मे स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रिधकारी के रूप मे सदर्थ ग्राधार पर दिनांक 12-5-1987 में 11-6-1987 पर्यन्त ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशो पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह, प्रबन्धक, कार्मिक प्रशासन

## इन्दिरा गाधी परमाण् ग्रनुसन्धान केन्द्र कल्पाक्कम, दिनांक 18 मई 1987

सं० श्राई० जी० सी० ए० श्रार०/ए 32023/1/87-श्रार० 223— िदेशक, इन्दिरा गाधी परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र इस श्रनुसन्धान केन्द्र के एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक श्रौर स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक श्री जौसेफ दोरेराज को उसी केन्द्र में 18 मई, 1987 पूर्वाह्म से 19 जून, 1987 श्रपराह्म तक महायक प्रशासिक श्रधिकारी के पद पर नदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

पी० वेणुगोपालन, प्रणासनिक भ्रधिकारी

#### ग्रन्तरिक्ष विभाग

#### विक्रम साराभाई श्रन्तरिक्ष केन्द्र

तिरूवनन्तपूरम-22, दिनांक 18 मई 1987

सं० बी० एस० एस० सी०/स्थापना/ए/87—निदेशक, बी० एस० एस० सी०, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, तरूबनन्नपुरम में निम्न लिखित कर्मचारियों को वैज्ञानिक इंजीनियर एस० बी० के पद पर रू० 2000—60—2300 द० रो०—75—3200—100—3500 रू० के वेननमान में सिर्फ अस्थाई एव अनितम रूप में प्रत्येक के को सामने दिये गये तारीख से आगामी आदेश तक नियुक्त करने हैं।

ऋ स०	नाम	प्रभाग	ति युक्ति की तारीख
1	2	3	4
श्री/श्रीमत	नी/कु०		
1. के०	म्रजिल कुमार	श्राई एस० आई	02-09-86
2 नंसीव	व ग्रब्दुल मजी	द ई एल एस	04-09-86
3 जे∍	गिरिजा	ई० एल० एस	26-11-86
4. एम०	श्रीकुमार	सी जी डी	12-01-87
5. दिली	प के वर्मा	सी० जी० डी	20-1-87

1	2	3	4
6 एस	- कुमार	मी० जी० डी	03-03-87
7. ग्रह	लिबी	ई० एल० एस	20-04-87
8 श्रार	७ ज्योनि	ई० एल० एस	23-04-1987
	·		

के० जी० नायर प्रशासन ग्रक्षिकारी-II (स्थापन<sup>ा</sup>) कृने निदेशक वीएस एस सी

#### महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

#### नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1987

सं० ए० 32013/1/86-ई-1--राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के निम्नलिखिन ग्रिक्षिकारियों की उपनिदेशक नियंत्रक उड़ान योग्यता के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के सामने उल्लिखित श्रागे 6 मास की श्रवधि के लिये जारी रखने की स्वीकृति देते हैं।

क्रमांक नाम	तदर्थ नियुष्ति ग्रवधि	की बढ़ाई गई
	<del></del>	तक
सर्वेश्री	<del></del>	<del></del>
1 श्रार० मी० गुप्ता	1-3-87	31-8-87
2. जे० श्राई० एस० बेडी	1-3-87	31-8-87

#### दिनाक 18 मई 1987

सं० ए० 21021/7/87—स्था० 1—-श्री के० हिम्मत सिंह, नियंत्रक उड़न योग्यता, निवर्तन ग्रायु प्राप्त होने पर दिनाक 30-4-87 (ग्रपराह्म) को मरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

मुकुल भट्टाचायाजी, उप निदेशक प्रशासन

## केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

#### फरीदाबाद, दिनाक 18 मई 1987

सं० 3-775/87-मु० जल भू० (स्था०)--श्री संजीव कुमार भटनागर को दिनाक 23-3-1987 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजन बोर्ड में सहायक जलभू विज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० (समूह ख) (राजपित) मूल वेतन 2000/-- रूपये परिशोधित वेतनमान रुपये 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 में ग्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रोय भूमिजल बोर्ड, मध्य क्षेत्र, नागपुर में होगा।

सं० 3-777/87 भूजल भू० (स्था०)--श्री सुधांगु गेखर को दिनांक 14-4-87 (पूर्वाह्म) मे अगले श्रादेश तक केन्द्रिय भूमिजल बोर्ड, पूर्वोत्तर क्षेत्र, कलकला में सहायक जल भूविज्ञानी के पव पर जी० सी० एस० (समुह ख) (राजपित्तत) मूल बेतन 2000/- रूपये प्रति माह परिशोधित वेतनमान रूपये 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- मे अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड राज्य एकक कार्यालय, पटना में होगा।

सं० 3-790/87-भू० भूजल भू० (स्था०)--श्री राना चटर्जी को दिनांक 31-3-1987 (पूर्वाह्न) मे श्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में महायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एम० (ममूह ख) (राजपित्रत) मूल वेतन 2000/-- रूपये प्रति माह परिशोधित वेतनमान 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- में श्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मख्यालय केन्द्रिय भूमिजल बोर्ड, मध्य क्षेत्र, नागपुर में होगा।

मं० 3-792/87-भू० जल भू० (स्था०)—श्री डी० वेंकटेश्वरन को दिनांक 9-4-1987 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रावेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० (समूह ख) (राजपित्रत) मूल वेतन 2000/- रूपये प्रति माह संशोधित वेतनमान रूपये 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में श्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, मध्य केंद्र, नागपुर मे होगा।

सं० 3-793/87-भू० जल भू० (स्था०)--श्री दीवा शीम बिस्वास को दिनाक 30-3-1987 (पूर्वाह्म) में अगले ग्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, पूर्वोत्तर क्षेत्र, गौहाटी में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० (समूह ख) (राजपित्रत) मूल वेतन 2000/--- रूपये प्रति माह, संशोधित वेतनमान रूपये 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/-- में ग्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मखपालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, राज्य एकक कार्यालय शिलांग में होगा।

सं० 3-794/87-भू० जल भू० (स्था०)--श्री संभीव महरोत्ना को दिनांक 9-4-1987 (पूर्वाह्न) से श्राग्ले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एम० (ममूह ख) (राजपन्नित) मूल वेनन 2000/- रूपये प्रति माह, परिशोधिन वेतनमान रूपये

2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/--में ग्रस्थाई और पर नियुवन किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजन बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल में होगा।

सं० 3-796/87-भू० जन भू० (स्था०)--श्री दलेल सिंह को दिनाक 19-2-1987 (पूर्जाह्म) से अगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में कनिष्ठ जल विज्ञानी के पद पर, जी० सी० एस० (समृह ख) (राजपितत) मूल वेतन 2000/-- रूपये प्रति माह पर परिशोधित वेतनमान रूपये 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में प्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय उत्तर मध्य क्षेत्र, भोगाल होगा।

बी० पी० सी० सिन्हा, मुख्य जल भूविज्ञानी एवं सदस्य

उद्योग मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी रजिस्ट्रार कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 भ्रौर धारवाड़ व्यापार टेजाका कम्पनी लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 18 मई 1987

सं० 868/560/87—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 56 0 की उपद्यारा (3) के अनुसरण में एतस्क्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन माह के अवसान पर धारवाड ब्यपारोटेजाका कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी। कम्पनी अधिनियम, 1956 और केरला कर्मश्रियल इन्टर प्राइसे। लिमिटेड के विषय में

#### बंगलौर, दिनांक 18 मई 1987

मं० 3697/8560/87—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतव्ज्ञारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के प्रवसान पर केरला कर्माणयल एन्टरप्राउजेप प्राइजेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशा न किया गया ो तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा ग्रोर उक्त कम्मनी विधित कर दी जायेगी।

जे भे के रमणी, कम्पनियों का रजिस्ट्रार प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-ण** (1) के अधीन स्**व**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 मई, 1987

निदेश सं० III-1427/ग्रर्जन/87-88---भ्रतः मुझे, श्री दुर्गा प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता 57. 109 और 364, प्लाट सं० 796 (पी), 78/796(पी०), 78(पी), 1527(पी०), 1424 (पी), 1825(पी०), सर्वे थाना सं० 14, और 16 है तथा जो ग्राम पहाड़ पुर धीरा चक, थाना—गर्देनी बाग ग्रानिसाबाद पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-9-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नम् हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूक्य, सबके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती प्रतिफल निम्निलिखित उव्वरेध से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :--2—106 GI/87

- (1) श्रीमित सहिमना पुनवारी सुपुती सैंग्रद श्रस्तर इसाम जाजें श्री विक्रम पुनवारी, 5, माल एवेन्यु, लखनउ । (ग्रन्तरक)
- (2) मेमर्स म्रलिनगर को०-ग्राप० हार्जामंग सोसाइटी कन्स्ट्रम्शन सोसाइटी लि०, ग्रनिसाबाद, थाना—- फुलवारी, जिला—-पटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 62, कट्ठा, 14, धुर, 4 धुरकी है, तथा जो ग्राम पहाड़पुर धीराचक, थाना-गर्दनी बाग, ग्रानिसा बाद, जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 6266 दिनांक 5-9-86 में विणिद त है तथा जिसका निबंधन जिला ग्राथर निबंधक पटना के द्वारा सम्पत्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, पटना

तारीख: 11-5-1987

## हरू बाहें, दे\ ्यन् ,यह , स्वतन्त्र------

## भारकर निर्धानयम, 1961 (1964 का 43) की भारत 269-न (1) के निर्धान स्वाम

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, विनोक 5 मई 1987

निदेश सं० जी-95/ग्रर्जन—ग्रतः मुझ, श्रीमति सरोजनी लाल,

बावकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) विश्वं इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को बाड़ 269-च के अभीन समाम प्राधिकारी को वह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विस्ता अचित् बाबार मूक्त् 1,00,000 क. से अधिक हो

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 717 से 727 व 739, ग्राम धरोरा हुसेन बाड़ी, मालार बाग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-2-1987

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनिवन के ब्योन कर बने के बन्तरक के वासित्व में कमी करने वा उत्ते व्यक्त में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट अहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में बरिया के सिए#

(1) श्री गुलाब सिंह

(भ्रन्त रक)

(2) गंगा यमुना सहकारी श्रावाम समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव श्री राजेश कुमार।

(म्रन्तरिती)

(3) श्री गुलाब सिंह (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षीप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बष्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि खसरा नं० 717 से 727 व 739 टोटल एरिया 6 बीधा 1 बिस्वा स्थित ग्राम बरोरा हुसेन बाड़ी सालारबाग लखनऊ जैसा फार्म 37 जी में वर्णित है।

सरोजनी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्तय(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, जनत अधिनियम की धोरा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारीख: 5-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० भाई० भ्रार० सं० टी-47/श्रर्जन---श्रतः मुझे, श्रीमति सरोजनी लाल,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसकें इसकें परकात् 'उकत विभिनियम' कहा गया हैं), की बाख 269-स के वभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिस्रका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खसरा नं० 7, 8, 20 राम नगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-2-87 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कन के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध मिन सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिकृति से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकारें) और जन्तरिती (अंतरितियों) में बीच एसे अन्तर्ण के जिए तब पावा प्रतिफल कर एसे किया नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; जार/या
- (क) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री जगवीश प्रसाद।

(श्रन्सरक)

(2) ट्रांस गांमती सहकारी श्रावास समिति लि०, लखनऊ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उनद सम्पृति है वर्षन् के सम्पृष्ट में कोई भी वास्ते ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्मंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकार।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे। उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खसरा नं० 7, 8, 20 एरिया 4 बीघा 8 बिस्वा 16 बिस्-वान्सी स्थित राम नगर परगना तह० और जिला लखनऊ जैसा फार्म 37-जी मे वर्णित है।

> श्रीमित सरोजजनी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 5-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 14 भ्रप्रैल 1987

निदेश सं० जी० श्राई० ग्रारं० सं० एस-416/श्रर्जन--श्रतः मुझे, श्रीमति सरोजनी लाल,

वाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से विधिक है

और जिसकी सं० भृमि 31.98 एकड़ खसरा खतौनी 487/1, 487/2, 487/4, 488/1, 488/4, 488/2, 488/3, 494/1, और 494/3, ग्राम भिगवारा तह० किच्छा, पर० रुद्धपुर जिला नैनीताल मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिषस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19~9~1986•

को पूर्वोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यनात क्रीतफान को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुग, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को भीष ऐसे अन्तरण को निए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बतरक के वायित्व में कमी करने या उसमों बचने में स्विधा के लिए; वरि/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कत्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारणार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के छिए;

कराः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) 1. श्री कशमीर सिंह 2. श्री शमीर सिंह 3. श्रीमित करतार कौर 4. श्री वीर सिंह (द्वारा श्री हरभजन सिंह ग्रदानी) 5. श्री हरभजन सिंह

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीराम होन्डा पावर ६क्यूपमेंट लि॰, 19, कस्तूरज्ञा गांधी मार्ग, नई दिस्सी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

#### उक्त संपत्ति को वर्षन को संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी न्यिक्तमाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नविभ, को भी विस्थित को सार पूर्वोक्त क्यिक्तमाँ में से किसी स्थावित ब्यारा;
- (क) इस सचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्मध्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्तं सन्धां नौर पदौ का, जो उपत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही कर्ष होगा को उस कथ्याक् में दिवस नवा है।

#### अन्तर्जी

भूमि खसरा खतौनी नं० 487/1, 487/2, 487/4, 488/1, 498/4, 488/2, 488/3, 494/1, और 494/3, पैमाइणी 31.98 एकड़ स्थित ग्राम भिगवारा तह० किच्छा, परगनाखद्रपुर जिला नैनीताल (उ० प्र०) जैसा फार्म 37 जी में विणित है।

श्रीमित सरोजनी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-4-1987

### **१७२ वार्- टॉ. एन ्य्य** ह्यान्त्रान्यान्यान्य

## नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-म (1) में स्थीन स्थान

भारत सरकार

## कार्यात्य, सहादक आयुक्तर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजन्।, मद्रास

मद्रास-17, विनांक 30 अप्रैल 1987 निवंश स. 2 सितम्बर, 86--अतः मुफ्ते, ए. आर. रहेड्डी,

न। थकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पक्ष्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावंर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी स टि69, अण्णा नगर, मद्रास-40 है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अण्णा नगर दस स. 2916 और 2917/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पील का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्सरितियों) को बीच एोसे अन्सरण को लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उमत अन्तरण लिखित में बारतिक फ्रिंस से किश्रित नहीं किया गया है :--

- (क) नन्तरण संहुई किसी नाम की बाबत, उक्त मिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक कै समित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 हैं 1922 का 11) या उक्त अजिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्ति रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को सिए;

 श्रीमती स्शीला, एलं. रहीं आरें श्रीम्ती रोशमा रहीं था।

(अन्तरक)

 श्री आर. नटराजन और श्रीमती एन. स्रौयाक्मारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 विन की संवीध का तरसम्बन्धी व्यक्तिकी वस सूचना की तानीस से 30 विन की संवीध, को श्री अविध वाद में समाप्त होती हो, से मीकर पूर्विक व्यक्ति में किसी स्थितक बुवाय;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की दावीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तवस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकींगै।

स्थव्यक्तिरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में विदेश गया है।

#### मन्स्ची

भूमि और मकान, डोर स. टी. 69, अण्णा नगर मद्रास-40 (दस सं. 2916 और 2917/86) ।

ए. आर. रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनी रेज-।, मद्रास

अत. अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्षित न्यक्तियों, क्रथीत :---

तारी**ल** 30-4-1987

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टी॰ ची॰ मोंगा ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी भ्रई० वहीदा श्रीर श्रई० रासीना। (श्रन्तरिती)

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के निधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास-17, विनांक 6 मई 1987

निदेश सं० 7 सितम्बर 86—अतः मुझे ए० आर०, रेड्डी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपय ते अधिक है

भौर जिसकी सं० 5, दामोला मुदलि स्ट्रीट, पन्छवडी छेटपट, मद्रास-31 है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमे श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस० सं० 1048/86) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण. श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक ह<sup>5</sup>, यही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंबी

. भूमि श्रीर मकान; डोर सं० 5, दामीन्ना मुद्दलि स्ट्रीट, पन्छवकडि, छेटपट, मदास-31 (दस० सं० 1048 (86)

ए० भ्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, अधीन क्रि—

तारीख: 6-5-1987

मोहरः

प्ररूप आहें दी एन एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यांकय, सहायक वायकर जायुक्त (निर्देखिण)

धर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 30 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० 8/सितस्बर/86—अत: मुझे, ए० आर० रेड्डी, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम् इंडर्क पृथ्यास् उक्त अधिनियमं कहा गया हुँ), की भारा 269-अ अ अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० धार० एस० सं० 1/108, मिल्लर्स रोड, कीलपाक, भद्रास-10 है जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिष्ठकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर दस० सं० 3186/86, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्विक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास "करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितयां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अरा वर्ग, अन्त विधिनवयं की धारा 269-न के वनुसरक में, में. उनत अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के० एम० मोहमद ग्रिलि।
  - (श्रन्तरक)
- (2) थी ए॰ एन॰ शामील बान श्रीर श्रीमित ए॰ एन॰ शहीना बॉनु। (श्रन्तरिता)

को यह स्वता चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से वर्षन के विद् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

## उनत सम्पृति के वर्षन में संबंध में करेंद्र भी बाजेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित्तक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्धित में किए वा सकेंगे।

स्व के के प्रमुख्य कार्य और पर्य का, वा किक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकारिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगसची

भूमि धार० एस० सं० 110/8, मिल्लर्स रोड कीलपाक, मदास-10 (दस० सं० 3186/86)।

> ए० म्रार० रेंड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 30-4-1987

मोहरः

क्रमन भाषी, धी, एन, दस, ------

## भाषकार्ध्व निधितिसन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की नधीन स्वामा

#### HIEG SERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज्-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० 8ए/सितम्बर/86—श्रत. मुझे, ए० ग्रार० रेडडी,

वास्त्रकर विशिव्यय, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार म्स्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भार० एस० नं० 110/7, मिल्लर्स रोड, कीलपाक, मद्रास-10 है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप से विणत है)रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर दस सं० 3187/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 86

को पूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाजार मून्य से कम के क्याबान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गंभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्याबान प्रतिफल से, एसे क्याबान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिक्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी बाव या किसी धन या बन्ध बास्तियों को, विन्ही भारतीय बाय-कर बीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोख-नार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट वहीं किया गया था था किसा बाना चाहिए था कियाने में सुनिधा की लिए;

(1) श्री के० एम० मोहम्मद इत्राहिम।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती ए० एन० शकीला बानू, ए० एन० शवाना बानू।

(भ्रन्तरिती)

को थह सूचना बारी करके पृथीनत सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हुई।

#### उक्त सम्पत्ति को वर्षन को शंबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की साबीस से 30 दिन की बनिज, को भी समित याद में समाध होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति स्थाय;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की राष्ट्रीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकेंगे।

## ममृस्ची

भूमि प्रार० एस० सं० 110/7 मिल्लर्स रोड, कीलपाक, मद्रास-10 (दस० सं० 3187/86) ।

> ए० भ्रार० रेडडी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, मद्रास

वतः तथः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, शक्त विभिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) के विभीन, निम्मणिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 30-4-1987

मोहरः

### प्रस्य बार्च दी धन एस .-----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 श्रप्रैंस, 1987

निदेश सं॰ 9/सितम्बर/86—ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेडडी.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अब परवाद जिस्त अधिनियम कहा जवा ही, की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 5,00,000%- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 33, बरावराजुलु नायडू स्ट्रीट, वेप्पेरी मद्रास-7 है तथा जो मद्रास में स्थित है (भौर इसके भ्रनुबंध में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर वस सं० 3221/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

कत कथा, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उकत अधिनयम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के अधीन, निकालिकिस व्यक्तियों, अर्थाल् :--

(1) श्री ए० शफी भ्रहमदे।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती ए० हमीदा बानो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि औद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण:——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया है।

#### मन्त्रची

भिम क्रोर महान सं० 33, वरदाजुलु नायडू स्ट्रीट, वेप्पेरि मद्रास 7, (दस सं० 3221/86)

> ए० श्रार० रेडडी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-17

सारीख: 30-4-87

#### 

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के विभीत स्पना

#### भाउत चरकार

## कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (गिरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-17, दिनांक 30 अप्रैल 1987

निदेश मं० 12 सितम्बर, 86—-प्रत मुझे, ए० श्रार० रेककी.

राइक ए विभिन्न , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रचके पत्रवाद 'उक्त विभिन्यम' कहा नया हैं), की थारा 269- ध के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित वाजार म्ल्य

है कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्ति बाजार मृल्य 5,00,000/१- रह. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 4, वेरट भादा चर्च स्ट्रीट, रायापुरम, मक्षास-13 है जो श्रनुसूच में रिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता के मद्रास कार्यालय रायापुरम दस स० 1658/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन

नारीख 26-9-86

को पूर्वोक्त समिति को रिक्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल को गेलए अन्तरित की गई है और मुक्त यह जिस्तास करन का अध्यक्ष है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाधार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्द प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (जतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल निम्निजिखा उद्देश्य से उस्त बन्तरम लिखित में याम्स-विक स्म है कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उसस बदन म सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उदत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री चि० धुनिलाल ग्रं(र ग्रन्य। (ग्रन्नरः

(2) डामबिटिज रिसर्च सेन्टर फाउन्डेशन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### शक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्रेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वित स्विस्ता में से किसी स्वीक्त स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितसम्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सर्केंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के कथ्याम 20-क में धंभा परिशांविश है, वहीं अर्थ होगा वो उस वश्याव में विका विश्व है।

ग्रन्पुचो

भूमि ग्रां/र महान सं० 4, वेस्ट मादा चर्च ६ट्रीट, रापापुरम मद्रास-600013 (देव सं० 1658/86)

> ए० ग्रार० रेडडी सजम प्राधिकारी सजपक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, महास

अत<sup>्</sup> अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग **क्षे अ**नुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की** उपधारा (1) **के अधी**न, निम्नलिखित य्यक्तियो, अर्थात् '——

तारीख: 30-4-87

प्ररूप आर्घ.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-I, मद्रास

मब्रास, दिनांक 1 मई 87

निदेश सं० 14 सितम्बर, 86—अतः मुझे, ए० श्रार० रेड्**डी** 

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें क्रके क्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० डोर सं० 34, विक्टोरिया क्रीसेन्ट रोड, एक्मोर मद्रास-8, है जो मद्रास में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के अनुसूची कार्यालय थाउजन्डलाइट्स दस सं० 81/87 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्यू से कम के क्षयमान बितकन के निए जन्तरित की पृष्ट है और मृत्रे यह विद्यान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार बृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पेड़ह प्रतिकृत से अधिक है और अंतर्क (अंतर्कों) आह जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिक्त उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के न्यार; बार/या
- (च) एंसी किसी नाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को. जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्यांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्थित के जिय;

अतः ज्ञाब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) है नभी निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स चैटान्या बिल्डर्स ग्राँर लीजिंग प्राध्वेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० ई० सोमसेधर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया ध्रुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के संबंध में कोई भीआक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर स्वित्यों में से किसी स्वित्य ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थहोगाओं उस्स अध्याय में दिया गया हैं।

#### बन्स्ची

भृति स्रोर प्रकान स्नार्टनंट सं० 4 पी, 34 विक्टोरिया किसेन्ट रोड, ऐकमोर मब्रास (दस सं० 81/87)

> ए० भ्रार० रेडडी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **भ्रायुक्त नि**रीक्षण) भ्रर्जन रेंज–I, मद्रास

तारी**ख**: 1-5-87

मोर।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० 15/सितम्बर/86—श्रतः मुझे ए० श्रार० रेडडी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000// रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 107 श्रीर 113, सिडको इन्डिस्ट्रियल एस्टेट, है जो राणिपेट नार्थ ग्रारकाट जिला में स्थित है (श्रीर इसके अनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय मद्रास साउथ एस सं० 3262/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीचन तारीख श्रक्तूबर 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

- (1) मेसर्स एसोसेशियन वायर और अलाईड प्राडेक्टस (अन्तरक)
- (2) श्री चि० एस० मोहन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिएँ कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुसूची**

भूमि और मकान प्लाट सं० 107 और 113 सिष्ठको इन्डस्ट्रियल एस्टेट राणिपेट नार्थ ग्रारकाट जिला (दस सं० 3262/86)

> ए० **प्रा**र० रेडडी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज⊶1, मद्रास

हतारीख: 30-4-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज⊸I, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1987

निदेश सं० भई-4/37ईई/31681/86-87--मतः मुझे, लक्षमणदास,

शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्त परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 5,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी मं० सर्वे नं० 37, हिस्सा नं० 5-बी, सी० टी० एस० नं० 726 ए, कांदिवली तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 269 क, ख, ध्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-9-1986

को प्रशंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए कृत्तरित की यहाँ हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पंक्रह श्रांतशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तांचित्यों) के बीच एसे अन्तरण के खिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्सविद, रूप से कथित महीं किया गया हैं है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत , उक्त बिध-मियम के बचीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा चै निए:

जत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण कै, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म करी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) श्री सुन्दरलाख लालजी कनोजिया श्रीर ग्रन्थ। (ग्रन्तरक)
- (2) रहल्न बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो वंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई वाक्षीप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्सूची

सब खुला जमीन का हिस्सा जिसका विस्तार 2268 नौरस यार्ड तथा 2073.35 लगभग चौरस मिटर्स है। जिसका सर्वे नं० 37, हिस्सा नं० 5बी, सी० टी० ए० नं० 726 ए, कांदिवली, तालूका बोरिवली, रजिस्ट्रेशन जिला भौर उपजिला बम्बई शहर भौर उपनगर में है।

ग्रनुमूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/31681/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनांक 1-9-86 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4 बम्बर्ड

दिनांक: 8-5-87

#### प्रकृष आहु . टी . एन . एस . ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक अध्यकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1987

निवेश सं॰ ग्रई-4/37ईई/31653/86-87--- ग्रतः

मुझे, लक्षमण दास,

जायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, मर्वे नं० 27 श्रीर 28 डहापाकुर वाडी कांदिबली (पिक्स) बम्बर्ड 400067 में स्थित है श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-9-86 का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्द प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, बिम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कानी कराने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार-/था
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करों, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण, मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स बिन्दु कन्सप्ट्रकशन कम्पनी।

(ग्रन्सरक)

(2) मैंसर्स विनायक कन्सद्रकशन कम्पनी। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध के कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकर्गे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### अम्स्वी

सब खुला जेमीन का हिस्सा जिसका विस्तार लगभग 1242 चौरस यार्ड या 1038.45 चौरस मीटर के बराबर है। क्योंकि 352 चौरस यार्ड सथा 294.30 चौरस मीटर का हिस्सा बराबर है। वह इसमें णामिल है। जो 90 फीट डी० पी० रोड, प्लाट नं 10, जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 27 घौर 28, सी० टी० एस० नं० 1301/9 विलेज कांदिवली, तालूका बोरिबली, जिला बम्बई उपनगर, जिसका रजिस्ट्रेणन उप-जिला बम्बई शहर घौर बम्बई जिला में है। जो, डहाणूकर कालोनी कांदिवली (प०) बम्बई में स्थित है।

ग्रन् सूची जैंसा की ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/31653/ 86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1886 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी ूसहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-5-87.

मेमोहर:

#### प्रकृष के हिं. ही. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 1बी, बस्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निदेश स'० श्रई-/1बी/37ईई/10401/86-87-श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृत्व 5,00,000//- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 401, णिविलिला, श्रलाभाई श्रेमजी रोड, ग्रन्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है (श्रीर इसने उगाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्याल्य में रिजस्दी है। तारीख 18-9-86

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक हए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्तरण से हुं किसी आम की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, लियान में स्विधा के लिए;

(1) मैसर्स भारवानी आस एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) मसमं सजय ग्रार० भारवानी, द्वारा फादर एण्ड नचरल गांडियन श्री ग्रार० एम० भारवानी ग्रीर मास्टर ग्रिश्वन सी० भारवानी, द्वारा फादर एण्ड नैचूरल गांडियन सी० एस० भारवानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचभा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फलैंट नं० 401, चौथी मजिल, शिव लिला, म्रलीभाई प्रोम जी रोड, ग्रन्ट रोड, बम्बई--7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्राई-1/1बी/37ईई/10803/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1986 की रजिस्टई किया गया है।

पी० **एन० बंस**ल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्न (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1बी, बम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् .——

दिनांक: 6-5-1987

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निदेश सं० म्रई-1बी/37ईई/69/10661/86-87—म्रत: म्झे, पी० एन० बसल,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5.00,000/e रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, पहली मजिल, श्राग्रीपार राजपूत विला को-श्राप हाउसिंग सोमायटी लि०, श्राग्रीपाडा इस्टेट बम्बई-8 सें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है )ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिन्यम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गर्थ था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मोहम्मद इकबाल छापा ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मुस्तफा ए० रनाक ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

फलैंट नं० 101, पहली मंजिल, श्राग्रीपाडा राजपूत विला को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, श्राग्रीपाडा इस्टेट, में बम्बई-8 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-1बी/37ईई/10791/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राचकर ग्रायुक्त ह(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 6-5-87

## प्रकर भार्यः जी. युगः एकः -------

**बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-म (1) के अभीन स्थना

#### नारत सहस्रार

#### कार्यालय, सहायक बायकर बावक्त (विरोक्तिक)

भर्जन रेंज-1बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निदेश स० म्रई-1बी/37ईई/148/10801/86-87-मत: मुझे, पी० एन० बंसल,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (विजे इसमें इसफे पश्चात् 'उनते नीचनियम' कहा गया है"), की भारा 269 न के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परितः, जिसका उचित बाजार मूल्य 5.00,000 //- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० युनिट नं० 214, गण एंड नहार (वरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेंट डा० इ० मोजम रोड, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्दी है नारीख 18-9-86

को श्वॉक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य ते कन को उस्प्रमान प्रतिपंत के लिए अंतरित की भद्द है और मुक्ते यह विश्वास करने बारने का कारण है कि स्थापुनाँक्त संपृत्ति का स्थित नाचार क्ष्य) उसके क्यमान प्रतिकल है, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से विधिक है बौर वितरक (वितरकों) बौर वितरिती (बंती (तियों) के बीच एंचे बंतरण के सिए तय पावा गया प्रति-कास निकासिकत उन्होंक्य से उन्त मंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरम व क्ष्म कियी नाव की वावता, वर्ष अधिनियम के अभीन कर दोने के सम्बर्फ में दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय वाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट महीं किया गया था या किया त्राना बाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न **से बन्सरज** में 🕴 उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् : ---

4 -106 GT/87

(1) मैसर्स शहा एड नहार डेयहलपमेट:

(श्रन्तरक)

(2) श्री मुलचंद मकाजी बोरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिक् कार्यवाहियां करता हूं।

#### जनत स्म्परित के वर्षन में संबंध में कोई श्री बाक्के ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 विन् की अविभि वा शत्यान्यम्भी व्यक्तियाः स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिए बुवारा;
- (न) इस त्यना के राष्ट्र में प्रकारण की तारीस के 45 विन के भीतर उक्त स्थान्त सम्पत्ति में हित्रवर्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विभिनियम क्षेत्रभाव 20-कार्ने वरिवाणिक हैं, यही नर्थ होगा, मो उत्त सध्याय में विशा यथा **ह** 1

#### नन्स्ची

युनिट नं० 214, दूसरी मंजिल, शहा नहार (बरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० ई० मोजेस रोड, बग्ली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-1बी/37ईई/10805/ 86-87 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० अमिल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बी, सम्बद्ध

दिनांक: 6-5-1987

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्रण)

निवेश सं० ग्रई-1बी/37ईई/10831/86-87--श्रतः मुझे पी० एन० र्बसल

अस्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं युनिट नं 19 श्रौर 20 महानक्ष्मी हंडस्ट्रियल इस्टेट गांधीनगर बम्बई-13 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-9-86

को वृज्ञोंकत सम्पत्ति के उपित बाजार शृज्य से कम के बदयजान श्रीक्रफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है

कि मधापूर्वीकल एम्पीरल का उचित वाकार मृत्य, उसके बच्च-मान प्रतिफल से, एसे बस्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से सांचक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्न-मिस्बित उत्वरेय से उक्ट अंतरण लिकित में वास्तिक रूप से कोधन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा फ़कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भ, भ, उक्त अधिनियम की भारा 2/69-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पोपट लाख एम० शाहा (सोल प्रोपरायटर पी वि क्राम)

(ग्रन्तरक)

(2) गुलाब एम० ग्रडवानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स उधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्यम है।

#### अन्त्रची

युनिट जिसका नं 19 भौर 20 महालक्षमी इंडस्ट्रियल इस्टेट गोधीं नगर श्राफ हेन्स रोड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि सं अई-1/1बी/37ईई/10790 86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-86 को रिजस्टर्ट किया गया है।

> पी० ए.त० बंसल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1/1बी बम्बई

दिनाँक: 6-5-1987

मोहर।

elkerie w.l. die eer

## प्रकम जार्च . दी . प्रम . प्रथ . - - - - - - - - - -

अनयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीकण)
श्रर्जन रेंज-1/1बी बन्बई
वस्बई, दिनाक 6 मई 1987
निर्देश दं० ग्रर्ड 1दी/37ईई/64/86-87—ग्रतः

मुझे, पी० एन० बंसल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सब खुला जमीन का हिस्सा जिसका विस्तार लगभग 7098 चौरस मीटर है। जी कि जमीन का बड़ा हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 14029 चौरस मीटर का श्रंश है। जिसका की नया सर्वे नं० 2497 श्रौर सी० एस० नं० 152 परेल सिवरी डिबिजन, जो परेल टैन्क रोड के पश्चिम मे स्थित है।

(भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है)
श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम 1961 की
धारा 269 क, ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 1-9-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास
करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तिगितयाँ) व बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पथा गया प्रतिफल, निम्नी जिस उद्देवरेय से उच्त अन्तरण
आधिक में वास्तिक रूप से का त नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयकी बाबत उपक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सीवधा के लिए;

जतः जय उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) जीवनलाल (1929) लि॰।

(भ्रन्तरक)

(2) दीपक इंटरप्रायसेस (सोल प्रोप्रायटरी डिवीजन ग्राफ सी० प्रिन्सेस होटल्स दण्ड प्रापर्टीज लि०। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मृति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

सब खुला जमीन का हिस्सा जिसका विस्तार लगभग 7098 चौरस मीटर है। जो कि जमीन का बड़ा हिस्सा है जिसका क्षेत्रफल 140 चौरस मीटर है। का ग्रंश है। जिसका कि नया मर्वे नं० 2497 श्रौर सी० एम० नं 152, परेल सिवरी डिविजन, जो परेल टैन्क रोड़ के पश्चिम में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्रई-1बी/37-ईई/10714/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक. 1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक: 1-5-1987

## मुक्त वार् .डी .स्य .व्य प्रशासनातता

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

## **बार्यांचन, बहायक नावकार मानुबरा (निरक्षिण)**

म्नर्जन रेज-1बी, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 मई 1987

निवेश स० श्रई-1दी/37-ईई/335/86-87--- प्रत मुझे, भी० एन० बसन,

प्रौर जिसकी संज्ञाहन 3 जिसका विस्तार लगभग 2695 चौरस मीटर है फार्मिंग पार्ट श्राफ सीज एक 191, (श्रण) लोश्नर परेल डिविजन, डाल एसल एसल राव, रोडइ लोश्नर परेल, बम्बई-12 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित हैं), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं विनाक 11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के बन्ध्य शीतकत से अधिक हैं और सतरक , तिरकों) बौर सत रिती (जंतरितियों) के पित्र सतरण के सिए एम पामा क्या प्रतिक्क निम्नसिचित जबूदोस्य से उक्त जंतरण मिषिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.——

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत विधिनियम के बधीन कर दन के बन्तरक क वादित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/वा
- (क) एंडे किसी बाब वा किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-अब्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्यरिती बुवाय प्रकर नहीं किया गया या वा किया बाना बाहिए थर, क्रियाने में सुविधा के लिए।

बर: बब, उच्छ वीधीनवन की भारा 269-ग के जनुसरण को, को, बक्त वीधीनयक की भारा 269-च की उपभारा (1) को बजीन, विकालिकित व्यक्तियों अर्थात् ह—

- (1) राजकमल कलार्मदिर प्राइवेट लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) वि० एण्ड एीं० श्रासोमिएटस। (श्रन्तरिती)

को वृद्द बुचना थारी करूको पूर्वोक्य चन्नित् को वर्षन के विक् कार्रवादिया वृक्ष करता हूं।

#### दवस हज्यक्ति के वृष्ट्रंग के सम्बन्ध में कोई भी नामेप 🚈

- (क) इस ब्रावा के रावप्त में त्रकावन की तारीय ने 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की नविधि, को नी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस त्यना के एकपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्वकास्तरण :---इसमें प्रयुक्त सकते और पर्वो था, को उक्त अधिनियम को अध्यात 20-का में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्यास में विसा समाही।

## ग्रनुसूची

प्लाट न० 3, जिसका विस्तार लगभग 2695 चौरस मीटर है। फार्मिग पार्ट ग्राफ सी० एस० न० 191 (ग्रश) लोग्नर परेल डिविजन, डा० एस० एस० राव रोड, लोग्नर परेल, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० स० अर्ड-1/37-ईई/1074/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेज-1बी, बम्बई

दिनाक . 6-5--1987 को<del>ड</del>र

## प्रकम काही, टी. एन. एस-का-क-----

1. श्री भरत एस० मेहता।

(भन्तरक)

2. श्री ज्योतिद्र एस० शहा।

(भ्रन्तरिती)

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) धर्जन रेंज-1वी

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निर्देश सं० श्रई-1/1बी/37-ईई 67//12658/86-87—- ग्र त मुझे पी० एन० बंसल

नायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्कर अभिनियभ' कहा गया है), की भारा 269-ज अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 52, रत्नाकर को-आप० हार्जासग
सोसायटी लि०, 8वी मंजिल, खेतवाड़ी, बम्बई-4 मे स्थित है
(श्रीर इससे उपायक भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)/
श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 11 सितम्बर 1986

को पूर्नोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापुबाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुद किसी जाव की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निक्;

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--

को यह सुचना जारी करके पृतांकित सम्परित के वर्जन के भिए कार्यवाह्यां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल विषय किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण -- इसमें प्रयावत सम्बां और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अमृसूची

फ्लट नं 52, 5वीं मंजिल, रत्नाकर की-ग्राप० हार्जीसग सोसायटी लि०, 8वीं लेन, खेतवाड़ी बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जसाकी ऋ० मं० श्रई 7/1 वी/37-ईई/10742/1-86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1086 कोरजिस्दर्ड किया गया।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1ए/1वी, बम्बई

विनांक: 6-5-1987

#### भवन बाई . ही . एन . एस . =-----

# मानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

## कार्यातय, सहायक अध्यकर बायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-1ए/बी

बम्बई, दिनां क 6 मई, 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' हहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थात्र सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/। रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 6 ग्रीर गैरेन नं० 17, श्रलक नंदा को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डा० देशमुख नले बी० पी० रोड, बम्बई-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्श्यमान प्रतिफल सं, एसे द्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) असरण सं हुई किसी आय को बाबन, उदल अधिनियम के अधीन कर दीने के अतरक के दायि व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा क लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सविधा के लिए।

अतः अध, उनत अधिनियम को भारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियो. अर्थातु:—— 1. श्रीमती रेखावेन चंद्रकांन शहा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री किशोर प्रभूलाल तलाटी ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इवारा,
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेहम्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-व मे यथा परिभाषित है, यही अर्थ हागा वा उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

फ्लट नं० 6 ग्रोर गैरेज नं० 17, ग्रलकनंदा को-ग्राप०-हार्जासग सोमायटी लि०, डा० देशमुख लेन, वी० पी० रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-1ए/1बी/37-ईई/10763/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11 9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(पी० एन० बंसल) मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज 1ए/1बी/बम्बई

दिना र : 6-5-1987

मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार कार्यालय, स**हायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज/1क्षी

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निर्देश सं० ग्रह/1बी/37-ईई/62/86-87----ग्रनः मुझे, पी० एन० बंसल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 25, पेटीट मेन्शन, स्लेटर रोड़। बम्बई-7 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है)/भ्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 के, ख के स्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 18 सितम्बर 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल क तिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का जेलित राजार भूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्नलिखित द्रदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उत्तस्ते बचने में सूविधा के लिए; आर/या
- (भ) एसी लिसी बाब या किसी भव वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, जिल्लाने में स्विधा औ लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निम्निसिक्षत व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री पंस्टनजी एम० कपूर और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मारा युसूफ वुक्तवाला आरंर अन्य। (अन्तरिती)
- भ्रन्तरकों।

(बह् व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का थह मुपना पारी करके पृश्वीका सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पाप्त के मर्जन के सम्बन्ध को साई भी नामच क--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नाहि से समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोंकर स्विकारों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा क्भोहस्ताक्षरी के पाड नितास में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों-का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अन्स्ची**

क्लट नं० 25, पेटीट मेन्शन, स्लेटर रोड़, बम्बई-7 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी क्र० मं० भ्रई/1बी/37-ईई/10755/86-87 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज /1बी, बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1/1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निर्देश सं० ग्रई/1बी/37-ईई/72/86-87—श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000 / रू. रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस जी 4थी मंजिल पर तब रतन इमारत, पी० डिमेलो रोड, कर्नाक दंदर, बम्बई-9 में स्थित है (श्रार इसमें उपायद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्पयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्पयमान प्रतिफल से ऐसे स्पयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिबों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, मिम्मिलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्म श्रोसियन ऐरीग्रर्म प्रायवेट लि॰।

(ग्रन्तरक)

2 मैसर्न श्रोमगा होल्डींग्ज प्राथवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

#### अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस जो 4थी मंजिल पर, नव रतन इमारत, पी० डिमलो रोड, कर्नान बंदर, बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी किं मं० श्रई-1/1बी/37-ईई/10771/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्वई द्वारा दिनांक 19-9-1986 को रजिस्जर्ड किया गया है।

पी०एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए/1बी, बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

## AND MINE CO. MA .. THE CONTRACTOR

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (१) जे नभीन सुमना

#### बारव बरकार

## कार्यस्य, सहारक शासकर वायुक्त (निरक्षिण)

भ्रजंत रेंज-1बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निर्देश सं० ग्रई-1ए/1बी/37-ईई/71/86-87—ग्रत: मुझे पी० एन० बंसल

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलेट नं० 26, 7वी मंजिल, ग्रीर कार पाकींग स्पेस नं० 4, सेंट्रल कोर्ट, 18, मोटलीबाई स्ट्रिट, बम्बई-11 मे स्थित है (ग्रीर इससे उपावत प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा अधकर ग्रीक्षियत .1961 की धारा 269 के, खे के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 19 सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिफल के अपेट अंतरिकी और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिचित मे वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बावत, उक्त विभिनियम के नगीन कर योगे के अन्तरक के वियत्य में कमी करने या उसले क्चने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी निन्ती जाम मा किसी भन वा जल्म कहिस्तयों को, चिन्हें भारतीय जावकर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिवियम, गण भनकर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृषिभा के निए;

1. श्रीमती ग्रेटाबेल डिसोझा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरून टी० मेमन भौर 3 धन्य।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप्रण में प्रकाबन की तारीब के 45 जिन की काणि वा तरबस्वन्यी व्यक्तिकों पर सूचना की तामीन से 30 बिब की अविधि, को भी व्यक्ति वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तियों में से किसी स्वक्ति स्वारा.
- (क) इस सूचना के राज्यम में बक्तायन की जारीचा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितकपूथ किसी अन्य स्थावत ब्हाश मधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगं।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों बीर पर्यों का, को अवस्थ विभिन्नियम, के कश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अञ्चल में विका गवा है।

#### समयची

फ्लेट नं० 26, 7वीं मंजिल, धौर कार पाकिंग,स्पेस नं० 4, सेंट्रल कोर्ट को-भाप० हार्जीसगसोमायटी लि० मोटली बाई स्ट्रिट, बम्बई-11 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी के० सं० श्रई- $1 \frac{v}{1}$  श्री  $\sqrt{37} \frac{x}{5}$  श्री  $\sqrt{86} \frac{x}{107}$  को सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय दिनांक  $\sqrt{19} \frac{x}{107}$  को  $\sqrt{19} \frac{x}{107}$  किया गया है।

पी० एन० बंसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-/1वी, बम्बई

दिनांक: 6-5र1987

प्ररूप माई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर जागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1धी, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 मई 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 305/बी, मिन्य कर्माणयल सेंटर, 216 ए, डा० ए० बी० रोड, घरली, बम्बई-25 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25 सितम्बर 1986

का प्वांक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंतान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त तंपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयंगान प्रतिफल से एसे स्वयंगान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुर्द किसी आध् की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितवां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री अनील माधवराव पारकर।

(ग्रन्तरक)

- 2. मेसर्स न्यू होरीझन लिसिंग एण्ड फायनान्स लिसिटेंड (अन्तरिती)
- भेसर्स शिवम् कापोरेशन।
   (वह क्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्ला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुंबारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकामी।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

305/बी, मिलिष कर्माणयल सेटर, 216ए, डा॰ भ्रती बेझट रोड, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं श्रई-1बी/37-ईई/10812 /86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1क्षी, वस्वर्क्

विमांक: 6-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

## नायकार नियमित्रमम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) से समीन सुमना

#### शास्त्र वरकार

#### कार्याचन, सहायक कायकर वायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1बी, बस्बई बम्बई, विनांक 6 मई 1987

निर्वेश सं० ग्रई-1वी/37 ईई/63/86-87---ग्रतः मुझे पी० एन० बंसल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लेंद्र नं० 64, 6टी भंजिल धिकास फ़ीन्लें टाबर्स, प्लाट नं० 190, परेल सिवरी डिवजन, बम्बई-12 में स्थित है (बौर इससे उपावब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है)/श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25 सितम्बर 1986

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफन के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उभित बाजार बूक्य, असके द्रश्यमान प्रतिफन से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफन के पंद्रह प्रतिसत से गृशिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंत-रितिमों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गथा प्रतिफन, निम्निविधित उद्वोदय से उक्त बंदरण बिधित में बास्तिक क्य बे कथित अहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के सिए; बरि/बा
- (क) देवी किसी बाय या किसी भग या बन्य जास्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त राधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के निए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थीत् :---

1. श्रीमती सुमित्रो सी० शहा ।

(भन्तरक)

2. श्रीमती बोमी दरशा कविना।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हु।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध को कोई भी बाखेप हन्न

- (भ) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा सं 45 वित्र की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बबिध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति एतरा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

पलेट नं० 64, 6ठी मंजिल, विकास फीन्ले टावर्स, प्लाट नं० 190, परेल सिवरी डिविजन, परेल टैन्क रोड़, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर संर प्रई-1/1बी/37रईई/10816/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 15स 9-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीनरेंज-1बी/, बस्बई

दिनांक: 6-5-1987।

अक्य बार्च .टी.इन.एस. ------

नायकर निमिनियम, 1964 (1961 का 43) की वॉरा 269-म (1) के नचीन सूचना

#### area againg

कार्यक्रव, सङ्घायक बावकार बाव्का (विर्योक्षण) अर्जन रेंज-1वी, बम्बई

बम्बई, विनाक 6 मई, 1987

निर्वेश सं॰ भई-1वी/37-ईई/147/12910/86-87

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसमें परमात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-व ने नधीन समन प्राधिकारी को यह निस्तास करने का कारण है कि स्थापर सम्मरित, विश्वका स्वित शाकार मुख्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूभिट नं०215, 2री मंजिल, शहा, नहार इंडेस्ट्रियल इस्टेट, डा० ६० मोजेस रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है, (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है)/भीर जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 25 मितम्बर 1986

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कन के अस्प्रज्ञान व्रसिपक के सिए बन्तरित की नहीं ही जीर मुळे वह विश्वास मूळे यह विश्वास करने का कारण ही कि वजा पूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्लबान व्रसिपक के नेत्र्य प्रतिक से विश्वास से विश्वक ही जीर बन्तरित (बन्तरित को सिप के बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरित के सिए सब पाया गया प्रतिकत, निकासिक के बीच एसे बन्तरित कारारित किया निकास में बाल्यरित के सिक्त के सिए सब पाया नया प्रतिकत, निकासिक के बीच एसे बन्तरित बन्तरित के सिए सब पाया नया प्रतिकत, निकासिक के बिक्त के सिक्त के सिक्त नहीं किया जात्र ही है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने को अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (बार्र एसी किसी आम या किसी भन या जन्म जास्तिमों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जायकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती व्वारा अकंट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए?

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के क्शीन, निम्मीवित व्यक्तियों अर्थात् धं— 1. श्री मुलचंद मकाजी वोरा।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स सालगावकर मार्यानग इडस्ट्रियल प्रायवेटलि । (भन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यनहिंद्य करता हूं।

त्रवत तत्रवित के कर्षन के तत्रवर्ध में क्षेत्रि भी बार्बंप हु---

- (क) इस बुचमा के रायपन में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 दिन की नवींचे वा सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर बुचमा की वाजीय के 30 दिन की नवींचे, वो की समीच वाद में समाच्या होती हो, के भीतर प्रवेतिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय प्रवास
- (क) इव स्थला के राज्यन में प्रकाषित की वारीय के 45 दिन के जीतार क्वल स्थावर कम्मील में दिल-नद्भ किसी अन्य स्थलित द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए वा तकीये।

#### नगृत्यी

'य्निट मं० 215, 2री मजिल, महा-महार (बरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० ६० मोजेंस रोड़, वरली, बम्बई -18 मे स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० स० ग्रई-1बी/37-ईई/10824/ 86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 25- 9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन० बसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1बी, बस्बई

दिनाक: 6-5-1987।

प्ररूप गाई. टी. एन. एस.-

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) भ्राफन रेंज-2, बम्बई

> बम्बई, विनांक 7 मई, 1987 तं० श्रुई-2/3**7**-ईई/37888 86-87—श्रुट

निर्देश सं० म्राई-2/37-ईई/3788886-87—म्रातः सुझे के० सी० शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 502, 5सीं मंजिल, क्लामर, प्लाट नं. 50, सी० टी० एस० नं० एफ/850, टी० पी० एस०, 3, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 2 सितम्बर 1986

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बहरामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बहरयमान प्रतिफल से एसे बहरामान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरित्ती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, विस्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐती किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, चिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं- कर अधिनियम, या धनं- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानै में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण मों, मीं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ण की उपभारत (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. मेसर्स धहरा इंटरप्रायजेस।

(भन्तरक)

2. श्री विहारी पी भौर मास्टर भनील असरानी

(मन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ॰ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्केटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

फ्लेट नं० 502, 5वीं मंजिल, कलामर इमारत, प्लाप्ट नं० 50 सी टी॰ एस॰ नं॰ एफ॰/850, टी॰ पी॰ एस॰3, बोद्रा, बस्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैंसाकी कि सं अई-2/37-ईई/37888/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिांक 2-9-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 7-5-1987

वक्ष बार्ड. टी. एन. एच. :-----

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को वभीन सूचना

### बाइत बुरका

कार्यासय, सहायक भायकर आयंकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्वेश मं० श्रई-2/37-ईई/37889/86-87--श्रतः मुझे के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाए 'उक्त अधिनियम' भक्त पया है), की धार्थ 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- एउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 502, 5वीं मंजिल प्रक्लामर हमारत, प्लाट नं० 50, सी० टी० एस० नं० एफ०/850 टी० पी० एस०3, बांद्रा, बम्बई-50 जो टेरेस के साथ में स्थित है (इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-9-86

का पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दिवसान अित्रल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि संभापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का मृत्य प्रतिदृश्य से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाता गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्वेष्य से अक्त जन्तरक विवास में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई 'किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एंसी किसी बाय्या भन वा बन्य बास्त्यां कां, जिन्हें भारतीय बायकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्यम, या अवकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्दिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा कि वा बाला चाहिए वा, कियावे में सुनिया के देखा;

कतः थम, जन्म विभिन्नम की भारा 269-ग चै वन्हरूच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— मेसर्स भहरा इंटरप्रायजेस।

(ब्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रिती बी० ग्रसरानी और मास्टर सुनील बी० ग्रसरानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के शिए कार्यवादियों करता है।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
  45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह
  सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्षि, को भी
  जबधि बाद में समाप्त होती हो, को मौत्र पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाए;
- (व) इस सूबना के ग्रजपत्र में प्रकासन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित्बक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त किंपिनयन, के नम्मान 20-क में परिभाषिक्ष है, वहीं नर्थ होगा, भी उस नम्बाय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 502, 5बीं मंजिल, क्लामर इमारत, प्लाट नं० 50, सी० टी० एस० नं० एफ०/850, टी० पी० एस० 3, बांद्रा, बम्बई-50 जो टेरेस के साथ स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी फिल सं के प्रई-2/37-ईई/37889/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

दिनांक: 7-5-1987

मोष्टर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/37895 श्रीर 37968/86-87---श्रत: मुझे के० सी० णाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/-रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मधु सरिता ग्रर्पामेंट्स बनाक ए, फ्लोट 15, बैरामजी डिजीभाय रोड वैन्ड स्टेन्ड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रन सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीहै, दिनांक 1-9-1986, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दक्षिण तालक, बंगलूर में धारा 269ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/ के.पास रिजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती नोशिना लखानी।

(भ्रन्तरक)

2 श्री बिलाल एन्. खटाउ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जिन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

मधु सरीता श्रपीट मेंट्स, ब्लाक ए, फ्लेट 15, बरामजी जिजीभाय रोड़, बैन्ड स्टेन्ड बांद्रा, [बस्बई-400050 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी क० सं० अई-2/37-ईई/37895 और भीर 37968/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 को रजिस्टडर्ड किया गया है।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ई

दिनांक: 7-5-1987

# प्रथम आहे. डी. एव. सुरा.-----

भायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की. शरा 269-च (1) के भंधीन स्चना

### भारत तरकार

कार्यस्य, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/37937/86-87--- मत: मुझे के० सी० शाह

क्रांसकर विधिनियक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात 'उक्त व्यथिनियम' कहा क्या हैं), की भारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 5,00,000/- रा. से विधिक है

मौर जिसकी संव प्लाट नंव 233, एकव एव नंव 233 जिसका सीव टी. एसव नंव बी-730, बी-731, बी-732, बी०/733, बी०/735, माउट मैरीज रोड़ और परेरा रोड़ का जक्णन, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)/और जिसका करारनामा आयकर प्रधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के जंजीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के का कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 2 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिफल से ऐसे रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्वेषय से उक्त कन्तरण लिखित में बाहतिक रूथ से का बत नहीं किया गया है ए---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उबत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कबी करने या उससे सचने में सृष्टिधा के लिए बीप/या
- (का) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा में स्विधा में स्विधा

बतः ज्वा, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजिक्त स्पन्तियाँ, अर्थात :--- 1. रैक्टरंड डा० सिमन अभय० पिमेंटा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एच० पी० गुप्ता (हि० । ১৯০)।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कामवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्षण :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30, दिन की बवृधि, जो भा अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न क्या किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकींगे।

ल्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उपरा विधानियमः, के अध्याय 20-क में परिशाणित हाँ, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय ने प्रस्ता पत्रा हाँ।

## धनुसची

प्लाट मं० 233, एम० ए० नं० 233 जिसका सी०टी० एस० नं० बी/730, बी०न्731, बी०/732, बी०/733 बी/735, मार्जट मेरीज रोड़ परेपा रोड, का जंक्यन, बाद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

भनुमूची जैसाकी क० सं० अई-2/37-ईई/37937/86-87 और जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्रशिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-2, बस्बई

दिनांक: 7-5-1987।

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बद्रविनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० श्रर्थ-2 37-ईई 37945 86-87—श्रतः मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 4, गिंद बोद्रा श्रोसिएन व्ह्यू को-श्राप० हार्डासग सोसायटी लि०, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इसं उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5 सितम्बर 1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से काम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित धास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बक्तने में सुविधा के जिए; और/मा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 6—106 GI/87 1. श्रीमती मुक्ता चंद्रशेखर राव।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहमदग्रली हुमनबारदणवाला, श्रीमती, झरीना मोहमदग्रली बारडाण वाला श्रौर श्री मिनहाझ-ग्रली मोहमदग्रली बारदाणवाल।

(ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विवत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 4, 1ली मंजिल , दि बांद्रा घो० सी० एन० व्हयू को-ध्राप० हाउसिंग सोक्षायटी लि०, 19, हिल रोड बांद्रा , बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-237-ईई37945 86-87 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दारा दिनांक 5-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सीं० शाह ॄैसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दम्बई

दिनांक: 7-5-1987

प्रस्प जाइं टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्वेश सं० ग्रई-2 ैं 37-ईई ] 37982 ैं 86-87—ग्रतः मुझे, के० सी० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 80, टी० बी० एस० 4, बांब्रा सी० टी० एस० नं० एफ० 975, बांब्रा, बम्बई -50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनाना श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीण बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5 सितम्बर 1986

क कायालय में राजस्ट्री है। तारीख 5 सितम्बर 1986 को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से मृक्त अन्तरण लिसित बास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कनी करने वा उक्से वचने में मृषिधा के तिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या धन टा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती व्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिए;

अत: अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अमत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, मिम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 डा॰ रोजर रोड्रिग्ज।

(भ्रन्तरक)

- 2 श्री चंद्र एल० रहेजा भीर श्री सुरेश एल० रहेजा। (भ्रन्तरिती)
- 3. भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति) है

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी है के 45 विन की अवधि या तरांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षांध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **अनुस्**ची

सम्पत्ति जिसका प्लाट नं० 80, टी०पी० एस० 4, बांडा, सी० टी० एस० नं० एफ० 975, गुरू नानक रोड़, बांडा, बम्बई-50 जो स्टुक्कर्स से साथ स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-237-ईई/37982/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 5-9-1986 को रजिस्क किया गया है।

(के० सी० शाह) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रज-2, बस्बई

दिनांक: 7-5-1987

# इक्ष् बार्चं टी. एवं ्रवं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्वेश सं० ग्रई-2/37-ईई/38094/86-87—ग्रतः मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसमें इसमें प्रचाद 'उनत अधिनियम' कहा पदा हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/-उ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-2, 1ली मंजिल, बांद्रा लिबर्टी को-अप० हिलाउसिंग सोसायटी लि० 98-बी, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ज रूप से वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 9 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाचार बृश्य से कम के देववाय वितिष्य के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि स्था पूर्वोक्त सरम्पति का उचित वाचार मृत्य, उसके देवयमान प्रतिकत से, एसे अस्यमान प्रतिकत से, एसे अस्यमान प्रतिकत से, एसे अस्यमान प्रतिकत से विश्व क्तारक (अन्तरकाँ) की सम्पत्ति के वीच एसे अन्तरण के सिए तब श्रामा प्रतिकत हैं उसके अस्तरण के सिए तब श्रामा प्रतिकत हैं उसके अस्तरण की सिए तब श्रामा प्रतिकत हैं उसके अस्तरण की सिए तब

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबते, सकत अभिनियम के बभीव कर वोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (वं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में देवियों के किए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निकनितिकतु व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमली फान्सीस मेरी फनान्डीस।

(भन्त रक)

- 2. श्री एन० बी० शेड, ट्रस्टी स्नाफ शेफेमिची ट्रस्ट। (श्रन्तरिती)
- अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिणेग में सम्पत्तिन) को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की वविध, आं भी सविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीत्र उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितकेषुष किसी अन्य व्यक्ति श्वास, नभोहस्ताक्षरी में शेख सिचित में किए वा सम्बेंगे।

स्वव्यक्षिकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, वा अवस्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया मंत्रा है।

# वगृत्यी

फ्लेट नं० ए-2, 1ली मंजिल, बांद्रा लिबर्टी की-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 98-बी, हिल रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/38094/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बबई द्वारा दिनांक 9-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० मीं० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 7-5-1987

प्ररूपं आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आवकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० ग्रई-2 37-ईई 38103 86-87—ग्रतः मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पले नं 51, 5वी मंजिल, श्रारीयान, प्लाट नं 158, पेरी रोड़, बांद्रा, बम्बई -50 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्वालय में रिजम्ट्री है। तारीख 9 सितम्बर 1986 को पूर्विक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बोचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स बूडलेन्ड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लाल जे० पंजाबी।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्मित्त के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 51, 5वीं मंजिल, ध्ररीयान, प्लाट नं० 158, पेरी रोड़, बांद्रा, बस्बई-50 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/38103/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-9-1986 को रजिच्टर्ड किया गया है।

> के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 7-5-1987

# **१क्य नाइ**ं, टॉ. एन. एस.,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० श्रई-2/37—ईई/38113/86-87:—श्रतः मुक्षे, के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  $5,00,000/\sim \tau_0$  से अधिक है

ग्रौर जिसकी संज फ्लैंट नंज 1, माय-कासा, 24वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई--52 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का जायत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अन्तरक (अन्तरकों) बार जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पाम प्रतिफल, विश्वास एसे अन्तरण के जिए तम पाम प्रतिफल, विश्वास एसे अन्तरण से उक्त बन्तरुष निष्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व मं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) मैंसर्स देवेन्द्र कन्स्ट्रकशन कार्पोरेशन । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती किंतू के० बजाज। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यिवतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# अनुसूची

पलैंट नं० 1, 1ली मंजिल, माय-कासा, 24वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-2/37-ईई/38113/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 9-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987.

प्र**क्ष भार**्टी, एवं, एस<sub>्नन्यस्य</sub>न्त

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यांक्य, सङ्घायक शायकर शायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987 निर्वेश सं० धर्ड-2/37-ईई/38119/86-87--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात् 'उक्त विभिन्नियम', कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं० पत्तैट नं० 2, 2री मंजिल, सन्डेल इमारत, प्लाट नं० 199, कांटाबाडी स्किम, सालसेट कथालिक को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बांब्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिस का करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-9-

को पूर्वोक्स सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है याँर अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) नंबरण र्ष हुन्दं किसी बाय की बान्छ., उक्त, भाषिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे ब्युवे के सुविधा के लिए; सार/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, चिन्हों बारतीय जानकड विचित्तिया, 1922 की 11922 की 11) या उक्त जिथितियम या चनकर विधितियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इंबारा प्रकट नहीं किया येवा वा या कियाने में त्विया की दिस्स,

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजि**धित व्यक्तियों, वर्षात् क्ष**न्त (1) श्री डेम्जील डिसोजा,।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मे॰ परेरा।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीज के 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों यह सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, वो की जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थानीकरण:---इसमें प्रयुक्त संब्यों और पदों का, जो उनत जीं पर निवस के नभ्याय 20-क में परिभागित हैं, है, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में क्षेत्र नया है।

## मन्सूची

पलैट नं० 2, 2री मंजिल, संडेल इमारत, प्लाट नं० <sup>7</sup>199, कांटाबाडी स्किम, सालसेट कथालिक को-आप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, पेरी रोड, बांबा, अम्बई-50 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37-ईई/38119/86-87 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), झर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रुर्जन रॅज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्वेश सं० भ्रई-2/37-ईई/38201/86-87- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, कसारा को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 240, पाली रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-9-1986

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान क्रिक्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्ववेश्य से उक्त अंतरण कि बित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके दचने में सृविधा के लिए:
- (क) ऐसी किसी आय या धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुयिधा के लिए; और/या

(1) श्रीमती राधाबाई किणीनदास भाटिया । (धन्तरक)

(2) श्री मुनील म्रार० परवानी म्रोर श्रीमती मौला म्रार० परवानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## . अनुसूची

फ्लैट नं० 15, 1ली मंजिल, कसारा को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 240, पाली रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/38201/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 7-5-1987.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

The state of the second second

निर्देश सं० ग्राई-2/37—ईई/38210/86-87—-श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्प्रौर जिसकी संव फ्लैट नंव 12, 1ली मंजिल, क्षितिज, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई—50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12—9—1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और सूझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्क्र प्रतिकत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया जवा अतिक से, विस्तिविविव अव्देष्य से अक्त कन्तरण कि विद्या पाया के सिल्ह से सम्बन्धित के सामा कि से सामा कि सामा क

- [क] अन्तरण ये हुई किती बाग की वानत, उपत वर्तिप्रवित्त के नवीय कर दोने के जल्तरण के वर्तिपत्त से कबी करने वा उत्तवे वचने में कृतिथा से विष्णु और/वा
- (वाँ) एकी किसी जान या निस्ती धन वा जन्म बास्तियों करें, जिन्हें धारतीय बाद-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनिवस, या धन-कर विधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरी हनारा प्रकट वहीं दिवस गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाव्र :---- (1) मैसर्स नटराज कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्राजाद झबरचंद भंडारी श्रांर श्रीमती तारा ग्राजाव भंडारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करणा है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई 'भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

पलैट नं 12, 1ली मंजिल, क्षितिज हिल रोड, बांद्रा, बम्बई--50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/38210/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1987.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई-38218/86-87:--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीम सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, 6ठी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत ममाबिएल, सी टी एम नं० 496, मन्युश्रल गोन्साल्वीज रोड़ श्रीर सेंट श्रन्थोनी रोड का जंक्शन, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 12-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्षत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :---7--106GI/87

(1) मेसर्स परेरा कन्स्ट्रवशड कंपनी।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती सिवना फर्नान्डीस ग्रौर श्री लारेन्स फर्नान्डीस। (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ल) इत मूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबध्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 2, 6ठी मंजिल, निर्माणाश्चीत इमारत, मैसाबिएल, सी टी एम नं०496, मैन्युग्रल गोन्माल्वीज रोड़ श्रीर सेंट श्रन्थोनी रोड का जंबणन, बाद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि कि कं सं ग्रई-2/37-ईई/38218/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 12-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज--2, बम्बई

विनांक: 7-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

िर्देश सं० श्रई-2/37--ईई/38249/86--87:--ग्रत: मुझे, के०सी० शाह,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 5,00,000/~ रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 1ली मंजिल, माय-कासा, 24वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रुप से वर्णित है, श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-9-1986

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स देवेन्द्र कन्स्ट्रक्शन कार्पोरेशन ।

(श्रन्तरक)

(2) बिंटे फातिमा श्रौर सैयद मोहमद हैवर श्रबिदी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सायक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिक्सि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अन्त्रची

फ्लैट नं० 4, 1ली मंजिल, माय-कासा;24वा रास्ता,बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है ।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्ड-2/37-ईई/38249/86-87 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), घ्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 7-5-1987.

ब्रक्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सैं॰ म्रई-2/37—ईई/38295/86—87:—-म्रतः मुझे, के॰ सी॰ णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 1ली मंजिल, चोपरा निवास, 52, श्रुलेडा पार्क, बाद्रा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थि सक्षा प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारी ख 12-9-198 के को पूर्वीवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अक्षं, उक्तं अधिनियमं, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री गुरमित सिंह छडडा ग्रौर श्रीमती सुरजीत छेडडा । (ग्रन्तरक)
  - (2) प्रेसमन लिसिंग लिमिटेड ।

(म्रन्तरिती'

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सेकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिशा गया **है**।

## मन्त्रची

पलैट नं० 4 1ली, मीजिल, चोपड़ा निवास 52, श्रल्मेडा पार्क बान्द्रा बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कठ सं० श्रई-2/37—ईई/38295/86— 87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 7-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-५----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 7 मई 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10 कोस्त्का हाउम, 2री, मंजिल, सेंट पिटर्स को श्राप० हाउमिंग सोसायटी लि., भैन्युग्रल गोन्मालवीज रोड, घान्द्रा बम्बई—50 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, दिनाक 16—9—1986। को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्रयंगान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंदरण के सिए तय पाया नया प्रतिकल का निम्नसिवत उद्देश्य से उक्त कन्तरण निवित में बास्तिक कम से किंग्त नहीं किया गया है क्ष्म

- हैंकी सन्तर्भ है हिंदी किसी मान की नान्त करक मीधीनवस को नधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य वी कमी करने या अवसे वचने को बृधिया के किए; और/या
- (च) एसी किसी बाम वा किसी पम या कन्य, क्शस्तियों को, चिन्हों भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, क्ष्मियम, क्ष्मियम, क्षितियम, क्ष्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वामा वाहिए वा, क्षियाने के प्रकरित के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् '---

(1) श्रीमती पी० पी० डिमेलो।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री ए० डिमेलो ग्रौर डी० डिमेलो। (ग्रन्तरिती)
- (3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करशः हुं।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के संबंध में कर्न्ड भीआक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूपना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों दितकक्ष किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत काँचनियम, के अध्याय 20 के में परिधानित हैं, यही अर्थ होना को उस अध्याय में दिसा क्या हैं।

## अनुसूची

पलैट नं 10, कोत्स्का हाउम 2री, मजिल, मेंट पिटर्स को-श्राप हार्जीमग सोसायटी लि मैन्युग्रल गोन्साल्वीज, रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि० सं० श्रई-2/37—ईई/38331/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 16-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० मी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1987

werestern By FB. (3. 1818 PR)

# सहस्रकार वर्षिवियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के ब्योन स्पना

भारत सरकार

# कार्याजय, बहायक वायकतु वायुक्त (विद्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 मई 1987

िदेश सं० अई-2/37-ईई/38401/86-87--श्रतः मुझे, के० सी० शाह

कामकर किंचिनमम, 1961 (1961 का 43) (विके इसकें इसकें प्रथमत् (उक्त अधिनियमं कहा गमा है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राणिकप्रपी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5.00.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० पर्लंट नं० 601 ब्लू डायमंड (बान्द्रा ब्ल्यू डायमंड प्रिमायमेस करें। श्राप० हार्जामग सोसाईटी लि०) पेरीकास रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है, श्रौर जिसका करारगामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, दिनाक 19-9-1986

का पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजाइ मूक्य, असके क्यमान प्रतिफल से, एने क्यमान प्रतिफल सा उपित का निक्त सा मित्र है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से क्यिल नहीं किया थ्या है क्ष्र-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त वृद्धिनिष्य के व्यक्ति कर दोने के वृत्युक के वाहित्य में कमी करने वा बचने वजने में सूरिक्षा के जिए; बाह्य/या
- (अ) एपी किसी जाय वा किसी धन या कन्य नास्तिकों कर्ने जिन्हों नारशीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम वा धनकर व्यक्तियम वा धनकर व्यक्तियम वा धनकर व्यक्तियम वा प्रकृतियम (1957 का 27) में ह्वांचनार्थ वन्तिरियों ब्वारा प्रकृत नहीं किया धना साहिए था, किया में स्थिका के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीतः:— (1) कुमारी नाहीव कामरान ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रानद राव डी० दास, श्री सुधिर ए० दास श्रीर श्री प्रदीप ए० दास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# जनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यक झ---

- (क) रक सुदना के राज्यन में प्रकाशन की तारीश हैं
  45 दिन की कविश्व या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
  बूजना की तामील से 30 दिन की अविष्, को और
  वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्यं
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांगाः
- (क्ष) इस स्था के राजपन में प्रकाशन की तारींच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्ष सिती बन्ध व्यक्ति द्वारा जन्नोहस्ताकारी के पाल सिसित में किए का सकोगें।

स्वव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो संबंध श्रीधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस वध्याम में दिया गका है।

## अनुस्ची

फ्लैट नं० 601, जो कि 6ठी, मंजिल, ब्ल्यू डाययंड (बान्द्रा ब्ल्यू डायमंड प्रिमायमेस को० प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०) पेरी कास रोड, बान्द्रा बम्बई--50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि करु सं० श्रई-2/37–ईई/38401/86–87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19–9–1987 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बम्बर्स** 

दिनांक: 7-5-1987

प्रक्ष बाह् टो. एम. एस.,-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निवेश सं० श्रई-2/37-ईई/38402/86-87-श्रतः मुझे के० सी० शाह

भागकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उकित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, 1ली, मंजिल, क्षितिज इमारत, हिल रोड, बान्द्रा बम्बई—50 में स्थित है। (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रुप से विणत है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-9-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्तियाँ) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण र्वहर्ष किसी नाव की वावस उत्तर वाधिक अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्व को कभी करने वा उत्तर्व क्यने के सुद्धिया के लिए; और/या
- (च) एसी किसी काय या भन या ग्रन्थ अस्तियों की, विभन्ने भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) मेसर्स नटराज कारपोरेशन।

(भन्तरक)

(2) वरुण इस्टेट्स प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

च्ये यह स्वता जारी करके पृशांकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाओं :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमधूभ किसी बन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वो उच्छे जिभिनियम के जभाग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस जभ्याय में दिवा नवा हैं।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 11, 1ली मंजिल, क्षितिज इमारत, हिल रोड; बान्द्रा बम्बई—50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क० सं०  $\xi = 2/37 - 2\xi/38402/86 - 87$  श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब $\xi$  द्वारा दिनांक 19 - 9 - 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 7-5-1987

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इस्ते इस्के पश्चात् 'स्वत् अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मून्य 5,00,000/- रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, प्लाट नं० 48, टी० पी० एस० 3, 16वां रोड, गुरु नानक पार्क के सामने, बान्द्रा (प), बम्बई—50 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक: 19—9—1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के कारवान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का स्वित्त बाबार कृष्ण, स्वकं कावजान प्रतिफल सं, एसे कारवान प्रतिफल का क्ष्मित का स्वित्त का कारण है कि मत्ति अंतरक (अंतरकों) और बत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के बाधीन कर दोनें को वंसरक के बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधः के लिए; और/या
- (च) एखी किसी आय या जिसी घन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर दिश्मियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ बन्दरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) ठाकूर कन्स्ट्रक्णन्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मती लक्षमी पपू बुटानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत त्यान के रायपत्र ने प्रकासन की तारीय वे 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन के जिल्ली , को भी बंबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायुः;
- (थ) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किसी बन्ये व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किये का क्केंगे।

क्पच्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्धों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, भो उस स्थाय में दिशा पता हैं।

## अनुसूची

पलैट नं० 501, प्लाट नं० 48, टी० पी० एस० 3, 16वां रोड, गुरु नानक पार्क के सामने, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं० श्रई-2/37-ईई/384342/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1986 को रजिस्टई किया गया है।

कें० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 7-5-1987

## प्ररूप माई. टी. एन. एस ------

अवयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अभीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश [सं० श्रई-2/37—ईई/38443/86-87—-श्रतः सुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/~ रा. में अधिक है

भौर जिसकी मं० पलैट नं० 601, प्लाट नं० 48, टी० पी० एस० 3, 16वां रिोड, गुरु नानक पार्क के सामने, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-9-1986

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृष्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रालिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण टिलिखत में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त औधनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन मा बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः कवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 259-ग के अनुसरण भीं, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) ठाक्र कन्स्ट्रक्शन्म।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कलान उधाराम बुटानी।

(भ्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 2--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए आ सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### सन्सूची

फ्लैंट नं० 601, प्लाट नं० 48, टी० पीं० एम० 3, 16वां रोड गुरु नातक पार्क के मामने, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कि सं श्र $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{37-\frac{1}{2}}$   $\frac{1}{38443}$   $\frac{1}{36-87}$  श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  $\frac{1}{39-9-1986}$  को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिभांक: 7-5-1987।

प्रकल बाह्<sup>र</sup>, टी , एन , इब , ल्ल्ल्स्टररण

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 सा 43) की भारा 269-म (1) से अभीन स्पना

### भारत सरका

कार्यातव, सहायक वायकर जावृक्त (रिनर्राक्रक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/38448/86-87—ग्रत: मुझे के० सी० शाह

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, चिसका उचित बाजार मुख्य 5,00,000/৮ रु. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 13, दूसरी मंजिल, मेरी निकेतन हमारत मांउट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई—50 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19—9—86 को पूर्वोक्त सम्पन्ति को उन्वित बाजार मून्य से सम के ज्यामक श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि वश्यापृष्टी कत संपत्ति का उन्तित वाचार मृत्य, उसके ज्यामन प्रतिफल से, एसे ज्यामन प्रतिफल के पेइड प्रतिकत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) बीर वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत, रिनम्नीमिक्त उद्देश्य वे उच्च बन्दरण मिनित में वासा-िक कप से किनत नहीं कि का क्या है —

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क किए, कार्रिशाः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिन्नियम, 1922 (1922 का 11) था उच्छ अधिनियम, धा थम-कर जिनियम, धा थम-कर जिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा खें जिए:

(1) श्री हाजी गुलामप्रली इन्नाहिम।

(पन्तरक)

(2) श्री सुरेश वाडकर।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पर्गत्त के अर्थन के सिए कार्यमाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की अविभि ना तत्संबंधी व्यक्तियों पट सूचना की तानीन से 30 दिन की अविभि, जांधी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस स्वना के राजपत्र में प्रकादन की दारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताक्षरी, के पास निकास में किए जा सकतें।

स्पक्किरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# अवस्थी

फलैट नं 13, दूसरी मंजिल, मेरी निकेतन इमारत, मांजट मेरी रोड, बांबा, बम्बई-50 में स्थित है। श्रतुसूची जैसा की कि सं ग्रई-2/37ईई/38448/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-86 को रजिस्टई किया गया है।

> के० सी० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिबत व्यक्तियों, अर्थात् :---- 8—106GI|87

दिनांक: 7-5-1987

# प्रकल बाह". दर्श. एन . एस . # - - ---#

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वें वभीत स्थाना

### भारत सरकार

कर्मानव, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

तिदेश सं० मर्ड-2/37ईई/38525/86-87—म्रतः मुझे के० सी० शाह्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उग्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5.00.000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 145/155, निक्वाना, पाली हिल बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961, की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 23-9-86

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथम्बूबेंक्त नंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिइ तय बाया गवा प्रदिफल, जिम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्बा में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वस्तरण से हुई फिली बार को शबत उक्त अधिनियम के अधीन कर कोने के अस्तरक के बायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा

शंक्ष तक, तक्त वर्णभनियम की भारा 269-ग की अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निष्कृतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) श्रीमती सुरजीत घरोरा।

(मन्तरक)

(2) होस्ट इंडिया लिमिटेंड।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तिग्ती।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग मे सम्पति है)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के** जिस् कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

## डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप अ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच र 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों क स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कि 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति अशहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकीं।

स्यव्योक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषि है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

## मन्त्री

फलैट नं 145/155, निश्वाना, पाली हिल, बाब्रा बम्बई-50 में स्थित है।

भनुसूची जैसा की कि० सं० भई-2/37ईई/3852? 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनां 23-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० श मक्षम प्राधिका सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2, बम्ब

दिनाका: 7—5—1987

प्ररूप आर्द्र.टी.एन .एस . · -----

जाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरधार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० मई-2/37ईई/38540/86-87—म्नतः मुझे के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि धावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी मं० फलैट नं० 2, जौथी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत "मसाबिएल" सी टी एस नं० 496, मैन्युएल गोन्साल वीज रोड ग्रीर सेंट ग्रन्थोनी रोडका जंकणन बांद्रा (प) बम्बई-50 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रजिस्ट्री है, तारीख 23-9-1986

को पृथाँकत संपत्ति को जिसत बाजार मूल्य से कम को धरयमान प्रतिफल को लिए अतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पितफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक क्य से किथा नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ...- (1) मेसर्स परेरा कन्स्ट्रकशन कम्पनी।

(म्रन्तरक)

- (2) श्री एम॰ सिक्बेरा और श्रीमती हिल्ड सिक्वेरा (भ्रन्तरिती)
- (3) (भ्रन्तरितियों) वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मै सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गुरोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थाधर सम्पत्ति में किंत-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

# मनुतुची

फलैंट नं० 2, चौथी मंजिल निर्माणाधीन इमारत "मासाबिएल" सी टी एस नं० 496, मैन्युग्नल ग्रोन्साल्वीज रोड श्रौर सेंट श्रन्थोनी रोड का जंक्शन, बांद्रा (प), बम्बई—50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं श्र $\frac{1}{2}$  श्र $\frac{1}{2}$  श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  $\frac{1}{2}$  श्रीर को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण-) स्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1986

## इक्य बार्ड, डी., एए. एस्,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 7 मई, 1986

निवेश सं० प्रर्थ-2/37ईई/38541/86-87—-मतः मुंशे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- राज्य से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 2, पहली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत "मैसाबिएल" सीटी एस नं० 496, मैन्युग्नल गोन्साल बीज रोड ग्रीर ग्रन्थोंनी रोड का जंक्शन बांग्रा, बम्बई—50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा भायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, खें, के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांक्य में एजिस्ट्री है। ता 23-9-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नई प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोच्य से मुक्त अन्तरण निकित बास्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बादत उक्त जिथ-नियम के जभीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविभा के लिए; जॉर/या
- (वा) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उचल अधिनियम, या धन-कार अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उथ्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मेसर्स परेरा कल्स्ट्रकशन कम्पनी।

(भन्तरक)

(2) सरीना लोपेस भौर पालीन लोपेस।

(भन्तरिती)

(3) अन्तरितियों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति दुवास;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

फलैट नं० 2, पहली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत "मैसाबिएल" सी टी एस नं० 496, मैन्युग्रल गोन्साल्बीज रोड और सेंट ग्रन्थोनी रोड का जंकशन बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

भनुसूची जैसा की कि सं ग्रई-2/37ईई/38541/ 86-87---श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1886 को रजिस्टई किया गया है।

> के० मी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई A

तारीख: 7-5-1987

प्रकृप आई. दी. एन. एस.-----

# वाधकर विवित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) वे वर्षीय क्ववा

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० मई-2/37ईई/38597/86-87--- म्रतः मुझे, के० सी० शाह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्समें इसके पश्चात् (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, विसका उचित बाबार मृज्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फलैट नं० 50-बी (पहले 30), रिबेलो हाउम, 132 हिल रोड, बांद्रा,, बफ्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है। तारीख 29-9-1980 को वृष्टिंकत संम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य र कम्भ के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास एवं क व्याप्त है कि यथाप्यंकत सम्पत्ति का जिल्ला है कि यथाप्यंकत सम्पत्ति का अधित बाबार एवं करायमान प्रतिफल का कार्य है कि यथाप्यंकत संग्री की विश्वत का मिल के विश्वत से अधिक है और मंबरक (अंतरका) और बंधिकत ग्रीविफल का विश्वत से अधिक है और मंबरक (अंतरका) को ते बंधिकत ग्रीविफल के विश्वत से अधिक है और अवस्त बन्बरक विश्वत प्रीविफल के विश्वत से अधिक है और अवस्त बन्बरक विश्वत ग्रीविफल के विश्वत में क्यार विश्वत ग्रीविफल के विश्वत की विश्वत ग्रीविफल की विश्वत की विश्वत ग्रीविफल की विश्वत की विश्वत की विश्वत की विश्वत ग्रीविफल की विश्वत की विश्वत ग्रीविफल की विश्वत की

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अभि-भिगम के अभीन फर दोन के जन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, शा किसी अपना अधिनियम, शा किसी अपना अधिनियम, शा कि अधावनार्थ अन्ति रही द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिल्पाने में त्या के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मती जी मेनोझस भौर लेफिटनेट जनरल एल० एल० मेनोझस (नियुत)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ६० सालढाणा।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरकों , (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए काणवातिकां आरता हो।

उन्हा सम्पत्ति के अर्थन में सम्बन्ध में कोई भी अत्वर्ध :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जयिथ या स्तर्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवस्थि, जो भी जयिश नाम में समाप्त होती हो, के शीसर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाधन की तारीच के 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न-क्यूच कि.सी अन्य व्यक्ति व्यादा व्यक्तिकारी के पास विवित्त में किए वा सकी।

लाका किरण: --- इसने प्रयुक्त कर्को नीर पर्यो का, जो अक्त नीपनियन, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होता, को उस अध्याय में दिया समा ही।

## बन्स्ची

फलैंट नं० 50 बी (पहले 30), रिबेसो हाउस, 132, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं श्रई-2/37ईई/38597/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर घायक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1987

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निवेश सं० प्रई--2/37ईई/38641/86-87--- प्रतः मझे के० सी० शाह

कायकर कांभिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फलैंट नं० 10, चौथी मंजिल, रिचक्बीन पलेस, सेंट पाल रोड, बांद्रा, बम्बई-58 में स्थित है(भीर इससे उपाबढ़ श्रनसूची में और पूर्ण रूप है वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा भ्रायक्तर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है। तारीख 26-9-87

को पूर्वे कित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिश्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपल निषम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए, और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) लेन्डमार्क बिल्डर्स।

(मन्तरक)

(2) टी॰ बी॰ किसाझो श्रीर ए॰ श्राय किसाझो। (मन्तरिती)

का यह श्वना जारी करके पृथ्वेंक्त सञ्गत्ति के वर्षन के निध कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

## उपन्य सम्परित के अर्थन के संबंध में को इंभी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान । के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअष्क किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

फलैट नं 10, चौथी मंज़िल, रिचक्वीन पलेस, सेंट पाल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

धनसूची जैसा की ऋ० सं० ध्रई-2/37ईई/38641/86-87 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा विनांक 26-9-87 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1986

मोहर:

अतः असः, उक्त अधिनियमः की धारा 269-गः के अन्सरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थातः :---

# वस्त्र हार्च हो एन एव

# नारक इ. अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालब , सहायक बायकर बायुक्त (गिरीकक) ग्रर्जन रेंज-2 बी, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० ग्रई-2र्ब o/37ईई/38481/86-87—मतः मुझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रूपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 601, मंगल प्रवेश खार, बम्बई 52 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 22-9-86

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाचा गमा प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेक से उचित अन्तरण लिखित बाताबिक रूच से काथत नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे अचने में तृविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः स्रवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) पी जे ट्रेडर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर प्रेम जी लाखीयानी और मास्टर प्रकाश डी लाखीयानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए हार्ववाहियां करता हुं।

बच्च बम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षरे :---

- (कः) इस सुमान के राजपण में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सुमान की तामीन से 30 दिन की नविध, को भी
  अधि अविध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकिर
  व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारोच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा दिस-वस्थ किसी कन्य व्यक्ति इवास वधोहस्ताकारी औं याह मिकित मा किए जा सकोगे।

स्थानीकरभुः--इसमें प्रयूक्त सभ्यों और पर्यों का, को उनस् विधिनियम, को वश्यास 20-क से परिभावित ही, कही अर्थ होता. को उन अध्यास से दिका यका ही €

### नन्त्रची

फलैंट नं० 601, जो छठवी मंजिल, मंगल प्रवेश, प्लाट नं० 491, सतरवा रोड, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

श्चनसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37ईई/38481/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम एस राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्नेज~2त्री, बस्बई

नारीखः 7-5-8**7** 

## प्ररूप बाहै. टी. एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अभीन सूमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश स० ग्रई--2/37ईई/38483/86-87--ग्रतः मुझे एम एस राय,

आयक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 5.00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 701, मंगल प्रवेश खार, बम्बई 52 मे स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध धनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 22-9-86

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतस्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिविस उच्चेश्य से उन्त अन्तरण लिबित में बात्तिक कप से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) पी अने० द्रेक्सरी।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवंती डी लाखयानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अविद्या पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूजें कर विस्ता में से किसी स्विक्त दवारा;
- (वा) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भौतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य य्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्त में किए जा सकरें।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन्त अध्याय में दिया गया है।

## नगुल्ली

फलैंट नं॰ 701, जो सांतवीं मंजिल, मंगल प्रवेश, प्लाट नं॰ 491, सतरवा रोड, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

भनसूची जैसा की कि सं प्रई-2बी/37ईई/38483/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-86 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> एम एस राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-2बी, बम्बई

तारीख: 7-5-87

प्ररूप बार्य ु टर्नु पुन*ु पु*न्न ======

जासकर मिभिनयम, 1961 (1961 **मा** 43) कारी धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

(1) मेसर्स सरकार बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री योगेश जमनादास भवेरी।

(श्रन्तरिती)

#### भारत तरकार

कार्यास्य, बहायक कायकर बाद्यत (नि.सीसक) प्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० भाई -2बी/37ईई/38426/86-87--- भ्रतः

मुझे०एम०एस० राय

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य र्5,00,000 ∕- रुः. ,से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फर्लंट नं० 402, सरकार ऐवेन्यू, सान्ता कूज (प), बम्बई-54 में स्थित है इससें उपाबद्ध प्रन्सूची में धौर पूर्ण रुप से वर्णित है) क्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 19-9-86

<u>जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान</u> **ति**फल के लिए अर्टास्त की ग**र्इहै और मुक्ते यह विद्**वास हने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाषार े, उसके दरमान प्रतिकास से, एसे दरममान प्रतिकास का रंबड़ प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के निए तय नावा गया प्रति-क्स निम्मतिकत उद्देरिय से उस्त मंतरण जिन्ति में बास्तविक म से कथित नहीं किया क्या है 🚐

- (कि) बन्धरणुमें हुई किसी बायकी शक्ता, उक्त अविधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा **क किए: क्रांट**्या
- (क) एंसी किसी नाथ या किसी धन या नन्य आस्तिय। को, जिन्हें भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर **ब£धरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-**नार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया पाना पाहिए ना कियाने में सुविधा में विदेश

की वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन 🛂 🖁 अर्थ कार्यवाहियां करता 🗗।

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाह्मेप हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की <del>शारीख से</del> 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की ताभील से 30 दिन की अविध, जो औ अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्धन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी क्षे पास सिक्ति में किए का सर्कों गे।

भक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याध 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मश्रा स<sup>क</sup> ३

### अन्स्ची

फलैंट नं० 402, जो चौथी मंजिल, सरकार ऐवेन्य इस्ट ऐवेन्यू रोड, सान्ताकूज (प), बम्बई 400054 में स्थित है

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-2बी/37ईई/38426/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एम ० एस ० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

अक्टा वन, उन्त व्यक्तिवन की धारा 269-ग में बब्बहरू इ में , उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (१) अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थत् :----106 GI/87

सारीख: 7-5-87

मक्य मार्ड् दी पुन् एक -----

नाथकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सूचतः

भारत संस्कार

कार्यासन, सहायक जायकर बायुक्त (निर्दोक्तज)

म्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक ७ मई, 1987

निदेश सं० श्रई-2बी/37ईई/38427/86-87--- ग्रतः मुझे एम०एस० राय

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह िश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फलैंट नं० 491, सरकार ऐवेन्यू मान्ताकृज (प) बम्बई 54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्प से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायवर श्रीधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रीधन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई मे रिजस्ट्री है तारीख 19-9-86

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विद्वास करने का कारण है कि सथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से., ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियां) के नीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

निष्क क्या, उन्ते विधित्यम की धारा 269-म की, बन्धरम भी, मी, उन्ते विधित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिक अर्थन हुन्स (1) मेसर्म सरहार बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिनेश जमनादास भवेरी।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपहित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इन्द्र सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काश्रंप :---

- (क) इस सूचना की राजपम में प्रकाशन की तार्योंच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वकारिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्ना और पदी का, को स्वक अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्**स्ची**

फलैंट नं० 401, जो चौथी मंजिल सरकार ऐवेन्यू, ऐवेन्यू रोड, सान्नाक्रूज (प), बम्बई 400054 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2वी/37ईई/38427/86-87 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम०एस०राय मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: **7-**5-87

प्ररूप बाह्र ही पुन पुन , -----

# बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

## धारवं बरकार

# कार्यांत्रय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

प्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से जिधक हैं

श्रीर जिसकी मं० श्राफीम नं० 4, विकास सेन्टर, सान्ताकृज (प०), बम्बई 54 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजम्द्री है तारीख, 12-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधि-नियम के अधीन कर इनि के अंतरक के दायित्व भी कारी करने या उसम प्रवने व सुविधा के लिए, बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिटा जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

- बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मी, जका अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) - संधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स विकास एमोसिएट्स।

(ग्रन्तरक)

(2) नेशनल लीसिग लिमिटेइ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी वासीप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शायब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति के किए जा सकेंगे।

स्पब्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि। नियम, के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, शही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्राफीस नं० 4, जो पहली मंजिल, विकास सेन्टर, एस वी रोड, सान्ताकृज (प), तम्बई 400054 में स्थित हैं श्रतुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2बी/37ईई/38256/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी तस्बई द्वारा दिनांक 12-9-86 को रजिस्टई िधा गणा।

एम एस राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

नागेख: 7-5-1987

# प्रस्य बाइ", टी. एन. एस. प्रतानकारकार

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थान

## भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

मुझे एम एम राय शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के संधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० फलैट तं० 25, मगेट सोसायटी खार, बम्बई 52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की घारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक रिजस्ट्री है तारीख 22-9-1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के श्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वका मृज्यिल का अधित बाबार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल सं, एसे श्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिज़ के निस् तब भावा नमा अधित क्या विश्वित सं वास्तरिक सं वास्तरिक स्व वास्तरिक सं वास्तरिक स्व वास्तरिक सं वास्तरिक संवति संवति

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी कदने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अथव अधिनियम, वर भनकर अधिनियम, वर भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादार्थ बन्तरिती धूबार अथवट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने अर्थे स्विभा के सिए;

अत: अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग कें, बन्सरण भा, भी, उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती हंसा जे नानावटी ग्रौर जीतेन्द्र नानावटी (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पूनम हीरानन्द पूरस्थानी। (ग्रन्तरिती)

# का मा स्वामा जार्थ करके पूर्वोक्त राज्योंता से वर्धन से विश कार्यवाहियां करता हो।

## उपस सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी नाकोद्ध-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पातु निधित में किए वा सकति।

# वम्स्ची

फलैट नं० 25, जो पांचवीं मंजिल, मगेट को भाँप हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, 62, चित्रकार धूरंदर रोड, श्रटरवां रोड, कार्नर खार बम्बई 400052 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2बी/37ईई/38476/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया।

> एम एस राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीखा: 7-5-87

ब्रुट्स बार्च हो ू धन . एस . \*\*\*\*\*

भाषकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-म (1) के नभीन स्वता

#### मारत सरकार

# कार्यालयः, बहाबक नामकार नावृत्तत् (निद्वासन्त्री

मर्जन रेंज-2बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं. श्रई-2बी/37ईई/38042/86-87-श्रतः मधे एम॰ एस॰ राय

हायकार विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिले इत्तर्भे इत्तरके पश्चातर जिल्ला किंधिनियन कहा गया ही), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार मुस्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फलैट ने० 501, पूजा श्रपार्टमेंट खार,
बम्बई 52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रमुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर
अधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी,
के कार्यालय वम्बई में रिजर्ट्री है तारीख 8/9-1986
को पूर्वेक्स संपर्ति के उचित बाखार मृत्य से कम के श्रयमान
प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई

है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से इसे ध्रममान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंदा-एक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंदा-एक से सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिसित उन्हों किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, कियाने में तुरिन्धा वी किया

मर्तः अयं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तिाँ, अर्थात् ः—— (1) श्रीमती सीमा सीत्तया बी राव

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुभाष के० मंधनानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त बन्पिंत के वर्षन के किछ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील को 30 दिन की अविधि, जो भी बनाज बाद में समागा अति हों, के भीखर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में के कियी स्यक्ति प्रवास
- (च) इस स्थान के राजपत्र भी प्रकाशन की तारींच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत सम्पत्ति में हितवष्टथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्य में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं!

## अनुस्ची

फलैट नं० 501, जो पूजा श्रपार्टमेंट सतरवा रोड, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि फ॰ सं॰ श्रई-2बी/37ईई/38042/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 8-9-86 को रस्जिटर्ड किया गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 7-5-87

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2बी, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

मुझे, एम एस राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुट. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लैट नं० 13, सान्ताकृत वेस्ट व्हीयू सान्ताकृज (प), बभ्बई 54 में स्थित है (ग्राँर इससे उपावब अनुसूत्री में ग्राँर पूर्ण हम में विणित है) ग्राँर जिसका श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्ये, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्रीमती सविता व्ही सूखटनकर।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री पी बी झवेरी, ज वी झवेरी श्रौर डी बी झवेरी।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं निस्ति में किए जा नकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुसूची**

पलैंट नं० 13, जो तीमरी मंजिल, सान्ताकृज वेस्ट व्हीयू को० प्रॉप हार्जामंग मोसाएटी निमिटेड, एस वी रोड, सान्ताकृज (प), बम्बई 400054 में स्थित है। श्रमुस्ची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2बी/37ईई/37890/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम एस राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2की, बम्बई

तारीख: 1−5−87

# THE ME'S INTERPRETATIONS

# बाधकार विधिविवय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन स्थता

### RING SERVE

## कार्यात्रय, सहावक बायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश मं० श्रई-2वी/37ईई/38338/86~87—श्रतः मुझे एम एस राथ

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' वक्षा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 5,00,000/৮ रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फलँट नं० 14, प्रोक्स खार (प), बम्बई 52 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रीयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिवस्ट्री है नारीख 17-9-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तारित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल के, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्ताह श्रीतणत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक (बन्तरकों किए तय बाया बना श्रीतफल, निम्नलिखित उद्बरेश से उक्त बन्तरण मिलित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है ;—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त वरिश्वित्वस को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एंती किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए था, छिपान में सुविधा खें किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्रीमती कुसुम गोविदलाल मोडी श्रांर श्री गोविदलाल मोहनलाल मोडी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री माधव बबन सदाशिय गोखले श्राँर श्रीमती प्रेमला सुभाष विलोकेकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोंच हः---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तार्शन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पनित क्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए या सकनें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया ही।

### अनुसूची

फर्नैट नं० 14, जो तल मेजिल प्रीतम को० म्रॉप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं० 69 ग्यारवा रोड, खार (प) बम्बई 400052 में स्थित है

श्रनुमूची जैंसा कि कि पं श्रई-2बी/37ईई/38338/ 86-87 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एम एस राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण्) श्रर्जन रैंज–2बी, बम्बई

तारीख: 7-5-87

मोहर।

# वक्त वार्षं को पुरु पुरु . ----

# बावधर बीचनिवय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### MISE STEEL

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2जी, बम्बई

वम्बई, विनांक 30 श्रप्रैल, 1987
निदेश सं० ग्रई-2बी/37ईई/38303/86-87-श्रतः
मुझे एम एस राय
क्रिक्टर बीचिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें स्थल प्रवाह 'जनत अधिषयम' कहा गया है), की नारा
269-थ के बचीन समय प्राविकारी को यह विस्तास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य
5,00,000/- रा. से अधिक है
और जिसकी सं० फलैंट नं० 9, नगेट खार, बम्बई 52
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम
की धारा 269 क, ख, के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 12-9-86
को पूर्णेकर सम्पत्ति के स्थित बाजार मृत्य रे कन के क्रयमान

प्रक्रिक व के लिए बन्सरिती की मई बार मुन्ते यह विश्वास

बहर का कारण है कि यथाप्यांक्ष सम्पत्ति का उणित बाजार भूष्य, स्वकं कारणात प्रतिपत्त हो, ऐसे कारणात प्रतिपत्त का कारह प्रधिपत से अधिक ही बीड अस्तरक (बास्तरको) और कार्याद्वी (कार्यितमों) से बीच एसे कार्युच से सिए तम कार्य पता प्रतिपत्त निम्मितिक स्वाप्तिम से सम्बद्ध

निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है....

- (क) मन्तर्थ संहूर किकी बाग की बागत, तथल विभिनियम के तथींग कर योगे की यन्तरक से खिल्ल में की करने वा उससे वचने में सुविका के लिए; और/बा
- (स) एेसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-विधिनयम, 1957 1957 का 27) के प्रवोध-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियान में सुविधा के किए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रीतम सिंह के मेला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश एच रमनानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

## खक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई जाओप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 स्थ की बर्बीय या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ यह स्पना की दाबील से 30 सिन की बर्बीय, वां भी नवीय सो से समस्य में समस्य होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकपूच किसी सन्य स्थापत द्यारा अधाइस्ताक्षरी के पाड़ सिचित में निक्ष का सर्वोंगे ।

श्यक्षिक्षरवः ---इसमें प्रयुक्त वब्दों सौर पर्वों कर, श्रां स्वक्ष विभिन्नस्य के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्ष्में होशा, यो उस प्रध्याय में दिया नवा है।

### अनुसूची

फलैंट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, मगेंटको० भ्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, चित्रकार धूरंदर मार्ग, खार बम्बई 400052 में स्थिन है।

श्रनुसूची जसा कि कि सं ग्रई-2बी/37ईई/38303/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 12-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम एस राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 30-4-87

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश सं० ग्रई-2बी/37ईई/38207/86-87--ग्रत: मुझे, एम एस राय

आयकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार २69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्लास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिम्मकी सं० फलैंट नं० ए/5 पूनम बिल्डिंग खार (५) बम्बई 54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणिन है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 12-9-86

का प्वांवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) आर अतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है --

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविध क लिए, बार/या
- (श) एसी किसी राय या किसी धन बा अन्य आस्तिय को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधानयम, र धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27, के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ, था या करा ना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के दिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .

10-106 GI/87

- (1) कुमारी **ज**सूमती हिमतलाल शाह । (ग्रन्तरक)
- (ः) श्री दरयूश केकी **ज**लनावाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किगी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धाहस्ताक्षरी के पास लिच्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फलैंट नं० ए/5, जो दूसरी मंजिल प्नम अपार्टमेंट 67, लीकिंग रोड, खार (प), बम्बई 400054 में स्थित है। अप्रसूची जैसा कि क० सं० अई-2बी/37ईई/38207/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम एस राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 1-5-87

प्रारूप आर्द्ध. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाक्षक आयकर आयुक्त (निरीजन) श्रर्जन रेंचे-2बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निदेश सं० ग्रई-2बी/37ईई/37938/86-87-मतः मुझे एम एम राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक **है** 

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 615, 615, खार बम्बई 52 में स्थित है (ग्रौर इयने उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप रे वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-9-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफलं के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी कारने या उत्तससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, **जिन्ह**ें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उचत अभिनियम, या धन-कर अधि-1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) 🖦 अधीण, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्री जोगिन्द्र मिह सभरवाल।

(ग्रन्तरक)

(2) पी० जे० एसोसिएटम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माओप :----

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 विन की अविधि या अस्सेनंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना के राजप? में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुझरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में ब्लिए जा सकीं।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, अधिनियम के अध्याय 20-क में हैं, वहीं अर्थ होगेंग जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 614, भ्रौर 615 जो टी पी एम नं० 3, कार्नर श्रॉफ खार पाली रोड श्रौर चौदवां रोड, खार बम्बई 400052 में स्थित है

ग्रनुभूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2बी/3*7*ईई/37938/ 86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2--9--86 को रिजस्टर्ड किया है।

> एम एस राय सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रें**ज**-2बी, बम्बई

तारीख: 6-5-87

मुक्त कार्य . ही पुत्र . एस

# भावकर मॅभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के बभीन स्थान बारत सरकाः

काकार्य सा है अधिकार **नाश्तर (४नर धार्य)** श्रार्जन रेज—5, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनाक 14 मई, 1987

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एसयू०/5/एल० ग्रार०—3/9-86/23—ग्रत. मुझे ए० के० मनधन्दा श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

है तथा जो ब्लाक डी कनाट प्लेस श्रौर जिसकी स० का कुछ भाग मे स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सक्षम ्रिअधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनिषम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्रयमान प्रति∵र्धल के लिए भन्सरित की गर्इ हैं कीर मुक्ते यह विश्वास हरने का कारण है कि बधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मन्य उसक दश्यमार प्रीतिकाल से, एस दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशक्त से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया असिक ज निम्म लिखित उद्वेषय से अपन्त भन्तरण सिरीयत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :—

- (क) मन्तरक सं शुर्ड किसी भाग की बावत, उकत मधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वानित्य में कभी करने या उससे वचने में बृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आमकार अधिनियम 1922 (1922 क्य 11) या उकत अधिनियम 1927 भा अस-अर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशेखनार्थ अन्तिरियों ववारा प्रकट नहीं किए गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के बिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) मन्सं प्रकाण ब्रावर्स बी-45, कनाट प्लेस नई दिल्ली द्वारा नद किशोर कपूर श्री शिव साहनी, श्रोम प्रकाण कपूर पुत्त श्री एल० शिवराही श्री श्रातुल कपूर पुत्त श्री स्व० मरदारी लाल पुत्र श्री एल० मरदारी लाल कपूर, श्रीमती रेखा कपूर पत्नी रामप्रकाण, केवल कुण्ण, रमेश कपूर, रमण कपूर शालिल कपूर पुत्न श्री स्व० खश्री कपूर न० बी-45/47 कनाट प्लेस

(अन्तरक)

(2) भ्रात्मा बिल्डर्स प्रा० लि० द्वारा श्रात्माराम चड्छा, 42 फेडम कालोनी इस्ट दिल्ली (भ्रन्तरिती)

का यह स्थाना कारों कारळ प्योंकित संपत्ति के गर्जन के जिल् कार्यवाहिया करता हो।

## उच्च रूमरित में वर्षण के रूमरूप में कोई भी माधोप्य--

- (क) इस स्वता के राज्यम में प्रकावन की सार्यक वे 45 दिन की अवधि था तत्संबधी करिवतमें दर स्वता की तामील से 30 दिन की ववधि को भी अवधि कार में सम्बद्ध होती हो, से मीतर प्राॅवक म्युनिस्कों भी वे किसी मानिस दुनस्का;
- (क) इत सूचना के रायपन में प्रकाशन की दारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपर्ति में हित्तवस्थ किसी बन्च स्थानत स्वारा, नभोहरताकरी के पाड़ सिखित में निस् का स्कींन।

e भव्यक्तिरण: इसमे प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, वां उनक्त जिथितियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

## मन्स्ची

ब्लाक डी, कनाट पलेम का वह भाग (जो कि उपर लिखित अन्तरिती द्वारा खरीदा गया है) जिसका दो मर्जिला भवन प्रभात होटल, बाटा शू कम्पनी एम्बैसी होटल स्नादि के अधिभोग में हैं।

> ए० के मनच न्दा सक्षमम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5 नई दिल्ली

तारीख :15-5-87

प्रारूप आहूर.टी.एन एस -----

ाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के गंभीग सुभना

#### भारत सरकाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 12 मई, 1987

निर्देण स० श्राई० ए० मी०/एक्य्०/7/337ईई/9-86/97—श्रन मूझे मुभाष कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थि पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भार 269 ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी स० है तथा जो प्याट ग० 7, ई सातवी मिजल किमिणियन बिल्डिंग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसपे उगाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप पे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यात्रय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी कार्यात्रय नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के ग्रधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तर्थ, से हाइ किसी दाय की नाबत. तकत बिबियम के संधीन भर बोने के अनरक के निर्माल में कसी करने या दससे बचने में माजधान के रिष्ध और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थान :----

- (1) मुरिकसा खडारी 12, मुन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) पंसर्म ग्रोरेन्ट बान्डम एड स्टोक नि०, हनश्यालिया, 7 वी मिजिन, 15, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त सपरित क अजन के सादाध में कोहां भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की बनिध जा भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
- (त) रत स्वता र राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थारर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निरित्त में किए जा सकोगे।

स्थान्द्रीकरण — इसमो प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फलैट न० 7, ई 7वी मिजिल कार्मिशियल बिल्डिंग हनमालिया 15 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली 1

> मुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली 110002

तारीख 12-5-87 मोहर

# प्ररूप बाइं टी.एन.एस.----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### आरत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां रु 12 मई, 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/4/37ईई/9-86/100--ग्रतः मुझे सुभाष कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संज है तथा जो 5 नील गिरी
ग्रिपार्टमेट वाराखंबा रोड नई दिल्ली में रिथत है (ग्रीर इससे
उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप ने गर्गणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्याला नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, नक्षम ग्रिधिकारी के नार्याला में ना तांब ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 को बारा 269 क ख के के ग्रिधान दिनाक सिनम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एस दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल, जिम्निलिखत उद्देश्य से उदत्त अन्तरण किष्वित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क्ट) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; ऑर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं । क्या गरा था या किया शाना चाहिए था, छिपाने के ृतिभा के लिए;

अत: अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) मेसर्त कलास नाथ एण्ड असोसिएट 1006, जिनचिजंगा 18 बारजप्ता रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स भेड्रा एउर प्रोडक्ट (प्रा०) लि०, 40 ग्राराकशन रोड, राम नगर, दिल्ली-55 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिन शुरू करता हो।

उन्त मन्द्रांस के अजन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिजित मा कए जा स्कारी।

स्पर्क करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किश्न गया हैं

## उन्सूची

पलैट क्षेत्र 1600 वर्गफीट नं० 5, पांचवी मंजिल नार्थ टावर एक कार पार्किंग स्पर्श के लिए मल्टी स्टोरी ग्रुप हाउसिंग स्कीम नीलगिरी अपार्टमेंट 9, बारखम्बा रोड, नई दिल्ली—1.

> सुभाव कुमार सदाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक :-12-5-1987

ब्रष्टर शाहरे. टो एन एम -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सचना

#### FIRST PLEASE

क।योलय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) य्रर्जन रेंन-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश गं० आई०ए० सी./एक्यू c/3/37ईई/9-86/102-श्रतः मुझे सुभाष कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्का उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा ो 30 जोर बाग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसपे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रोर पूरण रुप से वर्णित है ), रिजिल्ट्रीहर्ना प्रधिर्धारी के का-यीलय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री रण, श्रिधिविचन 1908 1908 का 16) के प्रधीन सक्षप प्राधि । उर्व के कार्यालय में भारतीय आरहर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन तारीय सितम्बर 1986।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के इश्यमार द्रीपफल को लिए जतरित को गर् हैं और मूम यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमार प्रतिफल से, एप दश्यमान प्रतिफल के इन्द्रष्ठ प्रतिषक्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतरितिया) के बीच एन यन्तरण के किए तम पामा बदा प्रतिकत, निम्नलिकिन उत्दारम सं उन्त अन्याम कि अन बास्तिबक रूप ले किशत नहीं फिर्मा गदा तुँ ---

> रेक्ट्र बन्तरर से हुए दिसी गाँउ के 😘 😘 अधिनियम रेक्दीन का इस ए मनाव दाधित्व में कर्मी 4-7 347 86 4 @ T'MY, M'7/4!

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ६न या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

बत: बब, उक्त दिधनियम की धारा 269-ग की बन्तरण को मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीत, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री स्व० श्री ललिन मोहन ग्रार०/ग्रो० 6-सी० केदार नाथ बित्डिंग ग्रनुशक्ति मार्ग डनर बम्बई-सतीश न दर 7-31 दरिया गंज दिल्ली-3, ग्रार० शरन बी०-1/22-सफ़दर जंग इनक्लेव नई दिल्ली
  - बी० बी० कुनार, 305 ई० शिमला हाउस नेपियन रोड, बम्बई,

श्रीमती मधुरी हिशोर, 48 बी० गोलातालाब नीलु खेड़ी।

(ग्रन्तरक

(2) श्रीनती सत्या मल्होत्रा, 30 जोर बाग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवाधि बाद में समाप्त होती हो, हं भीतर पूर्वीकर का ना भा में किनी यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वता के राजधन में प्रकाशन की तारीस है 45 दि के भीत : उक्त स्था । र सम्पत्ति में हितबद्ध किल, जाति इत्या शहरसाक्षणी **के पास** 'ची जीता

शब्दीकरण:--इसमें एयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं वहीं कर्य होगा को उस अध्यास में दिया गणा

### अन्स्ची

30 जोर बाग नई दिल्ली नदादी 313 वर्ग मीटर।

सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहाय ह स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक:-12-5-1987 मोहर:--

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-प (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

भार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (मिरीवण) म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई विरली, दिनां ह 12 मई 1987

निर्देश मं० म्राई ए० मी०/एक्यू०/34/37ईई०/9-86/ 103--- श्रतः मुझे सुभाष कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण 🗗 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रार जिसकी सं० है तथा जो 1,10 वीं मंजिल, 19 बारखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में फ्रोर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता फ्रधि∗ारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजम्दीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारत/य प्रायकर श्रधिनियम, 1961की धारा 269 कख के ग्रधीन दिनाक सितम्बर 1986।

को पर्वोक्स सम्पर्सित के उचित बाजार मृल्य से कभ के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया बिरुप्तन, निभ्नेलिबित उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिल्लेस भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के मंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए, भौर/वा
- 🖜) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा केलिएः

अतः अथ, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ए से बनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः ---

(1) श्री ज्ञान प्रकाश प्रव्यवालिया पुत्र श्री बीर सिंह श्रल्वालिया भी० श्रो०/ मेसर्म मोर्डन टलेज एण्ड० भारबल 16, सनलाईट बिल्डिंग मासफ प्रली रोड, दिल्ली-2 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मती मजू मेहरा श्रीमती नाशी मेहरा श्रीभती स्वरुपा मेहरा ग्रार०/ग्रो० ई० 238, ग्रेटर-कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना आरो करक प्वाक्त सर्पात क अर्थन का सिए कायवाहिया करता 🐔।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जा उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

10वी, मंजिल 19 बारखम्बा रोड, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक :-12-5-1987

प्ररूप आइ<sup>5</sup>. टो. एन. एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर असात (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, नई दिण्यो

नई दिन्ली, दिन। 12 , 1987

निवेश र० आई ए० रो०/० ०-2/37ई/9-30′ 117—आत मुले स्भाप गार

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 न 40) िस हम्म इसके पश्चान् 'उपन लोधनियम' करा गया हो जी जात 269-ख के अधीन सक्ष्य प्रशिकार्ग को यह दिनाम को ना कारण है कि स्थायर समाति, जिसका जीचन बाजर महय 1,00,000/- रह स निहही

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उन्ति न न न स्था मान प्रतिफल को लिए अन्तरित का गई है और निरुद्ध निरम्भ करने का लारण है कि दशापने कत र एपित ना हिन्ह । तर मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपार में एने क्यागान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से पिष्क ह और न किया का (अत का नार अहारनी अतिरती (अतिरितियों) के बान को एसे अन्य एण के लिए हर पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य में एनत अन्य मिलिसत में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गा है --

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी श्राथ को गावत उत्तर अधिनियम के अपीन कर हन के अन्तरक व दायित्व में कमी तरक रा उसमें जाने में सविधा के लिए, और/का
- (ख) एसी किसी आग या किसी धर या अला अतिहा को, जिन्हों भारतीय आगण्य अगिनियम १००२ (1922 का 11) या उरा अधिनियम, रूप धर कर आधिनियम, 1957 (1957 का २७) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विधा स्था था विधा जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम को धारा 209-ग को, अनसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्थात

- (1) एप अहमार ।सह एप यूर एक एफ-11, नगपुर, ६ नटेशन नई दिल्ली।
  - (श्रन्तरक)
  - (2) श्रो विशेष कुणार सुप्य के एन अपूर बोजें 120, वे : माशियार वाग, नर्ड दिल्ली — 30। (प्रस्तिता)

का यह बच्चा मरी ठार पू त सम्बेत य अर्जन के लिए

ट मा निम्ति हो अपन क सम्बन में कोई भी आक्षेप -

- (१) . का २ च २ च २ च २ ते तारीख से अप कि न जी शविष्ठ के पर विस्ती विस्तियों पर स्वता की तामील स 3 दिन की अविध, जो भी अविष्ठ पूर्वाकत कि के दे के किसी ना जिस सुध्या कि कि दे के किसी ना जिस सुध्या कि कि दे के किसी ना जिस सुध्या
- (१४) दर इन्हा के एक क्रम प्रवाशन की तारोख स 45 ने के भीतर उन नार सम्पत्ति में हितबब्ध क्षो उन्य या विधान अविनावनी के पास रिहिट कि कि कर सहन।
- द्र १२६ --- निर्मापयः ६ को और पदो ता, जो उसत र्गारमा को अध्याप ००-का मी परिभाषित र्गास्त्री ३०० हन्मा को ता अध्याय मा दिया नथा है।

## अनसची

पांट ग० 706, 22, ा खम्या रोड, नई दिल्ली क्षेत्र 250 र् फीट।

> नुना∗ ५ ार नजा र्यायारी स-ार स्राप्त स्राय्तर 'निरीक्षण) स्राप्त :-3, नई दिल्ली

इिना - 12-5-1987 मोहर

## शरूप नार्शः टी., एन. १६.-----

# 'बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### elle alema

# कार्यास्य, सहायक भायकर भायक्त (निड्रीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० श्राई०ए०सी० एक्यू०/3/37ईई 9-86/120---श्रतः मुक्ते, सुभाष कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- हा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 94, है तथा जो सुन्दर नगर, नई दिल्ली में में म्थित है (ग्रैर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय श्रायकर श्रिध-नियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रिधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से का के दश्यमान प्रीतृष्ठन के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निवित्त उद्विस्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गवा है:——

- (क) बतरण से हुई किसी बाग की बाबत उक्त अधि-विषय के अधीन कर दोने के अन्तरक क द्यायत्य मा कामी कारने या उससे अघने में सुविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी बाद या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बादकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकर्णकार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:—
11—106 GI/87

- (1) श्री गजेन्द्र कुमार, सत्येंद्र कुमार बृजेन्द्र कुमार, मकान न ० 3335, वार्ड- १, कूचा बजराना वाली, बजमाना मीना राम बाली, दिल्ली।
- (2) श्रीमनी चंब्रप्रभा ग्रनुल 2, वेस्टर्ने एवेन्यु, महा रानी बाग, दिल्ली-5 पुष्पावती वत्तल धौलपुर हाउस, महात्मा गांधी, श्रागरा। (श्रन्तरिती)

(3) श्री प्रेम नारायण खन्नाजूकामो इनन द्वारा 50 सुन्दर नगर, नई दिल्ली। (बह स्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

को वह स्थाना बारो करके प्वाचित सम्पृत्ति के व्यान के निष् कार्यवाहियां कुछ जरता हु।

# उक्त क्रमिता के अर्वन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अवधि वा तत्वम्बन्धी व्यक्तिएमों पर सूजना की ताशीब ते 30 दिन की ववधि, का बी अवधि वाद में ववस्त होती हो, के शीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तियुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मीत में हिस्बन्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा अभोइस्वाक्षरी के नाम निक्तित में किए जा स्कोंमे।

स्वक्रीकरण:—इसमें प्र्युवत् स्वयां नीर प्यां का, यो जन्म विश्वित्यमं, के ब्रुध्याव् 20-क में परिभावित् हैं, बह्री अर्थ होना थी अब ब्रुध्याव में विश्वा एया है।

# अनुसूची

49, सुन्दर नगर, मई दिल्ली। 866.66 वर्ग गज

सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई **दिल्सो** 

दिनांक]: 12-5-1987

प्ररूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-4, नई दिल्ली,
नई बिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश स० म्राई० ए० सी०/एक्य०/3/37ईई/9-86/121ए--म्रतः मुझे, सुभाष कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० है, तथा जो पलेट न० 1101बी, बाराखम्बा रोड, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में व्हिणत है),सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269कख के श्रिधीन दिनाक सितम्बर, 1986

को पूर्वेश्वस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान श्रितफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्सरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्सरण के लिए तथ पाया गया श्रीतफल, निम्निचिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) श्रमल प्रोपर्टीज एण्ड इडम्ट्रीज प्रा० लि०, 115-प्रमल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी श्वेता श्रसल, श्रभिभावक श्री गोपाल श्रसल, 57-ओर बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपर्श में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 1101-बी, 21-बाराखम्बा रोड, क्षे<mark>त्र 500</mark> वर्ग फिट।

> सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।।।, नई दिल्लों।

अप्त अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को सभीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक . 12-5-1987 मोहर प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, नई विस्ली नई दिल्ली, विनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० ग्रई० ए०सी०/एक्यु०/3/37 ईई/9-86/121-सी०--श्रतः मुझे, सुभाष कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संहै तथा जो 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के श्रिधीन दिनाक सितम्बर, 1986

को पूर्विक्ध सम्बन्धि के विषय बाबार बृत्व से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्स्र प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (मन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तरण के किए स्थ पाया गया प्रतिफल, न्मिनलिखित उद्योष्ट से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एंची किसी बाज वा किसी वज या जन्म शास्त्रकों की जिन्हों भाउदीय शासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर स्थितियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्धरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से किया श

- (1) श्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज, लिमिटिड 115-ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) दीपक श्रंसल (एच०य०ए०) 57-जोर बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (भ) इस बुचना के राचपन में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) अस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबल्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकींगी।

स्पष्टिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अन्सूची

फ्लेट नं० 812-बी, 21, बाराखम्या रोड, नई दिल्ली। 450 वर्ग फिट।

> सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-3, नई दिल्ली

जतः। अस्त, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ह—

दिनांक: 12-5-1987

# प्रकल कार्यं हों, एक, एक , ------

# बावकंट ब्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बभीन स्वना

## भारुव चरकार

# कार्यावय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 मर्ड, 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू-7/3/37ईई/9-86/III— श्रतः सुझे, सुभाष कुमार

जानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके जरुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 504 है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबंद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रिधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान शितफलं के लिए सम्तिरत की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान शितफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है वौर संतरिकात से अधिक है वौर संतरिका (अंतरिकां) की संतरिका (अंतरिकां) के बौच एसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित व्यवेष्य से उक्त सन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित । ही किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुइ कियी बाव की बाबस, उक्त अधिनियम खें बधीन कर के के अंतरक के वादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एती किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियाँ की, विन्हुं भारतीय आवकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दनारा प्रकट नहीं किया गग था या किया जाना वाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

कतः वह . उक्त अधिनियम की धारा 269 व कें, अनुसर्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) डा॰ भ्ररुण कुमार मिसैंज भ्राक्षा श्रीवास्तव मास्टर भ्रादर्श कुमार 5, शंकराचार्य मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान गम्भीर सुपुत्र श्री एस० गुरबचन सिंह 6, डीरलेन एवन्यू, ग्राटोबा श्रानलेटों, केनेडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच 45 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस त्रका के रामपत्र, में प्रकाशन की वार्यीय से 45 हित बड़ा स्थावर सम्पत्ति में हित बड़ा किसी बन्द स्थावर व्याप्त क्योहस्ताक्षरी से वास्त क्षित स्थावत स्थावर क्योहस्ताक्षरी से वास्त

स्वक्रिकरण : क्रिसर्ग प्रमुक्त बच्यों जीर पद्में का, यो स्वक् वीयित्रयंत्र, से बच्याव 20-क में परिआवित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया।

## प्रमुची

25 प्रतिमत पलैट नं० 504, तादादी 595 वर्ग फिट, पांचवां खेड; 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राककर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

मोहर.

## प्रस्प नाक्षे टी इन.एस.-----

नायफर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (i) न्हें जभीन सूचना

#### भारत मुरकार

# कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (शिद्धीक्षण)

श्चर्जन रेज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 मई 1987 निदेश मं० श्चाई० ए० मी० एक्यू०/--7/3/37ईई/9-86/ 112--श्वत मुझे सुभाष कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी स० 504 है तथा जो, बाराखम्बा रोड, नई विल्लों में स्थित है (और इससे उपाबद श्रमुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली मंभारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क. ख के श्रिधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान शिवकत के निष् अन्तरित की गई हैं और मुखे यह विकास इस्ते का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का अधित बाबार पूज्य, उसके इश्यमान प्रतिक क से देशे अस्थान प्रतिक क पश्चम् प्रतिकत से अधिक हैं और बंतरक (अतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उच्चोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) कराडिन से इन्हें किसी जान की बानवा, उनसे ब्रिटियम के अभीत कर की से अस्तरन से ब्रिटियम में कभी करने ना उनने क्या में कृतिया आर/या
- (क) प्रेडी किसी भाव या किसी भव या अंध्य कारिकारी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) जा जक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा जिल्हा नहीं जिल्हा गरा या वा किया बाजा चाहिए था, कियान सा कारका औ लिए।

अतं अवं, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269 ग की उपभाश (1) अक्षेत्रभीन, निज्ञतिकां स्विन्तमाँ, स्वाद् - (1) डा॰ ग्रहण कुमार ,श्री मती ग्राशा श्रीवास्तवा मास्टर ग्रावर्श कुमार, निवासी-5 शकराचार्य मार्ग दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर गाम्बर पत्नी श्री भगवान गोम्बर निवासी-6 धिरलेन एवेन्यू ओटावा ओनिलिया कनाडा, के०-2ई-6 डब्स्यू-8,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्यक्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की बबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामीन सं 30 दिन की बब्धि, को भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

#### नगसभी

25 प्रतिशत भाग, फ्लैट नं० 504, तादावी-595 वर्ग फिट, पौचवी मजिस, 21 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली।

> सुभाष कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज-3, नई विस्ली

दिनाक 12-5-1987

मोहरः

# प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, विल्ली नई दिल्ली, विनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू-7/3/37-ईई/9-86/118-

**ग्रतः मुझे**, सुभाष कुमार

जायकर गिंधिकियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट न० 504, है तथा जो 21, बाराखम्बा रोड, दिल्ली मे स्थित है) और इससे उपाबद्व प्रमुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है),सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269कख के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उपक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कामी करचे या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अव . उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थतु :----

(1) डा॰ ग्ररूण कुमा (2) मिऐज ग्राशा श्रीवास्तव मास्टर ग्रादर्श कुमार निवासी 5, शंकराचार्य मार्ग, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मिस मीरा गम्भीर यू०/जी० श्री भगवान गम्भीर निवासी-6, बीरलन एवेन्यू, ओटोबा भ्रानलटो, कैनेडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियमे के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

25 प्रतिशत फ्लैट नं० 504, तादावी 595, वर्ज फिट पांचवां खंड, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> सुभाष कुमार सक्षम मधिकारी सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाक: 12-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली
नई विल्ली, विनांक 12 मई, 1987
निवेश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/37ईई/1सी-86/

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

125--- श्रतः मुझं, सुभाष कुमार

और जिसकी सं पर्लंट नं 504, तादादी है तथा जो 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), मक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से किथत नहीं निकया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विधा के लिए;

अतः अधं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) डा० ग्ररुण कुमार मिसेज ग्राशा श्रीवास्तव मास्टर ग्रादर्श कुमार 5, शंकराचार्य रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मिस रीना गम्भीर यू/जी भगवान गम्भीर 6, डीलन, एवेन्यू, ओटोबा, श्रानलेश कैनेडा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों -और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### असमधी

25 प्रतिमत प्लैट नं॰ 504, तादावी 595 वर्ग गज पांचवां खंड, 21 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> सुभाष कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई विरुली

विनांक: 12-5-1987

्प्ररूप आर्द्घःटी. एनः एसः -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू-3/37-ईई/9-86/164---अत. मुझे, स्भाप कुमार

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें (सक्ते परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201 है, तथा जो 19/41, पजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), मक्षम भ्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, दिनांक मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-विषय के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/गा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य जारिसयों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् : →

- (1) मैसर्स गोयनिका बिल्डर्ज प्रा० लि० श्रू एस० के० सरगोई डारैक्टर एन-86, कनाट प्लेस नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्म मयूर कॉमकल लि॰ एन-85, कनाट प्लेस नई दिल्ली-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहिया बृष्क करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन क सम्बन्ध मं कोई भी अक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास-िलिसित में किए जा सकोंगे।

म्पष्टिकरणः — इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त विधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अन्स्ची

प्लैंट नं० 201, 19/41, पंजाबी बाग नई विल्ली-26 सुभाष कुमार सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, नई विल्ली

दिनांक: 12-5-1987

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस-.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/37-ईई/9-86/165--

ग्रतः मुझे, सुभाष कुमार

जायकर अधिनिथम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य ,00,000/- रा. से अधिक है

- अोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202 तथा जो 19/41, पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986
- को पूर्वोक्क सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतितफल से एसे द्रश्यमान प्रतफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंदरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविद्यल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्क्षिक कप से कथित नहीं किया गया है:----
  - (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (धा) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की जमभारा (1) के अधीरः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;→---12---106 GI/87 (1) मैसर्स गोमिनका बिल्डर्स प्रा० लि० द्वारा श्री एस० क्रे० सरगाई (डारेक्टर) एन-86, कनाट प्लेस नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स जी० आर का कि एसोसिएट्स प्रा० लि० 2/72, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपीस के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में विस्तवद्भ किसी अन्य क्वाचित द्वारा अधोक्त्स्ताक्षरी के वास निखित में किए जा सकतेंथे।

स्पन्धीकरण: -- असमे प्रयुक्त सक्यों और पर्को कर, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क के प्रिकारित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय के विवा गया है।

## वन्स्यी

फ्लैट नं० 202, 19/41, पंजनबी बनग, नई बिल्ली । प्लाट एरिया 1213,96 वर्ग फिट चार्जएबल 1173'83 वर्ग फिट।

सुभाष कुमार सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-३, नई दिल्ली ।

विनांक: 12-5-1987

प्ररूप वार्ड. टी.एन.एस.-----

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987 निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37-ईई/9-86/117-ग्रत मुझे, सुभाष कुामार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/। रहे. से अधिक है

और जिसकी है तथा जो सं प्रित न 707, 12, बाराखम्बा रोड, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह किदबास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिवत्व में कभी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/सा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर) अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती प्रिया मेहरा, एस-44, पंचशील पार्क, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनू गुप्ता, 11/10, शक्ति नगर, विल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थळ किरण: -- इसमें प्रयुक्त कथां और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

फ्लैक नं० 707, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली। क्षेत्र 595 वर्ग फिट।

> सुभाष कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अतः अस, उन्तर अधिनिसम, की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनिसम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

दिनांक: 12-5-1987

मोहर ः

प्ररूप आर्थ. टी. एम. एस.-----

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-86/155~ म्रतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो 16/2166-67 नाइवाला, करोलवाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियो) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्ट से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती ग्राशा रानी, 16/2166-67, नाइवाला, करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरज)

(2) श्री श्रवतार सिंह, डी-11, एन० डां० एस० ई०-II नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को वह सुचना जारी करके पूर्वीक्त तंत्रीत को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहत्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण :---इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

16/2166-67, नाइवाला, करोलबाग, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

माहर

प्रकप चेत्रा. सी. एव. एव.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (१७61 का ३३) जी भारा 269-व (1) के कथीन स्पना

'शीरत वर्गकार

# कार्यानन, तहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षेण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, चिनांक 15 मंई 1987 निवेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रीर०-3/9-86/ , 660—न्नज़त मुझी, एस० सी० गुप्ता,

वार्वकर किविनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पर्वकात् विकेत के जिलिकमां कहा किया हैं), की भारा 269-क वे किपीन तक्षमें वार्विकारी को यह विकास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थितिर संपरित जिसका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- क से अधिक ही

और जिसकी सं० है तथा को सी-1/16 वसत विहार नई दिल्ली— 1100557 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वेणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मितम्बर, 1986

की पूँगोंकी सम्मित की जीवत बांबार भूक्य से कम के बद्धमान प्रतिकृत के लिए अन्तिरित की गई है और मूफे यह विद्वास का कारण हैं कि बंबापूँगोंकी संस्थित का जीवत बाबार मूक्य, उसके द्वामान प्रतिकत से, एसे क्वमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिहात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखत उद्देशकेय से उकत बन्तरण मिलिख में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) अन्तरण वं सूर्व फिली शाव की बाबत, अन्तर अधिनियम के बधीन कर दोने के कन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तते वचने में सृतिधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय अभ्य-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को किए;

बर्त: बंब, बंबंत वंशिनियम की भारा 269-म के बनुतरक हो, में, उपत वंशिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वंशीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, वंशित् :--- (1) श्री खू० एम० धेकचन्दामी, ए-1/71, ग्राजाद ग्रपार्ट-मेट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रत्तर सैंन जैन, विनोद सागर जैन, श्रहण सागर जैन, राजदुलारी जैन, 1, धर्ममार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त कम्परित के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उपत सम्मतित के अर्थन के सम्मन्य में कर्ष भी आवर्ष ए---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर श्वाणी की तामील से 30 दिन की अविषय, की भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्टीं में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति के हिसक्क्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्त्रची

सी०-1/16 वसंत विहार, नई दिल्ली-110057 क्षेत्र 342.8 वर्ग मीटर्स ।

एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रापुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, नई विस्सी नई दिल्सी, दिनांक 15 मई 1987 निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/9-86 661—भ्रत. मुझे, एस० सी० गुप्ता

गायकार अभिनियंग, 1-961 [1961 का 43] (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उन्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 289-ख के कभीन सभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थालर सम्परित, जिसका खिनार बाजार मृत्य 1,00,000/-रू. से अभिक हैं और जिसकी सं० 267 वर्ग गज है तथा जो ए-8/28. वसंत विहार, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली म भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार शुरुष से कम के क्यमान शितफान के लिए अंतरित की नई हूं और मुख्ये यह विश्वास जरम का कारण है कि प्रथाप्योक्ता सम्पत्ति के उपित बायोर मुख्य असके क्यमान प्रतिकास से, एसे व्यवमान प्रतिकास का पण्डा प्रतिकात से अधिक हैं और जंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे असरण के लिएं तथ पाया गया नवा प्रतिकास निम्नीनियात बब्दिय में उपत अंतरण मिनित में वास्त्रीयक रूप से कथिश नहीं किया क्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् क्र—

- (1) इक्कबाल सिंह सोढ़ी सुबुद्ध स्वर्गीय श्री हरिसिह् निवासी 2075, सैक्टर, 21 सी, चण्डीगढ़। (अन्तर्रक)
- (2) श्री सलीन्दर सिंह सरना सुपुत्र देवा सिंह सरना बी-7 एक्सटेंशन/18, सफदरजंग एन्क्लेबन नई विल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति है कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में की इं भी वाक्षेप :---

- (क) क्य कृषमा के लावपम में प्रकाशन की तार्शित हैं
  45 विन की वविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पह सृष्या की तामीस से 30 दिन की वविध, को भी कविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक काष्ट्रिश्वों में स फिसी ब्यायस द्वारा
- (क) इंड ब्याना के लायपन वे अकासन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविध्य में किए वा सुकी थे।

ल्यक्तीकरणः —- इक्षा अपून्य कर्यों वीह वर्षों का, को अपूर विधिनियम के बच्चाय 20-क में विश्वितिक हैं, नहीं वर्ष होना थी उस बच्चाय में विदा वर्षा हैं।

## वन्त्वी

प्रापर्टी नं॰ ए-8/28 वसंत विहार, नई दिल्ली। तादादी 267 वर्ग गज।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम श्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक: 15-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-1, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987 निदेण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/9-86/ 663—म्ब्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 33, है तथा जो स्ट्रीटनं० 5, गांति निकेतन नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पृति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के श्रवमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के बारित्य में कभी करने दा उसते दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यं आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती कृष्णा सूरी पत्नी स्वर्गीय श्री रा०नाथ सूरी, ज-186 ए, राजोरी गार्डन, दिल्ली।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती कांता वशेष्वर चड्ढा पत्नी श्री वशेष्वर नाथ चड्ढा, सी-5/7, वसंत विहार, नई दिल्ली-1100057। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मोधर उन्नर स्वादर सम्मरित में हितवदृष् किसी बन्द व्यक्ति द्वारा नभोहस्तालरी के पाड सिवित में किए वा सकेंगे।

साक्कीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्सूची

ण्लाट बियरिंग नं० 33, स्ट्रीट नं० 3, शांति निकेतन, नई विस्ली मकान व प्रवासीय प्लाट। तादादी 601 वर्ग गज। तल खंड 1729.44 वर्ग फिट प्रथम खंड 201.56 वर्ग फिट कुल 1931 00 वर्ग फीट

एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

असः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीर् :---

दिनांक: 15-5-1987

# प्रका आई. दी. एम्. एस . ------

बाधकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-क के अधीन सूचना

### भारत सरकार

भार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० ग्रार-3/9-86/ 664- ग्रतः मझे, एस० सी० ग्<sup>ट</sup>ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या ई-4/5, है तथा जो बसन्त बिहार, नई दिल्ली-1 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकत्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, नारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किया गड़ी किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनका नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने वा उससे अधने में सविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

श्री एल० सी० भसीन,
 बी-4ए/17, राणा प्रताप बाग,
 नई विरुली।

(भ्रन्तरंक)

श्री एन०ं भ्रार० ढोंगरे, और
 श्रीमती उमिला एल० ढोंगरे,
 डी-7/5, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपे :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वटीकरण :----इसमें प्रयुक्त सम्यों और पर्वों को जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्यी

 $\frac{5-4}{5}$ , बसन्त बिहार, नई दिल्ली (410 वर्ग गजा लगभग 600 वर्ग फीट तल खण्ड।

एस० सी० गुप्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1 दिल्ली

तारीखा: 15-5-1987

प्रकृत वाही. दी. एन. एस. --=----

# कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क के कभीन सूचना

## भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस म्रार-3/9-86/ 665—मतः मुक्ते, एस० सी० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक शरकात 'जलत अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या एस०. 283, है तथा जो पंचाशीला को-आंपरेटिय हाउम, बिल्डिंग में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबस प्रनुसूची में पूर्ग रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिक्षित्तरी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जियर बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि समस्भूगों कर सपित का उच्चिक काचार ब्रुव्य, उसमें दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अव्ययस्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत है। किया म्या है....

- (क) रून्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त विधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य वास्थियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कर प्रमोजनार्भ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवा, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अवस्था में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 डा० महेन्द्र प्रसाद जैन, एस०-287, पचशीला पार्क, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

श्रीमती माला रानी मेहरा,
 डी-80, गूलमोहर पार्क,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्नरिती)

को यह स्चतः अन्ति करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप प्र---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अयिक्त मों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद के समाप्त होता हो, को भीतन पूर्वोक्त व्यक्ति यों में से फिली व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम,, को कश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगे को उस अध्याय में दिया सूत्रा हैं।

## श्नृसुची

लीज होल्ड 1 प्लाट क्षेत्र 847480 वर्ग गज वराबर 706 वर्ग मीटर नं० 283, ज्लाक एस, ले-म्राउट प्लान पंच्याला को-आपरेटिव हाऊस बिल्डिय सोस्नायटी लिमिटेड, साथ में भ्रपूर्ण बिल्डिंग व फिटिंग।

> एस० मी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रजॅन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक: 15~5-1987

मोहरः

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के बभीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1 बिल्ली नई बिल्ली, बिनांक 15 मई 1987 निदेश सं० सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० श्रार-3/9-86/ 666—श्रन मुझ, एस० मी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या v-11/16, है तथा जो बसन्त बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क्) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिसीनयम के अधीन कर दोने के कतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय, आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अत्रीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---  श्रीमती कमला सुरी पत्नी श्री स्वर्गीय पी० एन० सुरी एन-115, ग्रेटर कैलाक भाग-1, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

 श्री सत्यपाल जैन सुपुत्र जे० के० जैन ए-96, न्यू फेंडम कालोनी, नई विल्ली।

(घन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सवंभी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को इस अध्याय के दिका गणना है।

### मसंख्यी

प्रापर्टी नं० ए-11/16, बसन्त बिहार, नई दिल्ली तासादी 600 वर्ग गज।

एस० सी० **गुप्ता,** सक्षम प्राधिका**री,** सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

मोहरः

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस श्रार/3/9 86/670— झतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी रंख्या है तथा जो गेरेज त्लाक प्रापर्टी नंव तथा जो एस-5, जीव केव-1 नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-वर्त्ता ग्रिधिवारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिज्स्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐमे इश्यमान प्रतफल का रेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (शंकरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व मों अभी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नीलीबित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री सुरेश धन्द जैन सुपुत्र एस० ग्यान चन्द जैन
 2 वा 6, दादाबरी कोटा।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्म ग्रोसियन कस्ट्रवशन इण्डस्ट्रींज लिमिटेड ई-588, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ती। द्वारा जुगल किशोर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेचित-व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में विवा गया है।

## प्रनुसूची

गेरेज ब्लाक प्रावर्टी नं एस-5, ग्रेटर कॅलाश-1, नई दिल्ली । नादादी 500 वर्ग गज । पूर्ण क्षेत्र 100 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्ररूप आहे.टी एन.एस -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ज (1) के जधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 मई 1987

निदेश सं श्राई० ए० सी ० (एक्यू / 1/एस० आर-3/9-86/671--- श्रतः भुक्ते, एस० सी ० मुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या एल-5 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली 500 वर्ग गज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण धिंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1987

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के रिलए अन्तिरत की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एसं दूरयमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नौच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिकिन में बास्तिक रूप से किंपित नशी किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाय कं/ वावच, कक्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कनी करने वा उत्तरे वचने में सुनिधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

श्रीमती सरला जैन पश्नी
 श्री सुरेश चन्द जैन
 का 6, दबादरी, कोटा।

(ग्रन्तरक)

2 मैसर्स स्रोसियन कंस्ट्रक्शन इण्डस्ट्रील लिमि । ई-588, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली द्वारा जुगल किशोर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दवारा:
- (वा) इस तृष्मा के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>\*</sup>, वहीं अर्थ हात्रेगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी का भाग नं० एस-5, ग्रेटर कैलाश-1, तादादी 500 वर्ग गज नई दिल्ली।

एस० सी० गूप्ता सक्षम प्राधिकारी सहयक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, दिल्ली.

दिनांक: 15-5-1987

मोहर.

# प्रक्ष कार्ये हो . एव . एव ..-----

# भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, विल्ली

नई बिल्ली, विनांक 15 मई 1987

र्निर्देश सं • आई • ए • सी • /एस्यू / 1/एस • आर-9/-86/672-

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सख्या एस-5, हैतथा जो ग्रैटर कैलाश 1, नई विल्ली, तादादी 500 वर्ग गज मे स्थित है (भौर इससे उपावक धनुसूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बाद्यांक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वो हुई किसी भाग की बाबत, उक्त निवन के बधीन कर दोने के बंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के दिए? बीर/वा
- (च) ध्रेसी किसी आय या किसी भन या कत्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा से स्थिए हैं स्थित स्थाप से से स्थाप से स्थ

कंड: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण है, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्शिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :--- 1 श्री राकेश जैन सुपुक्ष श्री सुरेश चन्द जैन 2 का 6, दादाबरी कोटा।

(भन्तरक)

 मैसर्स भ्रोसियन कंस्ट्रक्शन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड ई-588, ग्रैटर कैलाश-2, नई बिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वे कित्र स्थापत स्यापत स्थापत स्थाप
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पक्षतिकरणः ---इसमें प्रय्वत शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्रापर्टी का भाग, न० एस-5, तादावी 500 बर्ग गज, स्थित ग्रीटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

मोहर.

# शक्य वार्त्<sub>र</sub>ी<u>. एन. एक</u> ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन

भारत धरकार

कार्यासय , तहायक बायकर बायक (निद्धीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, विरुती

दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

सं० झाई० ए० मी०/एक्यू 1/एस० झार-3 9-86 673-ग्रतः मुझे, एस० सी० गृप्ता,

क्षत्रकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के मंभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास आहमें का कारण है कि स्थायर सम्पद्धि, विश्वका उचित बाबार अस्थ 5,00,000//- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या बेसमेंट बी०-223 है, तथा जो ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्द्वीकर्ला भिर्धकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिर्धनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और कन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीय कर दोने के अन्तरक के शाबित्य में कमी करने या उससे अपने में सूतिधा के लिए; और /या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-क की क्पकास (1) के अधीन, निम्नलिखित स्विक्तयों, अर्थात :--- स्ट्रॉलग प्रपार्टपमेंट प्रा० लि०
 1205, नई दिल्ली हाउस,
 27, बराबम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 रणजीत सिंह सुपुत्र स्वर्गीय प्रताप सिंह निवासी -10 बी, श्री कृष्णापुरी, पटना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जबीं सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीं बाद में समाप्त हांती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सर्पारत में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणः—इसमें प्रयुक्त कर्मा और पर्वो का, को उक्त अधिजियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अगृत्यी

बेसमेंट बी-223, ग्रैटर कैलाश-1, नई विल्ली-110048, 1620 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज विल्ली, नई दिल्ली

विनांक: 15-5-1987

# प्रकप बार् \_टी. एव \_एव \_ -------

# गायकार मधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन स्वना

भारत र स्कार

कार्यालय , सहायक भागकर मायक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं अप्राई० ए० सी ० / एक्यू ० / 1 एस० प्रार० – 3 / 9 – 8 6 / 674 — प्रतः मुझे एस० सी० गुप्ता श्रायक प्रक्रिमिन स्मान , 1961 (1961 का 43) (चिसे इस्में इसके पर्थास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 - ख के अधीन सद्मम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित शाबार मृज्य 5,00,000 / एक से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० ए, तल खन्डबी 23 है तथा जो ,ग्रेटर कैलाश-1 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल हो, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गतिफल, निम्निजियित उद्योग से स्वत अंतरण निम्निजिया विद्या में सालाहिक स्म से अधिक वहीं किया गना है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीम कार दोने के अन्तरक की वासिस्य में कभी कारने या उसमें बचने में सृजिधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य जान्तिय! को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिन्यम, 1957 (1957 को 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्र—

- (1) स्टूलिंग भ्रपार्टमेंट प्रा० लिम० 1205, नई दिल्ली हाउस, 27 बाराखम्बा रोक, नई दिल्ली। (अस्तरक)
- (2) श्रमीता मेहता पत्नी श्री सुनील मेहता निवासी 10की श्रीकृष्णापुरी पटना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधिन में किए जा सकरें।

स्पर्वतिकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुसूची

फ्लैट नं॰ ए, तल खण्ड बी-223, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, 3 बैंड रुमस, तीन बाथ रूमस, एक ड्राइंग बाइनिंग श्रौर एक कियन। क्षेत्र 1620 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली

दिन|क: 15~5-1987

## प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-1, विस्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०ग्रारे०--3/9--86/ 675 ----श्रतः मुझ, एस० सी० गुप्ता,

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- राज्य से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी 223 मैजानिन खन्ड है तथा जो ग्रैटर कैशाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सिनम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिरा बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भा बा किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (१) के अधीन, निम्नक्षिक्त व्यक्तिकों, नर्भाष्ट्र हि—

- मैसर्स स्ट्रलिंग अपार्टमेंट प्रा० लिमिटड 1205, नई दिल्ली हाउस, 27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 (प्रन्तरक)
- डा० मिसेज दीवानतला सिंह पत्नी रणजीत सिंह 10-बी, श्रीकष्णापरी पटना।

(भ्रन्तरिती)

का बह स्चना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

फ्लैट नं० की बी 223, मैजानिन खण्ड ग्रैंटर कैलाश-1, दिल्ली-48, एक कमरा, एक बाथरूम और एक किचन क्षेत्र 405 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

# प्रकम नाई.डी.एन.एव.-----

आथकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत संस्कार

# कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निर्दाक्षक) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 15 मई 1987 निर्देश सं० ग्राई ए० सी०/एक्यू/1/एस० ग्रार०-3/9-86/676—-ग्रत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रूथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 5,00,000/- र. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं 118, ब्लाक नं एन० जी० के०-1 है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद श्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह जिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित क्षेत्रार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में काम्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- असरण से हुई किसी जाय की बाबत , उक्त जीधिनयम के अधीन कर दोने के असरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना खाहिए था. छिपान में स्वितिष्य के लिए:
- ्र अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ्र मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) श्री स्थित किस्तिविक्त स्थितिकार स्थापित :—

- एस० तिलोचन सिंह भानन्द
   मुपु श्री एस० नथा सिंह भानन्दा
   ई-124, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
   (भन्तरक)
- 2. मास्टर नितिन महाजन मुपुत्र श्री लिलत महाजन और मास्टर जैतिन महाजन सुपुत्र श्री लिलत महाजन द्वारा पिता और श्रीभेभावक

सुपुत्र श्री सालत महाजन द्वारा पिता और ग्रीभभावक 218, गुलमोहर एनक्लेव, नई दिल्सी।

(भ्रन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बद्धि के अर्थन के जिस् फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तंपित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवपुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकोंगे।

स्थध्यक्षिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा पका है।

## बन्द्रची

1/3 शेयर प्रापर्टी प्लाट नं∘ 118, क्लाफ नं • क्षत 300, बर्ग गज, ग्रेटर कैलाश—1, नई विल्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 15-5-1987 मोहर

## प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिन्यिम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/9-86/ 677 ---अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 118, है तथा जो ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण एप से वर्णित है), र्रास्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रवट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उपत अधिनियम की धारा 2,9-ए की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 14—106 GI/87

- एस० विलोधन सिंह ग्रानन्द सुपुत एस० नथा सिंह ग्रानन्द निवासी ई-124, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. महाजन फाउण्डेशन द्वारा ट्रस्टी लिलित महाजन सुपुत जे० मित्र महाजन निवासी—1411 चिरनजीव टावर, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली—19

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हूं।

## उपर सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, धे भीतर पूर्वीक्त में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### **अ**नस्ची

1/3 शेयर प्रापर्टी फ्लाट नं० 118, ब्लाक एन, तादादी 300 वर्ग गज, ग्रैटर कैलाश-1, नई विल्ली।

एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्लीनई विल्ली

दिनांक: 15-5-1987

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० घाई० ए० सी०/एक्यॄ/1/एस० धार-3/9-86/ 678 -- घतः मुझे, एस० सी० गुप्ता ।

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सख्या प्लाट नं 118 है तथा जो ग्रैट कैलाग-1, 300 वर्ग गज नई दिल्लं में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को प्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उख्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करणे या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;
- अत अब उक्तः अधिनिषम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निसि**वत व्यक्तियों, अर्थात्**

 एस० तिलोचन सिंह भ्रानन्द सुपुत्र एस० नथा सिंह भ्रानन्द ई-124, ग्रैट२ कैलाण-2, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

 ग्रिनिला महाजन पत्नी श्री लिलत महाजन, निवामी 219, गुलमोहर एनक्लेब, नई दिल्ली।
 (भ्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्वी

1/3, शोयर प्रापर्टी प्लाट नं० 118, ब्लाक एन० 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सीं० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बिल्ली नई दिल्लो

दिनांक: 15~5**-19**87

मोहर

# प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेशसं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० श्रार-3/9-86/679-श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/4 भाग सी० 189 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बामत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्स बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी स्वर्गीय सरदार सन्तोष सिंह सी-189, ग्रैटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 चन्द्र सेन जैन सुपुत्र श्री मित्तरा सेन जैन एस-150, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त विधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषिष्ट हैं, बहो अर्थ होगा, बाउस अध्याय में विद्या गया हैं।

## अनुसूची

1/4 श्रविभाज्य **गोग**र प्रोपर्टी नं० सी०-189, ग्रैंटर कैलाश-1 नई दिल्ली **क्षो**ल 400 वर्ग गज ।

एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, दिल्ली नई दिस्ली

अत. अब उत्क्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक 15~5~1987 मोहर

# क्ष्म बार्षः हो , एव , एक . ----

# भावकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-व (1) के बधीन स्वना

### भारत सरकार

# कार्यात्रय, तहायक वाधकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987 निवेशसं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० ग्रार-3/9-86/ 680-म्रत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

कायकर मधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें स्वकं पश्चात् 'उक्त मधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मूक्य 5,00,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सी०-189, है तथा जो ग्रेटर कैलाण-1 नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान अविकल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास अरने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बन्तारितिया) के बीच एन अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्धाश्य सी उक्त अन्तरण लिखित मा बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नेन्तरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा जी किए; बीर/सा
- (व) ऐसी किकी बार्व वा किसी थन वा अन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, टा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूजका के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् .---

- श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी स्वर्गीय सरदार सन्तोख सिंह सी० 189, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राकेश जैन (एच० यू० एफ०) द्वारा कर्ता राकेश जैन सुपुत्र चन्द्र सेन जैन एस-150, जी० के-2, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीवत्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार श्वि ए 45 दिन की अविधि या तत्सवधी क्यक्टियों पर सूच्या की टामील के 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रोंके व्यक्तियों में से किसी क्यांस्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन की प्रकारत की शारीज एं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बहुत किसी बन्य स्थावत ब्वारा, वभाइस्ताक्षरी के पास निविक्त को सिन्ध वा सकोंगे।

त्यव्यक्तिरण: ---इसम प्रयुवत शब्दों बीर पदों का, वो उनव अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिशावित हैं, बही अर्थ होंगा, वो उस वध्याय में दिया नर

#### अन्**स्ची**

1/4 श्रविभाज्य शेयर प्रापर्टी न० सी०-189, ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली 1 क्षेत्र 400 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नर्द दिस्ली

दिनांक 15-5-1987 मोहर प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987 निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० म्रार०-3/9-86/ 681 -म्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-189, है तथा जो ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,

तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए से दृश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 सुरजीत कौर पत्नी स्वर्गीय सन्तोष सिंह सी-189, पैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 उबसर्ती जैन पत्नी राकेश जैन एस-150, ग्रैटर कैलाश-2, नई विल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के <sup>क</sup>लए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

1/4 म्रविभाज्य णयर प्रापर्टी नं० सी—189, ग्रेटर कैलाश, 1, नई दिल्ली। (1/4 भाग का 400 वर्ग गज)। एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक: 15-5-1987

मरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987 निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू/1/एस० ग्रार 3/9-86/ 682 -- ग्रतः भुभे, एस० सी० गुप्ता,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रापर्टी नं सी०-189 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर धने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी स्वर्गीय सन्तोख सिंह सी-189, ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री राकेण जैन, मुपुत्र श्री सी० एस० जैन, एस०-150, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती) :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2'0-क में परिभाषित हैं, व बही अर्थ-होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमूस्ची

1/4 अविभाज्य शेयर प्रापर्टी नं० सी०-189, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। 1/4 वर्ग गज। एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली

विनांक: 15-5-1987

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/9-86/683 ---श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं प्रापर्टी नं एम०-66 ती के बहै तथा जो । तादादी 750 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपाब इ श्रनुसूची मे और पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोवस सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अस्तरण वं इंद्र किशी बाव की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सविधा के लिए; और/वा
- (च एकी किसी बाय वा किसी धन का अन्य बास्सिकों को, चिन्हों भारतीय अव-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चय-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के विवदः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री थूषण कुमार उप्पल सपुत्र स्वर्गीय श्री मूल्खान उप्पल डी-64, पंचणील एंकलव, नई दिल्ली । (श्रन्त/क)

\_:=====:--

(2) श्रीमती पुनीता शोण्डापन्त श्रीणुभाष चोपडा एम-127, ग्रेंट हैलाग-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करक। पृताकित सम्परित को जर्जन को लिए कार्बनाहियां कृक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मबधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शक्यों जौर पदों का, वो उत्तर विधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उसस्याय में दिया प्याहित।

#### संग्रह की

प्रापर्टी का भाग ग्रीउड फ्लौर नं० एम-66, ताबादी 750 वर्ग फीट ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

नारीख: 15-5-1987.

# प्ररूप आहें. टी. एन, एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०/89-

86/684—-भ्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

जायकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/⊢रः से अधिक हैं

और जिसकी सं ० ग्रांजंड क्लोर है तथा जो एम-66, ग्रेंटर कैला श-1 मार्कीट, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुड़ै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :--

- (1) श्री भूषण कुमार उप्पल सुपुत्र स्वर्गीय मुलख राज उप्पल ही-64, पंचणील एन्कलेव, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सुनांप चोाड़ा सुरुत्र बीबान सूरज प्रकाण चोपड़ा, 7 ए/27, डब्लू इ० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स संपरित के अर्जन के लिए- कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर विस्तायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण : — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उने अध्याय में दिया गया है।

# मनुसुची

ग्राउंड फ्लोर का भाग प्रापर्टी नं० एम-66, ग्रटर कैला -1 मार्किट-1, नई दिल्ली । प्लाट एरिया 196 वर्ग गज । फ्लैट एरिया 750 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1 नई बिस्ली

तारी**च** : 15-5-1987.

# प्रकार आहे<sub>ले.</sub> हो<sub>ले.</sub> प्रस्तु प्रकार स्थानक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-न (1) के न्यीन सूत्रना

### त्राहत् श्रेषकाह्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० भ्राई० ए, सी०/एक्यू०-1/एस० भ्रार०-3/ 9-86/685 --श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी-28 है तथा जो निजामुद्दांन ईस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब द्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान क्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यजापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मृश्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योध्य से उच्त अन्तरण लिखित के बास्यविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण ते हुई किसी साथ की वाशवा, उनके विधित्त्रम् से वृथीन कर वोने से श्रेष्ट्रक से वाजित्य में कामी करने वा उत्तरे वचने में स्विधा के जिए; जोर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल अधिनियम, या वच-कर अधिनियम, या वच-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजभार्थ अंतरिली इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में शृथिशा खें लिए;

- (1) श्री ग्यान सिंह, सी-66 मालबीय नगर, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) राज नारायण खन्ना, सी-28, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह ब्याया प्रा<u>री</u> कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल कार्यवाहियां मुक्त करता है।

उन्ह राम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाहीय :---

- (क) इत त्वाम के प्राथमन में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की वनित्र मा तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर ब्या की तामील से 30 दिन की वनित्र जो भी अनिध नाम में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुंक्सस;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हित-ब्रुथ किसी व्यक्ति द्वारा. बभोहस्ताक्षरी के गांध जिब्दि में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा चढ़ा है।

#### वनस्ची

सी-28, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली । जी० एफ० 1140 एफ० एफ० सेम, एस० एफ०-240

> एस० सी० गुष्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-1, नई दिल्ब्स्

सक्ष: सम, अस्त सिंगियम की भारा 269-ग के सन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
15—106 ट्रा.87

तारीख: 15-5-1987

मोहरः

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च को अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/ एस० भ्रार०-3/ 9-83/686--भ्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उन्हें विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० डी-21, है तथा जो निजामुद्दीन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत है), रिजरट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1986

को पृबंक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पृवंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सें, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक ही और अंतरफ (अदरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अंतरक को दा<sup>प्</sup>यस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (फ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा तिया जाना धाहिए या, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, िम्मलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रोसंतोष धमीजा पत्नि श्री जी० एल० धमीजा,श्रीमित संयोगता मल्होता पत्नि कैलाश चन्द्र, निवासी—— टी-21 निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमतो तापती मिद्दीकी पितन श्री शाहिद सिद्दीकी, 2, निजामुद्दीन वेस्ट मार्कीट, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन को निष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अतिध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमुसूची

प्रापर्टी ण्लाट न० डी-2़ निजामुद्दीन वेस्ट नई दिल्ली तादादी लगभग 278 वर्ग गज ।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-1, नई दिल्ली

तारीख 15-5-1987 मोहर

# प्रकृप नार्षं, टी. एव . एव .-=---

# बावकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सुबसः

#### मारत तरकार

# कार्यासय, तहायक बायकर आयुक्त (निश्लैक्षण)

भ्रजीन रेज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, बिनांक 16 मई 1987

निर्वेश सं श्राई ए सी/एक्यू/1/एस श्रार-3/9-86/687:--मैं भत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो बी-40, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बनारक वे हुई किसी बाव की वावता उससे अधिनियन में समीन कर दोने के अस्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविभा दार्थित्व के जिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन वा अन्य आहितवाँ के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भार या किया जाना जाहिए था, जिपार प्रे सुविधा से तिसु;

अक्षः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखंत व्यक्तियों अर्थात् ः  श्री वेद रतन श्री राजीय रतन, व्वश्री संजीय रतन 6, मास्टर प्लान रोड, वर्त्तमान पता 42, लागपत क्लंज, श्रागरा

(भ्रन्तरक)

2, श्रीमती राजकुमारी भाटिया सर्वश्री ए० के० भाटिया, पी के० भाटिया, श्रीनल भाटिया एवं सुनिल भाटिया निवासी ए-18, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(ध्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के विश्व कार्यगाहियां शुरू करता हूं [१]

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्यारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकोंगे

स्पच्छीकरण ३—इसमें प्रभुवत शब्दों और पद्यों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अनुस्ची

बी-40, ग्रेंटर कैलाश-1, नई विल्ली।

एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

# प्रकल् बार्च .हो.एम.एस.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्यांसय, सहायक नायकर सायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,

दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कार्रण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो बी-101, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली 1000 वर्ग गज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रस्ट्रिन करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूक्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिता (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेश्य से उन्त अंतरण शिवित में बास्तिक रूप वे किथ्ब नहीं किया गया है है—

- (क) विश्वरण से इन्हें किसी जान की वासत , बक्त विश्व-नियम के अभीन कर कोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी नाम वा किसी धन मा अन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का il) या उक्त अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

बंदा बन, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त मिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन : मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- शारदा मौषाद्रि,
   29, मालवा रोड, नहैं दिल्ली।
   राजेश खन्ना
   डी० वीला स्टेशन योड, जयपुर।
   हिमॉस खन्ना
   जे०-20, जंगपुरा, एक्मटेन्शन, नई दिल्ली।
   (श्रन्तरक)
- सुधीर सरीन बी-101, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिस् कार्यवाहियां सुक करता हूं।

# उस्त सम्पन्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सायच से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर स्थानर सम्बक्ति में हितबद्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि। नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुत अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक मंजिला बंगला नं० बी-101, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली दो गैरज, तादाबी 1000 वर्ग गज। दो सर्वेट क्वाटर।

> एस० सी०गुप्ता सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकरं ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1,नई दिल्ली

विनांक: 15-5-1987

प्ररूप नार्वे टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सं० म्राई०ूए० सी०/एक्यू/7/37-जी/9-86/689:--म्रा. मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो मकान न० बी229 ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम
1908 (1908 का16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इत्यमान इतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भृतिफल निम्नितियों उद्विश्य से उक्त जन्तरण जिला में नास्तिक रूप ने कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने के सुविभा को सिंग्रुह और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए॥

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, जर्थात् क्ष—  श्री रघुवंश किशोर निगम बी-229, ग्रैंटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

- श्री गुरिबन्दर सिंह खुराना,
   दमोदर सिंह खुराना,
- 3 मुरजीन सिंह खुराना ई-21-ए०, ईस्ट भ्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हू---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमुसूची

मकान नं० बी-229, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली। तादादी 300 वर्ग गज।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जनरेज-1, नर्ज विल्ली

दिनांक: 15-5-1987

# प्रकृत वार्त्,दी.युन्,युन् । क्यान्नामा

# नायकर निपरिनयम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के नधीन धूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ऋजेंन रोंज-1, मई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/7-32-4/9-86/690-श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

थायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया ही), की भाष 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य रहे. 1,00,000/- से अधिक ही

भौर जिसकी संख्या है तथा जो बी-162, ग्रैंटर कैलाश-1, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूषी में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्मिश के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान वित्रक्त को लिए कर्तिरत की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य' उसके क्रयमान प्रतिफल के पंच्र प्रतिक्रत हे अधिर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वां) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप के किथत नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण से हुई किसी आन की बाबतः, उक्त वीधीनयम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, किन्हों आंख्तीय बाद-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च विभिन्नियम, या भनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तियम, विभाग प्रकट नहीं किया गया था वा किया प्रमा वाहिए था, किया वे कृषिया थे किए;

महा विक्र क्या विभिन्न की भारा 269-व के बनुबरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् g—

 श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री सरदार गुरमुख सिंह, सी०-162, भैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स फटिलाइजर कं० लिमि०, सी०-114, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली द्वारा श्री उत्तम सरोफ पुत्र श्री राम रतन सरोफ पता एस०-533-ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चाड़ी कड़के न्वोंक्त संस्पृत्ति हो वर्षन के विद् कार्यनाहियां सूच करता हूं है।

उन्त बम्पीत के वर्षभ औं संबंध में कोई भी शहरे ;---

- (क) इत सूचना कें हायपत्र में प्रकाशन की तारींस से
  45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की वामील से 30 दिन की नविभ, को भी
  व्यविध बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्छ
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इत सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन कों भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्ब व्यक्ति ब्वाय कथोहस्ताक्षरी को पास विश्वित में किए वा सकोंने।

स्यक्तीकरण :----इसमी प्रगुक्त कवा जीर पदी का, को सकत अभिनियम के कथाय 20-क मी परिमानिय ही, नहीं को कोता, को उस कथाय में दिवा नवा ही क्षि

# मनुसूची

एक मंजिल मकान नं० सी॰-162, ग्रैटर कैलाश-1, नई विल्ली, तादावी 338 वर्ग गज।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

# प्रकप बार्च हो, एन, एन। हरना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन स्चना

#### मारत संस्कार

# कार्यायम् असामक भागकार मानुनत (मि<u>टीक</u>कर

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 मई 1987

निर्वेष सं श्राई० ए० सी ०/एक्यू/7-1/एस श्रार-3/9-86/ 691--श्रत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

भागकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें परवात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, चिसका उचित बावार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या है तथा जो सी०-208, प्रैटर कैलाश-1 नई दिल्ली 300 वर्ग गज मे स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भार पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री करण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख सितम्बरं, 1986।

पाइड प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्तों क्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के की पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान मिश्व में बास्तिबक क्य से कथित नहीं कि बा गया है है—

- (क) विश्वरण के शुर्च जिली जान की कानश्चन स्वयं अधिनियम के सभीन कर को के सन्तरक के वामित्य में कती करने या उत्तरे क्याने में तृतिथा के निए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी बाग मा किसी धन वा बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बावकड़ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हों भुक्थि। के विद्धाः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् .—  जोगिन्द्र कपूर सुपुत्र स्वर्गीय श्री सतप्रकाश कपूर सी-38, ग्रेंटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. दलजीत कौर पत्नी जगत सिंह परमवीर सिंह, मनमोहन सिंह ग्रौर हरविन्द्र सिंह मुपुत्र सरदार जगत सिंह ए-23, श्रमर कालोनी, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

# को वह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

# समय संपत्ति के वर्षन के संबंध को आहे भी बाहरे है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतिर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्री के पाछ जिबित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया ही।

# वनुष्यी

प्रापर्टी नं० सी०-208, तादादी 300 वर्ग गज ग्रैटर कैला $\overline{y}$ -1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्ररूप नार्धं.टी.एन.एस.-----

# कायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत भारा 269-ग् (1) के अभीन स्थान

#### MEST STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

सं ॰ भाई ॰ ए॰ सी ॰ /एनयू / 1/एस ग्रार-3/9-86/692:---भतः मुझे, एस॰ सी ॰ गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ध के कथीन सक्तम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या हाउन बियरिंग नं० ई-30, फेंटर कैलाश-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हूँ और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार स्क्य, उपके दश्यभाव प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल स्व वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए स्व वाया गया प्रतिफल, निम्निकिबित उप्होदय से अवक अन्तर्थ लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण के हुई किसी बाय की बावक, उक्क अधिनिक्ष के वधीय क्यु को में अन्तरक की वाहित्य में कभी क्यू का बक्क क्षमें में बुव्धि। के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय बाब्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवांत्रनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा धा के किया वा बाना साहिए था, कियान के सुनियम के लिए;

नतः अथ, उथल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—  श्र/मतः प्रेम कौर महगत पत्नी श्री बाल कृष्णसिंह सहगल ई-30, प्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैं अरोड़ा फार्म प्रा० लिमि ० द्वारा मैंनेजिंग डायरेक्टर श्री बंमीनाल श्ररोड़ा सुपुत्र स्वर्गीय किशन चन्द 105/27, सरस्वती हाउस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुष्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उनक्ष संपत्ति के वर्षन के वर्षभ में कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बगिध या तत्संबंधी अवक्तिकों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जबिध, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवस्तियों में से किसी अपनित बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

एक मंजिल मकान बियरिंग नं० ई-30, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली। तादादी 400 वर्ग गज।

> एस० सी०गुप्ता, प्रामक्षम धिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, दिल्ली।

दिनांक: 15-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# यायकार बर्भिनियस, 1961 (1961 का 43) क<sup>व</sup> ं 2 269-म (1) के अभीत सृचना

#### भारत सरकार

कार्याः त्र, सहायक आयकर वाय्क्स (निर्रोक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 मई 1987

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एम० श्रार-3/9-86/693.-श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

भायकर अधिियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या ई-62, तादादी 556 वर्ग गज, ग्रैटर कैलाश~1 नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसें उगाबद्ध श्रनुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यानय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अप्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की दावत उक्त निधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या प्रा-को को पनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दलारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा खे लिए;

 श्रीमती हकमणी देवी पत्नी श्री किशोर चन्द निवासी के-7, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 एवरेस्ट बिल्डिंग प्रो० लिसिटेंड 6-7, खंड प्रशोका भवन, नं० 93, नेहरू पंलेस, नई दिल्ली द्वारा असिस्टेंट सेकेटरी पी० एन० गुप्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्क्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन को सर्वीच या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविध आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है ॥

## अनुसूची

प्रापर्टी न० ई-62, तादादी 556 वर्ग गज स्थित ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

मोहर:

अप अप अस्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

इक्द बाइ, टी. एन. एव. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यांत्रम्, बहायक वायकर बाय्यस (विरोक्षण)

म्रर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ 1/एस० श्रार-3/9-86/ 693 ए-श्रतः स्झे, एस० सी० ग्रता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या है तथा जो प्रापर्टी नं० एम 42 ग्रैटर कैलाण -1, नई दिल्ली तादादी है 510 वर्ग गज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखत उद्वेश्य से उचल अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—  श्री ए० पी० महगल मुपुत ग्रार० बीमाधो प्रसाद एम० 42, ग्रीटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2 श्री जे० जी० सुखीजा सुपुत्र चमन दाम मुखीजा 2897 कैंप्टन स्ट्रीट दरिया गंज नई दिल्ली।

(भ्रनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (स) इस सूचना के राजपण मं प्रकाशन को तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्लिए जा सकने।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

प्रथम खण्ड प्रापर्टी न० ए.म०-42, नादादी 510 वर्ग गज ग्रैटर कैलाग-1, नई दिल्ली पूर्ण क्षेत्र 2250 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता मक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनाक: 15-5-1987

# प्रकृष् वार्वं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1. नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं श्राई ० ए० सी ० / एक्य् / 1 / एस० श्रार - 3 / 9 - 86 / 694: -- श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कार्ज है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो एस-94, ग्रैटर कैलाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुभूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल पिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तृविक हम से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण प्रे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन कि निम्नलिखित व्यक्तियों अधीस् है—

1. श्री चन्द्र कांता पत्नी श्री ग्रमोक कुमार टी-64, पंचमील एनक्लेब, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मन्तोष भगत सुपुत्र श्री पी० एल० भगत ग्रौर श्रीमती शकुन्तला भगत पत्नी सन्तोष भगत निवासी ई-246, ग्रैटर कैलाग-1, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यगहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्पिक्तमों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (क) प्रस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रथम खण्ड तादादी 300 वर्ग गज, प्रापर्टी नं० एस० 94, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

# प्रकार कार्य है हो है दिया पूर्व है उन्हार प्रकार प्रकार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० ध्रार-5/9-86/695—ध्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसम

मौर जिसकी संख्या पूरा दूसरा खण्ड प्रापर्टी नं एस०-253, क्षेत्र 201 वर्ग गज है, तथा जो ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिपत्त के लिए जम्मरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वशापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, सकते क्यमान प्रतिफल् से ऐसे व्यथमन प्रतिकत्त का प्रवृह्म प्रतिकत से अविश्व है और संतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीच एसे अम्मरण के थिए तव गावा प्रवा प्रतिक क्य प्रकृतिकत के प्रवृद्धिक के स्वय वंदरण स्विक्त में बास्स्ट्रिक क्य में के स्थित नहीं किया गया है है—

- श्रीक क्षा के सुर्व किसी वाल की बावक करवा करिए-नियम के अभीन कर दोने के अंग्ररक के दायित्व में कानी करने या उपसे वचने में सुविधा के निष् क्षी करने या उपसे वचने में सुविधा के निष् क्षी
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें वास्तीय वाक्कर निर्मायकन, 1922 (1922 का 11) वा क्कर निर्मायकन, श धन- कर निर्मायक, श धन- कर निर्मायक, 1957 (1957 का 27) वी श्रवोक्ताचे वृत्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया वृशा था वा विका कामा वाहिए ना, कियाने में वृद्धिया गया है।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिलित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री पंकज पाहवा सुपुत्र श्री एस० के० पाहवा निवासी एम०-102, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048।

(ग्रन्तरक)

 दी इंण्डियन होटल्स कम्पनीज, पंजीकृत कार्यालय ताजमहल होटल्स ग्रपोलो बन्दर, बम्बई द्वारा एटोरनी श्री रवी दुवे।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वता बाधी करके पृथांक्त संपरित के कर्पन के लिख कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

# उन्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र है---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूदारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पटिकीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

पूरा दूसरा खण्ड, प्रापर्टी भाग नं० एस 253, क्षेत्र 201 वर्ग गज, स्थित ग्रैटर कैलाश-1, नई विल्ली 1 पूर्ण क्षेत्र 1085 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-1, नई विल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्ररूप आई. टी. एव. एस. ----- w

नायक जा गिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 259-ध (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  ${f u}$ र्जन रेज-1, ग्रग्नवाल हाउस, 4/14ए श्रासफ़ श्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०श्रार०--3/9-86/ 696---श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या डब्ल्यू-48, तादादी 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1 है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विज्ञित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए जंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्व, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (जंतरका) और जंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्स अन्तरण निचित में रास्तियक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की मायत, उत्तर मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुणिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्ति दें की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया बारा था या किया जाना धाहिए था, किवाने में शुर्विका के नियर,

अत: अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ज के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्रीमती लिलतः गर्ग पत्नी श्री एस० एल० गर्ग, द्वारा एटोरनी नरेश चन्द्र जैन सुपुत्र स्वर्गीय मदन लाल जैन, एम-15, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली।
   श्रीमती लिलतः पर्म-3, (श्रान्तरक)
- मनोहर लाल कोटारी
  सुपुत्र श्री स्वर्गीय एम० एल० कोठारी
  लित कोठारी सुपुत्र एम० एस० कोठारी
  श्रीमती पूनम कोठारी पत्नी लित कोठारी
  ग्रीर श्रभय कोठारी सुपुत्र एम० एल० कोठारी
  डब्ल्यू-48, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।
  (भ्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिक् कार्यवाहियां शरू करता हुन्।

प्रवस सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितिक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा वया हैं।

#### **प्रन्**युक्ती

प्रापर्टी नं० डब्ल्यू-48, तादादी 500 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई विल्ली, विनाक 15 मई 1987

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० श्रार-3/9-86/697—श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सख्या बाग्ला न० ए० सी० (8) कालकाजी तादादी 866 वर्ग गज है (श्रौर इससे उपावस अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्यं से कम के दृश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्ये, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय मा किसी धून मा बच्य जास्तियाँ को, विक्तुं भाइतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त मधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाधनाथ बन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया क्या था वा किया पाना जाहिए था ज्याने में सुविधा के किए;

अतः अब, जलत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिमित्र, व्यक्तियों, अधित् म— श्रीमती लक्ष्मी साहनी, राजिन्दर सिंह साहनी, सुरिन्दर सिंह साहनी, श्रीमती हरवंस मिलकृत्र-श्रीमती सन्यन्त ग्राहलुवालिया पत्नी, सुपुती ग्रीर श्री सुरजीत सिंह साहनी द्वारा ए सी (II) कालकाजी, नई विल्ली।

(मनारक)

श्रीमती स्नेह लता गुलिया
 परनी श्री कृष्णा कुमार गुलिया
 475, चिराग दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बांग्ला नं० ए० सी० (8) कालकाजी, नई दिल्ली, तादादी 866 वर्ग गज।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 15--5--1987

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्मना

#### भारत सरकार

# कायलिय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 15 मई 1987 निर्देशसं० आई० ए० सी०/एक्यू-I/एस० आर-3/9-86 /698-अत: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या है तथा जो प्लाट नं० सी० (सी)
24, कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमें उपात्र अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भाग्तीय रजिस्ट्रीकरण
श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त स्म्यत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) तें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमित पुष्पा तलरेजा पत्नी श्री कृष्ण तलरेजा, रंगून स्टूडियो, जनपद, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. डा० मिस रंजना त्यागी सुपुत्ती बलजीत मिह त्यागी निवासी सी (सी०), 24, कालकाजी, नई विल्ली ग्रीर श्रीमित गांति त्यागी पत्नी श्री बलजीत सिंह त्यागी निवासी 24, कालकाजी, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्णकत विकतों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

प्रापर्टी बियरिंग प्लाट नं० सी० (सी०) 24, कालकाजी, नई दिल्ली। तादादी 867 वर्ग गज।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-<sup>I</sup>-नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्रम्प बार्ड. हो एस. एक. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्शासक)

श्चर्जन रेज-I-नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/ा/एस० श्रार०— 3/9— 86/699——श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

काम कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो ई-77, कालकाजी, नई दिल्ली 300 वर्ग गज में स्थित है (श्रीर इसभे उपाबद्ध श्रतुसूची में पूर्ण रूप में विजित्त है), रजिष्ट्री क्ली श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह किरवाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित्र माजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एक रहयमान प्रतिफल का प्रकट्ट प्रतिस्ता से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिप्रों) के बीच एक अन्तरण के लिए तम प्रया गणा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की शक्त , लकत अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के क्षिप; बीह्र/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ज एक अधिनियम, ज एक अधिनियम, जिल्हा कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निकिटिंग कितयों, अर्थाद् :--- 1 श्रो बलराज चढौक मुपुत्र श्री स्वर्गीय ग्रार० एम० देवी दयाल चण्दोक सी-395, डिफोस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रो नृपामिह दास ध्रग्रवाल मृपुत्र श्री स्वर्गीय श्रमीताल श्रग्रवाल ई-77, कालकाजी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवस्थ किसी अन्य ध्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास विशेषक में किए का सर्वोंने ।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रावर्टी बियरिंग न० ई-77, कालकाजी, नई दिल्ली तादादी 300 वर्ग गज।

> एस० सी०गुप्ता, सक्षम ग्रिधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I- नई दिल्ली

दिनाक 15-5-1987 मोहर

# प्रक्य मार्ड . ही . एन . एस . -----

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I-नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/I एस० श्रार० III/ 9~86/700:-श्रत: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो 162, एफ० मालजा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी कार्याक्षय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

(1908 का 16) क प्रधान, ताराखा सितम्बर, 1986 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करन का कारण हो कि यथापृत्विक्त मंपित का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से क्लिंग प्रकार (बन्तर्का) और बन्तर्क (बन्तर्का) और बन्तर्क (बन्तर्का) और बन्तर्क प्रतिकृति से बन्तर्क के निए तब बन्तर्क एसे विद्या से संवत्त बन्तर्क विद्या एसे विद्या के स्वतः बन्तर्क विद्या एसे विद्या के स्वतः बन्तर्क विद्या एसे विद्या के स्वतः बन्तर्क विद्या के सिए तब बन्तर्क के सिए तब विद्या के सिए तब बन्तर्क के सिए एसे विद्या से स्वतः बन्तर्क विद्या एसे सिए तक विद्या के सिए तब विद्या एसे विद्या से सिए तब विद्या के सिए तब विद्या के सिए तब विद्या के सिए तक वित

- (क) जन्तरण से हुर्द किसी बाय की बाबत, उक्त जिसमियन के जभीन कर दोगें के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या स्तर्स बचने में सुन्वस्थ के जिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थीत :--17---106 GI/\$7

 श्री भवतार सिंह सुपुत्र जीवन्य सिंह डी--11, एन० डी० एस० ई--2, नई विल्ली द्वारा एटोरनी बिमला जैनी, कृष्णा जैन, सरला रानी मरुप।

(ग्रन्तरक)

2. रिपू दमन बिन्द्रा सुपुत्री श्री भवतार सिंह डी-11, एन० डी॰ एस० ई०-2, नई विस्ली। (भनतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हुं।

# उनक क्षमात्ति के नवीन के सम्बन्ध में कोई भी नाकीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की वनीच वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीच से 30 दिन की वनीच, को और अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्णोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तांक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हुँ, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हुँ।

प्रापर्टी बियरिंग नं 111, स्थाक नं 48, (कोल्ड) डिप्लोमेटिक एनक्लेब, नई दिल्ली नया नं 172, एफ॰ माक्षया मार्ग दिल्ली। तावादी 375 वर्ग गज।

(एस०सी० गुज्ता, (मक्षम ग्रधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I,"नई दिल्ली

विनांक: 15-5-1987

अक्टप बाहाँ, टी. एन. ग्रस .-----

# त्र/यकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्षत्रांलक, सहाप्रक अध्यकर आमृत्रक (मिरीक्रण)

म्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निर्वेश सं० म्नाई० ए० सी०/एक्यू/1--एस० म्नार--3/9--86/ 701---मतः मुझे एस० सी० गुप्ता,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह किश्यास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मृस्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या है तथा जो नाप 195 वर्म गज शाप नं एस०-26, ग्रैटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबस ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्री-कर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंभीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कुम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की नद्दें हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से कविक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित सद्देश्य से उक्त अन्तरण जिविक के वास्तिक कर के सिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित सद्देश्य से उक्त अन्तरण जिविक के वास्तिक कर से किया नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के बादित्व में कजी करने या उससे वचने में सुविधा के किए? जीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा खें किए।

अतः अब, उक्कः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न्न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान, :--

- 1. 1. एस० जसकीर सिंह गिल पुत श्री सरम्ब सिंह गिल
  - 2. मैसर्स प्रेम जीत गित्र,
  - 3. जगमोहन सिंह गिल (एच० यू० एफ०)
  - 4. एस० सुख मोहन सिंह गिल एच० यू० एफ० द्वारा एस० असबीर सिंह गिल 2057, सेक्टर 15 सी, चण्डीगढ़। (अन्तरक),
- 1 श्री राकेश वर्मा,
  - राजन वर्मा,
  - 3. रीप्ता संठ,
  - 4. प्रवीन संठ
  - ए 342, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्कना आरी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्ब्रन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध साद में सम्राप्त होता हो, के भी कर पूर्वे दिर व्यक्तियों में से किसी अमृतित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य क्यवित दुशारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

#### अपृष्ट्यी

प्रापर्टी बियरिंग णाप नं० एम-26, ग्रैटर कैलाश, नई दिस्सी । 195 वर्ग गज।

> ए**स० सी० गुप्ता,** सक्ष**म भधिकारी** महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I<sub>4</sub> नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्ररेशप अहिं . टी . एन . एसं . -----

अधिकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बंधीन सुचना

ं भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 15 मई 1987

निर्देश सं अाई ए ए सी । एक्यू / 1/एस श्रार-3/9 -86/702--श्रेतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

है तथा जो सी०-38, 1/1-2, भौर जिसकी संख्या स्टोरी बिल्डिंग ग्रैटर कैलाश नंई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस । उपाबद अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-केल्सी ब्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वीक्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रसिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसको इदयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अतरण में हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (19*5*7 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गैया था किया जाना चाहिए था, **छिया**ने में स्विधा के लिए।

वतः वय, उच्त विधिनियम की भारा 269-ग के वन्सरः। में, मैं, नक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीत, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

1. श्री एस० के० सोनी, 2 बी एकडे लिया प्लेस, कलकत्ता-19।

(ग्रन्सरक)

2. श्री जोगिनद्र कपूर, सी-38, ग्रैटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहें भी अपक्षेप :--

- (क) इस स्वानाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अर्जीक, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, को शीतर पूर्वीवत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति दुव्यारा, अधोहस्ताक्षरी कं पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरा परिभा-है, यही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रापर्टी न'० सी/38, 1/1-2, स्टोरी बिल्डिंग, ग्रैटर कैलाश, नई विस्ली। क्षेत्र 500 वर्ग गज।

> एस॰ १सी० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

विमोक ! 15-5-87

# प्रस्प सार्व .. सी अपन्त सुर्व प्रशासना

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के स्पीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्वनिव, तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 15 मई 1987

निर्देश सं • भाई० ए० सी०/एक्यू/1/एस भार-3/9-86 /703--- श्रत: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

बावकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) (हिंगई इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' अहा गया है), की भारा 269-च में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या है तथा जो सी-160, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली (एम० मंजिल हाउस) में स्थित है (ग्रीर इसने उगाबद्ध श्रापुची में श्रोर पूर्ण रूप से विज्ति है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त कर्मोत्त के अचित वाचार बृत्य से कर्म के क्रमधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाचा गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) जन्तरण वें हुई किसी भाग की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने कें सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी बान या किसी भन या बन्ध श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या वन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया वाना साहिए था कियाने में सृतिथा के किए।

जतः जन, उक्त जिभिनियम, की भारा 269-च के जनूसरण कैं, जै, उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जबीन, निकालिबित व्यक्तियों, जर्भात् :--

 श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री साहिब सिंह, सी-170, ग्रैटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

 मैसस बन्धू बिल्डिस प्रा० लिमि० बी-12, कालका जी एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को वह सुचना चाड़ी कारकै पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्वन के निष् कार्यवाहियां कारता हों।

बक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बनिध या तत्स्यन्त्रभी व्यक्तियाँ देश सूजना की तानीस से 30 दिन की बनिध, को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात शिवित में किए वा स्थाने।

स्पद्धिकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वस है।

# नगुज्जी

सी-160, ग्रटर कैलाश-1, नई विल्ली (एक मंजिल मकान) क्षेत्र 1620 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायग्रर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

# प्रकृत वाह" हों . एवं . एवं . नाननाम्बन्धान

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के बंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 1-, नई धिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 मई, 1987

निर्देश सं॰ श्राई० ए० सी०/एक्स्/6/37ईई/9-86/ 183-- म्रत: मुझे, टी॰ के० शाह्र,

गायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त आंधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो प्लाट नं० 807 प्रम्बादीय 14, के० जी० मार्ग, दिल्ली में स्थित है (घ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर, 1986।

को प्वोंक्त सम्मत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम को दश्यकान मितफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार प्लय, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत स अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तब पाया गया प्रतिफल मिम्निसित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्निक रूप से किया नया है:---

- (क) अस्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के बंधीन कर बने के बन्तरक के दायित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंबी किसी भाव वा किसी थन वा अन्य बाहिस्तारों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुनिका औ किया

कतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-न के जमसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च दी उपभारा (1) ज अवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्भात् :---  सेल्स बर्थ इण्डिया प्रा० लिमि०
 38, लोकनायक भवन खान मार्किट, नई दिल्ली।

( म्नन्तरक)

भास्टर राजबगारिया नं० 16/5,
 बिश्री किसेंट बेंनसन टाउन,
 बंगलीर।

(भन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

ब कर संपत्ति के अधन के संबंध में कोई भी आकांप ;----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की कारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में श्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्परित में हिल-बब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकीने।

स्पाकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दा और उदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्यं होगा को उस कध्याय में विका वया है।

#### नगुप्त

फ्लैट नं० 807, भम्बादीप, 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

> टी. के० शाह, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निक्षिण) श्रर्णन रेंज,नई दिल्ली

विनांक: 15-5-1987

बंस्थ नेहिं ही ऐसे ऐसे . -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरंशिक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निर्देश सं० भाई० ए०सी/एन्यू/6/37ईई/9-86/84---भतः मुक्ते, टी० के० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या है तथा जो पलैट नं० बी-1/5, क्लांक नं० 1, ग्रुप हाउसिंग भावासीय काम्पलैक्स 9 राज नारायण रोड बिल्ली में स्थित है (भौर इमने उपाबद्ध प्रनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय मे भारतीय भायकर भिधिनयम, 1961 की धारा 269 कका के भधीन, तारीख सितम्बर, 1987।

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विचय से उक्त अन्तरण लिखित हैं बास्तिक रूप ते साथित नहीं किया गवा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीधनियम के अवैति कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने वा उससे उचने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) होती किसी जाव या किसी भन या जन्म आस्तियों को, चिन्हों भारतीय जाव-कर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर) व्याधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया माना चर्टिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

नतः अस, उक्त निधीनसम की भारा 269-य के अनुवर्ष में, में, उक्त नीधीनसम की भारा 2'69-य की उपधारा (↑) के अजीत, सिन्नीतीवत व्यक्तियों, अपित् :----  श्री रचुँरैंचें बहाँखुरं श्री राजेग बहाबुर, श्रीमती शीला धर, श्री श्रीभनव धर श्रीर श्री माधव घर,
 श राज नारायण रोड, सिविल लाइन्स, विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

श्री राजीव खन्ना (एच॰ यू॰ एफ॰),
संजीव खन्ना (एचै॰ यू॰ एफ॰),
विवास चन्द खन्ना एण्ड
श्रीमती माया खन्ना।
 रतम चन्द रोंड, दि माल,
ग्रमतसर।

(श्रेन्तरिती)

कौ यह तृचना जारी करके पूर्वोक्स तस्पीत के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाशोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 4.5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहंस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिसरनः ----इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, जो उक्त नीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होंगा जो धन अध्याय में विका नवा हीं।

#### ममस्यी

पलैट बी−1/3, दूसरा खण्ड क्लांक 1 ग्रुप हाउसिंग ग्रावासीय काम्पलैक्स 9 राज नारायण रोड, सिविलं लाइन्स, दिल्ली−110054।

> टी० के० णाह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1 नई दिल्ली

विमांक: 15-5-1987

मोहरः

# प्रकप आहैं.टी.एनं.एस.-----

बाग्नकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 1 विल्ली

तई दिल्ली, दिनाक 15 मई, 1987

सं० ग्राई० ए० सी० एक्यू 6 37ईई 9-86 85:— ग्रत सुझे टी० के० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्तित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्य है तथा जो ए० एच० 34, शान्ति नगर बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपा बद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रधिन्यम 1961 की धारा 269 क ख के भधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरिस की गर्व है और मुझे यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और (अंतरकार) और अन्तरिती (अंन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेष्ठय से उदल अन्तरण लिसित

वास्तविक रूप से कथित नहीं तिकया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किशी बाध की बलात, उक्त अधिमियम के अभील कर दोने के जन्तरक के दायित्य में क्रजी करणे या उच्चत्वे वचने में सृष्टिभा के किए; और/या
- (क्क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां., जिन्हें भास्तीय आव-कद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अ निए;

जतः जबं, उक्त अधितियमं, की भारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व को उपभारः (1) के अभीत, जिन्निविधित व्यक्तियों, नवाद् :---  बिपन्दर कौर सेठ पत्नी सुरजीत सिह्न सेठी 100-सी, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली-110000।

(अन्तरक)

 श्री राजिन्दर कुमग्रर एक्ड राजेश कुमार सुपुक्त श्री प्यारा लाल 7, ज्रांबाहर नजर, मोगा पंजाब ।

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्सं तस्प्रीत के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तासील चं 45 दिन की अविधिया तत्स्वतिथीं स्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीचा से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्मेलि में हितबद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल विवित्त में किए जा संकोंने ।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क के परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गढ़ा हैं।

#### अनसभी

ए० एच-34, शालिमार बाग, विल्ली।

टी० के० शाह, सक्षम ग्रीधकारी सहायक भायकर भायुक्त निरीक्षण ग्रुप्यन रेंस, दिल्ली

तारीच : 15-5-1987

नोहर: 🛭

# क्षण वहाँ <sub>व</sub> दौ<sub>ं हुए हुए हुए अस्तरण</sub>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

#### शारत सरकार

# कार्बोचन, सहायक आयक्तर बायुक्त (निर्देशका) ग्रर्जन रेंज 6 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

सं अपाई ए ए० सी ए न्यू 6,37ईई 9-86 86--- अतः मुझे, टी० के० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

5,00,000/- एत. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो 195 टेगोर पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), मक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986।

फो प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से अस के क्षत्रवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञों यह विषयां करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, असके क्षत्रयमान प्रतिफल से एते अवयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और वह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेक्य से उच्क अन्तरण लिखित में बाल्तिक रूप से अन्तरण निम्नलिकित उच्चेक्य से उच्क अन्तरण निम्नलिकत में बाल्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरन ने शुर्व किसी नाक की नावते, शबत शीर्थित्यम की अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में शुनिधा के शिष्ट्र वर्ष्टिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा विद्या

्शतः अब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 भी सिकन्दर लाल मलिक एण्ड दलजीत मलिक ए-2 17, टेंगोर पार्क, विल्ली।

(मन्तरक)

पुष्पा देवी कावा एण्ड शाकुन्तला कावा,
 17, टेंगोर पार्क, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह तूचना चारी करके पूर्वोचत सम्पति को अर्थन के लिप्न कार्यवाहियां करता हूं।

# व कर सम्मत्ति के बर्चन में संबंध के कोई भी आक्रोप ह

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारींब से 43 विन की बनिथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वता की तानीं से 30 दिन की सर्वाध, यो भी अवधि नाद र समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों के दिन्दी व्यक्ति दुशारा;
- (व) इस तृचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितवव् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पण्डीकरण:---इशर्मे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होतेर, जो उन अध्याय में दिया गवा है।

# नग्रुची

195 टैगोर पार्क, दिल्ली तल खण्ड गैरेज 1559 वर्ग फीट प्रथम खण्ड एक चपरासी मकान 218 वर्ग फीट कुल 1777 वर्ग फीट।

> टी० के० शाह, सक्षम *प्रधि*कारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ**र्ज**न रेंज, दिल्ली

विनांक: 15-5-1987

# प्ररूप आई.टी.एन.एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीभण)

अर्जन रेज-6 4/14ए, असफली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू/6/37र्ड्ड्ग/9-86/82:--अतः मुभ्के, टी. के. साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

आरै जिसकी संख्या है तथा जो 10, आसफ अली रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायि के में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के ित. और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी का या अन्य अपमार्ग को, जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 11,2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्हरण को, मौ, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन . नस्नार्जानत ज्याकतया, अधीन :----18—106 GI/87

- एक्सल प्रापटींज एण्ड इण्डस्ट्रीज, बी-10, लार स रोड औद्योगिक क्षेत्र नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 रामजस प्रा. लिमिटेंड 5वां खण्ड, 231, डा. डी. एन रांड, बम्बई-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भान्त की वर्जन की निकार रार्थवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप \_-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध यद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इक्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तग्रीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टौक २ थ. -- - इसमे प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

500 टर्ग एटि वेस्साट एस्प्ल हाउस. 10 आएफ अली रोड, नहीं दिल्ली।

टी. के. साहा, सक्षम अधिकारी सहारात आयकर शाय्वत (निरोक्षण), ार्जन रॉज-6 नई दिल्ली

ार्का : 15-5**-**।987

# प्रकृष आर्ड . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धार: 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### धाउत सडकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 6.4/14ए, श्रांसफग्रल् $\epsilon$ रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश संब्ह्याई.ए० सी०/एक्य्/6/37ईई/9-86/81:- श्रन: सुझे, टी. के० साह,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम पाधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो 18, ब्लाक बी० पून० (पूर्वी) शालीमार बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुपूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम , 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, नारीख मितम्बर, 1986।

को प्यंक्त गंपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिपल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिपल का पन्त्रह अतिकत से अपिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के स्वयमान प्रतिपल का पन्त्रह अतिकत से अपिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के स्वयमान प्रतिपल के सिए तय पाया गया प्रतिपल कि निम्नितित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्षत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणान गर्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाता चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिए।

अत अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निक्तितिक किविजयों अर्थात् ---  श्री राजेण गुलाटी बी एन+18 (पूर्वो), शालीमार बाग, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. पहुएत गुलाठी श्री राजीव गुलाठी रीता गुलाठी 96 टेगोर पार्क, दिल्ली। ग्रमर कुमार ग्रमरानी ग्रौरश्रीमती पदमा श्रमरानी निवासी एक. 15, कृष्णा नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच लें 45 दिन की जबकि या तत्तं में शि स्वित्तर्यों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कि की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### ग्रन्सूची

प्रापर्टी नं० 18, ब्लाक बी० एन० (पूर्वी) शालीमार बाग, दिल्ली।

> टी० के० शाह, सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

दिनांक . 15-5-1987 ----

में हर्:

#### प्रकथ बाइ दी एन एस . -----

क्षायकर मीधनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्थना

#### मारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्पू/6/37ईई/9-86/96—म्प्रतः मुझे, टी० के० साह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,,00,000/- रह. से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं० 16ए/19, जी० 4 शाप नं० है तथा जो डब्ल्यू० इ० ए०, करोलबाग में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269कख श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के ध्रयमान शितस्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया प्रा प्रतिफल निम्नलिसित उद्दंश्य से उक्त अंतरण निस्त के बास्तिक रूप से कांक्त महीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आप की शासत उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने की अंतरक के शुक्तिल को कभी कुडुने वा शतके शतको में सुविधा में निष्ठ; श्रीट्√या
- (क) एती किसी जाय या किसी पन या जन्म जानित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था छिपाने ने स्विधा के सिष्;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) (1) श्री राधेश्याम कृष्ण कुमार, राजिन्दर कुमार पार्टनर मैंसर्स उमासंग  $16 \frac{0}{19}$ , डब्ल्यू० ए०, करोलबाग, नई दिल्ली-110005

(श्रन्तरक)

(2) वासदेव शावनी भ्रार-535 न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (2) श्रीमती पदमा रानी श्रार-535, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्थन के लिए काम्याहर्मा करता हूं।

उक्त संपर्तित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा,
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

पिकासिकरणः इसमें प्रयुक्त धाव्यों और पदों का, जो उद्यक्ष अधिनियम के अध्याद 20-के में परिभाषित हूं ( वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्**ची**

शाप नं० जी-4, तादादी 1072 वर्ग फिट 16 ए/19, डब्स्यू० इ० ए०, करोलबाग, नई दिल्ली।

टी० के० साह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ृश्रजीन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

भोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस्.-----

**आयकर बीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत सर्काः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० म्राई ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/94 $\rightarrow$ म्रातः म्रो, टी० के० साह

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्यास अरने का आरण हैं कि स्थावर सन्धितः, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ई-64 है तथा जो कीर्नि नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269कख के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उण्वत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभे वह विद्याम करने का कारण है कि संभापूर्वेक्त संपत्ति का उलिस तारान प्रवाद, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यादार परिकाद कर प्रवाह प्रतिवाद से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- किंदी विश्वास की हुई किती बाय की बावत उसके विधानियम की वर्णीय कर दोने की समारक के कमिएन में कभी कर्डने या उससे कवने में श्रीयका में सिए; बीड़/बा
- (का) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती कांता कुमारी बी 1-610, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमनी तृप्ता पत्नी श्री सुरिन्दर छावड़ा 2 श्रीमनी बीना पत्नि श्री जोगिन्दर पाल श्रीमती निलनी पत्नि श्री ग्रशोक हुमार निवाशी 66-रानी झांसी रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृभना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्कत स्थावर सम्पत्ति मों रिहतबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरों।

स्थब्दीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **ग्रनुसूची**

मकान प्रापर्टी इ-64, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015 कंस्ट्रिक्टड़ क्षेत्र 320.85 वर्ग गज।

> टी० के० साह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्नी

दिनांक: 15-5-1987

# प्ररूप वार्डं.टी.एन.एस.------

वायकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की

# भारा 269-भ (1) से सधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/637ई $\xi$ /9-86/93- म्रतः मुझे, टी० के० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रपार्टमेंट नं० 5/2 है, तथा जो प्रथम खंड ब्लाक 5, राजनारायण रोड, विवल ताइन्स, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ब्रोर पूर्ण एप से विश्त है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भा तीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क खंके श्रधीन, दिनाक सिनस्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफत के लिए अन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिष्ठत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उच्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री रघुराज बहादुर श्री राजेश बहादुच, णीलाधर, (श्रीमती) ग्रभिनवर्धर, माधवधर 9-राज नारायण रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) दीक्षा होत्डिंग प्रा० लिमिटेड पजीकृत कार्यालय, भारत होटल, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>†</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्रपार्टमेंट नं० बी 5/2 प्रथम खंड, ब्लाक बी 5, 9-राज नारायण रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054। ृटी० के० साह सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-6, नई दिल्ली

बनांक: 15-5-1987

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई बिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37-ईई/9-86/89-भ्रतः मुझे, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 112 है तथा जो प्रथम खंड एरसल हाउस ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), सक्षम श्रधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1961 की धारा 269कख के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बदेय से उक्त अन्तरण सिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आर्य या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मोहर :

(1) एस्सल प्रापर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज बी-10, लारेंस रोड श्रौद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फतेह पाल सिंह और रिवन्दर पाल सिंह सुपुत्र श्री बी० एस० छावड़ा, ए-48-ए/1, नारायन विहार नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाक्षर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सरमची

फ्लैट नं० 112, प्रथम खंड 352 92 वर्ग फीट एस्सल हाउस 10-श्रासिफ म्नली रोड, नई दिल्ली।

टी० के० साह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्ररूप बाह्र .टी. एत . एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) नी धारा 269-थ (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कंप्रवर्षिय, संक्षयक जायकर बायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बग्बई

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निवेश सं० अर्प्द० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/87---अतः मुझे, डी० के० शाह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूझ्य 1,00,000/-र से अधिक है

भौर जिसकी सं० 123 टैगोर पार्क, विरुली में स्थित है (इससे श्रीर उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम श्रीधकारी के कार्याल में आयकर श्रीधनियम 1908 की धारा (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसक इत्यमान प्रतिफल स एस इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उब्बर्ध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियां को जिन्हों, भारतीय आयकर अधिनियम 1322 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ करतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया को या किया वाना वाहिए था, स्थिता में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उदन अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नर्लि रा व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री भ्रोमप्रकाश (2) सजीव सदरा (3) सदीप सदरा निवासी 197-ए, साकेत, मेरठ यू० पी० (अन्तरक)
- (2) श्री म्रानिन कुमार खन्ना (2) श्रतुल कुमार खन्ना 174-टैगोर पार्क, दिल्ली-110009

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (⋖) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पथ्यक्रिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### SIVING

बिल्डिंग 123, टैगोर पार्क, दिल्ली-110009।

टी० के० णाह सक्षम प्राधिवारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रायंन रेज-6 नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

thus with the last to a non a view

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के शर्यात मुख्या

#### भारत सरकार

कार्यालय सभायक सायकर आयक्त (निरीक्षक) प्रतिन रेज-6, नई दिल्ली

नई दित्त्री, दिनाक 15 मई 1987

निदेश स० ग्राई० ए० सी०  $/ ए \mp 4 / 6 / 37 \% ^{\frac{2}{3}} 9 - 86 / 83 -- ग्रित मुझे, टी० के० शाह,$ 

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके रक्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा एक ही, की धारा 269-स के अधीन तक म प्रिकानी को, यह जिल्लाम करक का कारण है कि भार भपीए, दिस्सा उरिन पाण्य मृख्य 1,00,000/- रु. स अधिक है

श्रीर जिसकी स॰ पर्नंड न॰ 111/358 29 वर्ग पट है तथा जो प्रथम खड एस्सन हाउस, 10, श्रासफ प्रली रोड, नई दिल्ली मे स्थित है (प्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुप्ती मे ग्रीर प्रण रूप से विणित है), सक्षम श्रीधकारी के कार्यातय मे ग्रायकर श्रीवित्यम 1908 (1908का 16) के स्थीन दिनाक पितम्बर सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त स्पत्ति का उचित जाजार मूर्य, दृश्यमान प्रतिफल से, एसंदृश्यमान, प्रात्कित है पर्वेद्वयमान, प्रात्कित है और कन्तरितियों) के बीच पेरी कन्तरिक ने लिए तय पाणा स्पा प्रांतिक है कि क्षत्र सन्तरित निर्मे कि उद्देश्य से क्षत्र सन्तरित निर्मे किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, सक्त अधिनियम अध्योग कर के ल इ दायित्व में कसी करने या उस्से बचने में सविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तयों की, जिन्हों भारतीय शायकर विधारियर ।' (1922 का 11) या उत्तर अधिनिय या धन-कर अधिनियम, 1947 / उत्तर हो हैं या प्रयोजनार्थ अस्तरियों देशारा पाट की व पा या किया जाना चाहिए था जिला अरि/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —— (1) रापा प्रोनानि एउ इउस्ट्रीन बी-10, लारेस रोड, ग्रीबार्गिक क्षेत्र, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) ाम हरदूर च प्राय निर्मित पर्नेट नय 213, कवास 26-कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (म्रन्तरिती)

भी वह सूचना जारा करके पूर्वेक्त सम्पोत है वर्षन के विष् कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाध्ये :--

- (क) इस भूषना से राज्यक में प्रकाधन की तारील से 45 जिन की अवधि रा तत्सकारी व्यक्तियों पर कान की नित्त में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाज होती हो, के भीतर पूर्वों वस का किसी स्थित द्वारा,
- (ख) हम सुबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, पशहस्ताक्षरों के स्म लिखित यो किश का मद १।

स्थळीकरण — इसम ५ थ्वन घन्दों गैर पदा का, जा उक्त कांधनियन, के अध्याय 2,-र म परिभाणित है, वह अर्थ हमा जो र र स्याय में दिया क्या है।

# अन्स्ची

पनैट न० 111/358.29 वर्ग यिट प्रथम खड एम्प ° हाउम 10, प्राप्त 7 भी सोड न्डी <sup>†</sup>रिली

> टी शिक्ष भारत सक्षम गृक्षिकारी सहामस्क्रम विश्वासका स्कॉन रेज १ वर्ष दिल्ली

दिन क 15-5-1987 मोहर प्ररूप बाइ रे. टी. एन. एत ॒-----

# बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) की वधीन मचना

#### भारत सर्कार

कार्बालब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6 नई विरुली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं० ऋाई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/167---अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा े69-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 307,कांतिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 34, 5 है तथा जो नंगल राय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मृत्य से कम के दृश्यान प्रितिकल को लिए अंतरित की भद्दें हैं और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यभाष्वोंकत सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह तिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देष्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से शुद्र किसी बाय की बावल, उपल विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाविल्थ में कमी करने या उचले बचने में सुविशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन ना अन्य जास्तियों की विस्ते भारतीय बाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त निर्मित्यम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधी के लिए,

अतः अब, अब्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उन्ति अधिनियम् की धारा 269-ण की उपधारा (1)

19-106 GI/87

(1) श्रंसल हाउसिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कर लिमि॰ 1110, श्रंसल भवन, 16, केर जीर मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मृत्मर्म भूषण कर्माशयल एंटरप्राईसिस डब्ल्यू० 106, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनता तम्पीत के अर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इत त्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्पाना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी नव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्य व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति व्यादा;
- (स) इस बुचना के राजपण में प्रकाबन की तादीक से 45 दिन के मीतर सकत स्थायर सम्पत्ति में हितबहुत्य किसी कन्य न्यनित दुवारा सभोहत्वासरी के शब्द सिचित में किस या सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:---इसमें प्रवृत्तत सन्दों बाँउ पद्यों का, वां स्वत्य अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिन्या व्याहाँ भ

### अपूर्वी

फ्लैट नं ० 307, कीर्तिवीप बिल्डिंग प्लाट नं ० 2,3, 4, ग्रौर 5 नंगल राय, नई दिल्ली तादादी 554 वर्ग थिफट।

> टी० के० णाह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

प्रकप नाहाँ दी. धन. एस. ------

नापकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) जे वभीन सूचना

### गाउव सहस्राह

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 मई, 1987

निवेण स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/168--ग्रत मुझे, टी० के० शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 209 है कीर्तीवीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4 ग्रीर 5 नगल, राय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत हैं), सक्षम ग्रिधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 259क ज के ग्रिधीन, विनाक सितम्बर 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और अतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, गिम्निलिखित उद्वेष्य से उसत्त सन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया भया है कै---

- (क) अंतरण से हुई किसी ०। म की बाबत, उन्ह अभिन्यम के ज्थीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए, और√या
- (क) ध्रेसी किसी बाय या किसी धन था बात्य शास्तिएर को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने यो स्विधा से लिएं:

सतः वनः उक्त विधिनियमं की धारा 269-म के बन्धरण में, में उक्त मिधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) भे नधीन, निय्निचित्त व्यक्तिश्वतें, संघरि ५ (1) भ्रमल हा उसिंग फाइनेस एण्ड लीचिंग क० लिमि० 1110, भ्रसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) भूषण कर्माशयल एण्टरप्राइसेज लिमि० डब्ल्यू०-106, ग्रेटर कैं नाश भाग-2, नई बिल्ली। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टेंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पार लिखित में किय जा सकोंग।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिय है, वहीं अर्थ हाथा का उस अध्याय में विसः गया है।

### अनुसूची

प्लैट न० 209 कीर्तीदीप बिल्डिंग, प्लाट न० 2,3,4, भ्रीर 5 नगल राय, नई दिल्ली तासादी 554 वर्ग फीट

> टी० के० गाह सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-6, नई दिल्ली

दिनाक 12-5-1987 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीर सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

बम्बई, दिनांक 28 ग्रप्रैल, 1987

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/169— मत: मुझे, टी० के० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० 212-ए है तथा जो कीर्सिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4 श्रीर 5 नंगल राय, नई दिल्ली में में स्थित है(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), सक्षम श्रिकारी के कार्यालय

भिधिनियम 1961 की धारा 269कख के भ्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पा। गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्च स्य से उक्त अंतरण लिखित अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्वैवधा के लिए।

अतः अब, उथ्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) भ्रंतल हाउित्य फाइनेंल एंड लीजिय कं० लिमि० 1110, ग्रंतल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) भूषण कर्माणयल इण्टरप्राइपिस लिमि० डब्ल्यू०-106, ग्रेटर कैलाण, भाग-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्याँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित को अर्जन को संबंध मो कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र स्थान की तामीन से 30 दिन की अविभि, ओं भी अविभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पदों का, जी उक्त अधिनियंग के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं॰ 212ण, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं॰ 2, 3, 4 श्रौर 5 नंगल राय, नई दिल्ली। तादादी 554 वर्ग फीट

> टी० के० शाह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-6, दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.------श्रीयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# काथित्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9 -86/170-- ग्रेंस: मुझे, टी० के० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

5,00,000/- र. स जावक हु

ग्रीच जिसकी मं० फ्लैट नं० 213 है कीर्तिदीप बिल्डिंग

फ्लोर्ट नं० 2,3,4 ग्रीग 5 नेगल राय, नई दिल्ली मे स्थित

है (ग्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूची मे ग्रीग पूर्ण रूप से विणत है),
सक्षम ग्रिधकारी के कार्यालय मे भारत ग्रायकर ग्रिधिनयम

1961 की धारा 269कख के ग्रिधीन, दिनांक सितम्बर, 1986
को पूर्वीक्त रूप्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
कूक्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से एसे दक्यमान प्रतिफल का
क्का प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंसरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नचित्रित उद्विक्य से उच्य अन्तरण लिखित मे

ग्रास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने से सुविधा के लिए;

जतः अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्मलिखित व्यक्तियत्यों, अर्थात् :— (1) मैंर्स्स थ्रंपल हाउभिग फाइनेंप एण्ड लीजिंग कम्पनी लिमि० 1110 थ्रंपल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स भूषण कर्माशयलइन्टरप्राइसिम लि०, 106 ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन. की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की उनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (स) इस स्वना के राजप्त में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरी।

स्पर्ध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ननुस्थी

पर्लैट नं २ 2 1 4 कीर्तिबीप बिल्डिंग प्लाट नं २ 2, 3, 4, ग्रौर 5 नागल राय, नई दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

# धक्य वार्षे ही. युग. **यु**स.,------

# बावकर निधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कंश्वीलय, सहायक अध्यकर नामुन्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-6, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

आवक्तर वैभिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं पश्चात् 'उक्त अधिनिसम' कहा गया हैं), की धारी 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

-द्यौर जिसकी स∘ पलैट नं० 210 प्लाट नं ० 2,3,4 भ्रीर 5 नागलराय, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). संक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय मे ग्रायकर अधिनियम 1961 269कख के ग्रधीन, दिनांक पितम्बर, 1986 को प्रभोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान श्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके अध्यमान प्रतिकल से, एसे अध्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंदरकार) आरे अंतरिती (अन्तर्रितिरो) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तम नामा गमा प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोन के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, विक्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गका या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में बृत्वा से सिए;

बर्धः नय, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग वी अनुसूरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्म श्रमल हाउमिंग फाइनेस एण्ड लीजिंग कं० लिमि०, 1110 श्रमल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैमर्स भूषण कर्माणयल इन्टरप्राइइज लि०, उब्ल्यू-106, ग्रेटर कैलाण पार्ट-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्स सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 विन की सविध या तत्सम्भन्धी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति सो मी अंबिय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपन मों प्रकासन की शांदिक हैं
  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति मों हितसब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  सिक्ति मों किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पद्यों का, को उस्स विभिनयम, के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा वो उस अभ्याय में दिया गया है।

### गन्त्या

प्लैट नं० 210 कीर्तिदीप बिल्डिग प्लाट मं० 2, 3, 4 और 5 नागल राय दिल्ली एम० जी० 554 वर्ग फिट।

> टी० के० शाह सक्षम श्रिघकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

धिनांक: 12-5-1987

# प्रकल् भार्य ही एन एस वस्तराज्य

कांधकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन सुचना

#### मारत सरकार

# कार्यक्षय , सहायक गायकर नामुक्त (निर्दाक्षक) धर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित याजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 211 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2,3,4 श्रीर 5 नागल राय, नई दिल्ली मे स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), सक्षम ग्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रीयकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269कख के श्रधीन दिनांक स्तिम्बर, 1986

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वें कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत- रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया हैं क्र-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- रेंच) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था विका जाना चाहिए था, स्त्रियाने में सुविधा के सिए;

चतः वव, उक्त अधिनियम को धारा 269-गं की अनुसरक कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) मैन्स्व श्रंसल हाउसिंग फाइनेंप एण्ड लीजिंग कं० लिमि० 1110 श्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं भर्स भूषण कमिशयल इन्टर प्राइसेज लि॰ डब्ल्यू॰ 106, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्वेक्ति संपरित के अर्जन वहीं सिध् कार्ववाहियां करता हुं।

### जनत संपत्ति में नर्जन में संबंध में कोई धी मामीय ड----

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमदूभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकांगे।

स्थव्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर कि विधास के विधास 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस विध्या में विधा गया है।

### असम स्रो

फ्लैंट नं० 211 कीर्तिबीप बिल्डिंग प्लाट नं० 5 नागल राम नई दिल्ली 554 वर्ग फीट।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

विनांक: 12-5-1987

मोहर ः

त्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

वावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म के अधीन स्मना

### भारत सरकार

कार्यालय, तहावक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 मई 1987

निवेश सं० भ्राई० ए० सी० एक्यू० 37ई 9-86/173---मतः मुक्के, टी० के० शाह,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त जिभिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 206 है तथा कीर्तिदीप बिल्डिंग नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में भायकर श्रिधिनियम 1908 की धारा (1908 का 16) के श्रिधीन दिनोक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्याकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके क्यामान प्रतिफल से एसे क्यामान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल से एसे क्यामान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उक्योध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन वा अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हुं भारतीय भायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मैसर्स अंसल हाउसिंग फाइनेंस भौर लीजिंगकं० लि० 1110 श्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स भूषण कर्मापयल इंटरप्राइसिस लिमि० डब्ल्यू-106 ग्रेटर कैलाण पार्ट-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त उधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 206 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट न० 2,3,4 श्रीर 5, नागलराय दिल्ली मार्ग, वर्ग फीट।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

# प्रकप बाई, दी, एव. एव.-----

# कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वान

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० श्राई० ए० एसी० एक्यू०/ ६/ 37ईई 9-86/174---ग्रतः मुझे, टी० के० शाह

शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमात् 'जिस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रेंग्वेट नं 307 है तथा जो कीर्तिदीप बिल्डिंग नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिन्द्र कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1908 की धारा (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक सितम्बर, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरूण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ए'में किसी आय या किसी भन या अन्य आरित्यां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

बतः वयः, उत्कतः अधिनियमः, की धारा 269-ग कौ अनुवरणः भों, मीं, उत्कतः अधिनियमः की धारा 269-भ की उपधारा (1) को को अधीनः, निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स ग्रंसल हाउसिंग फाइनेंस ग्रीर लीजिंग कम्पती लि॰ 1110 ग्रंसल भवन, 17 कें॰ जी०० मार्ग, नई विख्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स भूपन कैमिकत इन्टरप्राइजिज लि० डब्ल्यू० डब्ल्यू-106, ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली। (म्रन्तरिती)

ो यह तुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वै वर्षय व न्लए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्से :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबवृध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किये जा सकती।

स्पव्हाकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विवा पदा हैं।

### मभुची

फ्लैट न० 207 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4 भीर 5 नागल राय, नई दिल्ली मार्ग 5.54 वर्ग फीट

टी० के० शाह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

दिन क 12-5-1987 मो**हर**ः प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के सभीन स्चना

### मारत सरकार

# कार्यांक्य, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/6/37ईई 9-86/175---श्रतः, मुझे टी० के० गाह,

बावकर शीपनियम, 1961 (1961 का 43) (विक ध्रवधी इसके प्रथात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सका प्राधिकारी की वह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० है तथा जो फर्लंट नं० 268 की तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2,3,4 भीर 5 नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में श्रायकर श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) की धारा के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 86

को प्रामित सम्पत्ति के उचित वाचार मून के कान के कावजान प्रतिक्षम के लिए अंतरित की गई है और धूओ यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य कसके कश्भान प्रतिकृत है, ऐसे क्यमान प्रतिकृत का रन्यह विश्वत से निषक है बीर अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एंडे अन्तरक से लिए तन पाना वहा प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक कर के क्रियंत बहुती किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई कितो आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाम वा किसी जम या जन्म जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जासकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या भन-कर जिथिनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया जबा ना या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा जे निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में.. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थीत् :--20-106 GI/87

(1) मैसर्स ग्रंसल हाउसिंग फाइनेंस ग्रौर लीजिंग कम्पनी लिं० 1110 ग्रंमल भवन 16 कें जी० मार्ग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैमर्स भूषण किमकल इन्टरप्राष्ट्रजिज लि० खब्स्यू०-106, ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकालन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्थानितयों में से किसी व्यक्ति ब्वाया;
- (क) इस सूचन। के राजपण मों प्रकाशन की सारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के जास निक्षित मों किए का सकोंके।

स्वव्यक्तिरण:--इसमं अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही ार्थ होगा जो उस अध्याव में विका नवा है।

### अमृत्ची

पलैंट नं० 208 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3,4 श्रीर 5 नागलराय नई दिल्ली मार्ग 455. वर्ग फीट।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

भोहर:

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश संब्धाई ब्एब्सी ब्ए क्यूब 6/37ईई 9-86/170— भ्रत: मुझे, टीव केव शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 204 है तथा जो कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं 2, 3, 4 श्रीर 5 नागलराय , दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1908 की (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में मृतिंधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) मैसर्स भ्रंसेल हाउमिंग फाइनेंस और लीजिंग कम्पन लि० 1110श्रंसल भवन, 16 के० जे० मार्ग नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स भूपण किमकल इन्टरप्राइजिज निर्मिष् डब्ल्यू ०-106, ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

फ्लैट नं० 204 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2,3,4श्रौर 5 नागलराय नई दिल्ली मार्ग 554 कुर्ग फिट।

> टी० के० शाह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्लों

विनांक: 12-5-1987

मोहरं :

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-ण (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकाड

क्षायां तम् , सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

नह दिल्ला, दिनाक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० |एक्यू०|6|37-ईई|9-86|177—अतः मुझे, टी० के० शाहः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं पलेट नं 201 कीर्तिद्रीय बिल्डिंग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने, का कारण है कि यथ्यपूर्वोक्त सम्पत्ति क उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुर्भ किसी जाय की बामतः, उपते अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्य मं कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा क सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मेमर्स ग्रंसल भवन हार्जीमग फाईनेन्स ग्रीर लीजिंग कम्पनी लि०, 1110 ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स भूषन केमिकल इन्टरप्राईजीज लिं०, डब्ल्यू 106 ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वे ति सम्परित कं वर्धन के सि।, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत व्यना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 4 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित.्. किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिबित में कियं था सकोंगे

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

फ्लेट नं० 201 कीर्ति दीप बिल्डिंग, प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, नागल राय, नई दिल्ली, मार्ग 554 वर्ग फीट ।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-6, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 202, कीर्ति दीप बिल्डिंग, प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, नागल राय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से बिल्ति है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान क्रिकल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आर्य या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) ग्रंसल हार्जासंग फाईनेन्स एण्ड लीजिंग क० लि०, 1110,ग्रंसल भवन, 16,के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स भूषण कमिशियल इन्टरप्राईजेज लि०, डब्ल्यू० 106, जी०के०-2, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उपता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसुधी

फ्लेट नं० 202, कीर्ति दीप बिल्डिंग, प्लाट नं० 2, 3, 4 नागल राय, नई दिल्ली ।

> टी०के० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-6, नई दिल्ली

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख: 12-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 12 मई, 1987

निदेश स० ग्राई० ए० सी० / एक्यू०/6/37ईई/9-86/179—ग्रत— मुझे, टी० के० शांह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रांर जिमकी सं० फ्लेट नं० 203, कीर्ति दीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, नागल राय, नई दिल्ली में िथत है (प्रांण्य इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिक्यम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरिसियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्षत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम, क्री धारा 269-गं के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भ्रंमल हाउँसिंग फाईनेन्स एण्ड लीजिंग कें लिं०, 1110, भ्रंसल भवन, 16, कें जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) भूपण कमिशयल इन्टरप्राईजेज लि०, डब्ल्यू०-106 जी०के०-2, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पृत्रोंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास- लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जा उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गाया है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 203, कीर्ति दीप बिल्डिंग 1 प्लाट नं० 2,3,4,5, नगल राय, नई दिल्ली तावादी 554 वर्ग फीट ।

> टी०के० **गा**ह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-6, नई दिल्ली

मारीख: 12-5-1987

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

## भारत सर्कार कार्याच्य, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रजन रेज-6, नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 12 मई, 1987

निदेश मं० भ्राई० ए० मी० /एक्यू० /6/37ईई/9~86/ भाष्ठा—-श्रतः मुझ, टी० के० शाह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पलेट नंव 12, कीर्ति वीप बिल्डिंग, प्लाट नंव 3, 4, 5, नगल राप, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णच्य से विणित हैं), सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कवा के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विष्यार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में जासिक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

(1) श्रंसल हाउसिंग फाईनेन्स एण्ड लीजिंग कि लि० 1110 ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्लुी (श्रन्तरक)

(2) भूषण कर्माशयल इन्टरप्राईजेज लि०, डब्ल्यू०-106, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के 👫 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी क्ष 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जा अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृथीं विक्तों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजप्त में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उत्तर स्थापर सम्पक्ति में हितब किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के य निक्ति में किए जा सक्तियो।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो ज अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिकार है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दि गया है।

### अनुस्ची

फ्लेट नं० 212, कीर्ति दीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2,3,4 मगल राय, नई दिल्ली ।

> टी० के० : मक्षम प्राधि . सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्ष श्रर्जन रेंज, नई टि

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) -के अधीन, निम्नलिखित व्यिधतार्यों, अर्थातु:——

सारीख: 12-5-1987

प्ररूप आर्द्र. सी. एन. एस. -----

भाषकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वापीन मुक्ता

#### भारत सरकार

# यांलय, सहाथक अायकर बाब्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रें ज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निवेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू० /6/37ईई/9-86/ 181--श्रत: मुझे, टी० के० शाह,

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कि पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- पर्य से अधिक हैं

ग़ैर जिसकी सं० फ्लेट नं० 203, कीर्ति दीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, नगलगाय, नई दिल्ली में स्थित हैं (शौर इससे उपाबख मनुमूची में भ्रौर पूर्णरुप से विणित हैं), सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 कख कें स्थीन, तारीख सितम्बर, 1986

े पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान तेफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयष्ट विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, सैके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् तेशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती न्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्त अन्तरण लिखित स्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके बोचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

.स: अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रंपल हाउपिग फाईनेन्प एण्ड लीजिंग क० लि० 1110, श्रंपल भवन, 16, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) भूषण कर्माशयल इन्टरप्राईजेंज लि०, इव्स्यू०-106,, जी०के० भाग~2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई मी बाओप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपांत्र में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होता को जस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लेट नं ० 205, कीर्तिदीप बिल्डिंग । प्लाट नं ० 2, 3, 4, 5, नगल राय, नई दिल्ली । नादादी 554 वर्ग फीट

टी० के० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर गायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-6, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-198**7** 

# म्बन् बार्ड े टी. पुन्, प्स् .----

# मानकर सीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की शाख 269-ए (1) से मधीन सूचना

### जारब सहस्रहरू

# भ्राप्तिय , सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राप्ति रें ज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/ 6/37ईई/ 9-86/ 188---भ्रतः मुस्रे, टी० के० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकन अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० स्पेस नं० 113, लिडीकेट हाउस, 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इ से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरुप से वर्णित है), सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, तारीख लितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिभल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पारत का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिभल से, एसे स्थ्यमान प्रतिभल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिक्यों) क बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिभल, निम्नलिखित उच्च से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप ने क्रियंत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाव वा किसी वृत वा बाव भारित्वों करें जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कस्परिती दुवारा प्रकट वृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में वृद्धिया के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेलर्स एला बी० सेला प्रा० लि०, यू०बी०-1, ग्रंमल भवन 16, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक
- (2) म्रब्दुल कादिर, डी-8, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

# को बहु बुचना बारी करके पृथाँकत संपृत्ति से वर्षन के विष् कार्यशाहिमा करता हुई।

उथल संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामीन से 30 दिन की बनिष, को भी
कविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्स
स्वित्यों में से किसी व्यक्ति इवारा,

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य स्थानत द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्वाधिकरणः स्वासी प्रयुक्त सक्यों और पर्वा का, थां उपल अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाजित हैं, बहुीं अर्थ होंथा, को उस अध्याय में विभा मना हैं।

### भनुसूची

स्पेस सं० 113, बिल्डिंग पिडीकेट हाउस, 3, श्रोल्ड रोह्सक रोड, नई दिल्ली । क्षेत्र 320 वर्ग फीट ।

> टी० कें० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (नरीक्षण) भ्रजनरें ज-6, नई विल्ली

तारीख: 12-5-1987

प्रकथ बार्च दी एन एवं ------

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /6/37ईई/9-87/ 197—श्रत मुझे, टी०के० शाह,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा '69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का गरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट न० 107, तादादी 335 वर्ग फीट सिडीकेंद्र आउस 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्णरूप से विणत है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, तारीख कितम्बर, 1986

ते पूर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बरममान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास उर्ज का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार ृत्या, उसके क्यामान प्रतिफल से एसे व्यवमान प्रतिफल का त्युह प्रतिसत से बाँचक है और अंतरक (बंतरकों) और जंतरिती अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के किए तथ पावा गया प्रति-क्र निम्निचित उद्वदेश से उक्त कन्तरण जिवित में बास्तिक स्प से कथित उद्देश से उक्त कन्तरण जिवित में बास्तिक स्प से कथित उद्देश से उक्त कन्तरण जिवित में बास्तिक

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्त: बद शक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जनुतरण हैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) अधीन, निम्मिलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- 21--106 GI/87

(1) मेसमं एस० बी० सेल्म प्रा० लि०, यू०बी०-1, ग्रंमल भवन, 16, के०जी० मार्ग- नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) बेजी उर्सा सुपुती श्री ग्रोबदयार रहमान 203, कुसूल बाजार, नेहरु प्लेस, 32-33, नेहरु प्लेर नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त बर्माल से बहुन से सम्बन्ध में कोई भी बासेर :--

- (क) इस क्या के राध्यम में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की नवींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी बवींथ बाद में समान्य होती हो, के भीतर वृजींकर क्यूडियक्कों में वे किसी व्यक्तिय हुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हिस- क्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थानिक के संभाग 20-क में परिज्ञावित हों, पदी वर्ष होता वो उस संभाग में दिवर नगा है।

# **अनुसूची**

फ्लेट न॰ 107, तादावी 335 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस, 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रे ज-6, नई दिल्ली

तारीख सारीख 12-5-1987 मोहर प्रकृप नार्षं .टी. एन .एस .------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याध्यः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रें ज~6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० ध्राई० ए० मी० /एक्यू० /6/ 37ईई/ 9-86/ 195—श्रतः भुझे, टी० के० शाह, नायकर अधिनयमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में लिधिक हैं
श्रीर जिल्की मं० पलेट नं० 309, प्लाट नं० 12, जिला केन्द्र— जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इल्से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरुप से वर्णित हैं), भक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रीयकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रिधीन, तारीख दितम्बर, 1986

को प्रांक्त सम्पत्ति को उषित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त मम्पत्ति का उषित बाजार बन्द, उपने दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का ग्रवह प्रतिकान स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उष्टिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के बधीन कर देने के अंतरक के दाकित्व में किमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/मा
- (स) एसी किसी आम या किसी धन या कत्य आस्तियाँ फा, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा भा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मृविधा खे सिए;

अत. ०३, उकत अधिनियम की धारा 269-ग कै अनसरण हैं, हैं अस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) साकेत प्रापर्टीज प्रा० लि०, 345, डिफेंस कालोनी नई विल्ली।

(भ्रन्तरक-}

(2) श्ररूण कुमार सोधी मुपुत्र श्री पूर्ण चन्द सोधी, जिला केन्द—जनकपूरी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सच्चा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद म समह्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजद्ध किसी अन्य व्यक्ति हाारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को जक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर को उस अध्याय में दिग्र क्या हैं।

### अन्स्ची

फ्लेट नं० 319, प्लाट नं० 12, जिला केन्द्र—अनकपुरी, नर्षे दिल्ली ।

> टी० के० **माह** मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकरप्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.....

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घं (1) की जधीन सुचना

### भारत चरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- करुपये से अधिक है

भौर जिसकी मं० फ्लेट नं० 318, प्लाट नं० 12, जिला व केन्द्र— में जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है(भ्रौर इसमे उपाबड अनुसूची में भौर पूर्णरुप में वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्या लिय में भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1908 की धारा (1908 का 6) के भ्रधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के िचित बाजार मृत्य में कम केंद्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने जा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आध की बाबत, उपक्त जिथितियम के अभीत कर दोने के अन्तरक को दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/कर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ६1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था 'छपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) साकेत प्रापर्टीस प्रा० लि०, डी-345, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मिस नीतू सोधी सुपुत्री पिता श्रौर श्रिभभावक राजकुमार सोधी एम-103, साकेत, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मे को हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्य:अर्री के पास निवित्त में किए आ मकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त सिंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

### बन्स्ची

ड़लेट नं० 318, प्लाट न०12, जिला व केन्द्र जनकपुरी। नई विस्ली।

> टी० के० **णाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-6, नई विस्ली

तारीख: 12-5-1987

# प्रकर्प नार्ष दी एव एक .-----

# नाथकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विधीन सुचना

### गाउन परकार

# कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्द्धीकर्ण)

ग्रर्जन रें ज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

आयक ए निर्भाग में 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परनास् 'उक्स विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन संक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार नृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 309, प्लाट नं० 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्णस्प से वर्णित है), सक्षम भिधकारी के कार्यालय में भारतीय भायकर अधिनियम, 1908 की (1908 का 16) कख के भीषीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य कम के क्यमान शितफल के जिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करि का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार जूस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के किए तब पाया गया प्रति-कस, विस्तृतिवित उन्नदेश से उस्त जन्तरक निवित्त में वास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी आय की, वायत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे दचने में तृतिधा के सिष्हु बीद/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भने या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिकर की धनियंत्रं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्रं, या धनकर अधिनियंत्रं, या धनकर अधिनियंत्रं, या धनकर अधिनियंत्रं, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुजिधा के सिए;

जतः अर , उनत जीधीनवन की धारा 269-ग के जुनूतरण मैं. मैं, उनत जीधीनयमं की धारा 269-च की खपधारा (1) कै जधीन, निकासिचित व्यक्तियों, जर्भात् ः— (1) साकेंत प्रापरटीज प्रा० लि०, डी-345, डिफेंस्

(भ्रन्तरक)

(2) भनिल कुमार सोधी सुपुत्र श्री पी० सी० सोधी, एम-105, साकेत, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

भाग बहु सुमार कारी करने दुनीयत संपत्ति के वर्णन के विदे कार्यवाहियां सुक करता हो।

उक्त इम्पत्ति के वर्षव के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि मा तत्संशंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवह्य किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के बाह लिखित में किए वा हकोंने।

स्वाच्या करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो इक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गर्यों है।

# बन्स्चा

पर्लेट नं० 309, प्लाट नं० 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली ।

> टी० के० **शाह** क्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रें ज-6, नई विल्ली

तारीख: 12-5-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी० एक्यू० 6/ 37ईई 9-86 193--- म्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० स्पेस नं० 9, चौथा खण्ड, विशाल टावर, तादाची 599 वर्ग फीट, प्लाट नं० 10, जनकपुरी, जिला व केन्द्र दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरुप

में वर्णित है), सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1908 की (धारा 1908 का 16)के श्रधीम, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायरिव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृको, अनसरण

में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)

के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) म्रजय इन्टरप्राईजेंज इरोज सिनेमा के बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) राजीव श्रम्भवाल पुत्र श्री जसवन्त राय, सी 2-01 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रुष्टि भिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अन्स्ची

स्पेस नं० 9, 4था खण्ड विशाल टावर लगान क्षेत्र 599 वर्ग फीट । प्लाट नं० 10, जनकपुरी जिला व केन्द्र, दिल्ली ।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज-६ नई दिल्ली

तारीखें : 12-5-1987

प्रारूप आर्घ. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० स्पेस नं० 112, श्राफ 320 सिडीकेट हाउस, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण एप से वर्णित है) सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1908 की 19(08 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम से कम दश्यमान गितफल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह बिश्वास करने कारण है यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उस्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है: —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

- (1) मेसर्स एस० बी० मेल्स प्रा० लि० यू० बी०-1, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) स्वी ग्रलदुल कादर डी०-8, कालिन्दी कालोनी नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी। न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पध्योकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

स्पेस नं० 112 म्राफ 320 मिडीकेट हाउस, 3, म्रोल्ड रोहतक रोड, नई विल्ली ।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-1987

# **एकप् वार्ष**्टी\_एम्, पुरु<sub>य</sub>------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जार 269-थ (1) के बभीन स्थना

### 1120 5100

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, 4/14ए, आसफअली रोड, नई विल्ली नई बिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू० /6/37ईई/ 9-86/ 187--श्रत: मुझे, टी० के० शाह,

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० स्पेस नं० 114 सिंडीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहतक, में स्थित है (और इससे उपाब ह अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाबार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल तं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाश क्या प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देक्ष से उक्त बन्तरण कि बित में स्तिक रूप से कीवत नहीं किया नवा है —

- (क) जनतरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम, जे अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या सतसे बचने में सुविधा के आए; और/वा
- (क) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धन-कर अधिनियम, १३57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्था था का किया जाना जाहिए था, कियाने में प्रिका के किया

(1) मेसर्स एल० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू० वी-1, भवन, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बेवी हमजा कादरपुत्ती श्री श्रब्दुल कादर, 203, कुशल बाजार 32-33, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरितां)

की यह संचना कारी करको पूर्वोंक्स अन्यत्ति के सूर्वन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

### उक्त संपृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की जनिध सं तत्स्वन्त्री व्यक्तियों पर स्वना की नामीस से 30 विन की जविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्ववित स्वारा;
- (क) इस क्षमा के राज्यम में प्रकारत की वाशीय से 45 दिन में प्रीतर उत्तर स्थापर सम्पत्ति में हितबहुध किसी कृष्य व्यक्ति कृषारा स्थाहरतास्त्री से शास जिन्दि में किस जा स्वीपे ते।

स्वाक्षीकरण: - इसमें प्रयुक्त सन्यों नौर पथों का, को उन्धे अधिनियम, को कथ्याय 20 का में परिभाषित हैं, यही नुर्ध होगा, को सस अध्यास में दिया भवा है।

# अनुसूची

स्पेस नं 114, पहली मंजिल, सिडीकेट हाउस, 3 ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली । हैविंग एन एरिया ग्राफ 320 एस० एफ० टी०

> टी० के० शाह्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-6, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिसत व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 12-5-1987

प्ररूप बाइ टी. एनं . एसं . -----

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $\frac{1}{2}$  प्रार्जन रेंज- $\frac{6}{4}$   $\frac{4}{14}$ ए, ग्रास्तक्रमली रोड नई दिल्ली नई दिल्ली

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू० /6/37ईई/ 9-86/192 स्रतः मुझे, टी० के० माह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रा. सं अधिक हैं और जिसकी सं० स्पेस नं० 8, 4था खण्ड, विशाल टावर, लगभग 599 वर्ग फीट 10, जनकपुरी, केन्द्र व जिला नई दिल्ली में स्थित है (और इससे जुझाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य से अणित है), सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986 का पूर्विकत सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का जिलत बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रसिक्त से अधिक है और (अंतरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिकित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जात्र बाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

बत अर्ब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, गं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तिऔं, अर्थात्:— (1) श्रजय इन्टरप्राईसिस लि० इरोज सिनेमा बिरुडिंग, जगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-14

(भ्रन्तरक)

(2) जसवन्त राय एण्ड मिसेज राज शनी, द्वारा सी-201, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पच्छोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## ननुसूची

स्पेस नं० 8, 4था खण्ड विशाल टावर लगभग क्षेत्र 599 वर्ग फीट प्लाट नं० 10, जनकपुरी, जिला व केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-6, नई विस्ली

तारीख: 12-5-1987

प्रकार नाह<sup>ा</sup>.टी. एन . एव ् -----

नावकार निधानिक्य, 1961 (1961 को 43) की धार 269-क (1) के न्धीन स्थान

### बाहत सरकाड

भाषां स्थ , शहायक नायक र नायक्त (मिरीक्शक) भार्जन रें ज-6, 4/41 भासफ अलें। रोड नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू० /6/ 37ईई/ 9-86/ 190--श्रत: मुझे, टी० के० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 212, ताबादी 485 वर्ग फीट, सिंडीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, विल्ली।

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णछ्प से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, तारीख सितम्बर, 86

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मुख्य से कन के क्रयमान प्रतिकाश में सिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके क्रयमान प्रतिकास से, एसे बच्यमान प्रतिकाल के पम्बह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीः (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मिलिखित बक्वेंस्य से उसते अन्तरण सिखत में बात्तिविक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुंड किसी जाय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायिक में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी भाव का किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं असीचनार्व असीरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सिवधा की विद्या

जत: जब, जब्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग्न (\*) के अधीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, अंधित्:---22 --- 106 GI/87 (1) एस॰ बी॰ सेल्स प्रा० लिं॰ यू॰बी॰-1, अंसल भवन 16 के॰ जी॰ मार्ग, नई विल्ली।

(भन्तरक)

(2) बेबी हफीसा रसीद सुपुती खी भ्रम्युल रशीद डी-8, कैलाश कालोमी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के दाखपण में प्रकाशन की ताड़ीक के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबच्च किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, वशोहस्ताक्षरी के शक्त विश्वत में किए वा व्यक्ति ।

स्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्नी

पलेट नं॰ 212, तादादी 485 वर्ग फीट सडीकेट झाऊस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-6, नई दिल्ली

तारी**य:** 12-4-1987

नीह्र€ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-6, 4/14 श्रासफ अर्ला रोह नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987 निदेश सं० श्चाई० ए० सी, /एक्यू० /6/37ईई/ 9-86/ 191---श्चतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-राज्य से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 7, 4थी मंजिल, विशाल टायर प्लाट नं० 10, जनकपुरी , डि०—सेंटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरुप से विणित है), सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसित उक्षित से उक्त अक्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कार्थत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत जकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 19⊋2 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) मेससे ग्रजय इन्टर प्राईजज लि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिस्ली । (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमित सारिका श्रग्रवाल डी० /ओ० श्री जशवन्त राय सी/201, ग्रेट? कैलाश-1, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकी ।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्द्रची

स्पेस नं० 7, 4थी मंजिल, विशाल टावर उपरोक्त 372 एस० एफ० टी० प्लाट नं० 10 जनकपुरी डि॰-सेंटर नई विल्ली।

> टी० के० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरें ज-6, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-1987

----

# कृष्ण नाव<sup>ा</sup> टी. एव., एव..---

# नायकद निर्धानवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

#### प्रारव वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेंज-6, 4/41 प्रासफ प्रली रोज नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 मई 1987

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/ए क्यू०6/37ईई/9-86/185-श्रतः मुझे टी० के० साह

प्रायकर लिपिनसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उनत निपिनसम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के निपीन सक्तम प्राधिकारी को यह निप्यात करने का छारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

स्रोर जिसकी स० प्लैटन ०818 है तथा जो 14 के० जी० मार्ग, नई विस्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची मैं और पूर्ण रूप से विणत है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय मे भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कवा के अधीन विनोक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दूरयज्ञान श्रोतफल के लिए बन्तरित की गई और भूभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्परित का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात सं बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मृत्यस्य वे हुई कियी बाद की बावस्य, उक्त सामित्रियुक्त से सुधीय कार को के सम्बरक की कुतिक्त में कवी कहने वा उक्क वचने में वृतिका के शिक्; सार्ट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियस, 1922 (1922 का 11) या तकत अधिनियस, था भन-कर विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा को निए.

क्षतः अवः, उनतः अधिनियमं की धारा 269-गं के वनुकरण वो, वो, उनतं अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित स्पक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री सुरेश विरमानी मिसेज नीना विरमानी, द्वारा विरमानी एसोसिएट्स इ-1, कनाट प्लेस नई दिल्ली। (भन्तरक)
  - '2) श्रीमती रेणु गुप्ता बी-7एक्सटेशन/117-ए, सफदरजग एक्लेब, नई दिल्ली.

(भ्रन्तरिती)

का यह श्रृष्ता जारी करके पूर्वोक्त ब्रम्बरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां तुक करता हुं।

उन्नव सम्मृति के वर्षन् के वर्षभ में काई भी जाओर :---

- (क) इस त्यना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन की नदींचे मा तत्सम्बन्धी स्मित्तयों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविभ, को भी वृथ्येचे बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्मित्त हुनारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक के 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्या किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अंशोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए था सकेंगे।

स्पन्धीकरण --- इसमें प्रमुक्त कथ्यों और पर्यों का, जो जनक अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पना है।

### मनुसूची

50 प्रतिशत पर्लैट न० 818 तादावी 535 वर्ग फिट 14, के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

> टी० के० शाह् सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-6, नई दिल्ली

विनांक: 12 मई, 1987

माहर

# **तक्ष्य कार्य .को .पुर .क्षाच**्याच्या

# नेवकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-न (1) के नभीत बुज्जा

### भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) भाजन रेंज-6, 4/41 ए मासफ मली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/186---ग्रतः मुझे, टी० के० साह

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका संचित्त बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पसीट नं० 818 है तथा जो 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है) सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय गायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269कख के श्रिधीन, दिनांक सिसम्बर, 1986

को पूर्वेक्शि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवस्थान **र रि**फल क्रे निए अन्तिरत की गद्द है मरि नभे यह विश्वास करम कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृख्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान् प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत्त से सभिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकश, निम्नसिचित्र अकृषोदय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काशित नहीं विक्रमा प्रमाह है है----

- (म) नम्तरण वे तुर्' किसी बाय की बावस, क्यत निविध्य के अभीत कर दोने के बम्सरक के बायित्य में कमी करने या उत्तसे अभने में सुविधा के निष्; और/का
- (च) ऐसी किसी जाय भा किसी घन या अन्य आस्तियों की , जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियंभ , 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियंभ , या धन-कर अधिनियंभ , 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्ति (ती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा स्था किया आना वाहिए वा , कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में , मीं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधन्ना (1) ने अधीन , निम्नलिखिस ध्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्री सुरेश विरमानी, मिसेज नीना विरमानी द्वार । विरमानी एसोसिएटस इ-1 कनाटप्लेस, नई विल्ली

(मन्तरक)

(2) श्री नरेश गुप्ता बी-,7 एक्सटेंशन/117-ए, सफदर जंग एंक्लेब, नई दिल्ली।

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस सूचना को राधपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों शो भी अवधि वाद में स्माप्त होती हो , के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- यद्ध किसी अन्य अपित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

50 प्रतिशत शेयर फ्लेंट नं 818 तादादी 535 वर्ग फिट 14, के जी मार्ग, नई विल्ली

> टी० के० शाह सक्षम मधिकारी

सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, नई विल्ली

विनांक: 12-5-1987

प्रस्य आई.दी.एम.ध्स.----

वीयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-7 4/14 आसफ अली रोड़ नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मेई 1987

निवेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/6-37ईई/8-86/142-

अतः मृझ टी० के० शाह

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं स्पेस नं 25, प्लाटनं 10 है तथा जो विशाल टावर, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) सक्षम श्रिष्ठकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर श्रिष्ठियम 1961 की धारा 269क ख के श्रिष्ठीन दिलाक सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूल्य से किस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी अम या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीधें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसंरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—— (1) भ्रजम इंटरप्राइसिस लिमि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टेर म्नावित्य मल्होत्ना सुपुत्र श्री राकेश मल्होत्ना 3सी/25, लाजपत नगर, दिल्ली।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी कस्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

### ainter will

स्पेश नं० 25, तीसरा खंड, विशाल टावर लभग क्षेत्र 186 वर्ग फिट प्लाट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० शाह्र सक्षम ग्रेंधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) शर्णन रेंज, नई दिल्ली

विनांक: 12-5-1987

# वचन मार्च हो . एन , वस् , -------

# नावकपु निधित्वन्, 1961 (1961 का 43) की धाछ धारा 269-व (1) के नधीन सूचना नाइत सरकात

कार्यालय, सहायक आयश्कर आयृक्त (नरीक्षण) श्राप्त रेश-7,  $4^{1}$ 1 ए श्राप्त श्राप्त श्रीद नई दिल्ली नई बिल्ली, विनाक 12मई, 1987

निदेश स० माई० ए०सी० /एक्यू 7/6/37ईई/9-86/143----म्रतः म्झे, टी० के० शाष्ट

नामकार अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (बिसं इसभें इसने प्रचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्णित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी स० स्पेश न० 9 विशाल टावर प्लाट न० 10, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद प्रनुसूची मैं भौर पूर्ण रूप से वर्णित है),सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय मे भारतीय प्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269क व के प्रधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित् वाचार मुख्य से कम के क्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित साधार बूक्ब, उन्नके क्रयमान प्रतिकत्त से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का एक्ब्स प्रतिकत से कार कार कार का प्रतिकत के क्षयमान प्रतिकत का एक्ब्स प्रतिकत से बीच कार कार (अंतरकों) और वत-रती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अंतरण लिखित में साराधिक कप में कियत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त दिश्वित्रम के वर्षीय कर दोने के जंगरक के सामित्य में क्रांबी करने वा उसने व्यूपन में बृधिशा भी व्यूप्त श्रीक्रिया
- (क) एंडी किसी बाद वा किसी थन या वन्य वास्तियों को, विन्दू आरसीय नायकर मुधिनियन, 1922 (1922 का 11) या वन्त निविचन, था थन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) भे प्रयोजनार्थ शंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे. में, सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैससँ भज्य इटरप्राइसिस लि॰ इरोज सिनेमा बिल्डिंग जगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स कोई इंडिचा प्रा० लि० 3,सी/25, लाजपत नगर, दूसरी मजिल, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

का वह बुचना चारी कड़के पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के किन् कार्यनाहिनां करता हूं।

क्या सम्माति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बातांप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिए की बनीथ ना सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सानीन से 30 दिन की नविभ, यो भी वर्षीय नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंग्स कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवहुण किसी कम्म म्याक्त इवारा, नभोहस्ताक्षरी के पाद निवित्त में किसे वा क्योंगे।

श्वकाकिरण: — इसमें प्रयुक्त श्वकां और पदों का, वो सकत अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी सूर्व होना को उस सम्याय में दिया क्या हाँ।

### arrest.

स्पेश न • 9 पौजवी मजिल, विज्ञाल टावर सेत 599 वर्गफाट प्लाट न ० ३० जनकाुी डिस्टिक सेन्टर, नई विल्लो.

> टी० के० साह सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-7, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप नाहर्ष. टी. एन. एस. ------काथकर क्रीधीनयम 1061 (1061 कर 42) करी

काथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अभीन सम्बना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० भाई० ए०सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/ 144/ब्रतः मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० स्पेस नं० 7 है तथा जो विशाल टावर प्लाट

नं० 10 नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची

में भीर पूर्ण रूप से विजित है), सक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय में

नई दिल्ली में भायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269कख

भाषीन, दिनांक सितम्बर 1986

श्री पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का गंबह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निक्षित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी बाय की बावत उक्त विध-नियम के वधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए; वौर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 भा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृतिधा के लिए;

बतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुहरण म", म", उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) े अधीन, निम्निवित स्कृतिकर्यों, सर्थात् स—

- (1) मैसर्स मजय इंटरप्राइजिज लिमि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जनकपुरी एक्सटेंशन नई दिल्ली। (भन्तरक)
- (2) मसर्स कोई इन्डिया प्रा० लि० 3सी/25 लाजपत दूसरी मंजिल, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विव की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की व्यक्तियों को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत क्षणा के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य विक्त क्षारा वशोहस्त्याक्षरी के प्रश्न सिवित में किए वा मुकींचे।

त्यकाकिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा यहा है।

### वन्स्यो

स्पेश नं 6 पांचवां मंजिल विज्ञाल टावर क्षेत्र 372 वर्गफिट प्लाट नं 10 जनकपुरी डिस्ट्रिक सेन्टर, नई दिल्ली

> टी० के० शाह सक्षम भिधकारी सहायक झायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, नई दिल्ली

विनोक: 12-5-1987

नोहर:

# प्राक्षय कार्च ्टी एक एक .

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के सभीत सुचना

#### मार्था सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-7, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 मई, 1987

निवेश स० घाई० ए० सी०/एअयू०/6/37ईई/9-86/145— घतः मुझे, टी० के० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किरवास करने का

269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी की यह किरवास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० नं० 8 है तथा जो विक्साल टावर, प्लाट नं० 10, जनकपुरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची है ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम ग्रधिकारी कार्यालय नई विल्ली में ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के ग्रधीन दिनाक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान वित्यन के लिए अन्तरित की गई और मृत्री यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का दन्तर प्रतिफल का दन्तर प्रतिफल के किए से अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ने बीच ऐसे अन्तरक के फिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक मिला से बिखा यो द्रश्यमान के किए से अन्तरक के किए से सम्पत्ति से उस्त अन्तरक मिला से साम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक मिला से बास्तिक कप से कथित नहीं कहा ज्या है अन्तरक

- (क) वन्तरफ के हुई हिक्की भाग की वायत, अवत वीधिनियन के वधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य ने कनी करने सा अससे वचने ने सुनिधा के निष्ट; अडि/सा
- हैं एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्ध अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था का किया बाना थाहिए था, खिपाने में सुविधा वै विदः

अतः नग, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निस्तीतिक व्यक्तिकों के नभीन के स्थान

- (1) कैसर्स भज्य इन्डरप्राइजिज लि॰ हरोज मिनेमा जनकपुरी नई दिल्ली।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स कोर्डस इण्डिया प्रा० लि०, 3सी/25, लाजपन नगर दूसरी मजिल, नई दिल्ली। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्मत्ति में वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना को राजपण में जकाशन की तारीज वे 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी व्यक्षि बाद में समास्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पात किवित में किए जा सकेंगे।

# नगर्या

स्पेस न० 8, पांचवी मंजिल विविधाल टावर, क्षेत्र 599 प्लाट न० 10, जिला सेटर जनकपुरी नई विरूली

> टी० के० शाह सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

विनाक 12-5-1987

प्ररूप आइ<sup>६</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० श्राई० ए० मी० /एक्यू०/ 7/ 37ईई/ 9-86/ 146---धन: मुझे, टी॰ के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापए में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० स्पेस नं० 10, है तथा जो विशाल टावर, प्लाट नं० 10, जाकपुरी जिला केन्द्र नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उराबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षमश्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रधित्यम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, दिलांक सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई, है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उन्तिस बाजार मत्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बासरिवक रूप से किथन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-बिधिनयम के बचीन कर दोने के बन्तरक बी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या, धन या अन्य आस्मियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--23 —106 GI/87

- (1) ग्रजय इंटर प्राइमिस लिमि० इरोज सिनेमा के बिल्डिंग, जंगपूरा एक्सटेंगन, नई दिल्ली। • (ग्रन्तरक)
- (2) कोईम इंडिया प्रा० निर्मि० 3-सी-25, नाजपत नगर, दूसरा खंड, नई दिल्ली। (प्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनस्ची

स्पेम नं 10, 5वा खंड विशाल टावर, लगभग क्षेत्र 342 वर्ग फिट प्लाट नं० 12, जनकपुरी जिला केन्द्र, दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-7, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.-

अभिकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

'कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-6, दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 मई, 1987

िदेश म० श्राई ०ए० सी०/एक्यू/6/37 ईई/9-86/119—— श्रनः मुझे, टी० के० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 410है तथा जो चौथी मजिल एम्सेल हाउस में स्थित है (ग्रौर इसम उपान्नद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है) सक्षम ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधितयम 1961 की धारा 269क,ख के ग्रिधीन दिनाक मितम्बर, 1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार म्ल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रव्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीक के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1-922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अ लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उबुक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) एस्सेल प्रापर्टीज एण्ड इडस्ट्रीज बी-10 लारेस रोड इन्डस्ट्रयल क्षेत्र, नई दिल्ली-35

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्म म्नार० बी० ट्रेडर्म इन्साइड गाधी गेट, म्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्च्ला के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्वाप्त की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिमों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

#### mare of

पलैट न० 410, चौथी मजिल, 33.138 बर्गफीट एस्सेल हाउस, 10 श्रगण्फ श्रली रोड नई दिल्ली।

> टी० के० गाह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

विनांक: 12-5-1987

# इक्ष नार्षं हो। प्रम् प्रस्थानक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 मई 1987 निदेश सं० आई० ए० सी० एक्य/6/37ईई/9-86/120--अतः महो, टी० के० शाह,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार 'उक्त विभिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० पलैंट नं० 409 है तथा जो 4थी मंजिल एस्सेल हाउन में स्थित है (श्रोर इसमें उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में निणत है) मक्षम श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 19,1 क धारा 269 क.ख) के श्रधीन, दिनाक सितम्बर, 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफंस के लिए अन्तरित की गई और मभी यह निक्वास करने का कारण है

कि पश्चाप्यांत करने की कारण है
कि पश्चाप्यांत संपत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
के उकत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया
कथा है:---

- (क) लखरण वे हुए कि जी जाय की बावत, कबत निर्धित्वन के व्यक्ति कड़ को के ब्राह्मक में बावित्व में कबी करने वा कबते वचने में बृतिशा के लिए; शीड़/मा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नत्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाब-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के मुन्दिनयमं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वैभी था वा किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के जिए;

(1) मैंसर्स एस्सेल प्राव्टींज इंडस्ट्रियल, बी-10, लारेन्स रोड क्षेत्र, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं सर्त सेनदरी इम्प्रोभ मेन्ट एण्ड टाइल्म मैनफ़ैक्चर कंश् इनसाइड गाधी गेट, प्रमृतसर।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी स्पीक्तमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इव सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्चभ किसी जन्म स्थापत इवारा, अभोहस्ताक्षरी वें पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगे जो तस नध्याय में दिन गया है।

### अनुस्की

फ्लैंट नं० 409/4 मंजिल/331,14 वर्गफीट एस्मेल हाउस 10 ग्राथफ ग्रली रोड, नई दिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी .सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-७, नर्ददिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

दिनांक: 12-5-1987

प्रकृष बाईं.दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ५ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश मं० भ्राई० ए० मी० एक्यू/6/37ईई/9-86/III— भ्रतः मुझे, टी० के० शाह

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह नियमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य (,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी 1'0 फ्लैट नं0 15, प्रीतिविहार कम्युनिटी सेंटर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय न दिल्ली में भारतीय श्रायंकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

भी प्रभोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरिक (अंतरितयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्क विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण चे हुई किसी आव की बाबत, उपध विश्विषय के वधीय कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उत्तवे बचने में सुविधा के सिए; वरि/मा
- (च) ऐसी जिसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिल्ह;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं मर्स सावित्री प्राप्टींस प्रा० लिमि । जी-5/92, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मिस्रेज कांता गुप्ता परिन स्वर्गीय बी० डी० गुप्ता 198, मधुबन ग्राई पी० एक्सटेणन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविशेष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियां में से जिसी ध्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

# नन्स्ची

फ्लैंट नं० 202, 734 वर्ग फीट सुपर कवर एरिया सावित्री सदन-2, प्लाट नं० 15, प्रीत विहार, कम्युनिटी सेंटर, दिल्ली।

> टी० के० णाहुँ सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंचे-7, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेचे-6, नई दिल्ली नध्र दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/७/37ईई/9-86/112--श्रत: मुझे, टी० के० शाह,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 203 है तथा जो साविती सबन-2 फ्लैट नं० 15 में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध प्रतुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विभिन्न है), सक्षम ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनाक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे टृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निति उद्शेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त नियम हे अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्षण अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थ:, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 209-ग के अन्सरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 200 ग वी उपधीरा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधितयों, अर्थतः :-- (1) मैसर्स माबित्री प्रापर्टी प्रेंग्ज लिंज जी-5/92, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता गुप्ता पत्ति स्व० श्री बी० डी० गुप्ता 198, मधुबन, भ्राई० पी० एक्सटेशन, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाहियां धररता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तत स्वार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 203, 400 वर्ग फिट सुपर कवर क्षे**द्र रीड** सावत्री सदन-2, प्लाट न० 15, प्रीति विहार, काम्युनिटी भेन्टर दिल्ली।

> टी० के० शाह मक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ((नरीक्षण) ग्रर्जन रेचे-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5 1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 मई 1987

निवेण सं ० श्राई ० ए० सी ०/एक्यू ०/6/37ईई/9-86/117-श्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० स्पेण न० 12, प्लाट नं० 10 है तथा जो जनकपुरी, जिला केंद्र बिल्ली में स्थित है (और इसस उपाबद्ध श्रारुसूची में श्रौर पूर्ण कि से बर्णित है), सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंदिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भ्रजय इंटरप्राइसिस लिमि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग 4 जंगरुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अविनाश टण्डन सुपुत्र ए० एन० टंडन 31, सी०वाई०, वितडमणी रोड, दरभंगा, कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में क्रिकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित. है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

स्पेश नं 12, दूसरा खंड विशाल टावर, क्षेत 608 वर्ग फीट प्लाट 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम मधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-6, नई विरुखी

दिनांक # 12-5-1987

मोहर∎

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक जामकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987 निदश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/118---झत: मुझे, टी० के० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से निधक हैं

और जिसकी संव स्पेश नंव 9, है तथा जो विशाल टाबर, प्लाट नंव 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) सक्षम ग्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर ग्रिधनियम 1961 धारा 269 के,ख के श्रिधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रुयमान प्रतिफल से, एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्दोच्य से मूक्त अन्तरण लिकित बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय था पावस उक्त मधि-मियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे यजने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्यिका के लिए;

मत: अब, उन्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रजय इट प्राइसिस लिमि० इरोज सिनेमा बिल्डिग जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110014 (श्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रक्षिनाण टंडन सुपुत्र ए० एन० टंडन, 31, ए० सी० वाई० चितमणी रोड, दरभंगा, कास्रोनी इस्राह्बाद।

(भ्रन्तिशती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अक्षोहस्पाक्षरी के पास तिसित में व्यिए जा सक्षी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जात अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

स्पेश नं 9,तल खेड, विशाल टावर, लगभग क्षेत्र 332 वर्ग फीड प्लाट न ० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम श्रधि कारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेज÷6, नई विल्ली

दिनांक: 12-5-1987

प्रकप कार्द. टी. एन एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मर्ड 1987 निदेश सं आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/115----अतः भुक्ते, टी० के० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल, 1,00,000/- रु. से अधिक है

जौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 812, प्लाट नं० 12 है तथा जो जिला केन्द्र, जनकपुरी नई दिल्ली में िथन है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफन के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्स उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा यया शितफन, निम्नलिखित उद्वेश्य ते उन्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (फ) बन्तरम् तं हुई किसी बाव की बावत , उकत बीधीनयन के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वकने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

केत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिंक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) साकेत प्रोपर्टीज प्रा० लिमि० डी-345, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्न क)

(2) श्री वी० के० रहेजा मुपुत स्वर्गीय हरिचन्द रहेजा प्रोप० ए० बी० सी० एजेसी, 290, ग्रशक्ली ग्रपार्ट-मेट, ग्रलखनन्दा, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त स्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति स्वाराष्ट्र
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिशिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

पलैट नं ० 812, प्लाट नं ० 12, जिला केन्द्र जनकपुरी नई दिल्ली-110058।

> टी० के० गाह सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० धाई० ए० मी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/116---अस: मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० शांप नं० जी-26 प्लाट नं० 12, जिला मेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है),सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1986

क्यों पृवां क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसि अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिखत में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वर्णयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्रत अधिनियम क्रो धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— '24—106 GI/87

(1) साकेत प्रापर्टीज लिमि॰ डी-345, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० के० ग्हेजा सुपुत्र श्री स्वर्गीय हरिचन्य रहेजा प्रोप० एबीसी एजेसी, 290 ग्ररावली, ग्रपार्टमेट्स अलखनन्दा, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपहित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कब विक्तयों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितनपूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

शाप नं० जी-26, प्लाट नं० 12, जिला केन्द्र, जनकपुरी नई दिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

विनांक: 12-5-1987

प्रकल कार्ड . टी. एन ुएस उ ⇒ ≥ ह

भाजभात माध्यतिष्यम, 1961 (1961 मा 43) की थारा 269 प्र(1) के मधीन सुपना

#### नाइन इंड्रे

कार्थालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 मई 1987 निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०6/37/ईई 9-86/107

श्रतः मुझे, टी० के० शाह श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 2∪9 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का करण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचिए बाबार मृख्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 310, प्लाट नं० 12 है तथा जो जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्रधिकारी के कार्याललय, में प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन विनांक सिनम्बर, 1986

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयंगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास क ने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उरके रूथ्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप का बीका नुना है किया नुना है किया नुना है किया नुना है

- (क) अन्तरण सं शुद्द किसी जाय की बाबत उन्स अधिनियम् के अधीम कर को के अध्ययक के दाजित्य को कमी करने या उसमें बचन मा मृश्यिक का जिल् अदि/या
- (क) एसी किसी जाप या किसी भन या अन्य अस्तिवाँ का, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गम धा का किया जाना वाहिए था छियान मस्विधा के सिए;

क्तः क्व, अक्त अभिनियम की भारा 269-ए ही अनुसर्ध गं, गं, जन्म विभिन्नियम की भारा 269-च की जनभन्त (1) के अभीन, निस्निसिखन व्यक्तियों, क्योंते :---- (1) साकेत प्रोपर्टीज प्रा० लिमि० डी-345, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मिस इदीप मेरी सुपुत्नी टी० एस० मेरी, मिसेज अनीत मेरी पत्नि टी० एस० मेरी, एस-192, ग्रेटर कैलाश-2, पो० बाक्स० 21969, कुवैत। (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना को नामीन ने 30 चिन की अवधि, जा भी प्रविध हाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविध व्यक्तिया में स्वीध व्यक्ति होते.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भोत्तर उक्त स्थायर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसा अन्य च्याचित द्वारा असहस्राक्षणी अ परस निवित्त में किए जा सकेंगे :

स्वाचीकरण :—-इसमा प्रयुक्त शब्दों और पद्मा का, आ उत्रक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में स्व

### नगृत्वी

पलैट नं ० 310, प्लाट नं ० 12, जिला केन्द्र, जनकपुरी, नई विल्ली।

> टी॰ के० शाह सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

अक्य भारती हो पुरस पुरस है । १००० ५००००

### बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ ६/ ३७ ईई/ ११—8 ६/ 1 08—-ग्रत: मुझे, टी० के॰ शाह,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिखे इसमें इकके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की थाए 269-व के अधीन संभ्रम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित नाजार मृत्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० पर्लेट नं० 218 प्लाट नं० 12 है तथा जो जिला केन्द्र, जनकपुरी में स्थित है (श्रीर इन्से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, तारीख ितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिश्वत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिश्वत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में रूप मे किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आब मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उपने अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अभीप्:— (1) गाकेत प्रोपट्रीप प्रा० किमि०, डी-345, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मिन हरमोनिका मेनी सुपुत्री श्री टी॰ एस॰ मेनी, त्रिलोचनर्भिह मैनी सुपुत्र मेहताब सिह मैनी लोकल पता: एस-192, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली बाहर का पता-पो॰ ग्रो॰ बाक्स नं॰ 21969, कुवैत । (श्रन्तरिती)

को यह स्पना बारी करके पुनोंक्त सम्मरित के अर्थन के सिए कार्य-नाहियां भूक करता हों।

उक्त सपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सभ्पश्चिम हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के शास निश्चित में किए जा सकीं।

रपष्टिंगकरणः --इस में प्रयुक्त बीट्यों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया गया ही।

### वनुसूची

पर्लैट नं० 218, प्लाट 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली।

टी० के० शाह सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-1987।

प्रकप जाइ . दी . एन . एस . -----

कायकार विभिनियम, 1984 (1961 का 48) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं**॰ भ्रा**ई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/110---

मतः मुमे, टी० के० शाह,

भायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) **इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्याह**ी,, की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निस्वास करने का **भारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाकार म्**ल्य ।,00,000/- ফ. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० ए-75, है तथा जो डेरावाल नगर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), सक्षम भ्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्जोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान शीतफल के लिए अन्तरित की गर्दहै और मुफ्रेयह विद्वास करने का स्वारण है कि सभावृत्रोंक्त संपरित का उचित बाबार मुक्द, उदके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का *श*न्त्रहप्रतिकात से धाधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और क्लिरिती (क्लिरितियों) से बीच एसे क्लिएस के किए स्य पाया 4का प्रतिकत निम्न**्तिचित उद्देश्य से अक्त बन्तरण** निचित्त के बास्सविक रूप से कश्चित नहीं किया नवा ह<sup>र</sup>ः---

- (क) चन्त<u>र</u>च से हुई किसी बाद की वावत उक्त अधि-विवृत्र ही अचीन व्युट रोने की वन्तपुरु के रावित्य में कमी करने वा उत्तरे अचने में स्विभा के निए; क्षेप्र/स
- (क्र) इसी किसी बाव वा किसी भव वा बच्च बास्तियों को, जिल्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भागा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा ने विषः

अत: जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-व क वनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 2.69-घ की <del>उ</del>पभारा (1) 🖎 अभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थास् :---

(1) श्री इन्द मिह अरोड़ा सुपूत्र गणेश दास अरोड़ा, ए-75, डेरावाल नगर, दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रकाश भ्ररनेजा सुपुत्र श्री रामजीदास ए-6074, ईस्ट रोहतास नगर, गाहदरा, दिल्ली । (भ्रन्सरिती)

की यह सूचना चारी करको बूटॉक्त सम्पत्ति की वर्णन को क्रिक कार्यवाहियां करता हुं।

### उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविभियातत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डित बबुध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास सिवित में किए जा सकीने।

लक्षीकरणः---इत्तमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जा निधिन्यम, के नध्यार 20-क में परिशावित हैं, मही नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रापट्टी नं० ए-75, डेरावाल नगर, दिल्ली तादावी -289 वर्ग गज प्रथम खंड कम्पराइसिंग मैजानिन खेड ।

> टी० के० साह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-6, नई दिल्ली 1 1 0 0 0 2

तारीख: 12-5-1987

मोहर 🗈

### प्रक्ष नार्ध की एम एस : -----

# बारकार सीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंण-6, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० मा६० ए० सी०/एक्सी०/6/37ईई/9/86-109:---म्रत: मझे, टी० के० साह,

नायकर अिपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० ए-75 है, तथा जो खेरावाल नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम भ्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार स्मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकास से मधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरिसियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए स्य पाया नया प्रति-कल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण लिवित में बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्तिवध' के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण , में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री इन्दर्रायह अरोड़ा सुपुत्र श्री गणेश अरोड़ा ए~75, डेराबाल नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांति श्ररनेजा पत्नी रामजीवास ए-6074; बैस्ट रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कीं अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध याद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से भित्ती व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना कं राष्य्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं का सक्ति।

स्पष्टीकरण. --- इसमें प्रथुपत शब्दों और पत्नों का जो उक्त अधिनियम, के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी नं॰ ए-75, डेरानाल नगर, दिल्ली तादादी 289 वर्ग गज धरातल खंड ।

> टी० के० साह, सक्षम अधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12 मई, 1987।

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987 निर्देश संबद्घाई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/165---भ्रत: मुझे, टी० कें० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपए से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अक्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) श्री ग्रंसल हाउसिंग फाइनेंस एंड लिजिंग कं० लिमि० 110, ग्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) भूषण कर्माणयल एंटरप्राइसिस लिमि० डब्लू०-106, ग्रेटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चनो के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित > ह<sup>2</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्त्री

फ्लैट नं० 310, कीर्तिदीप बिल्डिंग, प्लाट नं० 2 3 4 5 नगल राय, नई दिल्ली।

> टी० के० साह, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12 मई, 1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

### बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

### कार्यासय सहायक बावकर वायुक्त (मिरीक्रण)

ध्रजंन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं श्राई ० ए० सी ० / एक्यू ० / ६ / 37ईई / 9-86 / 163 :— मत: मझे, टी० के० साह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उद्याद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारफ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह संव्यक्षिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 310 है तथा जो कीर्निदीप बिल्डिंग 2, 3, 4, 5 नगल राय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन, नारीख मिनम्बर, 1986

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्पयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित याजार मूल्य, उसके स्पयमान प्रतिफल से, एंडे स्वयमान प्रतिस्का का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (बंतरितियों) के बीच एंसे संतरण के लिए तय पाया गया प्रति-स्व विस्नापितित स्वयंदिक से सम्प्रतिकार में वास्तिक स्व विस्नापितित स्वयंदिक से सम्प्रतिकार में वास्तिका स्व विस्नापितित स्वयंदिक से सम्प्रतिकार में वास्तिका

- (क) नमारण नं हुई किसी नाव की बाबस, समस विविध्य की ग्योग कर वर्ष की मृत्युरक की सामित्य में कारी कक्कों ना बच्चों नथने में सुविधा भी जिल्हा क्षेत्र/का
- (क) एसी किसी नाय या किसी पन वा नाय बारिसवी को, जिन्ही नारतीय भाय-कर नीपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निपनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ कर्तारती कुनारा प्रकट नहा एक गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबिरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निस्तिविधत व्यक्तियों, अर्थात् हरू-

(1) श्रंसल हाउसिंग फाइनेंन एंड लिजिंग कम्पनी लिमि० 110 श्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिख्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) भूषण कर्माशयल एंटरप्राधित लिमि०, डब्सू-106, ग्रैटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्कार वारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति यह वर्षन थे जिस् कार्यवाहियां करता हुए।

### क्षक कम्परिष् से कर्षय से बच्चन्य में सोई' भी भारतेषु उ--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का ककीं।

स्पक्किपण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में पीभाषित है, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विद्यागया है।

#### मन संची

फ्लैट नं० 312, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, नगस राय, नई विल्ली।

> टी० के० साह, सक्षम ग्रिधिकारी, सहायक ग्रारकर ग्रारुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12 मई, 1986

### मस्त्र बार्च हो तुन भूग हान्यानानाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आय्क्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-6, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० ध्राई० ए० सी०/एनयू/6/37ईई/9-86/162ध्रत: मुझे टी० के० साह
आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पदवास 'उक्त लिधिनयम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आरण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य
और जिसकी सं० फलैंट नं० 311, है तथा जो कोर्तिदिंग
बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, नंगल रोड नई दिल्ली
में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप
से विणित है) सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय
ध्रायकर प्रधिनियम की 1961 की धारा 269 क, ख
के प्रधीन तारीख सितम्बर, 1986

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के दक्षजान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि संभाष्ट्रकोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बुल्ब, उसके दक्ष्यमान प्रतिफल से एसे दक्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम णया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योच्य से उक्त अन्तरण जिल्कित में बास्तिविक रूप से कवित महीं किया वया है क

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उभत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एंती किसी जाय था किसी भन या बन्च जास्तिकों की, विन्हुं भारतीय जाय-कर जीभीनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनयम, या धन-कर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रासल हाउसिंग एंड फाईनेंस लिजिंग कम्पनी लि॰, 110, श्रांसल भवन, 16, के॰ जी॰ मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) भूषण कार्मिशियल एंडरप्रायसेस लि०, डब्लयू 106, ग्रेटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति को नर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्परित के बर्चन के त्रवाभ में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबृ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भीं अधिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधीहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए का सकोंने।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना नवा है।

क्सबैट नं॰ 311, कीर्तिदीप बिल्डिंग, फलीट मं॰ 2, 3, 4, 5, नंगल राय, मई दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-5-87

प्रचम <u>बाह् हो एन एक,</u> जनव-----

कारकार निधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### शारत चरकार

### कार्यात्तव, सहायक जायकर आयुक्त (रिनरीकान)

धर्णन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/164---भतः मुझे टी० के० साह

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गना हैं), की धारा 269-इ के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य और जिसकी सं० फर्लंट नं० 309 है, तथा जो कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, नंगल राय नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घीर पूर्ण रूप से बणित है) सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय धायकर ध्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन तारीक सितम्बर 1986

की पूर्वोक्त तम्परित की शिवत बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथमपूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बूच्य, उसके बश्यमान प्रतिफाल से एसे बश्यमान प्रतिफाल के पन्नह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बृद्धिरती (बृद्धिरित्मा) के बीच एसे अन्तरण के सिए सब पावा गया प्रतिफाल, निम्मसिक्ति उद्वेदम से उच्च अन्तरण लिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- कि विकास के हुई कि की बाव की बावत , कवक विविध्य के कृष्टीय कार दोने के अन्तरक के दाविस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी भन या नन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधः चे सिए।

कतः. जव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च को, अनुसरण भौ, मैं, अक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन: निम्मिनियतं स्यक्तियों, कर्षातः :---25 —106 GI/87 (1) मेसर्स श्रंसल हाउसिंग फाइनेंस एंड सीजिंग कम्पनी लि॰, 110, श्रंसल भवन, 16 के॰ जी॰ मार्ग, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स भूषण कर्मिशियल एंटरप्रायसेम लि०, उब्लयू 106, ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली। (धन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त तम्मृति के नर्पन के तम्बन्ध में कोई बासेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीज कै 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भं अविध बाद में समाप्त होती हो, जी भीतर पूर्वों के न्यंक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारः;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तस्रीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबष्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार सिसित में किए ता सकरी।

स्थळाकरण: --- इत्रमें प्रयुक्त कव्यों जीर पर्यों का, को उत्यक्त वीजीनयम के मध्याम 20-क में परिभाजित ही, बहुरी वर्ष होगा, को उत्त बध्याव में दिका नवा ही।

### बगुसूची

फलैट नं० 309, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, नंगल राय, नई दिल्ली सावादी 554 वर्ग फीट।

> टी०के० साह् सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-6, नई दिल्ली 110002

तारीख: 12-5-87

प्रारूप बार्ड .टी .एन .एसं , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यक्षक, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज~6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/166---ग्रत: मुझे टी० कें० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सपित, जिसका उचित वाजार भूल्य 1,00,000/- रठ. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फलैट नं० 308 है तथा जो कीर्ति दीप बिल्डिंग प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, नंगल राय नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ध्रप

वर्णित है) सक्षम धिधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर घिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख, के घ्रधीन तारीख स्तिम्बर 1986

को पूर्विकत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्विकत सम्पत्ति का अधित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और जैतरण (अंतरका) और बंद-रिती (बंतिचितियों) के बीच एसे जेतरण के लिए तम पाम गया प्रतिकास, विश्वतिक्षित उन्होंदेव से ध्वत अंतरण विश्विक से बार्स्ट्रीयक कर ने कविका मूर्ती किया गया है ---

- (क) अन्तरण ले हुए किसी नाय की बाबत, उपक अधिवियद के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व वो कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्त जास्तिनों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, वा धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिस्ती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) वे अधीन, किन्निमिद्दित व्यक्तियों, अधीत् ह—

- (1) श्रसल हाउनिंग फाईनेंस एंड लिजिंग क० लि॰ 110, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्क, नई दिल्ली, (श्रन्तरक)
- (2) भूषण कर्माशयल एटरप्रायसें लि०, डब्लयू-106, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (भन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त स्म्मिति के वर्षन के निष्ठ्र कार्यवाहियां करता है।

क्कत सम्बन्धि के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी मास्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विज की वर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मृजना की तामील से 30 विज की सर्वाध, वो भी जबधि वाच में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में दित- बसूब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताकारी के पास सिवित में किसू मा सकेंने।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### नप्रमुख

फलैंट नं॰ 308, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लाट नं॰ 2, 3 4, 5, नंगल राय नई दिल्ली।

> टी के साह सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई धिल्ली-110002

सारी**व**: 12 मई, 1987

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-म के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्गलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1887

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/113----झते: मुझे टी के साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रीद्योगिक प्लाट नं 4, है तथा जो उद्योग नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन तारीख स्तिम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण

है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित पाजार मृल्य, उसक दश्यमानप्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क), जन्महण वे हुन्दे कि को नाम को गानगा, जनगा निष-निषय में संगीत कहा दोने के जन्मरक के शाहित्य में कभी कहते या सब्दे नचने में सुविधा के किए; बाह्र/या
- (का) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अधित् :---

(1) कृष्णा गुप्ता द्वारा मीरा भौर कम्पनी लि०, जी टी रोड, लुधियाना।

(मन्तरक)

(2) भारत भूषण बन्ना, बी-3/109, जनकपुरी नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां अक्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन संची

भौद्योगिक प्लाट नं० 4, कँटेगरी के उद्योग नगर, दिल्ली 1 तादादी 618 वर्ग गज।

> ्टी के शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12 मई, 1987

मोहरः

### अका नार् औ तुन अव

नीयकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-न (1) के बचीन पूचना

#### STATE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-6, नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 12 मई, 1987 निवेश सं-धाई- ए-सी-/एन्यू/6/37ईई/9-86/114---

मृत: मुझ टी के शाह

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधिन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- ए. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 16 बी एन है तथा जो पूर्वी (गालीमार बाग ग्रावासीय स्कीम दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रध-कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मिन्निम्म 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रविक्ति सं, एसे दश्यमान प्रतिक्ति के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितयों) के बीच एसे बश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति, निम्निलिखत क्ष्यूबेस्य से उक्त क्ष्तरण कि बिक्त में वास्तिक कप से कि ध्वा मधी किया गया है है—

- (क) जनसरण से हुन्दें जिल्ली जान की बाबत, उक्त जीधनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कड़ी करने या उससे बचने में सुविधा के विश्वेद्द; बहुर/वा
- (थ) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों कां, चिन्हुं नारतीय सायकर निधित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधित्तियम, या धनकर अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण में, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, मिम्निलिखत व्यक्तियों, अधित्:--- (1) फतेष्ठ सिष्ठ गोयल, 1223/83, शास्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बिमला रानी, भ्रानीता गुप्ता, सरोज गुप्ता, प्रोमिला गुप्ता, सरला गुप्ता निवासी-सी--2/ 125, भ्राशोक विहार, फेस-2, दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सञ्यक्ति के वर्षम के विष कार्ययाष्ट्रियां करता हुं।

शक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोंग्रें भी बाध्येष .---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 विन की जबिथ या तत्सम्बाधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 विन की वनिथ, जो भी, जबिथ बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकोंगे।

हमका करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्सर सिंपिनया, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उन सध्याय में विका प्रया है।

### वन्स्ची

6 बी एन (पूर्वी) शालिभार बाग **भावांसीय स्कीम** दिल्ली।

> टी० के० साह मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12 मई, 1987

अंक्य बाह्यें, टी. एवं. एवं.------शायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाषा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कांबिर्जन, सहाबक भाषकर आयुक्त (भिरीक्ण) धर्जन रेज-6, मई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० घाई० ए० सी० एक्यू०/6/37ईई/9-86/121:----श्रतः मुझे,टी० के० ताह,

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रस्ते परवात (उसत अधिनियम) कहा गया ही, की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मित्त, जितका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० प्पलैट० नं० 105 है तथा जो सिर्फ्डोकेट हाउस, 3-म्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्तियम, 1809 (1908 का 16) के भ्रकीम, सक्षम भ्रिष्ठकारी के कार्यालय में भारतीय प्रायकर भ्रधित्यम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का विश्व के विश्व है बीर नतरक (बंतर्रकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम थाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (वाँ) क्सी किसी बाय वा किसी धन वा बच्य जारिता की की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उभत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्;

सते: अर्थ, उनते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनते अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसिस स्थिनस्यों, अर्थात ---

- (1) श्री इसा नी सेल्स, आ लि ल, यूबी 1, अंसल भवन, 16, कस्तूरचा गान्धी मार्ग, नई विस्ली। (अन्तरक)
- (2) मास्टर नादिरधाविड पुल श्री श्राविडर रहमान, 203, कुशूल बाजार 32-33, नेह्रुरु प्लेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

कों बहु 'तुषका जारी करके पूर्वोक्त कम्पांच के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट महिक्तयों में से जिसी क्योंक्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वहा है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं ० 105, तादादी 335 एस ० एफ ० टी ० सिन्झीकेट हाउस, 3, झील्ड रोह्तक रोड़, नई विल्ली।

> टी० के० माह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

विनांक : 12 सई, 1987 ।

प्रकृत वार्षः धीः पुत्रः पृत्रः ------

बावकार वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) कर्ड भाषा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार धार्यावय, सद्दावक आवक्षर आवृत्रत (निरक्तिण)

धर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्वेश सं॰ झाई० ए० सी०/ क्यू०/ 6 37 ईई/9-86/ 125:--अत: मुझे, टी० के० शाह,

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्जे इसके प्रचात् 'उनत निभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के नभीन स्काम प्राधिकारी को वह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 214, है तथा रें ज़िले सिन्धित है (श्रीर इससे उपाबद भनुसूची भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा मधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सक्षम श्रधि नारी के कार्यालय में भारतीय प्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, नारीख सिनम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उम्द्रह प्रिष्ठित से अधिक है और बंतरिक (अंतरिका) और बंतरिती (अंतरिता) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफ्क फ्रिंग निम्मिसित उद्देश्य से उम्द्र अंतरण कि लिए स्थ पाया गया प्रतिफ्क फ्रिंग निम्मिसित उद्देश्य से उम्द्र अंतरण है किया स्थ पाया गया कारति

- (क) वंतरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त विपिन्ध्य के व्योन कर बोर्ड के बंसाहक की वासित्व के कही करने या उन्नले बचने में सुविध्य के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के स्वीवधा के लिए;

जतः जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त विभिन्नम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, सर्भात् :--- (1) एस॰ बी॰ सेल्स प्रा॰ लि॰ यू बी--1, श्रंसल भवन 16-के॰ जी॰ मार्ग, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री श्रब्दुल रसीव, पुत्र श्री श्रब्दुल वाजिद, वाजिद हाउस, प्रिस रोड़, मुराबाबाद, (उ० प्र०)। (अन्तरिती)

को नह न्यना जारी करके न्योंका कमारा के वर्षन में भिष् अर्थशाहियां करका हूं।

उनत सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तें 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थितकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति मा द्वित बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अश्रेष्ट्रस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह वीधीनसम के वध्याद 20-के में परिभाषित है, यहीं वर्ध होगा जो उक्त अध्यास में दिया गया हैं!

#### मन्स्यी

फ्लैट नं० 214, तावादी 320 एस० एफ टी सिन्डीकेट हाऊस, 3-फ्रोल्ड रोहतक रोड्, विल्ली ।

> टी० के० माह, सक्षम मधिकारी, सङ्ख्यक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जम रेंज-6, नई विल्ली-11002

तारीख: 12 मई, 1987।

मोहर 🖫

### भ्रम्म कार्ड. डी. क्व. एस.----

भावकर विभिनिष्यं, 1981 (1981 का 49) की भाष 269-म (1) के अधीन स्वतः

#### सहस्य बर्जाड

कार्यालय, सद्दायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-6, 4/14 ए. श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 -ईई/9-86/ 127--- मत: मुझे, टी० के० शाह,

सावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन इक्षण प्राधिकारी को यह विश्वाद खरने का बारल है कि स्थानर सम्पत्ति , विश्वका अभिन्न बाबार जुक्क 5,00,000/- रह. से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० स्पेस नं० 110 आफ

335 एस एफ टी सिन्डीकेट हाउस, 3--श्रोल्ड रोहतक रोड़, नर्ड दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विलत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की बारा 269 क, ख के श्रधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त कलित के उपित बाबार मून्य वे साथ के करवनान अतिकास के प्रिए कलिएत की यह है जोर मुन्ते यह विश्वास कारने का कांच्य वाचार कारने का कांच्य वाचार मून्य, उन्न में क्यामान प्रतिपाल ले, एक क्यामान तिपाल का बाबार मून्य, उन्न में क्यामान प्रतिपाल ले, एक क्यामान तिपाल का बाबार मून्य (क्यामान वे विभक्त हैं और क्यामान (क्यामान) में स्वाप क्यामान क्य

- (क) अन्तरण से हुइ किशी जाय की बाबत, उथत जीभिषयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चित्र; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) की प्रशंजनार्थ अन्मिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया श्रमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा से किए:

बत्तक क्षम, उम्बर अधिनियम की पारा 269-व को जनभारा मों, मों, अकत अधिनियम की भारा 269-व को जनभारा (1) को अभीन, जिस्मिणिक स्पीतमुकों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स बी० सेल्स प्रा० लि०, यू बी-1, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) चौ० नूर श्रालम, मोची गेली, रसीद पुरा, मुरादाबाद (उ० प्र०)।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुमना मारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

क्या सम्मास् से स्वान से सम्बन्ध में कोई भी बालीय हन्न

- (क) इब क्चना के समयन में प्रकाशन की सादीश है 45 किन की अनिकृषा सरकारणी व्यक्तिकों पूर क्चना की सामीश को भी अनिक नाम में सामाप्त होती हो, को मीतर प्रवासक स्वतिस्तों में से किसी कावित क्चाड़;
- (क) इत त्वा के राजपत्र में प्रकायन की बादीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी क्य क्यक्ति इवाध वभोइस्ताक्षरी के पास प्रविद्ध में किए वा सकतें ।

श्यक्यकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और वयां कां, को अवस अधिनिक्त के अभ्याय 20 का में परिश्राधिक हैं, कही वर्ण होगा को उस सभाग में विका गया है।

### बगुजुनी

स्पेस नं० 110 माफ 335 एस एफ टी सिन्डीकेट हाउस, 3-मोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली ।

> टी० के० शाह सक्षम श्रीवकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

विनांक: 12-5-1987

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचवा

भारत तरकार

श्वर्यात्रय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--6, 4/14 ए, श्राभक्त श्रली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, किनाक 12 मई, 1987

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ईई/9-86/ 126—धत: मुझे, टी० के० शाह,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्यें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' बद्धा गया इ'), की. भाड़ा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास कड़ने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, विश्वका स्विक्ष वाचार भूक्य 5.00.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 215 सिन्डीकेट हाउस, 3-मोल्ड रोह्तक रोड़, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायक धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याग्रय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सक्षम ग्रधिकारी के कार्याचय में भारतीय भायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन तारीख सिसम्बर, 1986

को प्वोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त सम्मित कर अचित वाचार भूक्य, उसके क्यमान प्रतिकास से, एवे व्यवमान प्रतिकास का पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण में लिए तय पाया गया प्रति-पन, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वात्त-विक क्य से कृषित नहीं किया गया है क्ष्र-

- हैंक) बन्धहम से सुद्दे किसी दान की संस्ताह सकत । वर्षिप्रस्ता से क्षीन कार दोने के अन्यक्त से दायित्य की नार्ति कार्यक्ष कार्यक कार्यक स्त्रीवन्त ने नियह कीर/पा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजयार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जीभनियमं की भारतं 269-पः के अनुस्थन में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, विक्लीकीचरा व्यक्तियों, अभीत् :~  मैं । सं एक ० बी ० से हस प्रा ० लि ०, यू बी - 1, प्रसंस भवन, 16, के ० जी० मार्ग, नई विह्सी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रन्तुल रसीव पुत्र श्री भ्रम्तुल वाजिद, वाजिव हाउस, प्रिस रोड़, मुराबाद (उ० प्र०)।
(भ्रन्तरिती)

को यह सूर्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्वनार्रेष्ट्रया करता हूं।

तकत् बाम्परित् के वर्षक् के तत्वरूप में कार्य थी बाधांक्र---

- (क) वस् भूनमा के राज्यम को अन्तान्त् की साहाँक से 45 वित्र की अनिथ का स्टारंगी। व्यक्तिकों पर सूत्रका की कातील के 30 वित्र की अनिथ, जो भी तथिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इव ब्रूपमा के राज्यम में प्रकाशन की शारीय है 45 विश्व के शीरार अवस स्थापक कमाति में दिय-व्यूथ किसी सम्ब व्यक्ति हवारा, अधीक्तकत्रकारी से गांव विश्वित में विश्वे या वर्कों के

रचक्रिकरणः—इंचर्ने प्रयुक्त कर्मा और वर्षों का, की क्विंक स्थितिक के सम्माय 20-के की वर्षिताचित ह", कही अर्थ होगा को उस अध्याय के विका गढ़ा है।

### बन्द्ची

फ्लैट नं ॰ 215 तादाची 320 एस एफ टी, सिन्डीकेट झाउस, 3-मोल्ड रोह्तक रोड, दिल्ली।

> टी० के० साह् सक्षम मधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

वियोग: 12~5-1987

मोहर ३

प्रकष बाद्दी, टी. एगाउ एस. अ----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६९-म (1) में अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6, 4/14 ए, श्रामफ़ श्रलं≀ रोड नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० म्नाई०ए० सी० एक्यू०/6/37 ईई/9-86, 124-म्ब्रत: मुझे, टी० के० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104,
निन्डीकेट हाउस, 3-श्रांलंड रोहतक रोष्ट्र, दिल्ली में स्थित हैं
(श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं),
रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सक्षम
श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की
धारा 269 क ख के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्ति अंतरिती (अस्तिरित से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अस्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्विस्य से उक्त अन्तरण निवित्त के बारिशासिक रूप के स्थान की स्थान स्थानिक के सम्मारिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी काय की बाबत, उकत अधिनियम को अधीन कार दाने के अन्तरक की दावित्व में कमी कहने या उससे रचने में सुिषधा कालए और एह
- ेका एसि किसी बाय वा किसी धन या अन्य केरितयां करी, जिन्हों भारतीय अध्यकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियान वे स्विवय के लिए:

अतः भन्न, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——
26—106 GI/87

- (1) मैं उर्स एस बी बे सेल्स प्राव् लिव, यूबी-1, श्रंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मास्टर अब्दुलाह आविद पुत्र श्री आविदर रहमान, 203, कुणूल बाजार, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संयथ में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी ममि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में में किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर श्रम्त स्थावर सम्पत्ति में हित-श्रद्भ किसी व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जन्स ची

फ्लैट नं २ 104 तादादी 335 एस एफ टी, सिन्डीकेट हाउस, 3- ग्रोलंड जो ति जारोड, नई दिल्ली ।

> टी० के० गाह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

नारीख: 12-5-1987

### प्रकृप कार्ड. टॉ. एन. एन. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-6, 4/14 ए, श्राभफश्रली गंड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 मई 1987

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ईई/9-86/ 123-- अत मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृख्य 5,00,000 /- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103 मिन्डीकेट

हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाब अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), र र्कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रिकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय ग्रायकर श्रीधानयम्. 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान भीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बारे जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वामा गया प्रतिफल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित से वाक्तीत्रक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को शधीन कर व'ने के अन्तरण अ दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के निए; बरि/या
- (का) एरेसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आरितायों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की अण्धारा (1) को अधीन, निम्नलिखिन ध्यक्तियाँ, अर्थात्। :---

(1) मैं नर्स एस० बी० सेल्स, प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) बेबी मेहजावीन, डी/ओ० श्री ग्राविदर रहमान, 203, कृष्मुल बाजार, 32–33, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाख्येय हुन्न

- (क) इस ल्याना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पड सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्र.) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास सिश्वित में किए ना सकेंने।

लक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विच-नियम के अध्याप 20-क में परिभाष्टि हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह∙ै।

#### अन्स्ची

फ्लैट नं० 103, तादादी 335 एम एफ टी, मिन्डीकेट हाउस, 3-म्रोहड रोहतक रोड, दिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली-110002

दिनाक 12-5-1987

प्राक्ष गार्वं . टी. एन् . एस . ------

## बायकर शिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुभना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली 4/44ए, आगफ अली रोड,

नई दिल्ली, विनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्पू०/6/37 ई०ई०/9-86/ 122--श्रतः मुझे, टी० के० णाह,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्ला करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 121 आफ
320 एस एफ टी, सिन्डीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम
अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को प्वोंक्स सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्त के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुर्फ पह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंबत संपति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्तर् प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बचित्रक के बचीस कर दोने के अन्तर्क के ब्राजित्व में कनी करने या उन्तरे प्रथम में स्विधा वे जिए: कौर/का
- (च) ऐसी किसी बाम या किसी भन या जन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय नामकर मिम्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स एम० बी० नेल्स प्रा० लि०, यू बी-1 अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

(2) सरफराज भ्रालम पुत्र श्री तूर भ्रालम, 203, कुशूल बाजार, 32-33, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

### उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में काहें भी बाक्षेप :---

- (क) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्वीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वोक्ता, जो उक्ता नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अनुसूची

स्पेस नं० 121 श्राफ सिन्डीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहतक रोड, विल्ली।

> टी० के० गाह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-2-1987

मोहर .

प्रारूप आई. टी. एन. एस.--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानव , सहावक आयक र बाम्कर (नि.टीकन) अर्जन रेज-6, 4/14ए, श्रामफप्रलंग्रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 मई 1987

निर्येग सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ई०ई०/9-86/ 129--म्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 102

सिन्डीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम अधिकारी से भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पूरिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायत्वि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) मैसर्स एस० बो० सेल्स प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्राविद उर रहमान, पुत्र श्री श्रब्दुल वाजिद, वाजिव हाउस, प्रिस रोड, मुरादाबाद (उ० प्र०)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वां वत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ान व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ हंगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

### अनुसू**ची**

क्लैट नं ० 102 ताबादी 335 एस एफ टी, सिन्डीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

> टी० के० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

विनांक: 12 मई, 1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, 4/14 ए, श्रायफ़ज़ली रोड, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ई०ई०/9-86/130—श्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101,

सिन्डीकेट हाउस, 3, ग्रांल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, तारीख सितम्ब (1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लिस व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) मैसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वद्माविद उर रहमान, पुत्र श्री ग्रब्धुल वाजिद, ग्राजिद हाउम, प्रिन्स रोड, मुरादाबाद (उ० प्र०)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 101 तादादी 335 मिन्डीकेट हाउस, 3-ओरुड रोहतक रोड, दिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरेंज-6, नई दिल्लो-110002

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आह<sup>र</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-6, 4/14ए, भ्रानफश्रली रोड, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ई०ई०/9-86/ 128--श्रतः मुझे, टी० के० शाह,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं ० स्पेस नं ० 111, सिन्डीकेट हाजस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, बिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाश्वद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में सास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायत्वि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्धात :--- (1) मैसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) चौ० नूर ग्रालम, मोची गेली रसीदपुर, मुरादाबाद (उ० प्र०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ज्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

स्पेस नं० 111 श्राफ 335 एस एफ टी, सिन्डीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, बिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

विनांक 12-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस------

जासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6, 4/14ए, श्रासफ्रम्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/131— म्रतः मुझे, टी के भाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषट बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० फलट नं० 216 सिन्डीकेट हाउस, 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड दिल्ला में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध ∰नुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रियमान प्रिटिशन के लिए अंतरित की गई है बार मुन्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रियमान प्रतिफात से, एमे द्रियमान प्रतिफात का वन्त्रह प्रतिद्यंत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरका) औड अन्तरित (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भागा गया प्रतिफात, निम्नितिस्त उच्दिष्य से उच्त अन्तरण जिल्लास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या इससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिष्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिषम, या धन-कर अधिनिषम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धी या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

बहः बरः, उन्ता बिधिनियम को धारा 269 न के अनुसरण हैं, मा, शक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (है। के अधिन, निम्निजिक्ति स्विक्तियों, बधीत :----

(1) म एसं एम० बी० सेल्स प्रा० लि०, यूबी-1, श्रंसल भवन 16 के० जी० गांधी रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) बेबी मुब्हु रसीद, डी/म्रो० श्री म्रब्दुल रसीद, सी-131, हाउस सोमायटी एन० डी० एस० ई०-1, नई बिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध भें कोई भी बाक्षप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार तिबित मों किए जा सकाँग।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम क अध्याप 20-क में परिभाविक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या

### भन्स्ची

पलैंट नं० 216, नावाद्री 320 एस एफ टी, सिन्डीकेंट हाउस, 3 श्रोलंड रोहतक रोड, दिल्ली।

> टी० के णाह मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नारीख . 12-5-1987 मोहर: वस्य मार्च.टी. एन एस -------

\_\_\_\_\_

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की थारा 269-थ (1) के नधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्गक्षण) अर्जन रेंज-5, 4/14ए, ग्रामफ ग्रली गोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/5/37ईई/9-86/133---श्रतः मुझे,टी० के० शाह,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 5.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं कलट नं 216ए, सिन्डीकेट 3, श्रील्ड रोहतक रोज, विल्ली हाउस में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकरी श्रीधकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सक्षमग्रीधकारी के कार्यालय, में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन नारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार महभ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलितित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्सिविक क्य में क्षिण नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण में हुई किसी बाय की बावस, उक्स विश्वित के बभीन कर योगे के असरक के बाधिरण में अभी करने या उससे बादर में सुविधा के सिए; बीर/मा
- (स) ऐसी किरी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कार, किन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान मा स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भ, मै, उक्त आंधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) क अधीर, निम्नोलिखन व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) मेसर्न एस०बी० सेल्स प्रा० लि०, ग्रंसल भवन, 16 के० जी० रोड, नई विस्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) वेबी सामिला रसीद छी/ग्रो० श्री ग्रब्दुल रसीद, सी-31 हाउसिंग सोमावटी, एन डी एस ई-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यस स्वता बारी कारके पूर्वोक्स सम्बर्तिः के वर्षन के निष कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इंत सूचना के श्रेषपत्र में प्रकाशन की तहरील से 45 दिन की मनिंध से तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नविधा, जो भी अविध बाद में समाप्त झोती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्थव्यीकरण ;--- इसमें प्रयुक्त सन्यों और वदों का, थो उन्ध् निभिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होया को उस अध्याय में दिवा गया हैं।

### अनुसूची

फ्लैंट न० 216-ए, तादादी 320 एस एफ टी, सिन्डीकेट हाउस, 3-श्रोल्ड रोहतव रोष्ट बिल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम श्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-1987

एक्य कार्ड 💛 एम . एस . न्नर नन्नत 🚛

नायकर मधिनियम, 1961 (४९61 का 43) की धारा 269-व (1) में भीन स्थना

#### HIST USANT

कार्वाजव , सहायक जायकर शयक्त (निरौक्रक)

प्रजंन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० ग्राई ए सी/एक्यू०/6/37 ईई/9-86/134— श्रन. मुझे टी० के० साह

कायकार सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का क्राएं हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० '' है तथा जो न्पेस नं० 15 सिन्डीकेट हाउस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है) सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय ब्रायकर ग्रिधनियम 1961 की धारा 269 कर ख, के ग्रिधीन तारीख सिनम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उसके दृश्यमान प्रीतफल से, ऐसे दृश्यमान प्रीतफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चवेष्य से उक्त अन्तरण मिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क्षें अधीन कर दोने कें अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा कें लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात् .—— 27—106 GI/87 (1) मैसर्स एम बी सेल्म प्रा० लि०, यूबी-1, श्रंसल भवन, 16, के जी नार्ग दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) बेबी फाना बादिर, धे।/स्रो/श्री स्रब्दुल कादिर सी-31, हाउसिंग सोसापटी एन डी एस ई-1 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

न्तं यह स्थना चारी करके पृथानतः सम्पत्ति के अवन के रित्य कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्परित के सर्वन के नाक्ष्म में । होयां भी आक्षम ---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींस है 45 दिन की अविध से तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बचिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से दिसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस स्चना कें राजपत्र में प्रवाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनव्य किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्पाक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण'— इसमें प्रयुक्त एव्यों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याम 20-क में यथा परि-भाषित हीं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

### अनुसूची

स्पेम नं० 115 श्राफ 320 एम एफ टी मिन्डीकेट हाउम, 3-ग्रोल्ड रोहतक रोड दिल्ली ।

> टी० के० साह मक्षप प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्क (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-6, दिल्ली

नारीख: 12-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊷6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० म्राई ० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ई०ई०-9/86/135--म्रतः मुझे, टी० के० शाह,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पन्पात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5.00.000/- क. से अधिक है

श्रौर जिसकी संज ं ं ं हैं तथा जो मठ नं 106 मिन्डीकेट हाउस, 3-श्रोल्ड रोहत ह रोड़, दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वों कत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्य संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहरमान प्रतिफल से एसे रहरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अथित्:--- (1) मेसर्स एस० बी० मेल्य प्रा० लि० यू०बी०-1, ग्रंसल भवना6-के०जी०, मार्ग, नई दिल्लीय।

(भ्रन्तरक)

(2) वेवी रोवीना जेपीन डी०/फ्रो० श्री फ्राबिद रहमान सी-31, हाउसिंग मोमाइटी एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भी कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्च्ला के राजपण में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

फ्लेट नं० 106, तादादी 335 एम० एफ० टी० सिडीकेट हाउस 3 स्रोल्ड रोहनक रोड, दिल्ली ।

> टी०के० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रें ज-6, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-1987

### प्ररूप् अहरी. दी. दन. यास .-----

काथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 मई 1987

निदेश मं० ग्राई० ए० मी० /एक्यू० /6/37ईई/ 9-86/ 132---ग्रत. मुझे, टी० के० साह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- ? में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० स्पेस नं० 116 आफ 485 एस० एफ० टी० सिडीकेट हाउस, 3-श्रोल्ड रोह्तक रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्णस्प से वर्णित है), सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कख, के श्रिधीन, तारीख सितम्बर,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्झ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल के। एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरी किमी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा क लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) मेंसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि० यू० बी०-1, श्रंसल भवन, 16-के०जी० मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) वेबी नाजिया काविर डी/श्रो० श्री श्रब्दुल कादिर सी-31, हाउसिंग सोसाइटी एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या सर्सवधी क्योतियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यें किस में सिमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यें किस में किसी क्यों कित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपीत्त में हिट्ठ-दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शस निश्चित में किए जा सकेंग।

स्पाचीकरण: — इसमं अयुक्त शब्दों आर पदों का, क उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म ें दिस है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

स्पेस नं० 116 श्राफ 485 एस०, एफ०, टी० सिडीकेट हाउस, 3-श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली ।

> टी०के० माह सक्षम प्राधिकारी स्हायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंनरें ज-6, नई दिल्ली

तारीखा: 12-5-1987

प्ररूप आहें. टी. ५१. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एस्यू०/ ६/ ३७६६/ १-८६/ १४७--

श्रतः पुसे, टी० के० माह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का संपत्तिक है

ग्रीर जिमकी मख्या पलैंट नं २ 301, सिडीग्रेट हाउम 3, श्रील्ड रोहतक रोड़, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन दिनांक, सितम्बर 1986

को पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर राने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा करने। अस्तरण अस्तरण
- एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याप्तार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के लिए;

अतः अब, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थादा :---

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लिमि०, यूबी-1, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इंवेस्टमेंटस लिमि० 504/32-32, कुमूल बाजार, नेहरू पलेम, नई दिल्ली।

को यह सृषना जारी करके प्दोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के बर्जन के सबध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 301ए, मिडीकेट हाउस, 3, भ्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली । तादादी 335 वर्ग फीट ।

> टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-5-1987

### प्रकल बार् े ही । प्रस्त पस् ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-थ (1) वी अधीन स्थना सारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्रण)

श्चर्जन रेज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987 निर्देश सं० श्चार्ट० ए० सो०/एक्यू०/6/37इइ/9-86/154--ग्रतः मुझे, टी० के० साह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात उकत अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ह के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानण सम्पति, जिसास तिस्त आजार मृत्य

1,00,000 - रा. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या स्पेश नं० 306, 335 वर्ग फीट
मिडीकेट हाउम 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, है तथा जो दिल्ली
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारताय श्रायकर
श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन दिनांक सितम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतारत को गई हैं और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफलल से ऐसे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) से बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसत उद्देश्य से अच्त अन्तरण लिखिए में वास्तविक उप से क्षियत नहीं पामा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किसी नाय नहीं बायल, उक्त विधितियम के वधीन कर दोने के अन्तर्क के दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए; बार/सा
- (अ) ऐसी किसी बाम या किसी भन या अन्य आस्यिकः को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, कियाने के योजनार से निष्

बतः सब, उन्तर विभिनितमं की भारा 269-ग ही बन्सरण ही, की उपत अभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभील, निम्मलिनित व्यक्तियों, अवस्ति : (1) एस अबी अ मेल्म प्राअ लिमि अयूबी — 1, श्रंसल भवन, 16 — के अजी अमार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इंबेस्टमेंट लिमि० 504, 32-33, कुसूल बाजार, नेहरू प्लेस । नई डिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना कारी काडके पूर्वीचल संपत्ति में वर्षन के सिध् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षर ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विच की व्यवित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यविश्व, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस त्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध क्रिजी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास लिक्ति में क्रिए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्वो का, जो सक्क अधिनियम के वश्याय 20-क में परिभावित्र ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

#### अनस्पी

स्पेश नं० 306, 335 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस, 3, भ्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली ।

> टी० के० माह, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-6, नई दिल्ली~110002

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आ**द**.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इइ/9-86/151---श्रत: मुझे, टी० के० साह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० स्पेश नं० 203, सिडीकेट हाउस, 3, ग्रील्ड रोहतक रोड़, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, दिनाक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बेचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन रा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लिमि०, यूबी-1, ग्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इंबेस्टमेंट लिमि० 504,कुल बाजार, 32-33, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्पेश नं० 203, 335 वर्गफीट सिडीकेट हाउस, 3-म्प्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली ।

> टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें एश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स्पेश नं० 303, 335 वर्ग फीट 3 श्रील्ड रोहतक रोड है तथा जो दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्णरूप से विंगत है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्योक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ६ व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरमों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अवः, उक्त अधिनियमं को धारा 269-ग के अन्सरण कैं, मैं उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) एस० बी० मेल्स प्रा० लिमि०, यूबी-1, ग्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) यू पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इंवस्टमेंट लिमि० 504, 32~33, कुसूल बाजार, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिए की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थादर मम्पत्ति में हितखब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्पेश नं० 303, 335 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस, 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली ।

> टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-5-1987

### प्रकृप बाइं.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/६/37इइ/9—86 149— भनः मुझे टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूप से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० ..... है तथा जो स्पेश नं० 30 2ए, मिंडीकेट हाउम, रोहतक रोड़ में स्थित है (श्रीर इममे उपाबद्ध ध्रनुमूची में पूर्ण रूप मे विणित है), मक्षम श्रधिकारी के कार्यीलय में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, दिनांक मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिष्ठल से, ऐसे रहयमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा चे लिए;

बतः शव, उक्त विधिनयम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त विभिन्नयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिए व्यक्तियों, वर्शतः :--

(1) मैमर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लिमि० यूबी-1 ए ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स यूबी० टाउन ट्रेडिंग एंड इंवेस्टमेंट लिमि० 504, 32-33, कुसूल भवन, नेहरू पलेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए काययाहियां करता हु।

### जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इतमं प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### श्रनुमूची

स्पेश नं० 302ए, 335 वर्ग फीट सिड़ीकेट हाउस, 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आहूर, टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37६६/9-86/161---भ्रतः सृक्षे, टी० के० साह

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अभीन सक्षमें प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/। रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ......है तथा जो स्पेश नं 208, सिंडीकेट हाउस, 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायब श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, दिनांक मितम्बर 1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्तिं का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से एसे द्रियमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्त में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सृतिधा के बिहा;

अतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसक्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--28-106 GI/87

- (1) एस० बी० सेल्स प्रा० लिमि० यूबी-1, श्रंसल भवन 16-के० जी० मार्ग, नई विल्ली।
  - (2) यू० पी० टाउन ट्रेंडिंग एंड इंबेस्टमेंट मिनि० 504, कुसूल बाजार, 32-33, नेहरू पलेस, मई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्यों दर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवय स्थित्यों में से किसी स्यूचित द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारी के 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुध किसी अन्य विकत ह्यारा अधोहस्ताकरी के पाव लिक्ति में किए का सकरें।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, वा जाया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

स्येश नं ० २०८ दूसरा अंड 335 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस, 3-श्रोल्ड रोइतक रोड़, दिल्ली ।

> टी श के शतह, तम प्राविकारी तहामक झाबकर आबुक्त (निरीजण) झर्जन रेंज-6, विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

# भारत तरकार

कार्यालय, सहायक् आयकर आयुक्त (निरक्किण) भर्जन रेंज-6, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इइ/9-86/148---अतः मुझे,टी० के० साह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं .......है तथा जो स्पेश नं ० 302, 335 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस, श्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली—1 में स्थित है (श्रौर इससे उपावक श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और आरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल निम्हलिखत उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्व आहे आहे को , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , बा धन-क्तर अधिनियम , 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा धन या किया जना चाहिए था , छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अल, उन्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-ए की उप्रभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित विकटमों, अर्थत् :--- (1) एस० बी० सेल्स लिमि० यूबी-1, म्रंसल भवन 16 के० जी० भागे, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) बू॰ पी॰ टावन ट्रेडिंग इंबेस्टमेंट लिमि॰ 504, 32-33, कुसूल बाजार, नेहरू पलेस, नई दिल्ली। (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना चार्यों कारके पूर्वोद्धाः सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरता हो।

# वक्त वंपरित के वर्षन के वंपन वें आहे, भी अनुवेष क्-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त में सी किसी व्यक्ति द्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितंबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरें।

स्वक्रांक्षारणः — इसमें प्रयुक्त कक्षां और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के खभ्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विका गवा है।

# -

स्पेल मं ◆ 302, 335 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस, 3, ग्रोल्ड रोह्तक रोड़, दिल्ली ।

> टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6 विल्ली, नई विल्ली-110002

दिकाक : 12-5-1987

महिर :

प्रकृप बाई . टी . एन . एस . -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-न (1) के नभीत सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्स्०/6/37इइ/9-86/157---भतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के जिथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का रण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/ रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ........है तथा जो फ्लैट नं 316, सिडीकेट हाउस, 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को प्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दक्षिण ताल्क, बंगल्र में धारा 269ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यह प्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उव्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुर्इ किसी आय की याभल, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, के लिए, बीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय था, धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिपान में मुजिया के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की शारा 269-ए के अनुसरण मो, मो, उदल अधिनियम की धारा 269-६ की उपपारा (1) के अधीन निम्नलिमिल व्यतितयों, अर्थात् ---

- (1) मैंसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यूबी-1, श्रंसल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, मई दिल्ली। (सन्तरक)
- (2) मैससे यू०पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इंबेस्मेंट लिं० 504/32-33 कुसूल बाजार, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों आर्ट्र पदों का, जो उसेते अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं ० 316, तादादी 335 वर्ग फीट भिडीकेट हाउल. 3, स्रोल्ड रोहतक राड, नई दिल्ली।

> टी र है रसार, तेम प्रासासी सहायक जायार घायता (सिरीक्षाः) धर्जन रेग∽6, सई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

# त्रक्य बार्ष् हों पुन्ज पुर्वक स्थ्यनसम्बद्ध

# बायकार विधिनियम ,: 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में वधीन सूचना

# 

# कार्यातयः, वहायक वायकर वायका (निरासिक) अर्जन रेंग्र-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्वेश सं • आई • ए • सी • | एन्यू • | 6 | 37इइ | 9-86 | 159--

कंदकर विधिनयम, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें इसके बहवाए 'उक्त विधिनयम' अहा गया हैं), की भाष 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- फ. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं . . . . . . . है तथा जो फ्लैंट नं 308 सिडीकेट हाउस, 3 श्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुभूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कथा के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्प्रीत को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीवफ्त को लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित यातार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तिकृति (अन्तिरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राचा प्रया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्विक में बास्तिक रूप से स्थित नहीं किया गया है :----

- (क) बच्चरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधीजयम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्/बा
- वि प्रेची किसी नाय ना भन ना बल्य नारिसवाँ की, किन्दु भारतीय नायकर नोभीनयम, 1922 ११922 का 11) वा उन्ता निभीनयम, वा वनकार भीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ मन्त्रीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया न्या था वा किया चामा चाहिए था, कियाने में वृद्या के दिवस;

वारत स्था, वावय सीधानियम की भारा 269-म में सन्धरण कें, में, उपल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मितिकत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैंसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि० यूबी-1, श्रंसेल भवन 16 कस्तूरवा गाधी माग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स यू०पी० टाउन ट्रेडिंग श्रीर इवेस्टमेंट लि० 504/32-33, कुमूल बाचार, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थान के लिए कार्थवाहियां करता हां।

जनत संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धीं क्यक्तियों पृष्ठ सूचना की तामील से 30 दिन की कविभि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वाय भभोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्यों और पर्वो का. जो समय विभीनयन, के बच्चान 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा. जो उस अध्याय में दिया स्याहा

# अनुसुची

प्लैट नं० 308 तादादी 335 एम० एफ० टी० मिडीकेट हाउस, 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, नई दिल्ली।

> टी ० के० साह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

मोहरः

# प्रकृष कार्यं ही (एन (एस :) ------

भागकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमा

# शारत करकात

# कार्याजय, बहारक वारकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रें**ज**-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्वेण सं ० स्नाई० ए० सी ०/ए क्यू ०/ ६/ ३७६६/ ६- ८६/ 15६---स्रतः मुझे, टी॰ के० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मृस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भ्रौर भिमकी सं०......है तथा जो पर्लंट नं० 315, सिडीकेट हाउस, 3, भ्रोल्ड रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध भनुमूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम भ्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कवा के श्रधीन दिनांक मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मुखे बहु विश्वास मुखे बहु विश्वास करने का फारण है कि बधा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्तत से बीधक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिखित उद्वेषय ने उच्त अन्तरण निचत में बास्त्विक रूप से कृषित नहीं किया गया है ड—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख, एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जायकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर विश्वास प्राचिष्य के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :——

- (1) मैंसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यूबी-1, ग्रसल भवन, 16, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स यू० पी० टाउन ट्रेडिंग इंवेस्मेंट लि०, 504/32-33, कुमूल बाजार, नेहरू एलेम, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिमां करता हूं।

उक्त सन्तिस को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र 2---

- (क) इस त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की सर्वीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर त्वना की वामीन से 30 दिन की अनिध, को भी नवधि नाव में समस्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किती व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीक हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पाक सिवित में किए वा करों में ।

स्माहीकरणंड---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पवाँ का, जो उसक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

# नन्स्ची

पलैट नं० 315 तादादी 335 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस 3, ब्रोल्ड रोहतक रोड़, नई दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनाक: 12-5-1987

प्ररूप आहें ् टी\_ु एन ् एसः -≝----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

ि निर्देश म० आई० ए० मी०/एक्यैं०/6/37इइ/9-86/156---श्रतः मुझे, टी० के० साह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं०......है तथा जो फ्लैट नं० 316ए, सिडीकेट हाउस 4, 3 श्रोल्ड रोहतक रोड़ दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, दिनांक मितम्बर 1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कन्नी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थातः :-- से(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू० बी-1; मंसल भवन 16, के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इंबस्टमेंटस लि०; 504/32-33, कुसूल बाजार, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्ति यो में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थावर अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त एखाँ बीर पर्वों का, जी उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित के हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# भनुसची

फ्लैट नं ० 315-ए, 320 वर्ग फीट सिं**डीकेट हासस, 3**-ग्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली ।

> टी० के० साह् मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप आह्". टी. एन ् एस .---

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त '(निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इइ/9-86/155----ग्रत: मुझे, टी० के० साह,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) [िजिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० स्पेश नं० 305, है तथा जो सिंडीकेट हाउस, 3 घोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), सक्षम घिष्ठारी के कार्वालय में भारतीय श्रायकर घिन्तियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986।

को पृथांकत सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल की लिए जन्तरित की गर्द है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे स्त्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्द्द किसी आभ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लिमि०, यूबी-1, अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(3) मैंसर्स यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इंबेस्टमेंटम लिमि० 504, 32-33, कुसूल बाजार, 32-33 नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# वन्स्ची

स्पेश नं० 305, वर्ग फीट सिडीकेट हाउस, 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली ।

> टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निस्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

दिनांक ; 12-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यैं०/6/37ई० ई०/9-86/ 160--- म्रत: मुझे, टी० के० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 303-ए, है तथा जो सिडीकेट हाउस दिल्लें में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम श्रधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, दिनाक मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैंसर्स एस० बी० सेल्म प्रा० लि० यूबी०-1, ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इंबेस्टमेट लि० 504, 32-33, कुणूल बाजार, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करीं तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास किसित में किए जा सकागी।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मनुसूची**

स्पेस नं० 303-ए म्राफ 335 एम० एफ० टी० सिंडीकेट हासस, 3, म्रोल्ड रोहतक रोड़, नई दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

विनांक: 12-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

# बाबकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सूचना धारत सरकार

कार्यावर, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-6, नई दिल्घी

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/63/7इड/9-86/136---म्रत: मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार बृक्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, तथा जो जनकपुरी प्रोजेक्ट नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), मक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्यों के सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिसित उद्योध्य से उक्त अंतरण विविद्य में वास्तविक क्य से किया कहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त शिभिनयम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं कस्तरिती द्वारा प्रयोद नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

(1) श्रंसल प्रोपट्रीस एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115, श्रंसल भवन, के० जी० मार्ग, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मालती जैन पत्नी श्री आनंद कुमार जैन 31-राजेन्द्र पार्क, पूसा रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति की अर्जन को संबंध को कोई भी कार्यप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की वनिष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की नविष, को भी वनिष नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति (कार्य)
- (कः) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

पनेट नं ० 103, २ं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली ।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 29--106 GI/87

दिनांक: 12-5-1987

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एव.-----

नायकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) नी भारा 269-थ (1) के मधीन स्चना

भारत मरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987 निर्देश सं० घ्राई० ए० सी० एक्यू०/6/37इइ/9-86/138---ध्रत: मुझे, टी० के० साह.

कार्यकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्निम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूक्व 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्त्रीर जिसकी सं० पलैट न० 101, है तथा जो नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिन्ली में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के,ख के श्रिधीन, दिनाक सितम्बर 1986

को प्रॉक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास कर कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्ब, उसके क्रममान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एनं अन्तरण के लिए त्य पाया भ्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेष से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित वहीं किया गया है :---

- (क) जन्मरण वं हुई किसी बाव की बावत, उक्त विभिन्नसम् के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एंसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बय, उबत विधिनियम की धारा 269-न के बन्तरण हो, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के हभीत, जिल्लीबित व्यक्तियों, वर्षांद्व द्रान्त

(1) श्रंमल प्रोपट्रीज एंड इंडस्ट्रीस प्रा० लिमि० 115, श्रंमल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रानंद कुमार जैन एड संस (एच० यू० एफ०) दीपक कुमार जैन एंड संस (एच० यू० एफ०) 31, राजिन्द्र पार्क, पूसा, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके प्रशेषत सम्पत्ति के वर्षन औ जिए कार्यवाहियां सूक करता हु।

उक्त सम्परित के वर्षन के तम्बन्य में कोई भी बाबोंप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिथ, को भी बनिध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

# अन्स्ची

फ्लैट नं ० 101, नं ० 8 जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली ।

टी० के० माह मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनाक: 12-5-1987

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर माय्कर (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इड/9-86/139---श्रत. मुझ टी० के० साह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लैंट न० 114 है तथा जो न० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनाक सितम्बर 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में नास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उसवे वचने में सुविधा के निष्; शरि/वा
- (क) एसी किसी बाम या किसी बन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: (1) असल प्रोपट्रीस एड इडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115, अंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा जैन पत्नी स्वर्गीय एस० के० जैन 31--राजन्द्रि पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैंट नं० 114, नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली।

टी० के० साह सक्षय प्राधिकारी सहायक ग्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज–6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

# कार्योजय, प्रहार्क नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/6/37इइ/9-86/141--श्रतः मझ, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 106 है तथा जो नं० 8, जनकपुरी प्रोजैक्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनाक सितम्बर 1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से मुक्त अन्तरण लिखित यास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) एंसी किसी आप या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधील, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थत् :---

- (1) अंसल प्रोप्रटीस एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115, अंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरीता जैन पत्नी श्री दीपक कुमार जैन, 31-राजिन्द्र पार्क, पूमा रोड़, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आअंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी बविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर समाति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

रमब्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पृष्टों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होग्य को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 106, नं० 8, जनकपुरी प्रोजैक्ट, नई विल्ली।

टी० के० साह मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई विल्ली

विनांक: 12-5-1987

मोहर '

# मञ्जू सार्व 🗃 व्योक्त सुर्व 🔉 सुर्व 🤉

# थार्कर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की गाउँ 269-व (1) वे वसीन क्षांग बाइन इडकोड

# कार्यक्रम, प्रकृषक बादकर मावृक्त (निर्देशम)

ग्नर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाफ 12 मई 1987 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इइ/9-86/140---भ्रतः मुझे, टी० के० साह,

नायकर गिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट नं० 110, है तथा जो...... नं० 8, जनकपुरी प्रोजक्ट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मिटिशन के निरं अन्तरित की यह है और मुझे वह दिल्लाव करने का कमरण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत् से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के जीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मितिक निर्मामिक इश्वदेश्य से उच्छ मन्दरक जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) करारक ते हुई लिखी भाग की धावतः, उक्त गीमिनियम के मधीन कर दोने के सम्पर्क में समिता में कमी करने या सम्बंध बचने में सुनिया के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर निधिनयम 1922 (1922 का 11) या एकत बीधनियम, या पन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्रिंगा के विद;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थारः :---

(1) अंसल प्रोपट्रीस एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि० 115, अंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र कुमार जैन सुपुत स्वर्गीय श्री जे० एम० दास 31, राजिन्दर पार्क, पूसा रोड़, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

की यह बुचना पार्टी कारके पूर्वीक्त संपृत्ति से अर्थन से निष् कार्यनाहियों करता हो।

# कार रम्पीत में वर्ष में रम्प में सोई ही वार्षका

- ्रीक) एड वृष्ट्या के हाक्यम् वा प्रकारत् की वार्ष्टीच् हैं

  45 दिन की सर्वाभ् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  वृष्ट्या की दानीस वे 30 दिन की वर्षांच्या भी भी
  न्त्रांत्व नार में सदान्य होती हो, से प्रीदर पूर्वों वह
  व्यक्तियां भी वे विकास स्वीवद हुवाहा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 बिन के भीटर जनत स्थायर संपत्ति में द्विप्रसूख् किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, व्योह्स्ताधरी के बांध विक्ति में किस वा क्योंने।

स्थानिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बों और पर्यों का, का उस्क अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्था हैं।

# वन्त्या

प्लैंट नं० 110, नं० 8, जनकपुरी प्रोजक्ट, नई दिल्ली।

टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकण श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-6, नई विल्ली

दिनांक: 12~5~1987

# प्रकृष बाइं. टी. एन. एव. ...-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

# भारत तर्कार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/६/37इइ/9-86/137---श्रतः मुक्को, टी० के० साह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा चया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 5,00,000/- रु. में अधिक है

और जिमकी सं०पलैट नं० 102, है तथा जो ...... नं० 8, जनकपुरी प्रोजक्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पृत्रीवत सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यकात ही तरक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य, उनके उश्यमान प्रतिफल के क्लाह प्रतिफल से बाधिक है और जन्तरक (अन्तरका) जार अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बचा प्रतिफल, निम्निनित्त उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक क्या है कास्तिक कास्तिक कास्तिक क्या है कास्तिक क्या है कास्तिक कास्तिक

- कि श्री श्री हुई कियों बाव की बावता, उपत विधियवन के वर्षीय कर दोने की बन्दाहरू की दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिक्; बाह्र/बा
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः बंब, अवत अधिनियम की धारा 269-म के बनुतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, विक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) अंसल प्रोपट्रीस एंड इडस्ट्रीज प्रा० लि० 115, अंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सिद्धार्थ जैन सुपुत्र श्री श्रानंद कुमार जैन, सुधामीनी जैन सुपूत्री दीपक कुमार जैन, 31-राजिन्दर पार्क, पूसा रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्मप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाचन की तरशिव के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए वा सकेंगे।

क्षाच्छीकरणः ----इसमें प्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्न के क्षायाय 20 क में परिभाषित हैं नहीं वर्ष होना को उस कथान में दिशा नका

# भनुसूची

प्लैंट नं० 102, नं० 8, जनकपुरी प्रोजक्ट, नई दिल्ली।

टी० कि० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

# New Delhi, the 31st March 1987

No A 19014/7/82-Admn I—On completion of his tenure at Centre, Shri A J Bajaj (IIS) Deputy Secretary has been relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission we f 31-3.87 (AN)

- 2 Shri A J Bajaj has been granted Larned Leave from 1-4-87 to 6-4-87 and from 6-7-87 to 17-7-87 (affixing holidays falling on 4th, 5th, 18th and 19th July, 1987 to his leave) and during the period from 7-4-87 to 3-7-87 Shri Bajaj will be on foreign training course on 'Financial Planning and Management in Central & Local Govt' at Strathelyde Business School, Glasgow, U K under Colombo Plan.
- 3 On the expiry of his leave, Shri A J Bajaj is directed to report in his parent department i.e. Directorate General of Supplies and Disposals, Parliament Street New Delhi on 20-7-1987

M P JAIN Under Secy (Pers Admn)

# GRIH MANTRALAYA DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 18th May 1987

No O II 2/85 Adm 3—Consequent on his retirement on superannuation Shri Mohan Singh, JAD (A/Cs)/Audit Officer (Ad hoc) Internal Audit Party (North Zone) CRPF relinquished charge of the post of Audit Officer on the afternoon of 30 4-87

Sd / ILLEGIBLE Deputy Director (Adm)

New Delhi-110003, the 20th May 1987

No O II-2032/85 Estt L.—The President is pleased to sanction pro forma promotion to Shri K P Speake (Inspector) presently on deputation to CISF to the rank of Dy S P in the CRPF with effect from 28-3-86

ASHOK RAJ MAHECPATHI Assistant Director (Esstt)

# DIRECTORATE GENFRAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 14th May 1987

No E-16013 (2)/4/83 Pers I—On repatriation to patent cadie, Shri V Balachandian, IPS (TN 76) relinquished the charge of the post of Asstt Inspector General South Zone, CTSF Madras wef the afternoon of 4th May, 1987

2 On repatriation to parent cadre, Shri P L Viswanathan, IPS (TN SPS) relinquished the charge of the post of Comdt, CISF Unit MPT Madras wef the afternoon of 7th May, 1987

Sd/- ILLEGIBLF Director General/CISF

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi the 21st May 1987

No 7/3/86-Ad I—On the recommendations of the Depart mental Promotion Committee and in consultation with the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Dr K P Ittaman, who is presently officiating on the post of Senior Research Officer (Social Studies) in the

Office of the Registrar General, India, New Delhi in substantive capacity on the same post with effect from 14 4 85

V S VERMA Registrar General, India

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF L'CONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas the 19th May 1987

F No BNP/C/5/87—Shii Keshiv J Bakshi, Sectional Officer (Accounts) is appointed to officiate as Accounts Officer on regular basis in the revised scale of pay of Rs 2375 75-3200-EB 100 3500 (Group B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M P) with effect from 12 5 87 (FN) until further orders

M V CHAR General Manager

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENI (AUD 1), ANDHRA PRADESI

Hvderabad, the 18th May 1987

No Adm I Prom 8 132/87 88/DP No 31—The Accountant General (Audit I) Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officer to officiate as Audit Officer in the scale of Rs 2375-75 3200-EB-100 3500 with effect from the date noted against him until further orders

Name and Date of assumption of charge

1 Str R Sampathkumaran -1 5 1987 F.N.

The promotion is ordered without prejudice to the claims of his seniors if any, and is also subject to the result of the writ petition in the Andhin Pradesh High Court/Supreme Court. He should exercise his option within one month of his date of promotion in terms of Govt of India O. M. No. F. 7/1/80 Fist. (Pt. I), dated 26-9 1981.

Sd/- ILLEGIBIE Sr Dy Accountint General (Admn)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUD. I), ANDHRA PRADI'SH

Hyderabid, the 19th May 1985

No Admn I/Prom/8132/87-88/33—The Accountant General (Audit I), Andhra Pradesh Hyderabad is pleased to promote the following Assist int Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs 2375 75 3200 EB-100-3500 with effect from the dates noted igainst them until further orders

Name and Date of assumption of charge

- 1 Sri B Narasinga Rao-18-5 1987 Γ N
- 2 Sri Λ Sumvasan—15 5 1987 Λ N

The promotion is ordered without prejudice to the claims of their seniors, if any and is also subject to the result of the Writ Petition in the AP High Court Supreme Court They should exercise option within one month of their date of promotion in terms of Govt of India O M No 7/1/80 I stt Pt (1), dates 26 9-1981

Sd /- II l EGIBI E I/c Sr Dy Accountant General (Admn)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENL. (A&E), J&K, SRINAGAR

Simagar, the 5th May 1987

No. Admn. I/A&E/60 (19) 1/87-88/401,—Accountant General (A&E) J&K Srinagar has been pleased to appoint the following Temporary Section Officers to the posts of Accounts Officers in the pay scale of (Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500) in an officiating capacity w.e.f. the date (s) indicated against each; till further orders:

- 1. Sh. Seva Ji Koul-21-4-87 (F.N.)
- 2. Sh. Shiban Lal Bhan-21-4-87 (F.N.)

Their inter so seniority will be in the above order.

Sd./- ILLEGIBLE Dy. Accountant General, A&E

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I) MAHARASHTRA

Bombay-20, the 4th May 1987

No Admn. I/Audit/Genl/AO/1(1)/35—The Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers, with effect from the dates mnetioned against their names, until further orders:—

Sr. Name No.	Date of appointment as Audit Officer
1. Shri B.N. Bywar	16-2-87
	(FN)
2. Shri M. J. Kande	2-3-87
6. 61. 3. D. 6. Description	(FN)
3. Shri D.S. Rangnekar	2-3-87
4. Shri N.V. Godbole	(FN)
4. Shi i i v. Codoole	30-3-87 (FN)
5. Shri Sayed Mansoor Ali	17-3-87 (FN)
6. Shri V. Srinivasan	14-4-87
	(FN)
7. Shri S.B. Chitnis	14-4-87 (FN)

Sd./- ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant General/Admn.

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E), ORISSA

Bhubaneswar, the 18th May 1987

No. E.O. 10.—The Accountant General (A&E), Orissa is pleased to appoint Sri B.V.R. Patnaik, Section Officer, of this office to officiate as Accounts Officer in the scale of pay Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from 1-5-87 (F.N.) until further orders in accordance with the provisions of the 1.A.&A.D. (Administrative Officer, Accountants Officer & Audit Officer) Recruitment Rules 1969. This promotion is on adhoc basis and subject to the final decision of the Supreme Court/High Court on the cases subjudice in the Court and without prejudice to the claims of his seniors.

P. NARAYANA MURTHY Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

# MINISTRY OF LABOUR

### (LABOUR DEPARTMENT)

### LABOUR BUREAU

Shimla-171 004, the 5th June 1987

No. 5/1/87-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by five points to reach 691 (Six hundred ninety one) for the month of April, 1987. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of April, 1987 works out to 840 (Fight hundred forty).

BALRAM.
Joint Director
Labour Bureau
Shimla-171 004

# MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLJER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 11th May, 1987.

# IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1609/86-Admn.(G)/2492.—On attaining the age of superannuation, Shri B.K. Vats, Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of the 28th February, 1987.

SHANKAR CHAND
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

# MINISTRY OF TEXTILES

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th May 1987

No. A-32013/1/82-Estt.II.—The President is pleased to permit Shri H.D. Naik, Director (Processing) in the Weavers' Service Centre, Delhi, under the Office of the Development Commissioner for Hondlooms, Ministry of Textiles to retire from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1987 on attaining the age of superannuation.

No. A-32015(1)/86/Estt I.—The Development Commissioner for Handlooms is pleased to permit Kumari A.C. Lala, Assistant Director Grade, II (Non-Technical) in the Weavers' Service Centre, Bombay, under the Office of the Development Commissioner for Handlooms, Ministry of Textiles, to retire from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1987 on attaining the age of superannuation.

Joint Development Commissioner for Handlooms

# MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE ECONOMIC ADVICER

New Delhi, the 5th May 1987

No. A-32013(1)/87-Ec.Ad.—The President is pleased to appoint Shri Mridul Boroghain, an Indian Feonomic Service Probationer of the XVIITH Batch, as Research Officer in the Office of the Economic Adviser, Department of

Industrial Development with effect from the forenoon of 30th April, 1987.

N. NATARAJAN Assistant Fronomic Adviser.

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

# SMALL SCALF INDUSTRIES

New Delhi the, 18th May, 1987

No. 12(388)/63.Admn.(G)Vol I.—On attaining the age of superannuation Shri T.R. Rajagopalan, Deputy Director (Electrical), Small Industries Service Institute, Hyderabad retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1986.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBHAG GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-7000 16, the 18th May 1987

No. 3713C/A-19011(1-ABR)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri A. Bhopal Reddy to the post of Geologist (Jr.) in the Geologistal Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity with effect from the foremoon of 2-3-87 until further orders.

# The 20th May 1987

No. 3113B/A-19012 (3-KNM)/85-19B--Stri K.N. Mukhopadhyay. STA (Chem), Geological Survey of India is appointed by the Director General, GSI, to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules, in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30-3-87, until further orders.

No. 3776C/A-19011(I-UC)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri U. Chidambaranathan to the post of Geologist (Jr) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-FB-100-4000/-in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 4-3-87, until further orders,

A . KUSHARI Director (Personnel)

# Calcutta-16, the 18th May 1987

No. 3733C/A-19011(5-DH)/86-19B.—The President is pleased to appoint Sri D. Hore, Superintending Engineer (Civil), CPWD, as Suptdg, Engineer (Civil Construction) in the Geolopical Survey of India on deputation in the scale of 3700-125-4700-150-5000/-(Revised) w.c.f. 15 4-87 (FN) on usual terms of deputation for a period of two years, until further orders.

D. K. GUPTA Sr. Dv. Director General (P)

# Calcutta-700016, the 20th May 1987

No. 3763C/A-19011(1 SDL)/86-19A—The President is pleased to appoint Shri S D. Lalit. Mineralogist (Senior) G.S.I. on promotion as Director (Mineral Physics) on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3700-125-4700-150-5000/- in the same department in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6-2-1987, unt I further orders.

N. K. MUKHERJEE Sr. Dy. Director General (Oprn.)

# INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th May 1987

No. A-19012(228) 87-Estt.A.—Shri Nandlal, Assistant Mining Geologist has relinquished the charge of the post of Assistant Mining Geologist in Indian Bureau of Mines on the afternoon of 30-4-87 on his appointment as Geophysicist (Jr.) in Geological Survey of India, Calculta.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General

# MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METFOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 19th May 1987

No. A.38019, II/83-E.I.—Shri P. C. Dutta, Assistant Meteorologist, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, retired from the Government service w.e.f 31-3-1987 on attaining the age of superannuation.

ARJUN DEV
Meteorologist (Gaz. Estt.)
for Director General of Meteorology

# NATIONAL ATLAS & THEMATIC MAPPING ORGANISATION

# DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

Calcutta-19, the 19th May 1987

No 35-2(AO)/57-Fstt.—Shii R. N. Chatterjee, Office Superintendent is appointed to the post of Administrative Officer, General Central Service, Group B, Gazetted in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation (Scale of Pay Rs 2000-3500 revised) on ad hoc basis with effect from 1st May, 1987 (forenoon) and until further orders.

G. K. DUTT Director

# NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 12th March, 1987

No. F. 10/83 Estt —The Director of Archives, Government of India, hereby appoints the undermentioned (Group 'B' Gazetted) Officers in a substantive capacity in the post and the date shown against each of them:—

S. Name & present No. designation of the officer.	Name of the Date of Remark post to which substan- appointed on tive appoint- substantive ment. basis.				
1. Sh. Rajinder Prasad, Pmt. Asstt. Chemist Grade I and Offg. Scientific Officer	Scientific Office	1-3-82	Vice Sh. V.V. Talwar, retired.		
2. Dr. Gu meet Singh Scientific Office	Do.	1-9-83	Vice Sh. Y. P. Kathpalia, retired.		

A. K. SHARMA for Director of Archi

# DIRECTOR GENERAL DOORDARSHAN

New Delhi, the 20th May 1987

No. 3/12/87-5H,-Kum B. Sudha Hindi Officer at Door-darshan Kendra Trivandrum expired on 9-2-1987.

No. 3/12/87-SH—Director General, Doordarshan is pleased to appoint the following Officers as Hindi Officers in the pay scale of Rs. 650-1200 (pre-revised) on deputation basis for a period of two years and to post them at the offices indicated below w.e.f. the dates mentioned against their names:—

S. Name No.	Posted at	With effect from
(1) Sh. Ajit Kumar	Doordarshan Kendra, Bangalore	7-11-86 (AN)
(2) Sh. Sidh Nath] Gupta	Doordarshan Kendra Calcutta	20-3-87 (FN)
(3) Kum B. Sudha	Doordarshan Kendra Tirvandrum	27-10-86 (ΓN)

PREM SINGH TOKAS
Deputy Director Administration
for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

### FILM DIVISION

Bombay-26, the 18th May 1987

No. 5/5 58-Fst-I.—Shri S. A. Naik retired voluntarily from Service and relinquished charge of the post of Branch Manager in Films Division, Hyderabad in the forenoon of 20th April, 1987.

V. R. PESWANI
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th May 1987

No. A.12025/2/82(CRI)/Admn.I/EPI.—The President is pleased to appoint Shri Hera Lal Wangnoo, in a substantive capacity to the permanent post of Bio-Medical Engineer, Central Research Institute, Kasauli-173205 (H.P.) with effect from the 8th November, 1984.

JESSIE FRANCIS
Dy. Director Administration (PH)

# DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 14th May 1987

Ref. No. DPS/41 1/85-Adm. [21194.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Chowannur Vijayan, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an addition basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 from 20-04-1987 (FN) to 01-06-1987 (FN) in the same Directorate vice Shri K. P. S. Pillai, Assit, Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

# NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hydciabad-500762, the 15th May 1987

No. NFC: PAR: 0704: 1180.—Dy. Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints Shri N. R. Mohan Rao, Permanent Assistant Security Officer to officiate us Security Officer. on adhoc basis in Nuclear Fuel Complex on an initial pay of Rs. 2000/- p.m. in the scale of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200 from 15-5-87 to 14-6-87 or until further orders whichever is earlier.

N. V. RAMAN Manager, Personnel & Admn.

# Hyderabad-500 762, the 19th May 1987

No. NFC/PAR/0703/1220.—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints Shri D. Gopala Rao, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in an initial pay of Rs. 2000/- p.m. in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on adhoc basis with effect from 12-5-1987 to 13-6-1987 or until further orders, whichever is earlier.

No. NFC/PAR/0709/1221.—Deputy Chief Executive (A) Nuclear Fuel Complex, appoints Shri G. N. Khedkar, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on adhoc basis with effect from 12-5-1987 to 11-6-1987 or until further orders whichever is earlier.

GOPAL SINGH Manager Personnel & Admn.

# INDIRA GANDHI CENTRE FOR ATOMIC RESEARCH

Kalpakkam, the 18th May 1987

No. IGCAR/A.32023/1/87-R<sup>1</sup>223.—The Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research is pleased to appoint Shri Joseph Dorairaj, a permanent Upper Division Clerk and an officiating Selection Grade Clerk of Indira Gandhi Centre for Atomic Research as Assistant Administrative Officer on ad hoc brus in the same Centre with effect from 18-05-1987 (FN) to 19-6-1987 (AN).

P. VFNUGOPALAN Administrative Officer

# DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandsum-22, dated the 18th May, 1987

No. VSSC/EST/A/87/1155—The Director, VSSC hereby appoints the following officials as Scientist/Engineer 'SB' in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/-in the Vikram Sarabhai Space Contro (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the dates shown against each and until further orders:

SI. Name No.			Divn.	Date of appoint- ment
Shri/Smt/Kum.				
1. K. Anil kumar			IŞT	02-09-86
2. Najeeb Abdul Majeed			ELS	04 09 86
3. J. Girija	•	•	,,	26-11-86
4. S. Sreekumar			CGD	12-01-87
<ol><li>Diţip K, Varma</li></ol>		•	,,	20-01-87
6. S. Kumar		,	,,	03-03-87
7. A. Selvi			ELS	20-64-87
8. R. Jyothi				23-04-87

K. G. NAIR
Admn. Officer-II (EST)
for Director, VSSC.

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

# New Delhi, the 8th May 1987

No. A. 32013/1/86-EI—The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness in the Civil Aviation Deptt. for a further period of 6 months mentioned against each:—

S. Name No.				Extent of period of ad-hoc appointment		
			-	From	То	
S/Shri	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·					
1 R.C. Gupta				1-3-87	31-8-87	
2. J I. S. Bedi	-	-		1-3-87	31-8-87	

# The 18th May 1987

No. A.21021/2/87-Ł.I.—On attaining the age of superannuation Shri K. Himmat Singh, Controller of Airworthiness retired from the Government Service on 30-4-1987 (AN).

M. BHATTACHARJEE, Dy. Director of Administration

# CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 18th May 1987

No. 3-775 87-CH(Estt).—Shii Sanjeev Kumar Bhatnagar is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Central Region, Nagpur w.e.f. 23-3-87 (FN) till further orders.

No 3-777, 87-CH(Estt),—Shri Sudhanshu Shekhar is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, Eastern Region, Calcutta with his Headquarter at State Unit Office, Patna, w.c.f. 14-4-87 (FN) till further orders.

No. 3-790, 87-CH(Estt),—Shri Rana Chatterjee is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Central Region, Nagpur, w.e.f. 31-3-1987 (FN) till further orders.

No. 3-792/87-CH(Estt).—Shri D. Venkateshwaran, is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised

scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Central Region, Nagpur w.e.f. 9-4-1987 (FN) till further orders.

No. 3-793/87-CH(Estt).—Shri Debashis Biswas is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board North Eastern Region, Guwahati with his Headquarter at State Unit Office. Shillong w.e.f. 30-3-1987 (FN) till further orders.

No. 3-794, 87-CH(Estt).—Shri Sanjeev Mehrotra is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at North Central Region, Bhopal w.c.f. 9-4-1987 (FN) till further orders.

No. 3-796/87-CH(Estt).—Shri Dalel Singh is appointed as Junior Hydrologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at North Central Region, Bhopal w.e.f. 19-2-1987 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA, Chief Hydrogeologist & Member

# MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Dharwad Vyaparottejaka Company Ltd.

Bangalore-9 the 18th May 1987

No 868/560.87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expuation of three months from the date hereof the name of M/s. Dharwad Vyaparottejaka Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kerala Commercial Enterprises Private Ltd.

# Bangalore-9, the 18th May 1987

No. 3697/560/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kerala Commercial Enterprises Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck of the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Registrar of Companies, Karnataka, Bengalore

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OBFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 5th May 1987

G.I.R. No. G-95/Acq.—Whereas I, MRS. SAROJNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said ACl'), have reason to believe that the liminovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra Nos. 717 to 727 & 739 situated at Vill. Barora Hussain Bari, Salarbagh, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Lucknow on 2-2-1987,

Lucknow on 2-2-1987, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gulab Singh

(Transferor)

- (2) Ganga Yamuna Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary Shri Rajesh Kumar. (Transferee)
- (3) Shri Gulab Singh, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

1.and Khasra Nos. 717 to 727 and 739 total area 6 bigha 1 Biswa situated at Vill. Barora Hussain Bari, Salarbagh, Lucknow (as mentioned in Form 37G).

SMT. ŞAROJNI LAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-5-1987

#### FORM ITNS-(1) Shri Jagdish Prasad.

(Transferor) (2) Trans Gomti Sahkari Avas Samiti Ltd.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 5th May 1987

G.I.R. No. T-47/Acq.—Whereas, I, MRS. SAROJNI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Khasra Nos. 7, 8, 20 situated at Ram Nagar, Lucknow

Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 6-2-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Khasra No. 7, 8, 20 area 4 Bigha 8 Biswa 16 Biswansi situated at Ram Nagar, Pargana Tehsil and District Luck-now (as mentioned in Form 37G).

> SMT. SAROJNI LAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-5-1987

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th April 1987

G.I.R. No. S-416/Acq.-Whereas, I,

SMT. SAROJNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the fincome-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 5,00,000/- and bearing Rs. 5,00,000/-

Nos. 487[1, 487]2, 487[4, 488]1, 488[4, 488]2, 488/3, 494/1 and 494/3 situated at Vill. Bhigwara, Teh. Kichha, Parg, Rudrapur, Distt. Nainital.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 18-9-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considertion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. Shri Kashmir Singh
 2. Shri Shameer Singh.

- 3. Smt. Kartar Kaur. 4. Shri Veer Singh.
- Shri Harbhajan Singh. all acting through their Power of Attorney holder Mr. Harbhajan Singh S/o Shri Darshan Singh.

(Transferor) (2) Shriram Honda, Power Equipment Limited, having its Regd. office at 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, Through Mr. Siddharth Shiiram, Director of the Company.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing Khasra/Khatauni Numbers 487/1, 487/2, 487/4, 488/1, 488/4, 488/2, 488/3, 494/1 and 494/3 measuring 31.98 acres situated at Village Bhigwara, Tehvil Kichha, Pargana Rudrapur, District Nainital (U.P.) (as mentioned in 37G Form).

SMT. SAROJNI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
"SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)
31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 2/September/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propert, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. T.69, Anna Nagar, Madras-40, situated at

situated at

Anna Nagar-Doc. No. 2916 and 2917/86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Sushila L. Raheja and Miss. Reshma Raheja, 54 'B', Bandstand Co-op. Housing Society Ltd. 197 'C' Cane Road, Bandra, Bombay 400 050.

(Transferor)

(2) Sir R. Naturajan and Smt N. Suryakumari, 1-69, A. A. Nagar, Madras-600 040.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. T. 69, Arignar Anna Nagar, Mudras-600 040.

(Doc. No. 2916 and 2917/86).

A. R. REDDY Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 30-4-1987.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I "SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR) 31, G.N, CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

> > Madras-17, the 6th May 1987

Ref. No. 7/September/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing
No. 5, Damodara Mudali Street, Panchavadi,
situated at Chetput, Madras-31,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Periamet (Doc. No. 1048/86) on 19-9-1986,
for an apparent consideration which is less than the for
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri T. C. Monga and Other 2, Flat No. 16, P.A. Towers, Halls Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Miss I. Waheeda and Miss I. Raseena, Rep. by mother and guardian D. Zeenath, Flat No. 1, 3rd Floor, Tripti Building, 102A, Marshal Road, Egmore, Madias-600 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

I and and Building at Door No. 5, Damodara Mudali Street, Panchavadi, Chelput, Madras-31.

(Doc. No. 1048/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c), Madias-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-5-1987.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I "SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR) 31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 8 September/86.—Whereas, I. A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. No. 110-8, Millers Road, situated at Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North—Doc. No. 3186/86. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely — 31-106GI/87

in September 1986,
(1) Sri K. M. Muhamed Ali,
No. 20, V. V. Koil Street,
Periamet, Madras-3.

(Transferor)

(2) Sri A. N. Shameel Ahmed, Smt. A. N. Shaheena Banu, No. 7, Nabikhan Subedar Street, Periamet, Madras-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at R.S. No. 110/8, Millers Road, Kilpauk, Madras-10. (Doc. No. 3186/86),

> A. R. REDDY Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 30-4-1987.

Seal ;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Sri K. M. Muhamed Ibrahim, No. 20, V. V. Koil Street, Periamet, Madras-3.

(Transferor)

(2) Smt. A. N. Shakeela Banu, A. N. Shabana Banu, No. 7, Nabikhan Subedar Street, Periamet, Madras-3.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I "SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR) 31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 8A/September\_/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a f ir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 110/7, Millers Road, situated at Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule appared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras-10. (Doc. No. 3187/86). in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

 $Vacan_{t}$  land at R.S. No. 110/7, Millers Road, Kilpauk, Madras-10.

(Doc. No. 3187/86).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1987.

Scal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri A. Shafeeq Ahmed, 71, Rundalls Road, Vepery, Madras-7.

(Transferor)

(2) Smt. A. Hameeda Banu, No. 163, Broadway, Madras-600108.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I "SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR) 31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 9/September/86.--Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 33, Varadarajulu Naidu Street, situated at Vepery, Madras-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North—Doc. No. 3221/86 on 24-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 33, Varadarajulu Naidu Street, Vepery, Maras-7.

(Doc. No. 3221/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1987.

Scal:

### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I "SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR) 31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 12/September/86.—Whereas, I,

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 4, West Mada Church Street, Royapuram, situated at Madras-13,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram—Doc. No. 1658/86 on 26-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) C. Chumlal & Others, 4, West Mada Church Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferor)

(2) Diabetes Research Centre Foundation,4, Main Road, Royapuram,Madras-600 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at No. 4, West Mada Church Street, Royapuram, Madras-600 013.

(Doc. No. 1658/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said ect, to the following persons. namely:—

Date: 30-4-1987.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I "SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)
31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 14/September 86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 34. Victoria Crescent Road,

Egmore, Madras-8,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

tand more runy described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights—Doc. No. 81 87 in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-lax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Chaitanya Builders and Leasing (P) Ltd., 12, Khader Nawazkhan Road, Madras-600 006.

(Transferor)

(2) Dr. E. Somasekhar, VIBRENE, 12, Khader Nawazkhan Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Apartment No. 4C, 34, Victoria Crescent, Egmore, Madras.

(Doc. No. 81/87).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-5-1987.

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I "SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR) 31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 15/September 86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 107 and 113 in SIDCO

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 107 and 113 in SIDCO
situated at Industrial Estate, Ranipet, North Arcot Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Madras South—Doc. No. 3262/86 in September 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any measure or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-less Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Asian Wire & Allied Products Proprietor: Sri A. K. Peer Mohamed, 34, Post Office Street, Madras-600 001,
- (2) Sti C. S. Mohan,
  Partner in Asian Wire and Allied Products,
  18, Ramanathan Street,
  Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Builing at Plot No. 107 and 143 in SIDCO Industrial Estate, Ranipet, North Arcot Dist.

(Doc. No. 3262/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 30-4-1987.

# FORM I.T.N.S.-

- (1) Shri Sunderlal Lalji Kanojia & Ors.
- (Transferor)
- (2) Ralhan Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

> Bombay, the 8th May 1987

Ref. No. ARIV /37/EE/31681/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 37 Hissa No. 5-B, C.T.S. No. 726A of Kandivli, Taluka Borivli

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 2268 sq. yards 2073.35 sq. mtrs. or thereabout, bearing Survey No. 37, Hissa No. 5-B, C.T.S. No. 726-A of Kandivli Taluka Borivli in Registration District and sub-district of Bombay city and suburban.

The agreemen has been registered by the Competent Authorty, Bombay under No. ARIV/37EE/31681/86-87 on 1-9-1986,

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1987

Scal:

- (1) M/s. Y. Bindu Construction Co.
- (Transferor)
- (2) M/s. Vinayak Construction Co.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th May 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31653/86-87.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 10, S. No. 27 & 28, Dahanukarwadi, Kandivli (W). Bombay-400067

Bombay on 1-9-1986

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 1-9-86 situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the axoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land or ground admeasuring 1242 sq. yards equivalent to 1038.45 sq. metres or thereabout inclusive of the portion of 352 sq. yards equivalent to 294.30 sq. meters going in proposed 90' D. P. Road being sub divided plot No. 10 of the lands bearing Survey Nos. 27 & 28, C.T.S. No 1301'9 of Village Kandivli, Taluka Borivli District Bombay suburban, registration District and Sub-District of Bombay city and Bombay suburban District, situated at Dahanukar Colony, Kandivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No, ARIV/37EF/31653/86-87 on 1-9-1986.

1-9-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1986

(1) M/s. Bharwani Bros. & Co.

C. S. Bharwani,

(2) Master Sanjay R. Bharwani through father & natural guardian

R. S. Bharwani & Master Ashwiri C. Bharwani through father & natural guardian (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY** 

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/68/10401/86-87.—

Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, 4th floor, Shiv Lila, A. P. Road Grant Rd. (E), Bombay-400 007

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-32—106GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Shiv Lila, Alibhai Premji Road, Grant Road (E), Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/10803/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 6-5-1987

(1) Mohammed Iqbal Chhapra & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mustufa A. Razak & Anr.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY** 

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/69/10661/86-87.
Whereas, I, P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, Agripada Rajput Villa, CHS Ltd. Agripada Estate, Bombay-8

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any increase arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the trensferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor Agripada Rajput Villa Co-operative Housing Society Limited, Agripada Estate, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/10791/86-87 on 17-9-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-5-1987

- (1) M/s. Shah & Nahar Development's.
- (Transferor)
- (2) Shri Moolchand Makaji Vora.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/148/10801/86-87. — Whereas, I\_P. N. BANSAL,

whereas, I. P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 214, Shah & Nahar (Light) Ind. Estate, Dr. E. Moses Rd., Bombay-18 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appears).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EAPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to Le disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Unit No. 214 on 2nd floor of Shah-Nahar (Worli) Light Ind. Estate, Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-400 018.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/10805/86-87 on 18-9-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1987

### FORM ITNS----

(1) Popatlal M. Shal (Sole Prop. P. V. Bros.).

(Transferou)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

(2) Gulab M. Advani.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/70/10831/86-87.--

Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Units Nos. 19 & 20, Mahalakshmi Ind. Estate, Gandhi

Nagar Bombay-400 0/13

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the empitieration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Units bearing Nos. 19 & 20 situated at Mahalakshmi Industrial Estate, Gandhi Nagar, Off. Maises Road, Lower

Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IB/37EE/10790/86-87 on 17-9-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

Date: 6-5-1987,

## FORM I.T.N.S.--

## (1) Jeewanlal (1929) Limited.

(2) Deepak Enterprises
(Sole proprietory divn. of Sea Princess Hotels & Properties Pvt. Ltd.).

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/64/86-87.— Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

nituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION S.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land adm. about 7098 sq. mts. or thereabout being the portion of a larger piece of leasehold land adm. about 14029 sq. mts. or thereabouts and bearing new Survey No. 2497 and C. S. No. 152 of Parel Sewri Division and situate lying and being at West side of the Parel Tank Road in the regn. district of Bombay. bay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10714/86-87 on 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-5-1987

(1) Rajkamal Kalamandir Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) V & M. Associates.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/335/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Plot No. 3 adm, about 2695 sq. mt, forming part of C. S. 191 (Part) of Lower Parel Dn., Dr S. S Rao Road, Lower Parel, Bombuy-400 012

faction 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

## THE SCHEDULE

Plot No. 3 admeasuring about 2695 sq. mts. forming part of C.S. 191 (Part) of Lower Parel Division, Dr. S. S. Rao Road, Lower Parel, Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10742-A/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitron Range-1 Bombay

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); transferee for

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perpons, namely :-

Date: 6-5-1987

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### FORM ITN

(1) Mr. Bharat S. Mehta,

(Transferor)

(2) Mr. Jyoteendra S. Shah.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IB BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Rcf. No. AR-IB/37EE/67/86-87.— Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 5,00,000/- and benring No. Flat No. 52, at 5th floor Ratnakar CHSL 8th Lane Khet-

wadi, Bombay-400 004

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-9-1986

for an arparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exclanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, Ratnakar Co-op. Housing Society Limited, 8th Lane, Khetwadi, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IB/37EE/10742/86-87 on 11-9-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 6-5-1987 Scal 1

(1) Smt. Rekhaben Chandrakant Shah.

(Transferor)

(2) Kishore Prabhulal Talati & Others.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/66/12666/86-87.— Whereas, I. P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 1961/42 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,000,000/- and bearing No. Flat No. 6 & Garage No. 17, Alaknanda Co-op. Hsg. Soc., Dr. Deshmukh Lane, V. P. Road, Bombay-400 004 situated at Bombay (and more fully described)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-

sons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 & Garage No. 17, Alakananda Co-operativo Housing Society Limited, Dr. Deshmukh Lane, V. P. Road, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IB/37EE/10763/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Date: 6-5-1987

- (1) Postonji M. Cooper & Others.

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
- (2) Mrs. Sara Yusuf Bookwala & Others.
  - (Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/62/86-87.-

Ref. No. AR-1B/62/80-8/.—
Whereas, I, P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00 000 /- and bearing No.
Flat No. 25, Petit Mansion, Sleater Road, Bombay-7,
itented as Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Inctome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration the consideration that the consideration the consideration the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration tha ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Flat No. 25, Petit Mansion, Sleater Rond, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37FE/10755/86-87 on 18-9-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personal namely

33---106GI/87

Date: 6-5-1987

(1) Ocean Carriers Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Omega Holdings Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1B, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No AR-1B/72/86-87.--Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000; and bearing No. Office premises on 4th floor, Nav Rattan Bldg., P. D'Mello Rd; Carnac Bunder, Bombay-400 009,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office premises on the 4th floor, Nav Rattan Bldg., P. D. Mello Road, Carnac Bunder, Bombay-400 009.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR. I/37FE/10771, 86-87 on 19-9-1986.

THE SCHEDULE

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-5-1987

## (1) Mrs. Gretabell D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Haroon T. Memon & 3 others.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 6th May 1987

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-IB/71/86-87.--Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 26, 7th floor, & Car Parking Space No. 4, Central Court, 18, Motibai Street, Bombay-400 011.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 26, 7th floor & Car Parking Space No. 4, Central Court, Co-operative Housing Society Ltd., Motibai Street, Bombay-400 011.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR. I/37EE/10788/86-87 on 19-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :---

Date : 6-5-1987

(Person in occupation of the property)

## FORM ITNS

(1) Mr. Anil Madhavrao Parkar.

(3) Shivam Corporation.

(Transferoi)

(2) New Horizon Leasing & Finance Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/146/12869/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 305/8, Manish Comm. Centre, 216 A, Dr. A. B. Road, Worli

Bombay-25.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly-stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer estdion

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

## THE SCHEDULE

305/B, Manish Commercial Centre, 216 A. Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IB/37EE/10812/86-87 on 25-9-1986.

> P. N. BANŞAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-5-1987

- (1) Smt Sumitra C Shah
- (Transferor)
- (2) Bomi Darsha Kavina.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE IB, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref No AR IB/37EE/63/86-87 —Whereas, 1, P N BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00 000 and bearing Flat No 64, 6th fit, Vikas Finlay Towers, Plot No 190 of Patel Sewree Divn, Bombay-12

situated at Borrbay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25 9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 lat No 64, Sixth floor, Vikas Finlay Fowers, Plot No. 190 of Parel Sewice Division, Patel Tank Road, Parel, Bombay-400 012

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No AR, IB/37EE-10816/86-87 on 25-9-1986

> P. N BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB Bombay

6 5 1987 Date Seal.

## (1) Shri Mulchand Makaji Vora.

(Transferor)

(2) Salgaokar Mining Ind. Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IB, **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/147/12910/86-87.---Whereas, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Unit No 215, 2nd floor, Shah, & Nahai Ind. Estate. Dr. E. Moses Road, Woili, Bombay-18.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 215 on 2nd floor in 'Shah-Nahar (Worli) Light Industrial Estate', Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR. 1/37EE/10824/86-87 on 25-9-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB Bombay

Date: 6.5 1987

## FORM ITNS-----

(1) M/s Ahura Enterprises.

(Transferor)

(2) Shii Bihari P Asrani & Master And Asiani

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE 3RD FLOOR, R K MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. AR JJ/37EE/37888/1986-87—Whereas, I, K C SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing Flat No 502, 5th floor 'Clamar' at Plot No 50, CTS No. F/850 TPS, III, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failtating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned —

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

That No 502 on the 5th floor of the building 'Clamar', at Plot No 50, CTS No F 850, TPS III, Bandra, Bombay 50

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under Serial No AR II '37EE/37888/ Authority, Bombay 86-87 on 2-9-1986

> K C SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date 7 5-1987 Seal:

(1) M/s. Ahura Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Preeti B. Asrani & Master Sunil B. Asiani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II/37FE/37889/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 502 on the 5th floor of the bldg. Clamar at Plot No. 50 CTS No. F/850, TPS. III, Pandia, Bombay-400 050, elegible therese.

alongwith terrace

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 502 on the 5th floor of the Bldg. Clamar, at plot No. 50, C.T.S. No. F/850, TPS III. Bandra, Bombay-50 alongwith terrace.

Authority, Bombay under Serial No. AR II/37 \( \Gamma \) 37889/86-87 on 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-5-1987

## FORM TIME

Noshina Lakhani.

(Transferor)

(2) Mr. Bilal N. Khatau.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 7th May 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. II/37EE/37895 & 37968/1986-87.—Whereas,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 5,00,000 and bearing No.
Madhu Sarita Apts., Block A, Flat 15, Byramjee Jecjeebhoy Road. Bandstand, Bandra, Bombay-50.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Madhu Sarita Apts., Block A, Flat 15, Byramjee Jeejeebhoy Road, Bandstand, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37895 & 37968/86-87 on 1-9-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-5-1987

(1) Rev. Dr. Simon I. Pimenta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. P. Gupta (HUF).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FI OOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II/37EE/37937/1986-87.-Whereas, J,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-

photoperty having a ran market value and bearing mand bearing Plot No. 233, N. A. No. 233 bearing C.T.S. Nos. B/730, B/731, B/732, B/733, B/735, Junction of Mount Mary's Road & Pereira Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

fund more fully described in the Schedule annexed here of has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1986

Bombay on 2-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (d) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 233, N. A. No. 233, bearing CTS Nos. B/730, B/731, B/732, B/733, B/735 at Junction of Mount Mary's Road & Pereira Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Social No. AR. II/37EE/37937/86-87 on 2-9-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-5-1987

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Mrs. Mukta Chandrasekhar Rao.

(Transferor)

(2) Mr. Mahomedali Hussain Bardanwalla & Mrs. Zarina Mohamedali Bardanwalla and Mr. Minhazali Mahomedali Bardanwalla.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE
3RD FLOOR, R. K. MARG,
BOMBAY-400 038.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II/37EE/37945/1986-87.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 5,00,000/- and bearing
Flat No. 4. The Bandia Ocean View Co. op. Housing Society
Ltd., Bandra, Bombay-50.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, The Bandra Ocean View Co. operative Housing Society Ltd., 19. Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37945/86-87 on 5-9-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-5-1987

#### PORM PINS-

(1) Dr. Roger Rodriques.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Chandru L. Raheja & 2. Shri Suresh L. Raheja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II/37EE/37982/1986-87.--Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Plot No. 80, of TPS IV Bandra, CTS No. F/975, Bandra, Populary 50.

Bombay-50.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 80 of TPS IV, Bandra, CTS No. F/975 situated at Guru Nanak Rd., Bandra, Bombay-400 050 together with structures standing thereon.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37982/86-87 on 5-9-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-5-1987

(1) Mrs. Frances Mary Fernandes.

(Transferor)

(2) Mr. N. B. Shetty, Trustee of Shetty Family Trust.

(Transferee)

(Persons in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II/37EE/38094/1986-87.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/and bearing

Flat No. A-2, 1st floor, Bandra Liberty Co-operative Hsg. Society Ltd., 98-B, Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. A-2, 1st floor, Bandia Liberty Co-operative Hsg. Society Ltd., 98-B, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE/38094/86-87 on 9-9-1986.

к. с. знан Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 7-5-1987

### (1) M/s Woodland Construction Co

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lal J Punjabi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R K MARG, BOMBAY-400038

Bombay 400038, the 7th May 1987

Ref Nu AR II/37EE 38103/1986-87 —Whereas, I, K C SHAH,

being the Competant Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 5,00,000and bearing
Flat No 51, 5th floor, 'Ariane' Plot No 158, Perry Road,
Bandra, Bombay-400050
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section

has been transferred and agreement is registered inder section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than forces and exceeds the apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No 51, 5th floor, 'Ariane' Plot No 158, Perry Road, Bandra, Bombay-400050

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II/37EE 38103/86-87 on 9 9-1986

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K C SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date 7-5-1987

Soal:

(1) M/s. Devendra Construction Corporation. (Transferor)

(2) Mrs. Kintu K. Bajaj.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/37EE.38113/1986-87.—Whereas, I,

N. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 'Mi-Casa' 24th Road, Bandra, Bombay-52. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). K. C. SHAH,

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986
(M/s.) Devendra Construction Corporation.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the 1st floor in 'Mi-Casa', 24th Road, Bandra, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Scrial No. AR II/37EE/38113/86-87 on 9-9-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomoay

Date: 7-5-1987

(1) Mr. Denzil D'Souza,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. May Pereira.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BALLARD ESTATE BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/37EE.38119/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, 2nd floor, Sandele at Plot No. 199 of the Kanta-wady Scheme of the Salsette Catholic Co-operative Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Jasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, camely :-

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the second floor of the building known as 'Sandele' at Plot No. 199 of the Kantawady Scheme of the Salsette Catholic Co-operative Housing Society Ltd., Perry Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38119/86-87 on 9-9-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1987

(1) Smt. Radhabai Kishindas Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunil R. Parwani & Smt. Sheila R. Parwani,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RÀNGE-II, BALLARD ESTATE BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No AR III/37FE.38201/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15, K'sara Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 240 Pali Road, Bandra, Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and more fully described in the Schedule annexed height), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration of the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 15, K'sara Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 240 Pali Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II/37FE 38201/86-87 on 12-9-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 35—106GI/87

Date: 7-5-1987

### FORM ITNS-

(1) M/s. Natraj Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Azad Zabarchand Bhandari & Mrs. Tara Azad Bhandari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

AR.II 37FI- 38210/1986-87.—Whereas, I,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 - and bearing No. Flat No. 12, 1st floor, Kshitij at Hill Road, Bandra, Bombay-400050

situated at Bombay

Ref. No.

K. C. SHAH,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer;

of the transferor to pay tax under the said Act, in and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, Kshitij at Hill Road, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR.H/37EE/38210/86-87 on 12-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority
Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons. namely :---

Date: 7-5-1987

## FORM 1TNS-

(1) M/s. Pereira Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mis. Sabina Fernandes & Mr. Lawrence Fernandes.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II 37EE, 38218, 1986-87.—Whereas, 1, K. C. SHAII,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, on 6th floor in the proposed building Massabielle CTS No. 496, at Junction of Manuel Gonsalves Road and St. Anthony Road, Bandra (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45- days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHLDULE

Flat No. 2, on 6th floor in the proposed building 'Massabielle' CTS No. 496, at Junction of Manuel Gonsalves Road and St. Anthony Road, Bandra (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II '37EE /38248 / 86-87 on 12-9-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 2 7-5-1987 Scal:

## (1) M/s Devendra Construction Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Binte Fatma & Syed Mohd, Haider Abidi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400038

Bombay 400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR II/37i/E.38249/1986-87 --- Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and hearing No. Flat No. 4, 1st floor in Mi-CASA 24th Road, Bandra, Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occu truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exi-Lanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on first floor in Mi-CASA, 24th Road, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EE.38249 86-87 on 12-9-1986.

> K, C. SHAH Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bom'ouy

Date: 7-5-1987

(1) M1. Gurmit Singh Chaddha & Mrs. Surjit Chaddha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Pressman Leasing Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. CONTRACTOR BUILDING, BAI LARD ESTATE 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/37EE.38295/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 - and hearing No.

Flat No. 4. 1st Jour of Chang Nives at 52 Almert

Flat No 4, 1st door of Chopia Niwas at 52, Almeida Park, Bandra, Bombay

situated at Bombay

persons, namely :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property of the property and the property of the property of the property of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

blat No. 4 on the 1st floor of Chopra Niwas situated at 52, Almeida Park, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38295/86-87 on 12-9 1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-II, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 7-5-1987

FORM 1.T.N.S .-

(1) Mrs. Pauline P. D'Mello.

(Transferor)

(2) Mr. Ashley D'Mello & Mr. Denzil D'Mello.

(Transferce)

(3) Transferor. (Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> CQUISITION RANGE-11 CONTRACTOR BUILDING, BALLARD FSTATE 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II, 37EE, 38331, 1986-87.—Whereas, I. K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing No. Flat No. 10, Kostka House, 2nd floor, St. Peter's Co-operative Housing Society Ltd., Manual Gonsalves Road, Bandra, Bom-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under section, 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of this said property

may be made in writing to the undersigned :-

(v) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, Kostka House, 2nd floor, St. Peter's Co-operative Housing Society Ltd., Manual Gonsalves Road, Bandra, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38331/86-87 on 16-9-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1987

#### (1) Miss Nahid Kamran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anandrao D. Das. Shri Sudhir A. Das Shri Pradip A. Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/37EE.38401/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000, - and bearing No. Flat No. 601. Blue Diamond (Bandra Blue Diamond Premises C.H.S. 16th Perry Crow Road Bandra Rombay 50

C.H.S. Ltd), Perry Cross Road, Bandra, Bombay-50. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 601, on 6th floor, Blue Diamond (Bandra Blue Diamond Premises CHS Ltd.) Prety Cross Road, Bandra Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38401/ 86-87 on 19-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ex Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1987

## FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. Natrai Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Varun Estates Private Ltd.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400038

Bombay-400048, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/37EE.38402/1986-87,---Whereas, I. k. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, 1st floor, Kshitij Building, at Hill Road, Bandra, Bombay-400050,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than either the consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immowable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Kshitij Building, at Hill Road, Bandra, Bombay-400050,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EE,38402/ 86-87 on 19-9-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-5-1987

(1) M/s. Thakur Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Lachmi Papu Butani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/3717E/38442, 1986-87.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and beating No. Flat No. 501, Plot 48, T.P.S. III, 16th Road, Opp. Guru Nanak Park, Bandra (W), Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have the parties have not been transfer as agreed to have the parties have not been transfer as agreed to have the parties have not been transfer as agreed to have the parties have not been transfer as agreed to have the parties have not been transfer as agreed to have the parties have not been transfer as agreed to have not been t between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 501, Plot 48, T.P.S. III, 16th Road, Opp. Guru Nanak Park, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/38442/86-87 on 19-9-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—106GI/87

Date: 7-5-1987

Seal ;

## (1) Thakur Constructions

(Transferor)

(2) Mrs Kalan Udhai, m Butani

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE. 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. 11/37EE. 38443/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immov-

as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing flat No. 601, Plot 48, T.P.S. III, 16th Road, Opp. Guru Nanak Park, Bandia, Bombay-400 050, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gizet e of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 601, Plot 48, T.P.S. III, 16th Road, Opp. Guru Nanak Park, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EF. 38443/86-87 on 19-9-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initia's proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated . 7-5-1987 Seal:

## (1) Mr. Haji Gulamali Ebrahim

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Shri Suresh Wadkar

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. JI/37EE. 38448/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/ and bearing No. Flat No. 13 in 2nd floor of the building, Mery Niketan, Mount Mery Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule approved boreto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the asoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

## THE SCHEDULE

Flat No. 13 in 2nd floor of the Building, Mery Niketan, Mount Mery Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE, 38448/ 86-87 on 19-9-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 7-5-1987

### FORM TINE-

(1) Mrs. Surjit Arora

(Transferor)

(2) M/s. Hoechst India Limited

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. II/37EE.38525/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No. Flat No. 145/155, 'Nibbana', Pali Hill, Bandra, Bombay-

400 050, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 145, 155, 'Nibbana, Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. 11/37EE. 38525/86-87 on 23-9-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I bereby mituate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :-

Dated: 7-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD 1-LOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. 11/37EE. 38540/1986-87.—Whereas, 1, k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on 4th floor in the proposed building Massabielle, CIS No. 496 at Jn. of Manuel Gonsalves Road & St. Anthony Road Bandia (W) Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Bombay on 23-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair

- or 1908) in the omice of the registering omicer Bombay on 23-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Pereira Construction Co.

(Transferor)

(2) M1. Melwyn Sequeira & Mrs. Hilda Sequeira

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 4th floor in the proposed building 'Massabielle' CTS No. 496, at Jn. of Manuel Gonsalves Road & St. Anthony Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE.38540/86-87 on 23-9-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 7-5-1987

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Pereira Construction Co.

(Transferor)

(2) Sarina Lopez & Pauline Lopez

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. II./37EE. 38541/1986-87.--Whereas, f, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-

and bearing
Flat No. 2 on the 1st floor in the proposed building 'Massabielle' CTS No. 496 at In. of Manual Gonsalves Road & St.
Anthony Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this name in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the 1st floor in the proposed building 'Massabielle' C.T.S. No. 496 at Jn of Manuel Gonsalves Road & St. Anthony Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE.38541/86-87 on 23-9-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, there, are, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 7-5-1987

### FORM ITNS----

### (1) Mrs. Gemma Menezes & Lt. Gen. S. L. Menezes (Retd.)

(Transferor)

(2) Mrs. Eunica Saldanha

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11,

CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOK, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR Ji 37i I 38597/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and bearing Liat No. 50-B (Lormerly 30) Rebello House, 132, Hill Rd., Landra Bombay-400 050 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombey on 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 50B (Formerly 30) Rebello House, 132, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE.38597/86-87 on 26-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-5-1987

FORM ITNS---

(1) Landmark Builders

(Transferor)

(2) Tievor B. D'Souza & Audrey I. D'Souza

(Transferce)

## · (OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. II/37EE. 38641/1986-87.—Whereas , I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, 4th floor, Rich Queen Palace, St. Paul Road, flandra, Bombay-400 058 situated at Pombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office Bombay on 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b facilitating the concealment of any income at any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the rervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publi-section of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, Rich Queen Palace, St. Paul Road, Bandra, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE. 38641/86-87 on 26-9-1986.

K, C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Pondo

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section was said Act to the following persons, namely:-

Dated: 7-5-1987

#### (1) M/s. Pce Jay Traders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Prem D. Lakhiani & Master Prakash D. Lakhiani,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. A.R. 11B/37EE/38481/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 5,00,000/- and bearing Fint No. 601, Mangal Prayesh, Khar, Bombay-51, situated at Republics Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of A5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, 'Mangal Pravesh', plot No. 491, 17th rd, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II B/37EE/38481/86-87 on 22-9-1986.

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 37—106GI/87

Dated: 7-5-1987

(1) M/s. Pee Jay Traders

(Transferor)

(2) Mrs. Lajwanti D. Lakhiani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO 560. 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. A.R. II B / 37EE / 38483 / 86-87.—Whereas, I, M S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 701, Mangal Pravesh, 17th Road. Khar, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed ) has been transferred and the same is registered under Section 26)AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 22-9-1986

from an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of: with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, 'Mangal Prayesh' plot No. 491, 17th. Road, Khar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, 11 B/37EE/38483/86-87 on 22-9-86.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomba

Now, therefore, in upursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated 7-5-1987

(1) M/s. Sarkar Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, RCOM NO 560, 51H FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay, the 7th May 1987

Ref No AR II B/37EE/38426/85-86 — Whereas, I, M S RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000 - and bearing No
Flat No. 402, Sarkar Avenue, Fast Avenue Road, Santaciuz
(W), Bombay-54 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Bombay on 19-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Yogesh Jamnadas Zaveri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Sarkar avenue, East Avenue Road Santacruz (W) Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II B  $371\,E/38426/86-87$  on 19-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ensets which have not seen or which ought to be disclosed by the trunsferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> M S RAI Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :-

Dated · 7-5-1987

----

### FORMS ITNS

(1) M/s. Sarkar Builders

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Jamnadas Zaveri

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No AR II B/37EE/38427/86-87.--Whereas, I, M. S. RAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 - and bearing No. I lat No. 401, Sarkar Avenue, Santaciuz (W), Bombay-34

vituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 401, Sarkar Avenue, East Avenue Road, Santacruz, (W), Bombay-400 054

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR, II B/37EE/38427/86-87 on 19-9-1986.

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated · 7-5-1987

(1) M/s. Vikas Associates

(Transferor)

(2) National Leasing Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### UNIVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI, 560, 51H FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. ARJI B/37EE/38256/85-86,--Whereas, I,

M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Office No. 4, on 1st floor, Vikas Centre, Santacruz (W), S.V.

Road, Bombay-4°0054 situated at Bombay tand more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 12-9-86

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in the market of transfer with the chief of the said in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1°2? (11 of 1922) or the said Act, or the W-alth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 4, on 1st floor, Vikas Centre, Santacruz (W), N. Road, Hombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II B/37EE/38256/85-86 on 12-9-86.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 7-5-1987

#### FORM ITNS-

1. Mrs. Hansa J. Nanavati.

(Transferor)

2. Smt. Poonam Hiranand Purswani,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II,

M NO 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAH∧RSHI KARVL ROAD, BOMBAY-400 020 ROOM NO 560, 5TH FLOOR,

Bombay-400 020, the /th May 1987

Ref. No A.F. 11B/37EE/38476/86-87.—Whereas, J.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No 25, 5th Floor, Nugget Co op. Hsg. Scty. Itd.,

Khar, Bomb 1y-52,

situated at Bombay has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration infereor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a remod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 25, 5th Iloor, Nugget Co op. Hsg. Soty Ltd. 62, Chitrakar Dhu, indar Marg. 18th. Road. Corner, Khar, Bombay-400052.

> M.S. RAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-5-87

1. Mrs. Seema Seettaya B. Rao.

And the Control of th

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO 560, 5th floor, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Dated, 7th May 1987

Ref. No. A.R. III/37EE/38042|86-87.—Whereas, I, MS, RAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing
Flat No 501, Pooja Apartments 17th Road, Khar,
Rombays 52

Bombay-52.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of 'he said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 8-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

2. Mr. Subhash K. Manghnani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 501, Pooja Apartments, 17th Road, Khar, Bombay-400052.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/38042/86-87 on 8-9-1986.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dated: 7-5-1987

1. Smt. Savita V. Sukhankar.

(Transferor)

Shri. P.B. Jhaveri & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO. 560, 5th floor, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. A.R.II B/37EF/37890/86-87.—Whereas, I, M.S. RAI

being the Competer: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 13, Santacruz View, Santacruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd, floor Santacruz westview? S.V. RD. Santacruz (w) Bombay-54.

M.S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition R. ngc-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-5-1987

Scal

(2) Madhav

Subhash Trilokekar

#### FORM ITNS---

1 Smt Kusum Govindlal Modi & Govindlal Mohanial Moti

Baban Sadashiv Gokhale & Smt Premala

(Transferor)

(liansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF FHF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
ROOM NO 560 5th floot, AAYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400020

Bomb ty the 7th May 1987

Ref No ARII B/37H 38338/85-86.—Whereas, I, MS RAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 5 00 000/- and bearing No Bombay 52

situated at Bombay

Desai Road Bombay 400 006 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17 9-1986

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in he said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—38—106GI/87

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (1) by any of the alorsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any office person interested in the 5 nd immovible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as no defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No 14 Plot No 69 Pritim Co op Sciy 11th, Rd, Khar(w) Bombay 400052

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR II B 37£1 /38338 86 87 on 17 9 1986

MS RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Ringe II
Bombay

Dated 7-5-1987 Seal

1. Shri Pritamsing K. Bhella

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Ramesh H. Rammani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO. 560, 5th floor, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. A.R.II B/37EE/36303/86-87.—Whereas, J. M.S. RAI.

M.S. RAL being the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 9, Nugget Co.op Hig Sety, Khar, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the 500 of 1985).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Computent Authority at Bombay on 12-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair eing the Commetent Authority under Section 269B of than lifteen per cent of such apparent consideration and said exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as agreed to between believe that the fair market value of the property as aforethe parties has not been truly stated in the said instrument the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namela :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Nugget Co.op Hsg. Sety. Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II B/37EE/38303, 86-87 on 12-9-1986.

M.S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bombay Acquisition Range-11

Dated: 7-5-1987

I Miss Jasumati Himatlal Shith

(Transferor)

2 Shii Daiayush Keki Jalnawald

-- -<del>-----</del> - ---

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO 560, 5th floor, AAYAKAR BHAVAN, MAH \PSHI KARVE ROAD BOMBAY 400020

Bombay, the 7th May 1987

Ref No ARII B /37HH /38207 86 87 -- Whireas, I. MS RAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding Rs 5 00,000/- and bearing Flat No. A 5, Poonam Building, 67, Linking Road, Khar

(W), Bombay 400054,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the sud Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12 9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Joeme-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said left or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No A/5, Poonam Bldg, 67, Linking Road, Khar, Bombay-54

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/B/37EE/38207 86 87 on 12 9 1986

MS RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the dores and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Dated 7-5-1987

\_\_\_\_

#### FORM I.T.N.S.----

(1) Shii Joginder Singh Sabharwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pee Jay Associates.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN MAHARSHI KARVI- ROAD, BOMBAY-100 020

Bornbay-400 020 the 6th May 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE 37938/86-87 -Whereas, I, M. S. RAI,

M. S. RAI, peing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 614, 615. Khar, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/9/86 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) fee liteting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot No. 614, 615, TPS III, Cornor of Khar Plot DB & 14th Rd., Khar, Bombay-52.

Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37938/86-87 on 2/9/86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-5-1987

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE V AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi the 14th May 1987

Ref No 1 A C (Acq)/Range V SR III/9 86/23 — Whereas I, ASHOK K MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovas the salut Act) having a fair market value exceeding Rs 5,00 000 - and bearing No Block D Connaight Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth to Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M 5 Parkash Brothers at B-15/47, Connaught Place, New Delhi Through -
  - Shii Nand K hore Kapui S/o late Shri Shiv Sahii Kapui, Shii Om Parkash Kipui S/o

  - Shij Om Parkash Kipui 8/0 I Shij Shiv Sahai Kapur, Shij Shiresh Kapui 8/0 Shij L Sardari Lal Kapur Shij Atul Kapur 8/0 late Shij Sardaji Lal Kapur Smt Rekhi Kapui Wd/0 I ate Shij Ram Prakash Kapui,
  - Shir kewal Kapin, Shii Ramesh Kapin,
  - Shir Riman Kabin, and
  - Shii Salil Kapur S/o Lite Shrii Kapurs', all R/o B-45/47, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Atmn Ram Builders (P) 1td through Shii Atma Ram Chedha Ro 12 Friends Colony (Eist), New Delhi

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service—of notice on the respective—persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of the block D' of Connaught Place hiving double storeyed construction occupied by  $M_1$ 's Pitbhit Hotel, B&C Emba say Kestaurant etc

> ASHOK K MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asat Alı Road, New Delhi

Date 14 5 1987 Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Suraksha Khandari, R/o 12, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Orient Bonds & Stock Ltd., Hansılaya, 7th floor, 15, Barakhamba Road,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANVE-III AGGARWAL HOUSE, 4, 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC /Acq-III 37FF 9-86/97.- Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 7F satuated at 15, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registerian Officer at 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-III, New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7E on 7th floor in Commercial Building Hansalaya at 15, Barakhamba Road, New Dethi-1,

> SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) M. s. Mehra Air Products (P) Ltd., 40, Arakashan Road, Ram Nagar, New Delln.

New Delhi.

s Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchanjunga, 18. Barakhamba Road.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANVE-III AGGAKWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NLW DELH!

New Delhi, the 12th May 1987

Rel No. IAC Acq III/37EE 9-86/100.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

gole property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Flat No. 5 situated at 5. Barakhamba Road, New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred registered under the Income-tay Act, 1961 (43 of 1951) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq) Range. III,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fuit market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeite.

Explanation: - The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said  $\Lambda_{C}^{+}$  shall have the same meaning us given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer.

One resi, flat area 1600 sq. ft. No. 5 on 5th floor in North Tower and one open car parking space in proposed multi-storcycd Group Housing Scheme NILGIRI APARTMENTS a. 9, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANVF-III AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELIII

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC, Acq III/37EE 9-86/102 -- Whereas 1, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. 30, Joi Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Income-tax Act, 1961 and 1961 on the Office of the Registering Officer at 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq) Ringe III,

New Delfu in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partition for the problem to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fall. section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii I alit Mohan, R/o 6-C, Kidan Noth Building, Anushakti Marg, Deonar, Bombay, (2) Satish Chandra, R/O 7/31, Darya Ganj, New Delhi. (3) Shri R. Saran R o B1/22, Safdarjung Findave, New Delhi, New Delhi.
(4) Shri B, B, Kumai, R/o
305-E, Simla House, Napean Road, Bombay.
(5) (i) Smt. Madhuri Kishore, R/o
48-B, Gole Talab, Nilokheri.
(5) (ii) Smt. Rekha Mathur, R o
4521, North Classen Court,
Stillwater Oklahome, 74075, U.S.A &
(5) (iii) Smt. Rekha Mathur, R/o
Kakajan Tea Estate, Nakachari;
P.O. Jorbat (ASSAM) PO. Jorhat (ASSAM).

(Transferor)

(2) Mrs. Satya Malhotra, R/o 30-Jorbagh, New Delhi,

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ollicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

30-Jorbagh, New Delhi measuring 313.53 sq mts.

SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12 May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/103.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 1 situated at 19, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax. Act

has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq ) Range.III, New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely :-39-106 GI/87

(1) Mr. Gian Prakash Ahluwalia S/o Mr. Bir Singh Ahluwalia. C/o M/s. Modern Tiles & Marble, 16, Sunlight Building, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Mehra, Mrs. Nishi Mehia & Mrs. Surbhi Mehra, R/o E-238. Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 10th floor in 19, Barakhamba Road, New Delhi. Area 800 sq. ft.

> SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Dated: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/116.--Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Flat No. 706 at situated at 22 Barakhamba Road, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi in Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair ma.ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; कार्य / का
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) S. Surjit Singh (HUF) F-11, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Vipin Kapoor S/o Sh. J. N. Kapoor, B1-120, West Shallmar Bagh, Delhi-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) is the cases person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 706 at 22, Barakhambo Road, New Delhi. Area 750 sq. ft.

> SUBHASH KUMAR Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. ing persons, namely :--

Date: 12-5-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/120.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 49, Sunder Nagar situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on Scp. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sh. Gajendra Kumar, Sntyendra Kumar & Sh. Brijendra Kumar, H. No. 3335, Ward IX, Kucha Bajrang Bali,
Bazar Sita Ram, Delhi (4) Smt. Chandta
Prabha Atal. 2, Western Avenue, Maharani
Bagh, New Delhi (5) Smt. Pushpavati Wattal
Dholpur House, Mahatma Gandhi Road, Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Narayan Khanna JUKASO INN, (Through their Partner) 50, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Ant. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

49, Sunder Nagar, New Delhi. (866.66 sq. vds.).

SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date: 12-5-1987

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/121-A,--Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1101-B situated at 21 Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the feir

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ansal Properties & Industries 115-Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumari Shweta Ansal U/g. Sh. Gopal Ansal, 57, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1101-B in 21, Barakhamba Road, New Delhi. Area 500 sq. ft.

> SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ansal Properties & Industries 115-Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg. New Delhi.

(2) M/s. Deepak Ansal (HUF) 57, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/121-C.—Whereas, I.

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/121-C.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 812-B, situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi

transfer with the object of :-

Flat No. 812-B, situated at 21, Baraknamoa Road, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the has been transferred and registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delbi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 812-B in 21, Barakhamba Road, New Delhi. Area 450 sq. ft.

> SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-5-1987

(1) Dr. Arun Kumar, Mrs. Asha Srivastva & Master Adarsh Kumar r/o 5, Shankracharya Marg, Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Bhagwan Gambhir S/o S. Gurcharan Singh, r/o 6, Deerlane Avenue, Ottawa Ontario, CANADA-K2E6W8.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/9886/111.—Whereas, I, Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/9886/111.—Whereas, 1, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 9s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 25 per cent share flat No. 504, stuated at 21. Barakhamba Road.

situated at 21. Barakhamba Road,

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

25 per cent share of flat No. 504 mg. 595 sq. ft. on 5th floor in 21, Barakhamba Road, New Delhi.

> SUBHASH KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/112.—Whereus, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 25 per cent share of Flat No. 504 situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under thhe Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly-stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Arup Kumar, Mrs. Acha Srivastava Master Adarsh Kumar r/o 5, Shankracharya Marg, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Chander Gambbir w/o Mr. Bhagwan Gambbir r/o 6, Deerlane Avenue Ottawa Onlatis, CANADA-K2E6W8, (Transferee)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

25 per cent share of flat No. 504 mg. 595 sq. ft, on 5th floor in 21, Barakhamba Road, New Delhi.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III New Delhi.

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/118.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

25 per cent share situated at flat No. 504, in 21, B.K. Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under thhe Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sons/deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lacilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which quant to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dr. Arun Kumar, Mrs. Asha Srivastava Master Adarsh Kumar, r/o 5, Shankracharya Marg, Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Meera Gambhir W/o Mr. Bhagwan Gambhir r/o 6, Deerlane Avenue, Ottawa Onlatia, CANADA-K2E6W8.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

25 per cent share of flat No. 504 mg. 595 sq. ft. on 5th floor in 21, Barakhamba Road, New Delhi.

> SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi,

Date: 12-5-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) Dr. Atun Kumar, Mrs. Asha Srivastava, Master Adarsh Kumar 1/0 5, Shankracharya Marg, Delhi. (Transferor)

(2) Miss Reena Gambhir H/C Bhagwan Gambhir r/o, 6, Deerlane Avenue, Ottawa Ontario, CANADA-K2E6W8. (Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NFW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/10-86/125.--Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 25 per cent share situated at flat No. 594, in 21 B.K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair bearket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as afore asia exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of anster with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

25 per cent of flat No 504 mg 595 sq. ft, on 5th floor in 21, Barakhamba Road, New Delhi,

> SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—106GI/87

Dated: 12-5-1987

Scal .

### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 1.A.C.(Acq)/Range-111/37EE/9-86/164.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No. 201, 19/41, Punjabi Bagh, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered and has been registered with the
Competent Authority u's 269 AB of the I. T. Act, 1961
read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962
in September 1986 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Goenka Builders Pvt. Ltd., through S. K. Saraogi (Director) N-86, Connaught Place, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/9. Mayur Commercial Ltd., N-85, Connaught Place, New Delhi-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 19/41, Punjabi Bagh, New Delhi-26. Plinth Area 1288.59 sq. ft. Chargeable 1211.15 sq. ft.

SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 12-5-1987

#### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-III/37EE/9-86/165.— Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 202, 19/41 Punjabi Bagh, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infection per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- ch) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and Inc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-raz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:— (1) M/s. Goenka Builders Pvt. Ltd., through S. K. Saraogi (Director) N-86, Connaught Place, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. CRC Associates Pvt. Ltd., (Previously known as M/s. CSR Poultry Research & Breeding Farms (P) .Ltd.) 2/72, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULB

Flat No. 202, 19/41, Punjabi Bagh, New Delhi. Plinth Area 1213.96 sq. ft. Chargeable 1173.83 sq. ft.

> SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/117—Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 707 situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred and providers beginning to the schedule annexed hereto).

Flat No. 707 situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Miss Priya Mehra, S-44, Panchsheela Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Meenu Gupta, D/o. Mr. R. P. Gupta, 11/10, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 707 at 21, Barakhamba Road, New Delhi, Area 595 sq. ft.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No 1AC/Acq.III/37EE/9-86/155.— Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. XVI/2166-67 situated at Naiwala, Karol Bagh. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Income-tax Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986. at IAC Acq. Range-III, New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Asha Rani, XVI/2166-67, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Avtar Singh, D-11, N.D.S.E.-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

XVI/2166-67 Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House. 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-5-1987 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

U. S. Teckehandani A-1/71, Azad Apartment, New Delhi.

(Transferor)

(2) Attar Sain Jain, Vinod Sagar Jain, Arun Sagar Jain, Raj Dulari Jain, 1. Dharam Marg, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/660.—Whereas I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-1/16, Vasant Vihar, New Delhi-110057

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer mad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

C-1/16, Vasant Vihar, New Delhi-110057 Area 342.8 Sq. Meters.

> \$. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I,
> Aggarwal House,
> 4/14-A, Asaf Ali Road,
> New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 15-5-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC /Acq-I/SR-III/9-86/661.— Whereas I,

Whereas I,
S. C. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Property No. A -8/28, Vasant Vihar, situated at New Delhi
measuring 267 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Pagistration

has been transferred and registered under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer Officer at New Delhi on September 1986.

New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely 1--

(1) Iqbal Singh Sodhi S/o Late Hari Singh Sodhi, r/o 2075, Sector 21 C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Satinder Singh Sarna s/o Shri Dewa Singh Sarna, r/o B-7 Ext/18, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of publication of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. A-8/28, Vasant Vihar, New Delhi, measuring 267 sq yds.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asuf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III '9-86/663.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Plot bearing No. 33, Street No. 3, Shanti Niketan, situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Registering Officer at

New Delhi in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Krishena Suri W/o Late Shri Ram Nath Suii. J-186/A, Rajouri Garden, Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Washesher Chadha W/o Shri Washesher Nath Chadha. C-5/7, Vasant Vihar, New Delhi-110057.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House and residential plot bearing No. 33, Street No. 3, Shanti Niketan, New Delhi-110021 Area 601 sq. yds. Ground Floor 1729.44 Sq. ft. 201.56 Sq. ft.

First Floor-1931.00 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,
> Aggarwal House,
> 4/14-A, Asaf Ali Road,
> New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in iate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 1/11-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/664.--Whereas I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. E-4/5 Vasant Vihar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

New Delhi on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. L. C. Bhasin, B-4A/17 Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. N. R. Dongre, and Mis. Uimila L. Dongre, B-7/5, Vasant Vihar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

E-4/5 Vasant Vihar, New Delhi (410 Sq. yds.) About 600 Sq. ft. on the Ground Floor.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—41—106 GI/87 Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 15-5-1987

Seal ;

### FORM LTNS....

(1) Dr. Mahender Prasad Jain, S-287. Panch Shila Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mala Ram Mehra, D-80, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THR PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-86/665.—

Whereas I, S. C. GUPTA,

S. C. GUPTA, being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block S-283 in the layout Plan of Panchshila Cooperative House Building Society Ltd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Registering Officer at New Delhi on September 1986

New Deant on September 1700 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Lease hold plot of land measuring 847.80 Sq. Yds. equal to 706 Sq. meters situated at No. 283 Block 'S' in the Layout Plan of Panch Shila Cooperative House Building Society Ltd. together with incomplete building alongwith fitting etc.

> S. C. GUPTA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Kamla Suri W/o Late Shri P. N. Suri, N-115, Greater Kailash Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Pal Jain, S/o Shri J. K. Jain, A-96, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/9-86/666.--

Whereas I, S. C. GUPTA,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. A-11/16, Vasant Vihar, situated at New Delhi admeasuring 600 Sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986

New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property No. A-11/16, Vasant Vihar, New Delhi admeasuring 600 sq. yds.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub- (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-5-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-Λ, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-Ш/9-86/670.—-Whereas I,

S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said fact, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Garrage Block of property No. S-5, situated at measuring 500 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Suresh Chand Jain S/o L. Sham Chand Jain, r/o 2 Ka 6, Dadabari Kota.

(Transferor)

(2) M/s Ocean Construction Industries Ltd. H-588, Greater Kailash-II, New Delhi through its Director Shri Jugal Kishore

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Garrage Block of property No. S-5, measuring 500 sq. yds. Greater Kailash-1, New Delhi. Covered area 100 sq. yds.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/11-4, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC / Acq-L/SR-III 9-86/671.--Whereas I, S. C. GUPTA.

5. C GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. S-5. measuring 500 sq. yds. situated at Greater Kallash-I New Delhi (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as afore-ond exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sarla Jain W/o Shri Suresh Chand Jain, R/o 2 Ka-6. Dadabati, Kota.

(Transferor)

(2) M s Ocean Construction Industries Ltd. E-588 ,Greater Kailash-I, New Delhi, through its Director Shri Jugal Kishore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of Property No. S-5, measuring 500 Sq. Yds. at Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA Compatent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggniwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/\$R-III/9-86/672.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property No. S-5, measuring 500 Sq. yds. situated at Greater Kailash-1, New Delhi

at New Delhi in September, 1986 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in September. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Raakesh Jain. S/o Shri Suresh Chand Jain, R/o 2 Ka-6, Dadabari, Kota.

(2) M/s Ocean Construction Industries Ltd. E-588, Greater Kailash-Il,

New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of Property No. S-5, measuring 500 Sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely :-

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITON RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/673.--Whereas, I. S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement at B-223, Greater Kailash, situated at New Delhi-

110048.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s Sterling Apartments Private Ltd., 1205, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Mr. Ranjit Singh, s/o Late Shri Partap Singh, R/o 10B Sri Krishna Puri, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Basement at B-223, Greater Kallash-I, New Delhi-110048. Area 1620 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/674.--Whereas, I, S. C. GUPTA,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, '1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rsc. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 'A' on the Ground Floor at B-223, Greater Kailash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-seid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessed preperty by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy: (1) M/s Sterling Apartments Private Ltd., 1205, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Ameeta Mehta, W/o Shri Sunil Mehta, 10 B/Sri Krishna Puri, Patna (Patna).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 'A' on the Ground Floor at B-223, Greater Kailash-I. New Delhi, consisting of three bedrooms, three bathrooms, one drawing-dining and one Kitchen. Area 1620 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHT

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/675,-Whereas, I, S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B on the Mezzanine Floor at B-223, Greater Kailash-I, which are Norm Delbi 110,018.

situated at New Delhi-110 048

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partits has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) M/s Sterling Apartments Private Ltd.. 1205, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Dr. Mis. Devantala Singh, w/o Shri Ranjit Singh, R/o 10B/Sri Krishna Puri, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

templanation:—The terms and expressions used begin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. B on the Mezzanine Floor at B-223, Greater Kailash-I. New Delhi-110 048 consisting of one Room, One Bath Room and one Kitchen. Area 405 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Insume-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tex Act, 1957 (37 of 1957).

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

42-106 GI/87

Date: 15-5-1987

#### FORM I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE '4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/676.--Whereas, I. S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Plot No. 118, Block No. N, 300 Sq. Yds. Greater Kailash-I,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this graice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. Tarlochen Singh Anand, S/o S. Natha Singh Anand, R/o E-124, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Nitin Mahajan, o Shri Lalit Mahajan and Master Jatin Mahajan, S/o Shri I alit Mahajan, through their father and natural guardian, R/o 218, Gulmohar Enclave, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in property built on Plot No. 118, Block N. 300 Sq. Yds. Greater Kailash-I, New Deihi.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

(1) S. Tarlochen Singh Anand, S/o S. Natha Singh Anand, R/o E-124, Greater Kailash-II, New Delbi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mahajan Foundation, through its trustees Lalit Mahajan, S/o Shri J. Mitra Mahajan, R/o 1411, Chiranjiv Tower, 43, Nehu Place, New Delhi-19.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq 1/5R-III/9-86/677.--Whereas, I, S. C. GUPTA,

5. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Plot No 118 Block N measuring 300 Sq. Yds. Greater Kailash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule unpayed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective negrous, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd Share in Property built on Plot No. 118, Block N measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/678.—Whereas, 1, S. C. GUPTA,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 118 Block N. 300 Sq. yds. Greater Kailash-I, situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 751 facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cr moneys or other a which have not been or which ought to disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1937).

 S. Tarlochan Singh Anand, S/o S. Natha Singh Anand, R/o E-124, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anila Mahajan, W/o Shi Lalit Mahajan, r/o 218, Gulmohar Enclave, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property not be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in property built on Plot No. 118, Block N area 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Ntw Delhi, the 15th May 1987

Ref No IAC/Acq I/SR 111/9-86/679 —Whereas, I, C GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs 5,00 000/ and bearing No Property No C-189 Greater Kailash I situated at New Delhi

Property No C-189 Greater Kailash I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transletted and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Surjit Kaul, W/o late Sardar Santosh Singh, C-189, Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferoi)

(2) Shri Chandei Sen Jain, 5/0 Shri Mittia Sen Jain, 5/150 jorcater Kailash II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION.—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

1/4th (Undivided) Share of property No C-189, Greater Kailash-I, New Delhi Area 400 Sq yds

S C (JUPFA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date 15th May 1987 Scal

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OP 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

^CQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE +/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Ntw Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/680.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

C-189, Grenter Kailash-I situated at New Delhn (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

 Smt. Surjit Kaur, W/o late Sardar Santosh Singh, C-189, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Rakesh Jain (H.U.F.)
Through its Karta Shri Rakesh Jain,
S/o Shri Chandra Sen Jain,
S-150, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

1/4th undivided share of property No. C-189, Greater Kailash-I, New Delhi. Area 400 Sq. yds.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Ntw Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/9-86/681.--Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Property No. C-189, Greater Kailash-I situated at New Delhi

froporty No. C-189, Greater Randsh-1 stituted at New Delin, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Surjit Kaur, W/o late Sardar Santosh Singh, C-189, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) °mt. Urvashi Jain, w, o Rakesh Jain, r/o S-150, Greater Kailash-II, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property No. C-Kailash-I, New Delhi. (1/4th of 400 Sq. Yds.) C-189, Greater

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15th May 1987

7-3 - 7-----

#### FORM ITNS---

WOLLCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ATT ROAD, NEW DELHI

Ntw Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/682.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Property No. C-189, Greater Kailash-I situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

nt New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo esaid exce do the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Surjit Kaur, W/o late Sardar Santosh Singh, C-189, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rakesh Jain, s/o Shri C. S. Jain, 1/o S-150, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective prisons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property No. C-189, Knilash-I, New Delhi. (1/4th share of 400 sq yds.)

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay. Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-5-1987.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/683,-Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Property No. M-66, measuring 750 Sq. ft. Greater Kailash-I, without at Name Politics.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market vlaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

 Shri Bhushan Kumar Uppal, S/o Late Shri Mulkh Raj Uppal, r/o M-127, Greater Kailash-H, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sunila Chopra, W/o Shri Subhash Chopra, r/o M-127, Greater Kailash-II, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of ground floor of property No. M-66, measuring 750 Sq. ft. Greater Kailash-I, New Delhi.

THE SCHEDULE

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—43—106 GI/87

Date: 15th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III/9-86/684.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible property having a fair market value.

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-66, Greater Kailash-I Market situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the 3. of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons are the said act, to the following persons are the said act. ing persons, namely :

 Shri Bhushan Kumar Uppal S/o Late Shri Mulkh Raj Uppal R/o D-64, Panchsheel Enclave, New Delhi. (Transferor)

(2) Shii Subhash Chopra S/o Shri Dewan Suraj Prakash Chopra, R/o 7A/27, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires iater,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of ground floor of property No. M-66, Greater Kailash-I Market, New Delhi. flat area 750 sq. tt. Plot area 196 sq. Yds.

S. C. GUPŢA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

(1) Shri Sd. Gian Singh, R/o C-66, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Raj Narain Khanna, R/o C-28, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

IAC/Acq-I/SR-III/9-86/685.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C-28, Nizamuddin East situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections of any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by and other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-28 Nizamuddın East, New Delhi. G. F. 1140. F. F. same S. F. 240.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :---

Date: 15-5-87.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/686.—Whereas, 1, S. C. GUPTA,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property Plot No. D-21, Nizamuddin West Market situated at New Delhi Mg. about 278 Sq. Yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as affore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Santosh Dhamija W/o Shri G. L. Dhamija & Smt. Sanyogta Malhotra W/o Shri Kailash Chander Malhotra, both R/o D-21, Nizamuddin West, New Delhi. (Transferor)

 (2) Smt. Tapati Siddiqui W/o
 Shri Shahid Siddiqui, R/o
 2, Nizamuddin West Market, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date c. the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

# THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. D-21, Nizamuddin West, New Delhi, measuring about 278 sq. yds.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-5-1987

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-111/9-86/687.—Whereas, 1, S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-40. Greater Kailash-I situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tensors. consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ved Rattan, Shri Rajiv Rattan & Shri Sanjiv Rattan, 6. Master Plan Road at present R/o 42. Lajpat Kunj, Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Bhatia, Saryashri N. K. Bhatia, P. K. Bhatia, Anil Bhatia & Sunil Bhatia, R/o A-18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever persons are included. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

B-40, Greater Kailash-I, New Delhi,

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I HOUSE, 4/14-A, ASAF NEW DELHI ASAF ALI ROAD, AGGARWAL HOÙSE,

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/9-86/688.—Whereas, I,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Bunglow No. B-101, Greater Kailash-I situated at New Delhi. Mg. 1000 sq. vds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Delhi. Mg. 1000 sq. vds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Sharda Seshadri, R/o 29, Malcha Marg, New Delhi, 2. Shri Ramesh Khanna, R/o

D. Villa, Station Road, Jaipur
3. Mast. Himanshu Khanna, R/o
J-20, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Sareen, R/o B-101, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed Bunglow No. B-101, Greater Kailash-I, Delhi with two garages and two servant quarters built on Plot of land measuring 1000 sq. yds.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House. 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Raghuvansh Kishor Nigam, R/o B-229, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gurvinder Singh Khurana,
2. Shri Davinder Singh Khurana &
3. Mrs. Surjit Khurana, R/o

1./21-A, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-JII/9-86/689.-Whereas, I.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-JII/9-86/089.—wnereas, 1, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing House No. B-229, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1986

New Delhi on September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

House No. B-229, Greater Kuilash-l, New Delhi, measuring 300 sq. yds.

> S. C. GUPTA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House. 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, theterore, in pursuasce of Section 269C or the soil Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-5-1987

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III/9-86/690.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

House bearing No. C-162, Greater Kailash-I situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

 Shri Partap Singh \$/o Sardar Gurmukh Singh, R/o C-162, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Usha Fertilizer Company Ltd., C-114, Greater Kailash-I, New D-lhi through its Director— Shri Uttam Shroff S/o Shri Ram Ratan Shroft R/o S-533, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Single storyed house bearing No. C-162, Greater Kailash-1, New Delhi, measuring 338 Square yards.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4 14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 26 'D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/9-86/691.--Whereas, T, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 160,000/- and bearing Property No. C-208, Mg. 300 Sq. Yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—44—106GI/87

(1) Shri Joginder Kapoor S/o Late Shit Sat Parkash I tpoor, Ryo C-38, Greater Kailash-I, New Delfa

(Transferor)

(2) Smt. Dalpt Knor W/o Shil Jagit Sinch, Shir Pernivir Singh, 5b) Manmohan Singh , d Shri Harvinder Singh S. o andar lagat Singh, R/o. A-23, Amar Colony New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. C-208, measuring 300 sq. yds., Greater Kailash-I, New Dolhi,

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Acquisition Range-I 4 '14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987 Seal:

#### VOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION COMMISSIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/692.—Whereas, 1, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House bearing No. E-30, Greater Kailash-I situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Smt. Prem Kaur Sehgal W/o Late Shri Bal Krishan Singh Sehgal, R/o E-30, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferor)

(2) Arora Farms Private Limited. through its Managing Director-Shri Bansi Lal Arora S/o Late Shri Kishan Chand, R/o 105/27, Saraswati House, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Single storeyed house bearing No. E-30, Greater Kailash-I, New Delhi-measuring 500 Sq. yds.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Aggarwal House
> 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### DOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/693.—Whereas, I. S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing

Property bearing No. 15-62, crected on the Plot admeasuring 556 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi-110048 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—  Smt. Rukmani Devi W/o Shri Trolok Chandra, R/o No. K-7, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Everest Building Products Ltd., at No. 6-7th Floors Ashok Bhawan No. 93, Nehru Place, New Delhi, through its Asstt. Secretary Shri P. N. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. E-62, crected on the plot admeasuring 556 Sq. Yds, situated at Greator Kailash-I, New Delhi-48.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 15-5-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I ∴GGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

IAC / Acq-1/SR-III/9-86 693A.—Whereas, I, S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the (ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Property No. M-42, measuring 510 sq. yds. situated at Greated Kadash-I, New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office) at

New Dolhi in Sentember, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri A P. Saigal S/o Shri R. B. Madho Parshad, R/o M-42 Greated Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. G. Sukheja S/o Shri Chaman Das Sukhejia, R/o 2897, Captain Street, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THF SCHEDULE

First floor of property No. M-42, measuring 510 sq. yds, Greater Kailash-1, New Delhi. Covered area 2250 sq. ft.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. LAC/Acq-1/SR-[[1/9-86/694.—Whereas, J, S. C. GUP1A,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Property No. S-94, Greater Kailash-I situated at New Delhi

Property No. S-94, Greater Kadash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in September, 1986

at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

No. 1/2 share in property No. C-85, NDSE Part-III situated

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sint, Chander Kanta W/o Shri Ashok Kumar, R/o D-64, Panchsheel Enclave, New Deihi.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Bhagat S/o Shri P. L. Bhagat and Smt. Shakuntala Bhagat W/o Shri Santosh Bhagat, R/o L-246, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Capter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

First floor of property No. S-94, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/9-86/695.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100 000/1/2 and bearing No.

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Entire second floor, portion of Property bearing No. \$ 253 area about 201 sq. yds. G.K.I, New Delhi situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 New Delhi in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of vy income or any moneys or other assets which 'av: not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Pankaj Pahwa, son of Shri S. K. Pahwa, resident of No. M-102, Greater Kallash-I, New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) The Indian Hotels Company Ltd.
having its registered office at
Taj Mahal Hotel Appolo Bunder Bombay,
through its constituated attorney Shri Ravi Dubey
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Entire second floor, portion of property bearing No. S-253, area about 201 sq. yds. situated at Greater Kallash-I, New Delhi covered area 1085 sq. ft.

S. C. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No IAC/Acq.I/SR-III/9-86/696.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. W-48, measuring 500 Sq. yds. situated at Greater Kailash-1, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi,

in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any me news or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Lalita Garg w/o Shri S. I. Garg, through attorney Naresh Chander Jam s/o Late Madan Lal Jain r/o N-15, Lajpat Nagar-III New Delhi.

(Transferor)

(2) Manohar Lal Kothari s/o late Sh. M. L. Kothari, Lalit Kothari s/o M. L. Kothari Smt. Punam Kothari w/o Shri Lalit Kothari and Abhay Kothari s'o M. L. Kothari, residents of w-48, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. W-48, measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

> S. C. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 15 5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4 14-A ASAB ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/697.--Whereas, I, S. C. GUPTA.

S. C. GUPIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bunglow No. AC(8), Kalkaji, situated ut New Delhi Measuring 866 sq. vds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registate under the Registra-

has been transferred and has been registare under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi

in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Lachhmi Sahni, Rajinder Singh, Sahni, Surinder Singh Sahni, Smt. Harbens Malik & Smt. Satwant Ahluwalia, wife, sons & d/o Late Shi Surjit Singh Sahni C/o AC (11), Kalkaji, New Delhi.

:Transferor)

(2) Smt. Sneh L. Gulliya W/o Shri Krishna Kumu Gulliya 1/0 475 Chiragh Delhi, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bunglow No. AC (8), Kalkaji, New Delhi, measuring 866 sq. yds.

> S. C. GUPTA. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 15-5-1987

PART ITI-Sec. 1]

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Λcq-I/SR-III/9-86/698.---Whereas, I, S. C. GUPTA,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. C (C)-24, Kalkaji, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Snit. Pushpa Talieja W/o Shri Shri krishan Talreja, Rangoon Studio, Janpath, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Dr. (Miss) Ranjana Tyagi d/o Sh. Baljit Shigh Tyagi R/o C(C)-24, Kalkaji, New Delhi, and Snit. Shanti Tyagi w/o Sh. Baljit Shigh Tyagi R/o C(C) 24, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. C(C) 24, Kalkaji, New Delhi, measuring 867 Sq. yds,

> S. C. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

45-106GI/87

Dated: 15-5-1987

# 5214

#### FORM TINS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Late Sh. R. S. Devi Dayal Chandihok r/o C. 395, Defence Colony, New Delhi.

(1) Sh. Balraj Chandihok S/o

(Transferor)

(2) Sh. Narsingh Dass Angarwal S/o Late Shri Ami Lal Agarwal R/o E-77, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

New Dolhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/699.--Whereas I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Property bearing No. E-77, Kalkaji situated at

New Deilhi Mg. about 300 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Deihi, in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property bearing No. E-77, Kalkaji, New Delhi, measuring about 300 sq. yds.

S. C. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2000. tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/700.-Whereas, I,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

we the 'taid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property bearing No. 111, Block No. 48 (Old) situated at Diplomatic Enclave, New Delhi and bearing New No. 162-F, Malcha Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Sentember 1986

in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwee the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Aux in respect of any income arisins from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

therefore in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Sh. Avtar Singh S/o Sh. Jiwand Singh R/o D-11, N.D.S.E. Part-II, New Delhi duly con-situated General Attorney of Smt. Bimla Jaini, Smt. Krishna Jain Smt. Neena Khanna and Smt. Sarla Rani Saroop.

(Transferor)

(2) Mrs. Repu Daman Bindra d/o Sh. Avtar Singh r/o D-11, NDSE-Part-II New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing No. 111, Block No. 48 Old), D plom t 2 Enclave, New Delhi and bearing New No. 162-F, Millern Marg, New Delhi, measuring 375 Sq. yds.

> S. C. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Paged: 15-5-1987

S. 4 :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-86/701.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing Shop No. M-26,

situated at Greater Kailash, New Delhi, measuring 195 Sq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Stpember 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

 S. Jasbir Singh Gill son of
 S. Sarmukh Singh Gill, (2) Mrs. Piemjit Gill
 S. Jagmohan Singh Gill (HUF) (4) S.
 Sukhmohan Singh Gill (HUF) Through their Atorney S. Jasbir Singh Gill, 2057 Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferor) (2) Sh. Rakesh Verma (2) Sh. Rajan Verma sons of Shii Ram Parkash (3) Mrs. Ritpa Seth w/o Sh. Ajit Seth (4) Mis. Parveen Seth w/o Sh. Yeshpal Seth R/o A-342, Defence Colony, New

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. M 26, Greater Kailash, New Delhi, measuring 195 Sq. yds.

> S. C. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Dated: 15-5-1987

Scn1:

### FORM ITNS----

 Sh S. K. Soni, 2-B, Ekdalia place, Calcutta-19,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh Jogindei Kapui, C-38, Čijeater Kailash, New Delhi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/702.—Whereas, I. S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Property No. C/38, 11 Storcy building situated at

Greater Kailash, New Delhi

Greater Kailash, New Delin (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Stpember 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
No. 1/2 share in property No. C-85, NDSE Part-III situated

at New Delhi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Capter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property No. C '38, 12 Storey Building Greater Kailash. New Delhi.

Area 500 Sq. Yds.

S. C GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asat Alı Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 15 5-1987

Seu1:

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Kartar Singh S/o Sahib Singh C-160, Greater Kailash-I, New Delhi.

(2) M/s Bandhu Builders (P) Ltd. B-12, Kalkaji Extn., New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acg-I/SR-III/9-86/703.—Whereas, I,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269AB of the the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-160, Greater Karlash-I, situated at New Delhi (Single Storey House) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Rs. 1.00,000/- and bearing has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 o) 1908) in the Office of the Registering Officer at

Registering Officer at

New Delhi in Stpember 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wnich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)!

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269O of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C-160, Greater Kailash-I, New Delhi, (Single Storey house).

Aiea: 1620 Sq. ft.

T. K. SAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Dated: 15-5-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq/Range-VI/37EE/9-86/183.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 807, Amba Deep at 14, K.G. Marg

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Stpember 1986 for an apparant consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Salesworth India Pvt. Ltd. 38, Loknayak Bhawan Khan Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Raj Bagaria No. 16/5, Binny Crescent Benson Town, Bangalore-560046.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Flat No. 807, Amba Deep at 14, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.'

> T. K. SAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi-110002

Dated: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref No. IAC (Acq.)/R-I/3766/84.--Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat B-1/3, Block—I of the Group Housing situated at Res. Complex at 9-Raj Narain Road, Civil Lines

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and has een registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in Stpember 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Raghu Raj Bahadur, Sh. Rajesh Bahadur, Smt. Shiela Dhar, Sh. Abhinav Dhar & Sh. Madhav Dhur, 9-Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Rajiv Khanna (HUF), Sanjiv Khanna (HUF), Sh. Davinder Chand Khanna & Smt. Maya Khanna, 19-Rattan Chand Road, The Mall, Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat B-1/3 on the second floor of Block—I of the Group Housing Residential Complex at 9-Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi-110054".

T. K. SAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Dated: 15-5-1987

Scu1:

## FORM I.T.N.S.--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Vpinder Kaur Sethi w/o Surjit Singh Sethi, 100-C, New Rajinder Nagar, New Delhi-11060

(Transferor)

(2) Rajınder Kumar & Rajesh Kumar sons of Sh. Piace Lal, 7-Jawahar Nagar, Moga, Punjab.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Dolhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/VI/37EE/9-86/85.--Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. AH-34. Shahmar Bagh, Delhi situation of No. Delhi city that at No. Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and has been register under the Regis-

has been transferred and has been register under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 x 1957);

Objections, if any, to the arguisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"AH-34, Shalimar Bagh, Delhi".

т. к. ѕлн Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--46-106GI87

Dated: 15-5-1987

Seul:

NOTI('E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NI'W DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No IAC(Acq)R-V1,37EE/9186'86 -- Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re, 1,00,000/- and beaums No

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing No. 195, Tagore Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-fax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-fax Rules, 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sikandar Lal Malık & Smt. Daljıt Malik, A-2/17, Tagor Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Pushpa Devi Karwa and Smt. Shakuntala Karwa, 174, Tagore Park, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"195, There Park, Delhi, "Ground Floor with Garrage 1559 sq. ft. 1st Floor only Servant room 218 Sq. ft. Total 1777 Sq. ft."

T. K. SAH
Acquisition Range-VI
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
New Delhi-110002

Date: 15-5-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DILLHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. 1.AC. (Acq)/R-V1/37EE/9-86/82.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, Asaf Ali Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-Tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules, 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Essel Properties & Industries B-10, Lawrence Roud Indl. Area. New Delhi.

(2) M/s. Ramakem Private Limited, 5th Floor, 231, D. N. Road, Bombay-1.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"500 sft. Space in Basement—'ESSEL HOUSE', 10-Asaf Ali Road, New Delhi".

> T. K. SAH
> Competent Authority
> Acquisition Range-VI
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax New Delhi-110002

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. 1.AC (Acq)/R-VI/37FF/9-86/81.---Whereas, I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac', 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement of the said Act') and the said Act'). movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18, Block BN (Poorvi) Shalimat Bagh,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-Tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Rajesh Gulati, BN-18 (Poorvi) Shalimai Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri P. L. Gulati, Sh. Rajecy Gulati & Smt. Rita Gulati, 96-Tagore Park, Delhi. Sh. Amar Kumar Asiani & Smt. Padma Asiani both R/o H-15, Krishna Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouse in the Official Gazette.

I APPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Property No. 18, Block BN (Poorvi) Shalimar Bagh, Delhi".

> T. K. SAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 15-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.AC (Acq)/R-VJ/37EE/9-86/96.—Whereas, 1, T. K. SAH,

1. K. SAH, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Shop No. Ti-4, 16A/19, W.F.A. karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent

has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income Tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Radhey Shyam, Krishan Kumai, Rajendra Kumar, Partners of M/s. Umasons, 16A/19, W.E.Λ. Karol Bagh, New Delhi-110005,

(Transferor)

(2) 1. Shri Vasdev Shawani, R-535, New Rajinder Nagar, New Delhi.

2. Smt. Padma Rani, R-535, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

"Shop No. G-4 measuring 1072 sq. 1t. 16A/19, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi",

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 15-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kanta Kumari, B1-610, Janakpuri, New Delhi-110058.

(Transferor)

Smt. Tripta W/o Sh. Surinder Chhabra
 Smt. Beena, W/o Sh. Juginder Pal
 Smt. Nalina W/o Sh. Ashok Kumar All R/o 66, Rani Jhansi Road,

New Delhi-55.

(Transferee

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.AC (Acq)/R-VI/37EE/9-86, 94.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No.

E-64, Kirti Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-Tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"House Property at E-64, Kirti Nagar, New Delhi-110015 constructed on land admeasuring 320.85 sq. yds.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 15-5-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, thhe 15th May 1987

Ref. No. 1.AC. (Acq)/R-V1/37EE/9-86/93 - - Whereas, 1,

Ref. No. LAC. (Acq)/R-V1/3/EE/2-80/13-Vinclens, 1, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,000.000/- and bearing No.
Appartment No B-5/2, First floor in Block B-5, 9, Raj Narain Road, Civil Lines, situated at Delhi

situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and

has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-Tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Raghu Raj Bahadur, Sh. Rajesh Bahadur, Smt. Sheila Dhar, Sh. Abhinav Dhar & Sh. Madhav Dhar, 9-Raj Naman Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Decksha Holdings (P) Ltd., having its Regd. Office at Bharat Hotel, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Apartment No. B. 5/2, first floor, in Block B. 5, 9-Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi-110054".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 15-5-1987

HOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) ESSFL properties & Industries B-10, Lawrence Road Indl. Area, New Delhi

(Transferous)

(2) Shii Fateh Pal Singh & Ravinder Pal Singh S/o Shii V. S Chhabra, A-48-A/1, Nanan Vihar, New Delhi.

(Transfere

#### GOVI-RNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4, 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, thhe 15th May 1987

Ref. No. I.AC. (R-V1/37EE 49-86/89.—Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair resident value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No Hat No. 112/1st Floor, 'ESSI I HOUSE', 10, Acaf Ali Road, extracted at No. 12.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), registered with the Competent Authority u's 269 AB of the I F Act 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (110f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Flat No. 112/1st floor/352.92 sft. "ESSFL HOUSE", 10-Asaf Ali Road, New Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi 110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 15-5-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. Acq) /R-VI/37EE/9-86/87.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 123—Tagore Park,

situated at Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fallowed the latest the effect of the effect o

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-47---106GI/87

(1) 1. Om Prakash.

Sanjiv Sapra,
 Sandcep Sapra,
 R/o 197-A, Saket Meerut (U.P.)

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Khanna 2. Sh. Atul Kumar Khanna, 174-Tagore Park. Delhi-110009.

(Transferee)

Objections if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Building at 123-Tagore Park, Delhi-110009".

T. K. SAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 15-5-1987

(1) Essel Properties & Industries
B-10, Lawrence Road Industrial Area,
New Delhi-110035.

(Tian-feror)

(2) M., Gonges Construction Pvt. Itd., Flat No. 213, KAH ASH' 26 Kasturba Gondhi Marg. New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1761)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DEI HI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. 1.AC. (Acq)R-V1 37FF/9-86/83. --Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 111/358.29 sft./1st Floor "ESSEL HOUSE", 10, at New Delhi in Sept. 1 986

Asaf Ali Road, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 Di) (4) of the Income-Tax Rules 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the accessaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

"Flat No. 111/358.29 sft. 1st Floor, ESSEL HOUSE, 10-Asaf All Road, New Dolhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Vt
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-5-1987

Feal:

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMR-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) 'Range-VI/37EE/9-86/167.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 307 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5, in Flat No. 307 in Kirtideep Building at Plot No. 2,3, 4,5, in

situated at New Delbi,

Nagal Rai, New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the l. T. Act. 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962

in Sept 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by many than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transferor) M/s. Bhushan Commercial Enterprises, W-106, Greater Kailash Part-II,

New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 307 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, M. G. 554 sq. ft,

> T. K. SAH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/168.—Whereas, I. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 209, in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi has been transferred and

transfer with the object of :-

ituated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962

in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110, Ansal Bhawan, 16, R. G. Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same uncaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 209 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

> T. K. SAH Competent Authority shall have the same meaning as given in Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely :-

Date: 12-5-1987

#### FORM ITNE

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/169.---Whereas, I. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the the said Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Flat No. 212-A in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4 5 in Nagal Rai, New Delhi

situactd at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered with the registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1982

in Sept 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co Ltd., 1110, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises, W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be sende in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforemid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 212-A in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi. Mg. 554 sq. ft.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/170.— Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5.00.000/- and bearing No. Flat No. 214 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the 1.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as afore-said esceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of : --

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises, Ltd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi

(Transferec)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons the between region of the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day; from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 214 in Kırtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/RangeVI/37EE/9-86/171.— Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improved to the competence of the competence o movable property having a feir market value exceeding exceeding Rs. 500 000/- and bearing No. Flat No. 210 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi situated at New Delhi

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and registered with the Competent Authority u s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-tax Rules 1962

in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M.s. Bhushan Commercial Enterprises, Itd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 210 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi. Mg. 354 sq. ft.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/172.— Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000, - and bearing No.

Flat No. 211 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal Rai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at

Income Tax Rules 1962 at
New Delhi in Sept., 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd. 1110, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) M s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi

(Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat No. 211 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi. Mg 554 sq. ft.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. L.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/173.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 206 in Kirtideep Building at Plot No. 2 3, 4, 5 in Nagal 'Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in Sept., 1986

New Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have feason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per eent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-- 48-106GI/87

all the term of the state of the (1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transfetor) (2) M s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,

W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 206 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-5-1987

#### FORM 1INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/174.— Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No Flat No. 207 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in Sept. 1986

New Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aroresaid property and I have reteson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in nursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M.s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110. Ansal Bhawan, 16, k. G. Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106. Greater Kailash Part-II, New Delbi

( Dansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 207 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi Mg 554 sq. ft

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-5-1987

Sad :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ret. No. I.A.C. (Acq) / Range-VI/37EE/9-86/175.—
Whereas, I. T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
gnovable property, having a fair market value exceeding
to as the 'said Act'), have reason to believe that the imRs. 5,00,000'- and bearing No.
Flat No. 208 in Airtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5
in Nagal Rai, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered with the Competent Authority u/s 269
AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the
Income Tax Rules 1962 at
New Delhi in Sept., 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
Ither per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

 M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. I.td., 1110, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transferor) (2) M s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 208 in Kirtideep Building in Plot F. ? 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI
> Aggarwal House
> 4/14-A, Asaf Aii Road
> New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1987

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/176.—Whereas, I. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 5,00,000 and bearing No. Flat No. 204 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises I.td., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet.e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 204 in Kirtideep Building at Plot Nos. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

> T. K. SAH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 1.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/177.—Whereas, J. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing No. Flat No. 201 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u's 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at

New Delhi in Sept., 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as oforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income\_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transferor) Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: #

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201 in Kintideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nugal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

T, K, SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, AsafAli Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-sand property by the issue of this notice under sub-sectio: (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/178.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No.
Flat No. 202 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been registered with the Computent Authority v. (268)

has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in Sept., 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s, Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110, Ansal Bhawan. 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transferor)

(2)M/s. Bhushan Commercial Emerprises, W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the as resaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202 in Kirtideep Building at Plot No. ,2 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI 4/14-A, AsafAli Road New Delhi

Date: 12-5-1987

The second name of the second second

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI

Agga wal House, 4 14-A, Asat Mr Road, NI V DI HI

New Delhi the 12th May 1987

Ref No. IAC(Acg)/Range VI 37-EF/9-86 179.--Whereas I, T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 203, in Kutideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rei, New Delin.

(and more fully described in the Schedile-annexed hereto) has been transterred and in the Office of the registering Officer at N. Delhy has been registered with the Competent Authority w/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule

48 DD (4) of the Income Tix Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfe, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facililitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-123 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) M/s Ansal Housing Financ & Leasing (o. Ltd. 1110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/4 Bhashan Commental Enterprises Ltd., W 106. G. K. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are alload in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203 in kirtideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai. New Delhi Mg. 554 sq. ft.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-4987

#### PORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

\CQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. IAC(Acq)/Range VI/37-EE/9-86/180.—Whereas, T. K. SAH

as, 1, 1. K. SAII being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-and beaung No.

and beaung No.
Flat No. 212 in Kirtideep Building at plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal Rai, New Delhi

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and in the Office of the registering Officer at New Delhi\* has been registered with the Competent Authority u s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106 G. K. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 212 in Kirtideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI

Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, NEW DELH1

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. 1AC(Acq)/Range VI/37-EE/9-86/181.—Whereas, I. T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the keeome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and gearing Flat No. 205 in kirtideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986

in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 1110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

M s Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106 G. K. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used beren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 205 in kirtideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 eq. ft.

> T. K. SAH Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 49--106GI/87

Date: 12-5-1987

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-(ax act, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI

AGGARWAL HOUSE, 4,'14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delm, the 12th May 1987

Ref No. I.A.C. (Acq.)/Range VI[37]-E/9-86]188.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 500000/- and bearing

No. Space No. 113 in Syndicate House, situate 1 at 3-Old Rohtak Road, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u<sub>1</sub> > 269 A.B. of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any process or other assets which have not been or which outsit to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s S. B. Sales Pvt. Ltd. UB-1, Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Qadır, D-8, Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Space No. 113 in Building Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi having an area of 320 sft.

> T. K. SAH' Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALJ ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 1.A.C. (Acq)/Range-VI|37EE|9-86|197.—Whereas, I, T. K. SAH,

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.), have reason to beneve that the immovable property, having a fair market value exceeds Rs. 5,00,000.— and bearing
No. Space No. 107 in Bldg Syndicate House, 3, Old. Rohtak Road, Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule appreced hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962

in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s S. B. Sales (P) Ltd. UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Baby Uroosa Jabeen doo Shii Obeidur Rehman 203, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 107 measuring 335 sft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, New Delhi."

> T K. SAH Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

(1) Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mis. Arun Kumar Sondhi s/o Shri Puran Chand Sondhi, M-105, Saket, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)|Range-VI|37EE|9-86|195.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,00/- and bearing No. Flat No. 319 at Plot No. 12, District

situated at Centre Janakpuri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u's 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons wi hin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Flat No. 319 at Plot No. 12 District Centre Janakpuri, New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-5-1987

Seal:

\*Strike off where not applicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis Ritu Sondhi d o Sh. Raj Kumar Sondhi, Father and Natural Guardian, M-103, Saket, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI

Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) Range-VI(37EE|9-86/196.—Whereas, J. T. K. SAH,

being the competent authority Under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 318 at Plot No. 12 District Centre situated at Janakpuri, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 in Sept. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

"Flat No. 318 at Plot No. 12 District Centre Janakpuri, New Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-4-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhi.

## (Transferor)

(2) Mr. Anil Kumar Sondhi S/o Shri P. C. Sondhi, M-105, Saket, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)|Range-VI/37EE, 9-86|194.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 309 at Plot No. 12 District Centre Janakpuri, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the autresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 309, at Plot No. 12 District Centre Janakpuri, New Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Vi New Delhi-110002

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)|Range-VI/37EE|9-86|193.—Whereas, I, T. K. SAH, Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Space No. 9 on Fourth floor in "Vishal Tower" in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962

in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the cold Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeguld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Ajay Enterprises Ltd. Eros Cinema Bldg. Jangpura Extn., New Delhi.
- (Transferor) (2) Mr. Rajiv Agarwal, s/o Shri Jaswant Rai C/201, Greater Knilash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Space No. 9 on Fourth floor in "Vishal Tower" approx. area 599 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VI
> New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, NEW DELHJ

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI[37EE]9-86/189.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Space No. 112 of 320 sft. in Syndicate House 3-Old Rohtak Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u s 269 AB of the J.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. S.B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Qadır, D-8, Kalandi Colony, New Delhi.

(Tinnsferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 112 of 320 sft. in Syndicate House 3-Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-4987

F ----

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI Aggarwal House, 4/14-A, Agaf Ali Road, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI[37EE]9-86/187.—Whereas, I. T. K. SAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 144 in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been tegistered with the Competent Authority u's 269 AB of the LT. Act, 1961 and with table 18 OD (4) of the Income Tax Refer 1962. read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been owhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 50---106GI/87

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan 16-K.G. Marg. New Delhi.

(Transferor) (2) Faby Hamza Kadir d/o Shri Abdul Qadir, 203, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 114 on first floor in building Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi having an area of 320 sft."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

## (1) M/s. Ajay Enterprises Ltd., Eros Cinema Bldg., Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Jaswant Rni and Mrs. Raj Rani C/201, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI|37FF|9-86/192.—Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Space No. 8 in Vishal Tower in Plot No. 10, Janakpuri, Distr Centre, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Strember 1986

New Delhi in Stpember 1986

New Delhi in Stpember 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tak under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 191);

## THE SCHEDULE

"Space No. 8 on fourth floor in plot No. 10, approx. area 599 sq. ft. in 'VISHAL TOWER' in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26% or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons, namely :--

Date: 12-5-1987

Scal:

# NOJICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No IAC. (Acq)/RangeVI/37EE/9-86/190 — Whereas, I, T K SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 5,00,000/ and bearing No

Plat No 212 in Syndicate House situated at 3-Old Rohlak Read, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the competent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as adoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more thin lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s S B Sales Pvt Ltd, UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Maig, New Delhi (Transferor)
- (2) Baby Hatsa Rashid, d/o Sh Abdul Rishid, D-8, Kalındı Colony, New Delhi (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in 11the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Fariance The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Hat No 212 measuring 485 sft in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road Delhi

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

D to : 12-5-1987 Seal :

#### - "~ nar - p. p. - <del>- \_ \_ \_ \_ \_ \_</del> \_ FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELH!

New Delhi, the 12th May 1987

Rcf No. I.A.C. (Acq)/Range-V1/37EE/9-85/191.—Whereas, 1, T. K. SAH,

Whereas, 1, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding txceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Space No. 7 on Fourth floor in Vishal Tower situated at in Plot No. 10, Janakpuri, Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred and has been registered with the com-

has been transferred and has been registered with the competent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in

Sept 1986 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ajay Enterprises Ltd, Eros Cinema Bldg. Jangpura Extn, New Delhl.

(Transferor)

(2) Miss Sarika Agaiwal d/o Mr. Jaswant Rei C/201, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 7 on Fourth floor in "Vishal Tower" approx. area 372 swt. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ret No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EF/9-86/185.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Hat No. 818 in 14, Kasturba Gandhi Marg situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the competent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ace or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. Suresh Virmani, Mrs. Necna Virmani C/o M/s. Virmani Associates E-1, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Renu Gupta R/o B-7 J xtn., 117-A, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

"50% share of flat No. 818 measuring 535 sq. ft. in 14, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi,

> T K SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi 110002

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VL AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No 1 A C. (Acq)/Range V1/37DE/9-86/186.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 818 in 14, K. G. Marg, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the competent Authority u's 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986

of an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Suresh Virmani Mis. Neena Virmani C, o M/s. Virmanni Associates, E-1, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Natesh Cupta R / o B-7 Extr / 117-A, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

120% share of flat No. 818 measuring 535 sq. ft. in 14, Kasturba Gandar Marg, New Delbi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 12-5-1987

## FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No 1 A C (Acq)/Range VI/37-1 E/9-86/142—Whereas, I, T. K. SAII, being the Competent Authority under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvement of the competency o movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Space No. 25 on 3rd floor Vishal Tower, Plot No. 10, Janakpuri, Distt Centre situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and has been registered with the competent Authority u. s. 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Lix Rules 1962 in

Sept 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any incom- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd. Eros Cinema Bldg. Jangpura Extn. New Delhi-14. (Transferor)

(2) Master Aditya Malhotra's/o Sh. Rakesh Malhotia, 3-C/25, Lajpit Nagai, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have thesame meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 25 on 3rd floor in Vishai Tower, Plot No. 10, Janakpuri, New Delhi Distt. Centre Mg. 186 sq. ft.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 1/5 notice under subsection (1) of Section 269D of the sam. Act, to the following persons namely :-

Date · 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Rcf. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37-EE/9-86/143.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 9 on 5th floor in Vishal Fower, Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the com-petent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the percentage of the percentage of Teachers. parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ajay Enterprises Ltd. Eros Cinema Bldg., Jangpura Extn. New Delhi-14.

(Transferor)

(2) M/s. Cords India Pvt, 111 C/25, Lajpat Nagar, Hnd floor, New Delhi-24 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Space No. 9 mm 5th floor in Vishal Tower Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

> T. K. SAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Deihi-110002

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, AGGARWAL HOUSI 4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI 37EE/9-86/144—Whereas, I. T. K. SAII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a 1 iir market value exceeding exceeding Rs 1,00,000 - and bearing No. Space No 7 on 5th floor in Vishal Tower, Plot No. 10, lanakpuit, District Centre New Delhi land more fully described in the Schedule appeared hereto.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto' has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the L.T. Act, 1961 read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in the Office of the Registring Office.

at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from thetransfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-51-106GI/87

(1) M/s Ajay Enterprises Itd., Fros Cinema Bldg, Janepura Extn, New Delhi 14.

(Transferor)

(2) M/8 Cords India Pvt. Itd., 111C/25, Lajput Nagar, Hnd Floor, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions used herein as an expressions used herein as an edited in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 7 on 5th floor in Vishal Tower Plot No. 10, Janakpuri, District Centre, New Delhi.

> T K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI. New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) / Range-VI/37EE/9-86/145.— Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Space No. 8 in Vishal Tower in plot No. 10, Janakpuri Distt.

Centre, New Delhi

cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the com-petent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more, than of such apparent consideration and that the considera-tion for such transfer as agreed to beween he paries has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely, :---

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd., Fros Cinema Bldg., Jangpura Extn., New Delhi-14

(Transferor)

(2) M/s Cords India Pvt. Ltd., 111C/25, Lajpat Nagar, Hnd Floor, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 8 on 5th floor in Vishal Tower, Approx. area 559 sq. ft. in plot No. 10, Janagpuri, New Delhi District Centre.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI. New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AGGARWAL HOUSE 4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EF/9-86/146.---

Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have resented to the state of the said Act.)

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 10 in Vishal Tower in Plot No. 10, Janakpuri, District Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and has been registered with the competent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, rend with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in at New Delhi in September, 1986 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd., Eros Cinema Bldg Jangpura Extn., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) M s Cords India Pvt Ltd., 111C/25, Lappat Nagar, Hnd Hoor, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 10 on 5th floor in "Vishal Tower", Mg. 342 Sq. ft. in Plot No. 10, lanakpuri District Centre. New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acq. Range-VI. ## .10 002

Date: 12-5-1987

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AGGARWAL HOUSE 4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/37EF/9-86.119.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1 00,000, - and bearing No. Flat No. 410/4th Floor Essel House 10, Asaf Ali Road,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the l. T. Act, 1961 read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in the Office of the Registring Officer

at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue, of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M, s Essel Properties & Industries. B-10, Lawrence Road Indl. Area, New Delhi-110 035.

(Transferon)

(2) M/s Aar Vee Traders, Inside Gandhi Gate, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servee of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hot No. 410/4th Floor/331.38 sft. 'Essel House 10, Asaf Ali Road, New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

Scal:

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4, 14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/37EE/9-86/120.—Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00.000/- and bearing No. Hat No 409 4th floor 'Essel House' 10, Asaf Ali Road, New Delhi (hand more fully described in the Scheduled appeared bereto).

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I T. Act, 1961 read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in the Office of the Registering Officer

Office of the Registering Officer at New Delhi in September. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Fssel Properties & Industries, B-10, Lawrence Road Indl. Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sanitary Improvement & Tiles Mft. Co., Inside Gandhi Gate, Amritsai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 409/4th floor/331.14 sft. 'Essel House' 10, Asaf Ali Road, New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/37EE/9-86/111.—
Whereas, I, T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Flat No. 202 of 734 sft. in "Savitri Sadan-II" Plot No. 15,
Preet Vihar Community Centre Delhi situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and has been registered with the
Competent Authority U/s 269AB of the I.T. Act 1961 read
with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962
at New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market vlaue of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Savitri Properties Pvt. Ltd., G-5/92, Nehru Place, New Delhi-110 019.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanta Gupta, W/o Late Shri B. D. Gupta, 198, Madhuban, I. P. Extn., Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforexaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 202 of 734 sft. Super Covered-Area in "Savitri Sadan-II", Plot No. 15. Preet Vihar Community Centre, Delhi."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI.
New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-VI. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acg)/R-VI/37FF/9-86/112,—Whereas, I, T, K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 203 in 'Savitri Sadan-Il', Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in Scptember, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Iudian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Savitti Properties Pvt. Ltd., G-5/92, Nehru Place, New Delhi-110 019.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanta Gupta, W/o Late Shri B. D. Gupta, 198, Madhuban, I. P. Extra, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustia.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 203 of 400 sft. Super Covered Area in "Savitri Sadan-II", Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi,

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-VI/37EE/9-86|117.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Space No. 12 in 'VISHAL TOWER' in Plot No. 10, Janakpuri, Distt. Centre, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Ajay Enterprises Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-110014.

(Transferor,

 M/s. Ayinash Tandon s/o Shii A. N. Tandon, 31-A, C. Y. Chintamani Road, Darbhanga Colony, Allahabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 12 on second floor in "VISHAL TOWER" approx. area 608 sq. it. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ass. 1' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-VI/37EE|9-86/118.--

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-VI/37EE|9-86/118.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Space No. 9 in Vishal Tower in Plot No. 10, situated at Janakpuri Distf. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

market value of the arcticated property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration are the parties has tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inline proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

52—106GI/87 (1) M/s. Ajay Enterprises Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-110014.

(Transferor)

 Mr. Avinash Tandon s/o Shri A. N. Tandon, 31-A. C. Y. Chintamani Road, Daibhanga Colony, Allahabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 9 on Ground floor in "VISHAL TOWER" approx. area 332 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi,

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit.on Range-VI, New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

Sçal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Saket Properties Pvt Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mi. V. K. Raheja s/o Late Shri Hati Chand Raheja, Prop. of M/s. ABC Agencies, 290, Aravali Apartment's Alaknanda, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq) / R-VI / 37FE / 9-86 / 115 — Whereas, Ι, Τ. Κ. SAII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 812 at Plot No. 12 District Centre, Janakpuri, New Delhi ituated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtn-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the naid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Flat No. 812 at Plot No. 12. District Centre, Janakpuri, New Delbi-110058.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V1. New Delhi-11000?

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. 1 A C (Acq) | R-VI/37EF, 9-86, 116.—
Whereas, I, T K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 5,00,000/- and bearing No

Shop No (1-26, at plot No. 12, situate d at District Centie, Janakpuii, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered with the Competent Authority 11/2 269 AB of the I T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income atising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Saket Properties Pvt Ltd D-345 Defence Colony New Delhi

(Transferor)

(2) Mr. V. K. Raheja s o Late Sh i Hair Chaid Raheja. Prop M s ABC Agencies, 290. Arayah Apartments, Alanknanda, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by tany of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No G-26, at Plot No 12, District Centre, Janakpun, New Delhi

> T K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date + 12 5-1987

Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. ((Acq.)/Range-VI/37EE/9-86/107,—Whereas, I. T. K. SAH, oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immusable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 310 at Plot 12 District Centre Janakpuri situated at New Delhi

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (I) M/s Saket Properties Pvt. Ltd., D-345, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Indeep Maini, D/o Shii T. S. Maini, Mrs. Anit Maini, W/o Shri T. S. Maini, S-192, Greater Kailash-II, New Delhi. Overseas Address: P.O. Box 21969, Kuwait.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 310 at Plot No. 12, District Centre Janukpuri, New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12th May 1987

#### TANNAMIN'NY MARKAMBANTAN'N' NY TANÀNA NANTAN'NY NANTAN'N' NANTAN'N' NANTAN'N' NANTAN'N' NANTAN'N' NANTAN'N' NA FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37EE/9-86/108.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 218 at Plot No. 12 District Centre, Janakpuri situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Fax Rules 1962 in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Saket Properties Pvt. Ltd., D-345, Defence Colony, New Delhi.

The state of the s

(Transferor)

(2) Miss Harmonica Maini, D o Shu 'f. S. Maini, Mr. Tulochan Singh Maini, S/o Mehtab Singh Maini, I ocal Address: S-192, Greater Kadash-II, New Delhi. Overseas Address: P.O. Box No. 21969, Kuwait. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

LAPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 218 at Plot 12, District Centre Janakpuri, N. Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-VI New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DEIHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI 37EE/9-86/110.—Whereus, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act;), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the lithinovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

A-75, Derawala Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the 1. T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the oarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) Inder Singh Arora, S/o Shii Ganesh Dass Arota, R/o A-75, Derawal Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Parkash Arneja, S/o Shri Ramji Dass, R/o A-6074, East Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. A-75, Derawal Nagar, Delhi mg. 289 sq. yds. of first floor comprising Mazanni Floor.

> T. K. SAII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4, 14 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No I.A.C. (Acq.) Range-VI/37FE/9-86/109.— Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersible property begins a four months. movable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No A-75, Derawala Nagar, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986

for an arparent consideration which is less than the fai market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Inder Singh Arona, S/o Shri Ganesh Dass Aroia, R/O, A-75, Dei iwal Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Arnoja, w/o Shri Ramji Dass, R/o A-6074, 1 ast Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the real immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. A-75, Derawal Nagar, Delhi, Measuring 289 sq yds of ground floor only

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-VI New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

Scal:

TO DEFENDE THE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd., 110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## (2) M/s Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A C. (Acq.)/Range-VI/37EE/9-86/165.-Whereas, I, T. K. SAH,

whereas, 1, 1. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 310 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal Rai situated (and more fully described in the Schedule appears).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-

sons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 310 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

> T. K. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Data: 12th May 1987 Seal:

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37-EE/9-86/163.--Whereas, I, T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1967 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
-Flat No. 312, 12 Kirtubeen Bldg. at Plot No. 2, 3, 4, 5, of

Flat No. 312 12 Kirtideep Bldg, at Plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal, Rai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1961 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(1) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd., 110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Bhushan Commercial I-nterprises Ltd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cusht to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 312 in Kirtideep Bldg. at Plot No. 2, 3, 4, 5 a Nagal Rai, New Delhi.

> T. K. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---53-106GI/87

Date: 12th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI RÓAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37EF/9-86/162.— Whereas, I, T. K. SAH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 311 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4 and 5 in Nagal Rsi

in Nagal Rai

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act. 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1961 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth Lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s Ansal Housing & Finance & Leasing Co. 110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.
- (Transferor) (2) M/s Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106, Greater Knilash Part-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 311 in Kirtideep Building at Flat No. 2, 3, 4 and 5 in Nagal Rai, New Delhi.

> T. K. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI37-EE/9-86/164.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 309 in Kirtideep Bldg. at Plot No. 2, 3, 4and 5 at

Nagal Rai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act. 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1961 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the stability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd., 110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(2) M/s Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 309 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4 and 5 at Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

> т. к. ѕнан Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110 002

Date: 12th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., 110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd., W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37-EE/9-86/166.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 308 in Kirtideen Building at plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at New Delhi in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the Jan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 308 in Kirtideep Building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-5-1987

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## B-37/109, Janakpuri, New Delhi.

(1) Mrs. Krishna Gupta C/o Meera & Company Ltd. G. T. Road, Ludhiana. (Transferor)

(2) Mr.Bharat Bhushan Batra,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range V1/37EE/9-86/113.— Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Plot No. 4. Category 'K. Ildvog Nagar situated at

Industrial Plot No. 4, Category 'K' Udyog Nagar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at New Delhi

Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Industrial Plot No. 4, Category 'K' Udyog Nagar, Delhi, admeasuring 618 sq. yds."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

Scal:

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 1 A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/114.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

16 BN (Poorvi) Shalimar Bagh Residential Scheme, situated

at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1261 in the Office of the Competent Authority at Delhi in

Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes feer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Fatch Singh Goel 1223/83, Shanti Nagar Tri Nagar, Delhi. (Transferor)

(2) Bimla Rani, Anita Gupta, Saroj Gupta, Promula Gupta, Sarla Gupta, All R/o. C-2/125, Ashok Vihar, Phase-II,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"16 BN (Poorvi) Shalimar Bagh Residential Scheme, Delhi."

T. K 5AH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Nadir Obaid s/o Sh. Obaidur Rehman, 203, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX®

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th 'May 1987

Ref. No. 1.A.C. (Acq)/Range VI/9-86/121.—Whereas, I T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing Flat No. 105 in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, situat-

ed at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Delbi in

Sept. 1986

Sept. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Flat No. 105 measuring 335 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi.'

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

Scal:

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. J.A C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/125.—Whereas, J. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 214 in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority

in Sept 1986

in Sept 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer madior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Abdul Rashid, 1/0 Sh. Abdul Wajid, Wajid House, Prince Road, Moradabad (U.P.). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lyplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 214 measuring 320 sft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi.'

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/127.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the through a property having a feir market value exceeding movable property having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 110 of 335 sft. in Syndicate House 2-Old Rohtak Road, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority in

Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 54-106GI/87

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Chow. Noor Alam, Mouchi Gali Rasadpura, Moradabad (U.P.).

(Transferce)

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 110 of 335 sft. in Syndicate House, 2-Old Rohtak Road, Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EF/9-86/126—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No 215 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been tegistered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority in Sept 1986

rol an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tran fer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  M/s S B Sales Pvt Ltd, UB-1, Ansal Bhawan,
 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

-----

(Transferor)

(2) Sh. Abdul Rashid, s. o. Sh. Abdul Wajid, Wajid House, Prince Road, Moradabad (U.P.). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 215 measuring 320 sft. in Syndicate House, 3-Old Robtak Road, Delhi."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V1
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. tunnely:—

Date : 12-5-1987

## FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/124.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable translation believe that the immovable translation is a first reason to believe that the immovable translation is a first reason to be second to be property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 lat No. 104 in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to. believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. S B. Sales Pvt Ltd UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) Master Abdullah Obaid 5, o 5h Dhaidur Rehman, 203, Kusal Bazar, Nehru Place, New Delht.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter

## THE SCHEDULE

"Flat No. 104 measuring 335 slt. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi

> T. K SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date + 12 5-1987 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

 Baby Mehjabeen D/o Shri Obaidur Rehman, 203, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq. Range V1/37EE/9-86/123.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a f ir market value

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a f ir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 103 in Syndicate House 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Compatent Authority u.s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103 measuring 335 sq. ft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road. Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12th May 1987

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq. Range-VI/9-86/122.—Whereas, I, T. K. SAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 121 of 320 sq. ft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak

Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Compatent Authority u s 269AB of the I.T. Act, 1961 road with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen rer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M's. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sarfaraz Alam S/o Shri Noor Alam, 203, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 121 of 320 sq. ft, in Syndicate House, 3-Old Rolitak Road, Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date: 12th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Obaid-ur-Rehman S/o Shri Abdul Wajid, Wajid House, Prince Road, Moradabad (U.P.).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Rei No. IAC Acq. Range-VI/37EE/9-86/129 —Whereas, I, T. K. \$AH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102 in Syndicate House,

3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Compatent Authority u s 269AB of the L.f. Act, 1961 lead with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102 measuring 335 sft., in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi.

> T. K SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said & J., to the follow ing persons. namely :--

Date: 12th May 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAI HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DEIHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No IAC Acq Range-VI/37EL/9-86/130—Whereas, I, T K SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 and bearing No Flat No 101 in Syndicate House

3, Old Roht's Road, Delhi (and more fully described in th

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Compatent Authority u s 269AB of the IT Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 941 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afores aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons namely:—

(1) M/s S B Sales Pvt Ltd, UB-1, Ansal Bhawan, 16, k G Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Obaid-ui Rehman S/o Shri Abdul Wajid, Wajid House, Prince Road, Moradabad (UP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) By any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 101 measuring 335 sft in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi

T K SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
New Delhi-110002

Date 12th May 1987 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq. Range-VI/37EE/9-86/128.—Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No [11 in Syndicate House, 2011] Old Bother, Read Delbi.

3, Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act ,1961 read with tule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Show. Noor Alam, Mouchi Gali Rasadpura, Moradabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Space No. 111 of 335 sft. in Syndicate House 3 Old Rohtak Road Delhi.

> T K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12th May 1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq Range-VI/37EF/9-86/131,-Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 216 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herto)

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u. s. 269AB of the I.T. Act., 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or 'he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:--55-106GI/87

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K/G. Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Baby Suboohi Rashid D/o Shri Abdul Rashid, C-31, Housing Society, N D S.E -I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a retiod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. 316 measuring 320 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi.'

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI. New Delhi-110002

Date: 12th May 1987

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Baby Shomaila Rashid D'o Shri Abdul Rashid, C-31, Housing Society, N.D.S.E.-I, New Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq.Range-V1/37FF/9-86/133.—Whereas, I, Т. К. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 216-A in Syndicate House, 3. Old Rohtak Road, Delhi

5294

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act ,1961 read with tule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. 216-A measuring 320 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12th May 1987

#### FORM I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq. Range-VI/37EE/9-86/134.--Whereas, I,

Ref. No. IAC Acq. Range-VI/37EE/9-86/134.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 115 in Syndicate House,

3, Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Aut, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (t) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Baby Fauzia Kadır D/o Shri Abdul Qadir C-31, Housing Society, N.D.S.E.-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULF

"Space No. 115 of 320 sft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date: 12th May 1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/135.— Whereas, I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing No. Flat No. 106 in Syndicate House 3-Old Robtak Road,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

Baby Robina Jabeen
 O Sh. Obaidur Rehman,
 C-31, Housing Society, NDSE-I,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. 106 measuring 335 sft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.

(2) Baby Najia Kadir D/o Sh. Abdul Qadir, C-31, Housing Society, NDSE-I, New Delhi. ( Fransferor)

(Transfered

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/132.— Т. К. **S**ÁĤ,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 116 of 485 sft in Syndicate House, 3-Old Rohtak Deed.

Road.

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269

AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the p

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Space No. 116 of 485 sft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-5-1987

Scal:

# FORM I.T.N,S,—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/147.—

Ref. No. 1.AC. (Acq)/Range-V1/3/EE/9-86/147.—Whereas, I,
T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 301 A in Syndicate House, 3, Old Robtak Road

Flat No. 301 A in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

New Delhi.

(Transferor, (2) UP Town Trading & Investments Ltd. 504/32-33, Kusal Bazar, Nehru Place,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and exprossions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

"Flat No. 310 A in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi Measuring 335 sft.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 1.AC. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/154.--Whereas, I,

T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 306 of 335 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak

Road.

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason in believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unhifer with the object of !-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the toresaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Dolhi.
- (Fransferor) (2) M/s. UP Town Trading & Investments I td., 504, 32-33, Kusal Bazar. New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Space No. 306 of 335 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

# FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.

(fransferor) (2) M/s. UP Town Trading & Investments Ltd., 504, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ATT ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.AC. (Acq) / Range-VI/37EE/9-86/151.---Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 203, Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

has been registered with the Competent Authority u/s 269

has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Space No. 203 of 335 sft. in Syndicate House, 3-Ol Rohtak Road, Delhi."

T. K. SA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-V New Delhi-11000

Date: 12-5-1987

#### FORMS ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VL AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DFI HI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 4.AC (Acq) /Range-VI/37FF/9-86/150,--Whereas, I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immov-Rs 1,00,000/- and bearing
M/s. S. B Sales Pvt. 1 td., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K G.
Marg, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and

has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said astrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Tocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the followo petrons, namely --

-106GI/87

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.
- (Transferor) (2) M/v UP Town frading & Investments Ltd., 504, 32-33, Kusal Bazar, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

# THE SCHEDULE

"Space No. 303 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhii".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor) 12) M/s. UP Town Trading & Investments. Ltd., 504, 32-33, Kusal Bhawan,

Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/149.-Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 302 A, Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range-V New Delhi-11000

T K. SAF

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period e 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gastette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein us are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meshing as given her Chapter.

# THE SCHEDULE

"Space No. 302 A of 335 sft. in Syndicate House, 3, Ok Rohtak Road, Delhi".

Date: 12-5-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.

The state of the s

(Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading & Investments Ltd., 504, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place, New Dolhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/161.— Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovand the said Act, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 208 in Syndicate House, 3, Old Robiak Read, situated at New Delhi

(ar i more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-tax Rules 1961 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of wny income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improved property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Space No. 208 on Second floor of 335 sft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-5-1987

#### FORM L.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/148.— Whereas, I, T K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 302 of 335 sft, in Syndicate House, 3. Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. S B. Sales Private Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504, 32-33, Kusał Bazar, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the dat. of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Space No. 302 of 335 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 1.A.C.(Acq)/Range-Vl/37EE/9-86/157.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 316 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent

has been transferred and registered with the Competent Authority u s 269 AB of the LT. Act, 1961 read with rule

Authority u s 269 AB of the I.I. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962

New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. S. B. Sales Private Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi
- (Transferor) (2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504, 32-33, Kusal Bazar, Nehru Place New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 316 measuring 335 sft. in Syndicate House, 3. Old Rohtak Road, New Delln.

> T. K. SAH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-5-1987

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/159.— Whereas, I. T. K. SAH,

heing the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No. 308 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u's 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair being the Competent Authority under Section 269B of than fifteen per cent of such apparent consideration and said exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as acreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between believe that the fair market value of the property as afore-the parties has not been truly stated in the said instrument the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- ,b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the numbers of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. S. B. Sales Private Ltd., UB-1, Afisal Bhawan, 16, K. G. Marg. New Delhi.
- (Transferor) (2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504, 32-33, Kusai Bazar, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 308 measuring 335 aft. in Syndicate House, 3. Old Rohtak Road, Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-5-1987

Seal -:

#### FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SPCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. S. B. Sales Private Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504/32 33, Kusal Bazar, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, AŞAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/158.-Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 315 in Syndicate House, 3 Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u, < 269 AB of the I T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Belhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth t Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the sold property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 315 measuring 335 sft. in Syndicate House, 3, Old Robtak Road, Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road New Delh:

Date: 12-5-1987

Scal:

# FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/156.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a few market value was the able property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No. 316-A in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 .27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. S. B. Sales Private Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg. New Delhi.

(Transferor) (2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504 32-33, Kusal Bazar, Nehru Place. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from. the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 316-A measuring 320 aft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi,

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq) Range-VI/37EE/9-86/155 — Whiteas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoving able properly having a fair market value exceeding Rs. 12.0,000, and bearing

Space No. 305 in Syndicate House, 3, Old Robiak Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been transferred and registered with the Competent Authority u. s. 269 AB of the 1 T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
57—106GI/87 (1) M/s. S. B. Sales Private Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor) (2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504, 32-33, Kusal Bazar, Nehru Place. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 305 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi,

> T K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Alı Road New Delhi

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSF 4/14-A, ASAF AU ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 1.A C.(Acq), Range-VI/37EE/9-86/160.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the un movable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 303-A in Syndicate house, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authorny u. x 269 AB of the I. T. Act. 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any meane or any moneys o, other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1937).

 M/s, S. B. Sales Private Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504, 32-33, Kusal Bazar, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 303-A 335 sft, in Syndicate House, 3, Old Robtak Road, Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Aggarwal House
4/14-A, Asat Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) / Range-VI/37EE/9-86/136.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103 at No. 8, Janak Puri Project situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the 1. T. Act, 1961 read with rule 48 PD (4) of the Income Tax Rules 1962

in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Malti Jain W/o Sh. Anand Kumar Jain, 31, Rajendra Park, Pusa Road. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103 at No. 8, Janak Puri Project, New Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Rond New Delhi

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/138.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competant Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

flat No. 101 at No. 8, Janak Puri Project situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept., 1986 48 DD (4) of the income lax Rules 1962 in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lietent L l da istor Acquisition Aggı 4/14-A, Asa

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, ounder subsection (1) of Section 269D of the said Act. We the following persons, namely ;--

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anand Kumar Jain & Sons (HUF) Dcepak Kumar Jain & (HUF) 31, Rajendra Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 114 at No. 8, Janak Puri Project

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Requisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd, 115, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Pain W/o Late Shri B. K. Jain, Pusa Road, 31, Rajendra Park, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/139.—Whereas, I, T. K. SAH,

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 114 at No. 8, Janak Puri Project musted at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the LT Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the firm rearket value of the aforesaid property and I have reason to

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the IT Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: .... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

# THE SCHEDULE

Flat No. 114 at No. 8 Janak Puri Project New Delhi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. K SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Requisition Range-IV
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the utoresaid property by the issue of this notice under sail section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .—

Date 12-5-1987 Scal :

# FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sarita Jain W/o Shri Deepak Kumar Jain Pusa Road, 31, Rajendra Park, New Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/141.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 106, at No. 8, Janak Puri Project situated at New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this grates under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 106 at No. 8, Janak Puri Project, New Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Requisition Range-VI
New Delhi-110002

Date: 12-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rajinder Kumar Jain S/o Late Shri J. M. Dass Jain, 31, Rajendra Paik, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 1AC(Acq)/Ronge-VI/37FE/9-86/140.— Wherens, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing

Flat No. 110 at No. 8, Janak Puri Project
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 110, at No. 8, Janak Puri Project, New Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Requisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 12-5-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DILLIII

New Delhi, the 12th May 1987

Rei. No. IAC(Acq)/Range-V/37EE/9-86/137.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, at No. 8, Janak Puri Project situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income alising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan,
 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Siddharth Jain S/o Anand Kumar Jain, Sudhamini Jain D/o Sh. Deepak Kumar Jain, 31, Rajendra Park, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Flat No. 102 at No. 8. Janak Puri Project, New Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Requisition Range-VI
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1987

Scal:

# (1) Mrs. Tahmina Punwari D/o Syed Akhtar Imam W/o Mr. Viki am Punwari, 5 Mall Avenue, Lucknow.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTIO169D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 19 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT INDIA OFFICE OF THE INSPENG ASSISTANT

ACQUISITIONANGE BORING CAN/ROAD PATNA-801 BTHAL

COMMISSIONER OF COME-TAX

Patna-800 001, the 1 May 1987

(2) M/s Ali Nagar Co-operative Housing Construction Society Ltd., Anisabad, P.S. Phulwari, Dist. Patna.

(Transferee)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. III-1427/Acq/87-88.-hereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority or Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 15 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasto believe that the immovable property having a fair ket value exceeding Rs. 1,00,000/- and beg Khata No. 57, 109 and 364, Plot. 796 (P) 78/796 (P), 78(P), 1527 (P), 1824 (P), 182), Survey Thana No. 14 and 16 situated at Paharpur, Dhak, P.S. Gardanibagh, Anisabad. Paina Anisabad, Patna,

(and more fully described in thehedule annexed hereo) has been transferred under the stration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of t Registering Officer at Patna on 5-9-1986,

for an apparent consideration w is less than the fair market value of the aforesaid proy and I have reason to believe that the fair market value he property as aforesaid exceeds the apparent considerationerefor by more than fifteen per cent of such apparent sideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persens within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wihin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction vasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income ag from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmef any income or any moneys or other assets h have not been or which ought to be discloby the transferee for the purposes of the Indiacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saict, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land measuring 62 katha, 14 dhur and 4 dhurki situated at Vill-Paharpur, Dhirachak, P.S. Gardanibagh, Anisabad, Patna and morefully described in deed No. 6266 dated 5-9-1986 and registered with the D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of ion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings he acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-5-1987.